

tio 47] नई बिल्ली, शनिवार, नवम्बर 24, 1984 (अग्रहायण 3, 1906) No. 47] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 24, 1984 (AGRAHAYANA 3, 1906)

इस भाग में भिक्न पूब्ट संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के का में रखा जा सके (Beparate paging is given to this Part is order that it may be filed as a separate complication)

## माय Ш—वष्य 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरोक्षक, संव लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

सँघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 25 जुलाई 1984

सं० ए०-32014/1/84-प्रशासन-III--संघ लोक सेवा श्रायोग में के० स० से० सवर्ग के निम्निलखित श्रनुभाग श्रिष्ठकारियों को राष्ट्रपित द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट श्रवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशो तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय मे डेम्क श्रधिकारी का कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:---

<b>邓</b> o	नाम	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<b>प्रव</b> धि	
सं०				
	सर्वश्री			·····

1. जीत राम (ग्र० जा०) 13-7-84 में ∙6-9-84 तक

2. एन० एम० एल० भटनागर -वही-

राम ग्रवतार -वही मुदेश कृमार -वही-

5. यशपाल डवास 18-7-84 मे 18-8-84 तक

उपर्युक्त प्रधिकारो कामिक और प्रशासनिक मुधार विभाग के का० जा० मं० 12/1/74-मी० एस० (1) दिनाक 11 --33 6G1/84 (28031)

दिसम्बर, 1975 की मतों के मनुसार १० 75/- प्र० मा० क दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

दिनांक 16 भ्रगस्त, 1984

सं ० ए०-32014/3/83-प्रशासन-III--संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित सहायकों का राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्विष्ट अवधि के लिए अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए सहर्ष नियुक्त किया जाता है:--

-		
ऋ० सं०	नाम	प्रवधि
40		
	सर्वश्री	
1.	क्षी० <b>पी</b> ० कपल	9-8-1983 से ऋागामी
		श्रादेणों तक
2.	भ्रार० के० गौड	1-8-1983 से 31-10-
		83 तक तथा 1-11-
		1983 से श्रागामी
		श्रादेशों तक

एम० पी० जैन, ऋकरसचित्र (प्रणा०), संघ लोक सेवा ध्रायो नई दिल्ली-110011, दिनाक 19 अस्तूबर 1984

सं० ए०-32013/1/82-प्रणासन-II—इस कार्यालय की समसंख्यक प्राधिमुचना दिनांक 18 प्रप्रैल, 1984 के प्रनुक्रम में ग्रध्यक्ष, संघ लोक सेवा प्रायोग, एतद्द्वारा स्थाई प्रनुसन्धान सहायक (हिन्दी) श्रोमती सुधा भार्गय को 8-10-1984 मे 7-4-1985 तक प्रथवा प्रागामी ग्रादेशों तक, जो भ पहले ही, छः मास की प्रग्रेतर ग्रवधि के लिए संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय में विष्ठ प्रनुसन्धान प्रधिकारी (हिन्दी) के पद पर स्थानापन्न रूप मे प्रतिनिय्कित पर तदर्थ ग्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

- श्रोमती भागव को उपर्युक्त श्रविध की तदर्थ नियुक्ति श्रायोग के श्रनुमोदन के श्रध्यश्रीन है।
- 3. बरिष्ट ग्रनुसन्धान ग्रधिकारी (हिन्दी) की तदर्थ नियुक्ति के दौरान श्रीमती सुधा भागंव का वेतन समय-समय पर यथा संशोधित मंत्रालय (व्यय विभाग) के का० जा० मं० एफ०-1/(II)—ई०-III(बी०)/75 दिनांक 7 नवम्बर 1975 के उपबन्धों के शर्तों के ग्रनुसार विनियमित होगा।
- 4. श्रीमती सुधा भागंव की वरिष्ठ ग्रन्सन्धान ग्रिधका (हिन्दी) के पद पर की गई नियुक्ति पूर्णत. तदर्थ ग्रौर ग्रस्थाई ग्राधार पर है और इससे उनको इस ग्रेड में विलयन ग्रथवा चरिष्टक्षा का कोई हक नहीं मिलेगा।

विजय भल्ला, श्रनुभाग **श्र**धिकारी, **कृते श्र**ध्यक्ष, सघ लोक सेवा श्रायोग

# गृह मंत्रालय म**हा**निदेशालय

# केन्द्रीय घौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 25 अक्तूबर 1984 सं ई ०-32015 (3)/18/84-धामिक-I--राष्ट्रपति, श्री एस० के० ताह. को प्रोप्तति पर, के० औ० सु० व० यूनिट, कोचीन णिपयार्ड लिमिटेड, कोचीन का, 11 सितम्बर, 1984 के अपराह्म से 26-9-1984 तक या ऐसी अवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक जो भी पहले ही अस्थाई तथा पूर्णतया तदर्थ आधार पर उप कमांडेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ई०-32015/(4)/165/84-कामिक-I--राष्ट्र-पित, श्री द्यार० एन० शर्मा को प्रोग्नित पर 26 सितम्बर, 1984 के श्रपराह्न में के० श्री० सु० ब० यूनिट टाण्डा वर्मेल पावर प्रोजेक्ट, विद्युत नगर में पूर्णतया तदर्थ द्याधार और अस्थाई रूप से 6 मास की श्रवधि के लिए या ऐसी श्रवधि में नियुक्ति किए जाने तक, जो भी पहले हो, सहायक कमां डेंट के रूप में नियुक्त करते हैं।

 पूर्वाक्ष से 6 मास की धर्वाध के लिए या ऐसी ध्रवधि में नियमित नियुवितया होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तबर्थ धौर घ्रस्पाई घ्राधार पर के० घ्रौ० मु० ब० यूनिट, बी० सी० सी० एल०, झरिया में सहायक कमांडेंट के रूप में नियक्त करने हैं।

# दिनांक 26 ग्रन्तुबर 1984

सं० ई०-32015/(3)/14/84-कामिक-I--राष्ट्र-पति, श्री ग्रार० एम० उपाध्याय को, 17 सितम्बर, 1984 के प्रपराह्म में 26 सितम्बर, 1984 तक की ग्रवधि के लिए या ऐसी ग्रवधि में नियमित नियुक्तियां होने तक, जो भी पहले हो, पूर्णतया तबर्थ ग्रौर ग्रस्थाई ग्राधार पर प्रथम रिजर्ब, श्रदालियन, के० ग्रौ० सु० ब०, बरवाहा में कमाईट के रूप में नियुक्त करते हैं।

> (ह०)अपठनी महानिदेशक, के० ग्रौ० सु० व०

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षक विभाग महालेखाकार का कार्यालय, सिक्किम गंगनोक, दिनोक 26 प्रक्तूबर 1984

सं० प्रशा० (ए० यू०) /पी० एफ/ए० श्रो०/एम० डी० पी०/ 798--- कुमारी मैया देवी प्रधान, सहायक लेखा परीक्षा श्रधि- कारी जो कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षासिक कम में कार्यरत हैं, की पदोक्षति कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा परीक्षा), सिक्किम, गगतोक में स्थानापन्न लेखा परीक्षा श्रधिकारों के रूप में दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1984 (पूर्वाह्म) से की जाती है।

ष्रजय कुमार देव, महालेखाकार

महालेखाकार का कार्यलय (लेखा) I, उत्तर प्रदेश, इल।बाद इलाहाबाद, दिनाँक 25 सितम्बर 1984

सं 0 प्रशासन I/11-144 - अधिसूचना/1898-निम्नलिखित लेखा अधिकारी सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 31-8-1984 अपराहन में सेवा निवृत्त हो गये हैं। श्री जे० एम० एल० सक्सेना,अस्थाई लेखा अधिकारी कार्यालय महालेखाकार - प्रथम (लेखा) उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ।

राजी**व ग**र्मा उपमहालेखाकार (प्रणासन)

रक्षा मंत्रालय त्राईंनैन्स फैक्टरी बोर्ड डी० जी० ग्रो० एफ० मुख्यालय कलकत्ता-69, दिनांक 20 ग्रक्तूबर 1984

स० 21/84/ए०/ई०-1(एन० जी०)---महासिदेशक, ग्रार्डेनैन्स फैक्टिरियां, श्री तुलसी दास दत्ता, स्थामापन्न सहायक को स्थानापन्न सहायक स्टाफ प्रफसर के पद पर वर्तमान रिक्ति मे वॉरष्ठता पर बिना प्रभावी दिनांक 28 सितम्बर, 1984 से श्रागामी आदेश होने तक पदोन्नति करते हैं।

उपरोक्त पदोक्षति में माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय में दाखिल की गई याचिका के परिणामस्वरूप पालन किया जाएगा ।

वे सहायक स्टाफ ग्रफसर के पद पर उच्चतर कार्यभार - दिनांक 28 सितम्बर, 1984 से ग्रहण किए।

> डो० ग्रार० ग्रय्यर, डो० डो० जो०/कार्मिक, कृते महानिदेशक ग्राईनैन्सफैक्टिरियां

# कलकत्ता, दिनांक 29 ग्रम्तूबर, 1984

सं० 48/जी०/84—राष्ट्रपति महोदय, श्री नटराजकर स्टेनोग्राफर 'ए'(डी० जी० श्रो० एफ०/श्रध्यक्ष, श्रा० नि० बार्ड के पी० एस०) को दिनांक 23 जून, 1984 से 3 वर्षों की श्रवधि के लिए स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति पर रु० 1100—50—1600/— के वेतनमान में उप—िनदेशक के पद पर नियुक्त करने हैं।

वी० के० महसा। निदेशक (स्थापना)

वाणिज्य मंद्रालय
मुख्य नियंत्रक
श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय
नई दिल्लो, दिनांक 16 श्रक्तूबर 1984
श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 1/4/82-प्रणासन (राज०)/8451--राष्ट्रपति, सिंचाई मंत्रालय के श्री कृष्ण चन्द्र गुप्त, हिन्दी अनुवादक ग्रेड-1 को 29 सितम्बर, 1984 अपराह्म से हिन्दी अधिकारी का पद नियमित आधार पर भरा जाने तक मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में तदर्थ आधार पर हिन्दी अधिकारी नियुक्त करते हैं।

### दिनांक 26 प्रक्तूबर, 1984

सं० 6/1472/84-प्रणासन (राजं०)/8397--सयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, ग्रहमदाबाद मे नियंत्रक, श्रायात-निर्यात श्री कन्थाराम सेवा निवृत्त की श्राय प्राप्त कर लेने पर 31 दिसम्बर, 1983 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> एम० एस० जयन्ती उप-मुख्य नियंत्रक, भायात एवं नियंति, कृते मुख्य नियंत्रक, भायात एवं नियंति

विकास भायुक्त (हस्तिशित्प) कार्यान्य नई दिल्ली-110066, दिनांक 23 अन्तुबर 1984

सं० 36/1/83-प्रणासन-1--राष्ट्रपति, विकास श्रायुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय के निम्नोक्त वर्ग 'क' श्रिधिकारियों को, प्रत्येक के नाम के सामने दर्शाए गए पद पर तथा दिनांक से स्थाई कि से नियुक्त करने हैं :--

<u>क्रमांक</u>	ग्रधिकारो का नाम	पद जिस पर स्थाई किया गया है	जिस तारोख से स्थाई किया गया
	 सर्वश्ची	·—————————————————————————————————————	<u></u>
1.	गांति स्वरूप शर्मा	सहायक विकास श्रिधिकारी (ऊन)	7-2-1983
<b>2</b> .	मुकेश चन्द	लागत लेखा ग्रधिकारी	6-11-1982
3.	एम० भट्टाचार्य	सहायक निदेशक (वस्त्र)	4-2-1982
<b></b>		विकास प्रायुव	भिरोमणि शर्मा, त (हस्तिशिल्प)

### उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यावय नई दिल्ली, दिनाक 29 श्रक्तुबर 1984

सं० 12(227)/61-प्रणासन (राज०)--राष्ट्रपति, लच्चु उद्योग सेवा संस्थान हुबली के उप निवेशक, श्री धार० के० बोस (चमडा एवं पादुका) को उनकी सेवा-निवृत्ति को धायु पूरी हो जाने पर विनांक 30 जून, 1984 (ग्रपराह्न) से सरकारी सेवा में निवृत्त होने को धनुमित देने हैं।

# दिनांक 30 भ्रक्तूबर, 1984

स० ए०-19018 (125)/74-प्रणासन (राज०) खण्ड-II---राष्ट्रपति, विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली के निदेशक, ग्रेड-1 श्रो प्रजीत कुमार बसाक (इलेक्ट्रानिक्स) की, दिनाक 8 मई, 1984 (पूर्वाह्न) से प्रगले प्रादेशों तक, उसी कार्यालय में ग्रीद्योगिक मलाहकार के रूप में नियुक्त करने हैं।

सं० ए०-19018(479)/80-प्रणासन (राज०)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर के सहायक निदेशक,
ग्रेड-11, श्री पी० सी० भवसार (एफ० पो०) को, दिनांक 4
जुलाई, 1984 से श्रगले श्रादेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान
ग्रहमदावाद के श्रधीन लघु उद्योग शाखा संस्थान, सिलवासा
में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (एफ० पी०) के पद पर बदर्थ
ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(695)/83-प्रशासन (राज०)-इलेक्ट्रानिक्स विभाग, नई दिल्ली में उप निदेशक के रूप में
बापस चले जाने के कारण, श्री जगदीण लाल ने, दिनांक
8 श्रक्तुबर, 1984 (पूर्वह्न) से विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग)
का कार्यालय, नई दिल्ली के उप निदेशक (सामान्य प्रशासन
प्रभाग) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ग्स० के० पुरकायस्य, उप निदेशक (प्रशासन)

### स्थास्थ्य सेवा महानिदेशालय

# नई दिल्ली, दिनांक 27 श्रम्तूबर 1984

सं० ए०-38013/3/84-प्रशासन-1-सेवा-निवृत्ति की प्रायु के हो जाने पर निम्नलिखित प्रनुभाग प्रधिकारियों का उनके नाम के सामने दी गई तारीख से सरकारी-सेवा से निवृत्त हो गए हैं:--

الله العرب بين العرب وي مرين وي العرب وي من أو ويم الي العرب وي من العرب وي من العرب وي من العرب وي العرب وي ا		
नाम	— सेवानिवृत्ति की तारोख	
सर्वश्री		
1. एल० पी० नैथानी	31-5-1984 (भ्रपराह्न)	
2. एच० मी० वर्मा	31-8-1984 (भ्रपराह्न)	
3. के० के० गंगाहर	31~8~1984 (भ्रपराह्न)	
4. श्रार० डी० शर्मा	30-9-1984 (श्रपराङ्ग)	

पी० एन० ठाकुर उप निदेशक (प्रशासन), (सी० एण्डबी०)

## नई विरुली, दिनांक 29 ग्रक्तूबर, 1984

सं० ए०~19018/13/83-के० स० स्वा० यो०~1~-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) विजय मिश्रा को 20 सितम्बर, 1984 पूर्वोह्न में केन्द्रीय सरकार स्वाथ्य योजना, इलाहाबाद में ग्रायुर्वेदिक काय-चिकित्सक के पद पर अस्थाई ग्राधार पर निय्वत किया है।

> टी० एस० राव, उप निदेशक (प्रणासन), (के० स० स्वा० यो०-)

### नई दिल्ली, दिलांक 14 सितम्बर 1984

सं० 6-30/84-डी० सी०--डा० (कुमारी) बन्दिता सरेगी, जिन्हे इस निदेशालय के दिनांक 6 जुलाई, 1981 की प्रिक्षसूचना सं० ए०-12025/2/77-डी० सी० के तहत् केन्द्रीय ग्रौषिध प्रयोगणाला कलकत्ता में सह-जैव रसायनज्ञ (बायोकीमिस्ट) के पद पर नियुक्त किया गया था, का 12 मई, 1984 की डा० एस० के० दास के साथ विवाह ही जाने पर उन्हें डा० (कुमारी) बन्दिता सरेंगी के स्थान पर प्रमना कुल नाम बदल कर डा० (श्रीमती) बन्दिता दास करने की अनुमित दी जाती है।

एस० एस० गठोस्कर, श्रौषधि नियंत्रक (भारत)

# विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्ये मंत्रालय (कम्पनी कार्ये विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

# कम्पनी के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर

कन्टेनर्स एण्ड क्लोजर्स लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में

# कलकत्ता, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1984

सं एल०/5098/एच०-डी०/2068—कम्पनी अधि-नियम, 1956 की धारा 445 की उप धारा 2 के अनुसरण मे एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता ने दिनांक 6 फरवरी, 1984 के आदेशा— नुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्चन्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकी समापक नियुक्त किया है।

> महेश्यर प्रसाद, कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर दी मद्रास फूड प्रोडक्ट्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय मे

मद्रास, दिनांक 26 धक्तूबर 1984

स० 1461/560(5)/84—कम्पनी घ्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के ध्रनुसरण में एतद्क्षारा यह सूचना दी जाती है कि दी मद्रास फूड प्रोडक्ट्स कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

# कम्पनी अग्नितिष्यस, 1.956 स्नौर सङ्गास इन्जीनियारिंग एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास दिनां 26 श्रक्टूबर 1984

सं० 1484/560/84—कम्पनी श्रिश्वनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मद्रास इन्जीनियरिंग एजेंसीज प्राइवेट लिमिटेंड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर पाणिडयण फार्म्स प्राइवेट ् लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 26 श्रवट्बर 1984

सै० 2008/560/84—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पाणिंडयण फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर पालघाट कोयम्बतूर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 26 श्रक्तूबर 1984

मं० -2200/560/84—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा मूचना दी जाती है कि पालघाट कोयम्बतूर सविस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी भ्रधिनियम 1956 भौर युनाइटेड इण्डस्ट्रीज (पुदुक्कोट्टे) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 26 अक्टूबर 1984

सं० 3110/560/84—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के भ्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि युनांडटैंड इस्डस्ट्रीज (पुदुक्कोट्टे) प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विभटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 भ्रौर श्रयमा कंसल्रेट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 26 अक्तूबर 1984

सं० 7214/560/84—कम्पनी ग्रिधिनियम. 1956 की की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एसद्द्वारा सूचना दी जाती है कि अगमा कंसलटैंट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटि हो गई है।

वी० ए० विजयन मेनन, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाडु

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर माईन वाक् श्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 30 श्रक्तूबर 1984

सं० 22082/560(3)—कस्पनी ग्राधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचनादी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर माईन बाक प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रोर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

एच० बनर्जी, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, पश्चिम क्षंगाल प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1984 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई/44—अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० आफिस है, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1983

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृज्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वष्य से उच्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- ह) जन्तरण से हुई किसी जाय की वागत, उक्त जिथितियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के जिए; जोर/या
- ह) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः भन, उक्त निधिनियम की धारा 269-ग के जन्मतम की भारा 269-ग के जन्मतम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म

 मैसर्स बाबूखान, कम्स्ट्रक्शन्स, 5-9-58/1-15, बसिरवाग, हैवराबाव।

(अन्तरक)

 श्री लचमनदास महतानी ग्रीर श्री मोहनलाल लाबानी, ऑफिस स्पेस, नं० 303, बाबूखान, इस्टेंट, 5-9-59/1-15, बसीरबाग, हैदराबाद । (अन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी, आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्तों का, जो उक्त जभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं जर्थ होगा, जो उस जध्याय में दिया प्रया है।

#### नगसंची

कार्यालय नं० 303, बाबूखान, इंस्टेट, तीहरा मंजिला, एम० नं० 5-9-58/115, बसीरबाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 3184 ची० फुट, रजिस्ट्रोक्टल विलेख नं० 364/83, रजिस्ट्रोकर्ला अधिकारी आई० ए० सी०, अर्जन रेंज, हैवराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराजाद

विनांक 17-9-1984

प्ररूप नाहाँ, टौ., धृन., एस<u>..</u>-----

जायकर गाँभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 सितबर, 1984 निदेश सं० आई० ए०सी०/एक्यू०/37ईई/45—-अत:, मुझे, एम० जेंगन मोहन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भीर जिसकी संव गैरियज है, जो हीमा यतनगर,हैदराबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आईव एव सीव, एक्वि, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर 83

काँ पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रितिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिचित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (वा) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भीरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;
- कतः भव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हम्म

- मैं सर्स तीक्मला, कन्स्ट्रमणनस को० 3-6-20, होमायतनगर, हैदराबाद-29।
   (न्तरक)
- श्रोमता के० सत्यवता रावपित के० अप्पाराव, बापटला, गंटूर, जिला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख). इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याम में दिया गया है।

## अपृतुची

मोटौ, गैरियज, भ्रौर स्कूटर, गैरियज, वैस्टर्मग्राउन्ड, फ्लोर, 3-6-20, हीमायत नगर, हैदराबाद विस्तीर्ण 268 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 369/83, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, आई० ए० सी०, अर्जन रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकाफुरी महायक आयक्ररकायुक्त (निरीक्षण)

विमांक 17-9-1984 मोहर:

# बस्य बाह् वी ्यून एस ,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज ,हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/एनयू०/37ईई/46-अतः, मुझे; एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी गरियज, 35 है, जो । बाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची, में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्वि०, हैवराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तुबर 83

को पूर्वोक्त सम्मन्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथम्पूर्वोक्त सम्मन्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कींशत नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी या किसी भन या अन्य आहितयाँ करो जिस्हें भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा किया जाना चाहिए थाँ, कियानो में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की उपधारा (१) हे अधीन, निस्नितिक्ति करिक्तयों, अर्थातः :---

2. मैंससं तोस्मला, कण्स्ट्रक्शन कं०, 3-6-20, हीमायननगर, हैदराज्ञाद-29।

(अन्तरक)

2. श्री मंजीर सिह, 6-1-69, सङफाझाद, बिहाइंड, (रिवन्द्र भारतों), हैदरावाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 विन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (व) इस स्वाग के राज्यत में प्रकासन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्धि में हितबव्ध किती जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्पाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकने।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम, के अध्याद 20-क में परिभाष्टित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रमुख की

स्कूटर गैरियज, नं० 35, वेस्टर्न ग्राउन्ड क्लोर, क्लीथ एरिया, 103 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 370/83 रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी आई० ए०सी० अर्जन रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 17-9-1984 मोहर:

# **१वन् वार्'्डी, एक्, एस**्स्टर्ट्टरन्टरन

मायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिवांक, 17 सितंबर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी० /एक्सि०/37ईई/47-अतः, मुझे, एम० जागन मोहन,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पर्लंट है तथा जो बंजारा हील्स, हैदरबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप मे, विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधकारी के कार्यालय आईए० सी एक्बी, हैदराबाद में जस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर 83

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिवों के बीच ऐसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेषम से उक्त अंतरण लिखित में बास्टिनिक रूप से कामत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरुष् वे हुए कियी नाम की बावत, उसस् अवित्तित्व के वधीन कर योगे के अन्तरक से बादित्य में कभी करने ना अवते वचने में सुदिधा में [नए; नडि/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सिमों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त+अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :— 2—336 GI/84  मैसर्स फेर विव अपार्टमेन्ट्स, 4-1-877, तिलक रोड, हैदरावाय।

(अन्तरक)

डॉ० मोहम्मद अफ्जल अली,
 घर नं० 6-2-1/2, लकरा कापुल,
 ,हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के हिसए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्तम्बन्धी अमिक्समों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ज्यक्तियों में से किसी स्पक्ति ब्वारा;
- (ब) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भ्या है।

# मन्स्ची

फ्लैट, रोड, नं० 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, तोसरी, मंजिल विस्ते र्ण 1120, ची० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 371/83, रिजस्ट्रीकृती अधिकारी आई० ए० सं० अर्जन रेज, हैदराबाद।

> एस० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 17-9-1984

# प्ररूप बाह्र . टी., एन., एसं. =====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व '1) है अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक अध्यक्तर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदगाबाद, दिगक 17 सितम्बर 1984

निरेण साउ आई० ए० सी०/एक्यू०/37ईई/48~~अतः मुझे एम० जगन मोहन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अभिन अधिम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुक्त से अधिक ही

स्रीर जिसका स० फरेंट है, तथा जो वजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (स्रीर इनमें उनाबद्ध, अनुसूर्वः में स्रीर जो पूर्ण रूप में विज्ञात है) रिजस्ट्राकर्वा अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० एक्वि॰ हैदराबाद में रिजस्ट्रा रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिना । 1/0/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल में ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अतर्रितया) के बीए एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफाल, निम्हिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति में वास्तियिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृविभा के लिए;

अत. उब. उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उपत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थास् :--  मैससं फैर विव अपार्टभेन्टस, 4-1-877 तिलक रोड, हैदराबाध।

(भन्तरक)

 श्रीमती अस्तर महबूब, 16-8-244/1, मलकपेट, हैदराबाद।

(अम्तरिती)

,**5**\*\*

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाष्ट्रियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदाहा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें अयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो एक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिधादित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एका हैं।

### नगत्त्वी

प्लैट, दूसरा मंजला, एम० नं० 8-2-541, रोख नं० 7, बजारा हिल्म्, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1120 चौ० फुट, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 372/83, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी आई० ए० सी० रेज, (अक्विजेशन), हैदराबाद।

एस० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रेज, हैक्साबाद ।

तारोख: 17-9-1984,

# प्ररूप बाइ<sup>\*</sup>. टी. व्र. एस., :-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

### भारत सहकार

# कार्याज्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैंबराक्षाद हैंबराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1984 निदेश सं० आर० ए०सी०/आई० ए० सी०/अक्वि०/37-ईई/ 49:---यत: मुझें, एम० जगन मोहन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० फ्लैट है, जो बंजारा हिल्स् हैदराबाद मे स्थित है (गौर इससे उपाबद अनुसूची में गौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सी० अक्वि०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10/83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाय। गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्स में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः जब उपस अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैससं फेंर विव अपार्टमेंटम्, 4-1-877 सिलक रोड हैदराबाद ।

(अन्तः एक )

(2) श्रो अन्वरुख्ताखान 3-6-27/4 बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तर्रितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🜤

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा लिसित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मम्ब्र्या

प्लैट, प्रथम तलो एम० नं० 8 · 2 – 5 · 1 ; रोड गं 7 ; बंजाण हिल्स हैदराबाद विस्तीण 1120 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विशेख नं० 373/83 , रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारो आई० ए० सी० अस्विजेशन रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन राक्षम अधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निर्देक्षण), अर्जन रेज, हेदराबाद ।

तारीख: 17-9-1984.

भू<del>रूपः बरड्रौः टी. एस. एस.</del> हरू - = -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन तुचना

### भारत सरकार

# काशीलय, सहायक भायकर भावक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश स० आर० ए० सो०/आई०ए०सो०/अक्वि०/37-ईई/ 50:--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० फ्लैट है, जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबक अनुसूचो में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रो-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, आई० ए० सी०, अविक० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10/83

को पूर्वितत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मिलिखत उद्धेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बनाइण चे हुइ किसी बाग की बाबत, उक्त जीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बादित्व में कनी करने या छससे वचने में सुविभा के सिए; बॉद√वा
- (था) एसी किसी आग या किसी धन या जन्म जास्तियों सहें, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विका भी दिवा;

नतः नम, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के नधीन, निम्निनियत स्थितमों , अर्थात् क्

(1) मैसर्स फेर विव अवार्टमेंटस् 877, तिलक रोड, हैदराबाद।

(अन्मरक)

(2) श्री ताहर हुशन अन्सारी,
 10-4-35/2,
 हुमायू नंगर,
 हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से .45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवव्य किसी वन्य व्यक्ति द्वारा, वशेहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: —-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वम्सूची

फ्लैट दूसरा मंजिला एम० न० 8-2-541 रोड न० 7 बजारा हिल्स हैदराबाद विस्तार्ण 1120 चौ० फुट रिजस्ट्राकृत विलेख नं० 374/83 रिजस्ट्रीकृती अधिकारी आई० ए० मी० अक्विजेशन रेंज हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17/9-1984.

प्ररूप भाइ . टी . एना. एस . ------

जासकर अभि<u>नि</u>यम, 1961 (1961 कां 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

# भारत सरकार /

कार्यालय, सह्ययक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद विनाक 17 सितम्बर 1984

निदेश स० आर० ए० सी०/आई०'ए० सी०/अनिव०/37-ईई/ 51:--यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यार करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट है जो बंजारा हिल्स हैदराबाद में स्थित है(भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण क्ला के बॉणित हैं) रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आईक ए० सा० अविद्यव, हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्र(करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10/83

को प्रवेक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर गृहों यह निजयस किरने का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल सो, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्विध्य से उक्त अन्तरण , लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उनत विभिन्निय के जभीन कर दोने के अन्तरक के दिया के कभी करने या उत्तर क्षिने में गृध्विभा के लिए:
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिमें को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा २७०८ नहीं दिया गरा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिया से शिए;

भत अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भा, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अभित् क्ष्म (1) मैं भर्स फोर निय, अपार्टमेंटस,
 4-1-877,
 तिलक रोड,
 हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) डा० श्रामित शाहाना ताज, एम० अली, पित श्रा मोहमद अली अफजल, केअरआफ, डा० शकील, पो० श्रो० बी० नं० 41387, अब्बाइपया, कुबैत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यकारिक सरहा हो।

उक्त संपास के अजन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्त्व

फ्लैट 8-2-541, बंजारा हास्स, रोड, नं० 7, हैदराबाद विस्तार्ण 19 चौ ० फुट, रिजिस्ट्रांतात विलेख नं० 375/3, रिजिस्ट्रांकार्त अधिकारा आई० ए० मी० अंजैन रेज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनों : 17-9-81

मोहरः

प्रारुप काइ. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 मितम्बर 1984

निदेश सं० श्रार०ए० सी० श्राई०ए० सीं०/एविव०/37ईई/ 52---श्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट है तथा जो बंजारा हिल्स, हैदराबाद में स्थित है) श्रौर इससे उपायद्व अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी, एक्षिय० हैदराबाद में रिजस्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10/83

को प्वीक्त संप्रति का उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यभान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिकल से एसे दश्यभान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से अध्यक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिश्वित उद्विश्य से उक्त अन्तरण सिश्चत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाक्तिय में किसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा भी सिए;

अतः विश्वः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसर्व भी, भी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिंखत व्यक्तियों, अधीत् :---- मैसर्स फेर विश्व अपार्टमेन्द्स,
 4-1-877, तिसक रोड, हैवराबाद

(मन्तरक)

श्री घौऊस मोहम्मद खान
 3-6-27/4, बसीरबाग, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृथींक्स सम्मरित के वर्षन के सिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ घर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करी बारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनी।

# न्गवृत्ती

पसैट प्रथम तस एम० नं $\circ$ , 8-2-541, रोड, नं $\circ$  7, बेंगमपेट हैंदराबाद, विस्तीर्ण 1120 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं $\circ$  376/83, रजिस्ट्रीकृती प्रधिकारी भ्राई $\circ$  ए० सी० भ्रजेन रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

विनांक 17-9-1984 मोहर ।

# प्ररूप आर्ड .टी .एन .एस . ------

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं आर ए० सी० /आई० ए० सी०/एक्पि०/37ईई/ 53—अत: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर स्विधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्त प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाणार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० पलैट है जो महफोर्ट, सिकंदराबाद में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भ्राई० ए० सी० एक्वि०, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उत्तक दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, मिम्नीलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण निलिक्त में वास्तविक म्प से किथान नहीं किया गया हैं:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के तिए; और/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--  मैसर्स इनोवेशन बिल्डर्स, 211, मुझ्फॉर्ट सिकंदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती संध्याकुमार रामनगर, रोड, पीकेट, सिकन्दराबाद।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पर्श के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 202 बी, मडफोर्ट, श्रपार्टमेस्टस, सिकदराबाद विस्तीर्ण 980 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 377/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्राई० ए० सी० एक्वि०, रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद ।

दिनाक: 17-10-1984

मोष्ठर :

अरूप वार्ड .टी. एन एस. -----

**मायक १ अधिनियम , 1**961 (1961 का 42) **की भारा** 269-श (1) के वार्यान गराभ

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षण)

श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 17 मितम्बर, 1984

निदेश स० ग्रार० ए० मी० ग्राई० ए० मी०/एविय०/37ईई/ 54—-श्रनः मुझे, एम० जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गण हैं), के भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिए गाजार मृत्य 25,000/-रूठ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० श्राफि० है जो वसीरनाग, हैदराबाद में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रौर जो पर्ण रूप से यणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय शर्क ए० मी० एक्वि० हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण सिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीत दिनाक 10/83

को पूर्जोक्स सम्पत्ति को उचित पाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं के एक एक राष्ट्र कि प्रथापुकोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसक दश्यमान पानकत से असे अन्तरक अन्तरक अतिहास पानकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अत्तरिती (अर्हारितिया) के बीच एक राष्ट्र के लिए का प्रवास की स्थाप की से किया प्रतिकात से अधिक उद्योग्य से उन्तर अंतरण लिखित से श्रास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:----

- (क) जेतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उसस बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर जिन्ही भारतीय शास हर अितिया, १०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम १०५७ (२००७ को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती हरा प्रकार जिल्ली किया गरा १०० एवं सिवा के सिए;

कतः अब उक्त अधिनियम का धारा २६९-ग क अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-भ को उपधारा (1) भे अधीन,, निम्नलिखित स्पक्तियों अधीत :---  मैसस बाब्खान कम्प्ट्रकणनस, 5-9-58/1-15, बनीरबाग, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सच्चीदानन्द जैन , 21-1-222, रीका बगुज, भ्रपोजिट, हायकोटे हैदराबाद ।

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के कर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पति हो अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविधि, जो भी ाविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिवत्या में से किसी स्थिक्त स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्यापा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वहीं अर्थ द्वीमा जो उस अध्याय में दिया गया **है**।

# वर्ष्यी

कार्यालय न० 904, 9 वा मजिला, बाब्खान इस्टेट, बसीरवाग, हैदराबाद, विस्तीण 1022 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 379/83, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी प्राई० ए० मी०, प्रजंन रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनाक 17-9-2984 मोहर: प्ररूप् आइं.टी.एन्.एस. - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 17 सितम्बर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बि०/37ईई/55—श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय है जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० एक्वि०, हैदराबाद में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 10/83

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुभे यह पिन्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण-के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती में बास्तिक रूप में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किती जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को द्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; वॉर/या
- (क) एडं कि ते कार्या श्री धन रा अस्त आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्धारा शकट नहीं किया गया था या बिया जाना चाहिए था स्थिपाने में सजिया के निए;

 मैंसर्स बाब्खान कल्स्ट्रमणनस, 5-9-58/1/-15, वसीरवाग, हैदराबाद

(अन्तरक)

 मैंसर्स भागंवर्शी चिट फंड प्रा० लि० बाई० श्री ए० कृष्णा मूर्ति, प्लॉट नं० 195, महीन्द्रा हिल्म, इस्टेट, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के जर्जन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वार्काय :----

- (क) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूच्या की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध्या में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। उक्ल अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, थो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

कार्यालय नं ० 107, 108, 109,110 भीर 111 रजिस्ट्री-फ्रुत विलेख नं ० 380/83, रजिस्ट्रीकर्ती भ्रधिकारी भाई० ए० सी॰, भ्रर्जन रेंज, हैवराबाद, विस्तीर्ग 2435.9 चौ० फुट, बाबुखान इस्टेट, असीरबाग, हैदराबाद।

> एग० जगत मोहन राक्षम प्राधिकारो सहायक आयक्ष आयुक्त (निर क्षण) स्रार्वन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक 17-9-84 मोहर: प्ररूप. आर्थ. टी. एन. एस्. - = - -

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैनराबाद

देदराबद, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश स० श्राई० ए० सी'०/एक्वि०/37ईई/56—श्रत: मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषवास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी म० फ्लैट हैं जो बगमपेट, हैवरायाद में स्थित है भीर इससे उपावड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है ) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० हैदराबाद मं रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक 10/83

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हूं कि यभाप्त्रोंक्त सपित्ति का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण देखाया गया प्रतिफल निम्नलिचित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण देखाया नया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने की अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए, और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों तर, लिस्ट्रें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उपत अधिनियम, या तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सितिशा के लिए;

अत अब, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निश्निटिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- ग मैंसर्स मान कन्स्ट्रक्शन्स, प्रा० लि० ए-102, सत्या ग्रपार्टमेन्ट्स, भासाब टैन्क, हैवराबाद ।

(म्रन्तरक)

 श्रीमती विजयालक्ष्मी कानी पति श्री व्ही० एस० मनी, प्रलाट न० 72, 'चादना,' रोड, न० 9, जुबिली हील्स, कालोनी, हैदराबाद-500 034 । (ध्रन्तरिती)

को अह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामीत से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हुँ।

### जन्स्यी

फ्लैंट न० 16, तीक्षरा मंजिला, शारोन, ग्रपार्टमेन्ट्स, हैदराबाद, विस्तीर्ग 1140 घी० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 386/83, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्राई० ए० सी०, एक्वि०, रदराबाद ।

> एम० जगन मोहन पक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, हैदराबाद ।

दिनांक 17-9-1984 मोहर: प्रक्रम वाहरे. ट्री. एन., पुस्तु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यां लय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 मितम्बर 1984

निवेश स० आई० ए० सा०/एक्यो०/37ईई/57---अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनायम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृष्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० गैरियज है, जो दांमलगूडा, हैदराबाद में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय आई० ए० सं० एक्वि०, हैदराबाद में रजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिवाक 10/83

की प्रवेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ब्रायमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्स संपत्सि का उचित बाजार मृत्य, उसकं ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के जीच एमे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफाल, निम्नालिकत अव्धिक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद किसी आय की वायस, उस्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी अन्तरने मा उससे स्थाने मां सुविधा के सिए; और/मा
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुनिधा के सिए,

बतः वन, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मी, मी उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा है।है के अभीन, जिम्मीनिचित स्पनितमी, नर्भात् कुल्ल 1. मैसर्स सागर कन्सद्रक्शन्स, 1-2-524. वोमलगुडा, हैवराबाद ।

(अन्परक)

2. श्री सी० एल० नारायणा ऊडपेट, अनकापल्ला, विमाखापटनम जिला, ए०पो० (अन्तरिर्ता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने ?

स्पर्वशिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### वन्त्र्यी

गैरियज नं० 4, ग्राउग्ड फ्लोर, 1-2--524, दोमलगृडा, हैदराबाद, विस्तीर्ण 182 चौ० फु०, रजिस्ट्र क्षत विलेख ॄैन० 388/83, रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी आई० ए०सी०, एक्वि०, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

विनांक: 17-9-1984

प्रकृप बाद् . टी . एन . एस . :-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्वना

### भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक कायक र जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद हंवराबाद, दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश सं० आई० ए० मो०/एक्वि०/37ईई/58→अतः मुझे एम०, जगन मोहन,

बायकार मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्नात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० फ्लैट है जो अशोक नगर, हैवराबाद में स्थित है श्रीर इससे उपाबस अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों केकार्यालय आई० ए० सी० एक्बि०, हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/83

को प्वोंक्त संपत्ति के अधिमत बाजार मृत्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभे यह विश्मक करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में भारतिकत, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में

- (क) अन्तरण सं हुद्दै किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए। और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय वाय-कर व्यधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से सिए;

जतः अभ उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अमृसरण मां, मां, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्मीनिक्त व्यक्तियों, समीतः—  मैसर्स मेहता, टांवर्स, 1-1-293/4, अभोक नगर, हैदराबाद, -500 020।

(अन्त'रक)

2. श्र्यांमती एम० पूर्णनमा पति डा० एम० त्यागरायूलू, 176/3, आर०टो० विजयव नगर कालोनी, हैदराबाद।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पृथीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्नों कर प्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक वृध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अशहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## मन्स्भी

पलैट नं ० ४०४, चौथा मंजिला, मेहता टावर्स, 1-1-293/ ४, अशोक नगर, हैदराबाद, विस्तं.णे 1610 ची० फुट, रिअस्ट्रे.कृत विलेख नं ० 392/83, रिजस्ट्रे.कर्ता अधिकारी आई० ए० सी०, अक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 17-9-84 मोहर : प्रकृष साम् . टो. एस. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नधीन सूचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन गेंज, हैदराबाद

हंदराबाद, दिनांक सितम्बर, 1984

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्वि०/37ईई/59--अत:-मुझे, एम०, जगन मोहन

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अभिक है

श्रीर जिसकी संव कार्यालय है, जो बसीरवाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपायत अनुसूच: में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ती अधिकार के कार्यालय, आईव एवसोव एक्विव हैदराबाद में भारतंत्र रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान, दिनांक अक्तूबर 1983।

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गृमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल सं, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक उच्चेष्य से अध्य अन्तरण निम्नित

- (क) अन्तरण सं हुड़े किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दीने के अस्तरण के विश्वित में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गर्ने, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यविसयों, अधीत् ए---

(1) मेसर्स बाब्खान कन्स्ट्रवशनस् 5-9-58/1-15, बसारकाम, हैवराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद सबिर मोहीयुद्धीन सीहिकी, 6-3-1111/15, निशात बाग लेशाऊट, बेगभेपेट, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यग्राहियां करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्लेक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कम्पन्ति मां हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताकरी के पास निश्ति मों किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगुसुची

कार्यालय स्पेंस नं० 903, 9 वा मंजिल, 5-9-58/1-15, बाबूखान इस्टेट, बसोरक्षाम, हैदराबाद, विस्तार्ण 1058 चौ० फुट, रजिस्ट्रोक्टत विलेख नं० 396/83, रजिस्ट्राक्टर्ता अधिकारी आइ एसी० अक्वि० रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 17-9-1984

मोहरः

प्ररूप आहू. टी. एन. एस.-----

**बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 17 सितम्बर, 1984

निदेश स० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/37-ईई/ 60---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कार्यालय है, जो पार्क लेनी, सिकन्दराबाद, में है स्थित (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विण त है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० ग्रर्जन, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांकर 10/83

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रिश्चित से अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्ना लिसिट, उब्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिट, में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी कर्ने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; आर्डि/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, अन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत: अव:, अवस अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिसित व्यक्तिसर्यों, अर्थास् :--- नटराज कन्स्ट्रक्शन्स, कं०,
 116, पार्क लोनी, सिकन्दराबाद।

(प्रन्तरक)

2. श्री एम॰ ए॰ मुखीव, 5-7-525 नामपल्ली दर्गा है दराबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संस्पत्ति के अर्जन् के सिए कार्यशाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी के से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नमृज्यी

कार्यालय, न० 164, घाँर 165, प्रथम तली, चेनाँय, ट्रेड, सेटर, 116 पार्क लेन, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 367, चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 398/83, रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, भ्राई० ए० सी० भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

विनांक 17-9-1984 मोहर: प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रक्तूबर, 1984 निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/37-ईई/61—श्रतः मुझे; एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० फ्लैट 'डी' है, जो 11थ फ्लोर, ए० सी० गार्डस, हैदराबाद में स्थित है (शौर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भौर जो पूर्ण हप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय भ्राई० ए० सी०, भ्रिक्व०, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 12/83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्सरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपपास (1) के अधीन, निम्मलिसिस व्यक्तियों, अधीन:—

 मैसर्म बसीरा बिल्डर्स, 10-2-28 //3, शांती नगर, हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. डा० हाजी मोहम्भद शरीफ, अपार्टभेन्ट्स, 1023, स्कूल, लेन, गाल, 5450, विशाशीकोन, एवेन्यू, फीला डेलिकिया, पाइ० 19144, यू० एस० ए० । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) मस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्धो का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लैंट नं० डी-11, 11 थ प्रलोमर, बसीरा, ख्रयार्टमेन्ट् ए० मी० गार्डस, हैवराबाद जिस्तीर्ण 1353 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख, न. 401, रजिस्ट्रीकर्ता ख्रधिकारी झा ए० सी० शक्वि०, रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी महायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जग रेग, देशस्त्रवाय

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आहाँ. टी. एत. एस.-----

नामकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 259-य (1) के सभीन सुमता

### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थन रेंथ, हैदरबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तुबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/37-ईई/62—अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रध्यात (उत्तत अधिनियम कहा गया है), की आरा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- 33. में अधिक है

स्रौर जिसकी मं० एफ-408 है, तथा जो फ्लैंट (4था) मेहता टावर्स, हैदरावाद में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय भाई० ए० सी० ध्रर्जन, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम. 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिना क 12/83

को प्लेंग्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निमालिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिल में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनतरण ने हुड़ किसी जाब की यावत, उच्छ शिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में कृष्टिया के विष्; अदि/बा
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिल्हाँ भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जक्त अधिनियम, "पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कत कब उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात:—  मैसर्स मैहता टावर्स, 1-1-293/4, ग्रणोक नगर, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

2. श्री डी० सर्ताण कुमार मदाडा, निवासी, शांती निकेतन, सोसायटी, श्राष्टा रोड, लातूर, महाराष्ट्र।

(श्रस्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## अन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कीई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन कि अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपरित में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाप लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यव्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, ओ उपस निधिनयस, के बच्चाय 20-क में परिभाषित-हैं वही अर्थ होना जो उस अध्याय में विद्या गया हो।

### वनस्थी

प्लैट नं 408, घौमजला, मेहता टायर्स, अशोक मगर, हैदरावाद, विस्तीर्ण 1168, चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 405, रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्राई० ए० ली०, प्रर्जन, रेंज, हैदराबाद 1

एम० जगन मोहन सक्षम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग, हैदराबाद

दिनांक 12-10-84 मोहर :

# प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

**बायकर व्यधिनियम,** 1963 (1961 का 43) वरी बारों 269- 11 क अतीन संचर।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज हैदरावाद

हैदराबाद, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश स० ग्रार० ए० सी०/ग्रर्जन/३७-ईई/६३—-श्रत मुझे एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 '- र, पे अधिक है

श्रौर जिसकी स० कार्यालय न० 142 है, जो बसीरवाग, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी०, अर्जन, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनाक 12/83

को पवादत सम्पत्ति के प्रियत याजार मृत्य स कम के श्रामान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पद्ग प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरिता) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या अमसे बचने या स्विधा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1920 1920 दा ।। पा उक्त अधिनियम या इन-आर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रपालन पे अपनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रपालन पे अपनियम स्विधा गया था या किया जान। साहिए था लियान में स्विधा की लए

का कवा, उवन अधिनियम को बारा 269-च की उपधारा (1) मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) भो कपौरा भिन्न-भिक्त व्यक्तियों, अर्थात ----  मैसर्म बाबू खान बिल्डसं, 5-4-86, रानीगज, सिकन्दरावाद ।

(भ्रन्तरक)

2 श्री जे० बि० एस० श्रार० कृष्णा शास्त्री-44, ग्रन्धरा बैंक कालोनी मलकपेट हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

ं उक्त सर्पास के अर्जन के सबध मा कार्ड भी **नाक्षेप**ं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स बर्गक्सदों में में किमी व्यक्ति द्वारा,
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 43 दिन हे भीतेंग उत्तर स्थावन सपान्त मा हितसद्ध भित्मी - गोना देवामा प्रधाहणवाक्षरी के पान विशेखत पो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क अधिरियम के जध्याय २०-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा, गरा

### ग्रन्युची

कार्यालय न० 142 5-9-58/1-15 बसीर**बाग, हैदराबाद** विप्तीर्ण 333 कौ० फुट रिजम्ट्रीकृत विलेख न० 407 रिजस्ट्रीकर्ना अधारी आइसी० एक्वि० येज, हैदराबाद

एम० जगन मोहन सक्षम प्रधिकारी सहायग द्यायकर द्यायुवत (निरीक्षण) ध्वान रेज हैदराबाद

दिनाक 12-10-84 · मोहर and the second s

# प्ररूप **कार्ध. टी. एन. एस**् ----=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 12 स्रक्तूबर, 1984

नितेण मं० श्राई० ए० मी०/श्रर्जन/37-ईई/64---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय तं० 902 है, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एविष० श्रर्जन, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 12/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का प्राचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उजदिष्य में उच्न अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुंद्दं किसी आय की लाबस, अक्त अधिनियम के अधीन कर दीन के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसम असन मो स्थिध। के निए; भौर/सा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (192) को गा भा भा उपन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा पकर नहीं क्रिया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :— 1. मैसमं बाब्खान, बिल्ड्सं, 5-4-86, रानी गंज, सिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती जी० सरोजिनी गौड, 1-2-54/11, दोमलगुडा, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्रविक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- 'क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितवष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया गया है।

### मन्स्ची

कार्यालय नं० 902, 5+9-58/1-15, बमीरधाग हैदराबाद, विस्तीर्ण 1103 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 408, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, श्राई० ए० सी०, श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सह<sub>।</sub>यक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, **हैद**राबाद

दिनांक 12-10-84 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनिसस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) भ्रजेन रेंज-2, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 12 ग्रक्तूबर, 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/37-ईई/65—-ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में) इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार एल्या 25,900/ रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 1, 2, 57, 56 श्रीर 58 है, जो बसीरबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी०, इक्वीं ० श्रजंन, हैदराबाद मे रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12/83

का प्वांबल सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य सं कम क स्थ्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, एसी क्यामान प्रतिकल या पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीज एमें अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निनिधित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीम कर दोन' क अंतरक के धामित्व मा कमी करन या उससे बचन मा सुविधा के लिए; और/या
- (वा) एकी किसी जाव वा किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा उनत अधिनियम, या जन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के बिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 5-4-86, रानीगंज, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरूक)

2. मैसर्स बंजरंग परशाद और को० नरेशकुमार संजी, 21-2-288, ऊर्दू गली, पथरगट्टी, हैदराबाद। (श्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिं। बात में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा प्रमाह ।

### जन्त्वी

> एम० जगन मोहन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रांयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप नार्इ.टी.एन्.एस . ------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (१) के नधीन सृष्टना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० स्नार० ये० मी० न० स्नाई० ए० मो०/एक्बी०/ 37-ईई/66--यत. मुझे, एम० जगन मोहन,

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- स. से अधिक ही

श्रीर जिसकी स० श्रो० न० 532 . जो सिकन्दर।बाद स्थित है (श्रीर इससे उपाब इ अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप हो विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवकारों के कार्यालय श्राई० ए० सो० एक्वी० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत सा, निम्मलिकित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिचित में यास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससंबचने मा सिवधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के म्बोबनार्च अन्तरिती कृषारा प्रकट नहीं किया पना था किया के लिए;

बत: अब, उब्स जिभिनियम की भारा 269-म की अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधार। (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मेसर्स बाबूग्वान बिरुडर्स, 5-4-86 से 92, रानीगंज, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमार व्ही० सोता, स्ट्रीट नं० 4, तारनाका मिकन्दराबाद।

(भ्रन्तरिती)

**को वह बुजना जारी करके पुनोंक्स सम्परित के अर्जन के आए** कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की ताराक्ष सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेचा।

स्मध्दोकरणः --- इसमे प्रयुवत शब्द और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# न्त्स्ची

कार्यालय नं ० 532, बाबूखान इस्टेट, रानीगंज, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 1391 चौ० फुट रजिस्ट्रोक्टन विलेख नं ० 410, रजिस्ट्रो-कर्ता ग्रधिकारी श्राई० ए० मो० एक्बो० रेज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदरांबाद

दिनावः : 12-10-1984

मोहर 🏻

अरूप **बाद**े. टी.: एव., एख.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चन.

### नारव वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1984

निदंश स० श्रार० ये० मो० न० श्रार्ष० ए० सी०/एक्बो० --ईई/67--यत. मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर समितियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चाद उक्त अधितियम कहा गया है), की धारा 269 ख को अधीन सक्षण प्राणिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति जिसका जीवत अजार मृत्य 25,000/- रा. से बिधक हैं

श्रौण जिसकी स० श्राफिस नं ० 533 है, जो रानीगज सिकन्दराबाद मे स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारी के कायलिय, श्राई० ए०सी० एक्वी० हैदराबाद मे भारतीय रिजस्ट्राकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रथीन, दिनांक 12-83.

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति को जीनत बाजार मूल्य से काम के स्थमान प्रसिष्यल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षण्यमान प्रतिफल से: एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त आभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बार/या
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तिबाँ को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किस्रा गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियान में सूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीत, निम्निसिखिंग किनासिते , जुर्थात्

(1) मेसर्स बाबूखान बिल्डर्म,5-4-86,रानोगंज, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वेनू भ्रन्तपूरन । नारनागा, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरितो)

भी यह सूचना चार् ी करके पृत्रांक्त सम्परित के वर्षन के हिस्ए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उच्य सम्मरित के वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारी हु वें
  45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी
  वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ण) इंसू सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार किस्त कर राज्य कर राज्

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्स ची

कार्यालय नं० 533, रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 349 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 411, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्राई० ए० सी० एक्वो० रेज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी यहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 12-10-1984

मोहर

# प्रकम बाह्र .टी. एन. एस . ... ....

# जामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

### शारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेण सं० आर० ये० सी० नं० आई० ए० सी०/एक्वि० 37/ईई/68——यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर गिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 क के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ग्रो० नं० 402 है, जो रानीगंज सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हर से वाणत है). राजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी एक्बी० हैदराबाद मे भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल फल, निम्नलिखित उव्योगय से उक्त अंतरण लिखित मे वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की नावत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा को निष्-वौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था स्टिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों सुधात ह मेसर्स बाबूखान बिल्डर्स,
 5-4-86 से 92 ।
 रानीगंज, सिकन्दराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती फरोदाबानू बाबूखान हाउस, बेगमपेट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों.

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनयम के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

कार्यालय नं ० 402, 5-4-86, रानीगंज, सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 3226 चौ० फुट, रिजम्ट्रोक्ट्रत विलेख नं ० 415, रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी श्राई० ए० सी० एक्बी० रेंज, हैक्साबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक . 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रम्तूबर 1984

निदेश सं० म्रार० ये० मी० न० म्राई० ए० मी०/इक्वि०/ 37-ईई/69--यत: मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्टित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० श्रो० नं० 502 है, जो रानीगंज सिकन्दराबाद में में स्थित है (और इससे उपाबत श्रनुमूची में श्रौर पूर्णक्ष्य से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्यि० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं क्या गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सूविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्म बाबूखान विल्डर्म 5-4-86 से 92 रानोगंज, सिकन्दरावाद ।

(ग्रनर क

(2) श्रीमती सयोदा बानू, 8-2-629/ए/बि/1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे। गया है।

म्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. जो उक्न अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कार्यालय नं० 502, रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 3226 चौ० फुट, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 416, रजिस्ट्रीकर्ता म्रिधिकारी मार्ड० ए० सी० एक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12- º0-1984

# प्ररूप मार्द. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के लधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण) अर्जन रंज, हैदगबाद

हैदणबाद, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश वं० आर्० ये० स ० नं० आई० ए० सो०/एक्वि०/ 37-ईई/70---यत: मझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. में अधिक **ह**ै

और जिसके स० अ। फिस नं० 801, 802 है. जो रानोगंज, मिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूच: में ग्रीर पुर्णेक्य से बर्णित है), रजिस्तेक्ता अधिकारी के कार्यालय, आई० ए० सः० एक्वि० हैदराबाद भे भारताय रिजस्टी बरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक 12/83,

को पर्वोक्त सम्परित के उत्तित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्यास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्यं, उसके स्टयमान प्रतिफल सं, एसं स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसं अन्यरण को लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिमित उत्दश्य में उवत अतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथन नहीं किया गया है :---

- (क) उरपर्व में हाई' किसी बाय की बाबस, स्वस्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को शायित्व में कमी करने या उसये अवनं में सविधा क भिन्तः, अरि/या
- (स) एसी किसी आय पा किसी धन या अन्य शास्तियो को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गणा था या रिज्या जान। चाहिए था, किपाने में सविधा के निग्,

अत अज, उक्त अधिनियम की वारा 269-ग के अन्तरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) मेसर्स बाबुखान बिल्डर्स 5-4-86 । रानःगंज, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) ए,० के० बाबुखान फैमाल, इस्ट 1-8-303/33, रसुन्तपरा, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरितः)

का यह सुचना जारी करक प्विंक्त मम्पोल क अनेन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन की सबध मा काई भी जाक्षेप .--

- (क) इस स्टना के राजधन में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन का अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अनिध बाद में समाप्त हाती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (स) इस स्वना की राजपण मां प्रकाशन की नारीख स 45 ।दन को भावर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही बर्ध हागा, जा उस अध्याय मा दिया गया है ।

### अनुसूची

कार्यालय नं० ९०१ श्रीर ८०२, 5-4--८६, रानीगंज, मिकन्दराबाद, विस्तार्ण 4900 ची० फुट, रजिस्ट्राकुत विलेख नं० 417, रिजिम्द्र हर्ना अधिकार। आई० ए० मा० एक्वि० रेंज०, हैदराबाद ।

> एम० जसा मोहत ःदाम प्रानित्तारः यहाम. १८३७ अ१९७३ (निरक्षण) अर्जन रेज हैदराबाद

दिनांक 12-10-1984 मोहर :

•

#### es - 11- 11

PROPERTY OF THE PROPERTY OF TH

# 

## वैद्यासन, वित्तात १० दासामा ।१०५

सिरोस मान कारा न वील सीन कर राजी न । पान / कर राजी  $37-\frac{52}{7}$  1-- थला: स्थी, ख्यान राजार कीर्य

Appendix Application (Application of Application App

in the second of the second of

प्रतिकाल के परि सुने मह विश्वान जानते हा लागा हो कि यथाप्य कि एत स्थान का स्थान का स्थान जानते हा लागा हो कि यथाप्य कि एत स्थान का स्थान

- (৪) বিনী নাম বিভাগ বিভা

্ৰাণা এম এই ন মানি, ইপাৰ অটিকশ্লিণা ২টি - এই এই ক' এই ক' সংক্ষিত্ৰ 5- 3367/84 १४) भद्रके काजुन्छा (केन्ट्री) ४+४-१० गाउँ हो । १९७९ १४

(अन्त्रक्द्)

(अन्तरिती)

रित क्षेत्र प्राप्त है। इस के दिन के कि दिन के कि

हर । १९ इस १९ ५ देश है, सर्वस्थ है। क्यांको लक्षेप ५---

त . . . . . की न्यानवार मा अध्याशन न्यी द्वारविध मा तक पुष्क की नामी । यह कालाम्बान्धी स्विक्तियो भय एक नी की कि तक की कालीबा मा की वर्ष के अल्लान कालामा मुख्ये हुई . की की होता की एक तो को की कि की अधिक्य यादना

# वनस्थी

अविश्वत में ० ८०१, ८०१ और ६४१, ५-४-४६, रार्नशंज, ११८१८७१४, भिनाभी ६३४४ और एड. रिनस्थान विकेख १० ४१८ मिलाभारती मिलाभार १५८० ए० एक्विं रेंज,

> एम० जगन शेहिन ाक्षम प्राधिकारी प्रतायक कायकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्थन रेंग, दैदराबाद

বিগাল : 12-16-1984 জানা : प्ररूप बाई. टी एन. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) क अधीन सचन.

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंड, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 अक्तूवर 1984

निदेश सं० आर० ये० सं० न० आई० ए० सं० एक्वि०/ 37-ईई/72--यत मुझे, एम० जगन मोहन,

स्रोर जिसकी स० एफं० न० 408, रेड हिल्स हैदराबान मे स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचे मे त्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीक़र्ता अधिकार, के कार्यालय, आई० ए० स ० एक्वि० हैदराबाद में भारताय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 12/83,

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिल्ला यह ल अने कर जन के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को जिन्म ) को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1927 को उन्न विचित्रमा । 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नृही किया गया ६३ ए। कि किया की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिंगित त्यिंगित्यों, अर्थात ---

(1) मेसर्स भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शन को॰ 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री ड ० भाग्य रेड्डी चौथा मजला ब्लाक ---4, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का तथा में से किसी योक्त दशा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं॥

## अनस्ची

प्लाट न० 408, 11-4-656/1, रेड हिल्स, नामपल्ली, हैदराबाद, विस्तीर्ण 977 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृंत विलेख नं० 419, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० सो० एक्वि० रेंज, हैदराबाद ।

> ए० जगन मोहन सक्षम<sub>्</sub>प्राधिकारो सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन <sup>प्रे</sup>ज, हैदराबाद

दिनांक · 12-10-1984 मोहर · प्रस्प बाइं. टी. एन. एस. -----

बामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीम स्चना

### भारत- सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सां० नं० आई० ए० सी०/ग्रक्वि० 37-ईई/73--यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

मानकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार भूत्य 25,000/- का से अधिक हैं

स्रोर जिसको स० कार्यालय नं० 125 है, जो रानागंज िकन्दराबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में स्रोर पूर्णरूप से वंणित है), रजिस्ट्रांकर्ता अधिकारों के कार्यालय, आई० ए० सा० अक्वि० हैदराबाद में भारताय रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनांक 12/83,

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम क दश्यमान क्षेतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाम की बाबस, उक्स वीभनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बौर/बा
- (स) एसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आ: स्तथा को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बीना चीहिए था कियान में स्विधा को निए;

बतः अब, उक्त विधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, विभनितिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् : :- (1) मेतंत्रं बाब्जान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 रानापंज, सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारो आसरक बानु16-8-244, मलकपेट,हैदराबाद ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की अपिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिम, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंक्स व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भांतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वार अथाहरताक्षरी के एस सिक्षित में किए जा सके ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्वतः अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं पर्थ होगा, जो उस अध्याय में किन्न

### अनुसूची

कार्यालय न० 125, 5-4-86, रानागंज, सिकन्दराबाद, विस्तार्ण 355 चौ० फुंट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 420 रिजस्ट्रीकृत अधिकारो आई० ए० सो० एक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनांक: 12-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाई. टी. एन. एस -----

बायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदर।बाद

हैदराबाद, दिनाक 12 प्रक्त्वर 1981

निदेश सं० स्रार० ए० सी०नं० प्राई० ए० सी०/इक्वि०/37—ईई/74—यत , मुझे, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर हमाति. जरमा उसमें वार्षण दूर्य 25,000/- रा. से अधिक है

- श्री जिसको स० कार्यालय १० 123 है, जो रान गंज सिन्दराज र में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद्ध अनुसूच, में श्रीर पूर्णर ने वांणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीवनारी ने पार्यालय, श्राई ए०सी । जिंव व हैदरावाद में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 2/83
- को पूर्वोक्त सम्मति के जीवत बाजा कि ला मा कि प्रतिकल के लिए अन्तां रत की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उष्मत नाकर प्रतिकत को अधिक है और अनरक (अतरका) कार अने रत (अंतरितियों) के बीच एक अतरण को लिए तम परस्त का प्रतिकत के एक, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित व बक्ती के रूप में किंगत नहीं किया गया है:—
  - (क) बन्तद्रथ से हुई किसी बाय की बाबतं, उन्सा विधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरः में सार्रिंग के मिल्यू, में कभी करने या उसस बचन में सिर्प्शिक मिल्यू, बीर/मा
  - (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा बनकर अधिनियम, मा बनकर अधिनियम, स्वित्य कर स्वित्य कर स्वित्य कर स्वत्य कर स्वत्य

बत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:—— (1) भेसर्स बाबूरान बिल्डर्स, 5-4-86 से 92 रानीगज, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वहीदूनीसा बेगम 6/244/1, मलकपेट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सपिति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हू।

उक्त समात्त क अजन क तस्वना म काइ भा अक्षप --

- (क) इस समान क राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की ताराख म 45 दिन का अर्थाध या तत्सम्बन्धां व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अर्थाध, जो भी अ्वाध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर प्रोक्ति का नामिल कार्ति द्यारा,
- (ख) इस सचना क राजपत्र में त्रकाशन की नारीन से 45 दिन के भीतर उदर स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास निकत में विष जा गर्म में ।

स्पट्टिकरण .—इसमं प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम क अध्याय 20-क में. परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्**स्ची**

कार्यालय न • 23, 5-4-86, रानीगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 480 चौ० फुट, रिजम्ट्रोकृत विलेख नं० 421, रिजस्ट्रो-कर्ता श्राधकारी श्राई० ए० सी० इक्वि० रेज, हैदराबाद।

ाम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक 12-10-1984 मोहर

28067

तेश्व साह, च्यां भंग ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्कत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदरावाद हैदराबाद, दिनाक 12 भ्रक्तूबर 1984

निदेश स० आर० ए० सो० न० आई० ए० सो०/इक्वि०/ 37-ईई/75---यत, मुझे, एम० जगन मोहन,

आएकर प्रधिनियम, 196: (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अवात् 'उन्त प्रविनियम' कहा गया /), की धारा 269-ख क अधीन मध्यम परिकारी ता, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाय संवीत जिसका जावन नाचार पूला 25,000/- व॰ ने अधिक है

स्रौर जिसको स० कार्यालय न०124 है, जो रानोगंज सिकन्दराबाद मे स्थित है (स्रौर १ समे ८पाइड अनुसूच, से स्रौर पूर्णरूप से पणित हे), राजस्ट्र कर्ता स्रोधकारी के पार्यालय, साई० ए० सो० इक्वि० हैदराबाद में राजस्ट्र करण स्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनाक 2/83,

का 16) के प्रधान, दिनाक 2/83,
को पूर्वान भरात के कर व बानार मूला ने ज्ञान हुश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण व कि यका, भारत सपान का अचल बालामूल्य, उनक दृश्यमान प्रतिकल ने, ऐम दृश्यमान प्रतिकल का पण्ड
प्रतिकल सं प्रतिक अरि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता
(अन्तरित्य) मं बोन एउ अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता
(अन्तरित्य) मं बोन एउ अन्तर्भ के लिए उथ पाया न्या प्रति
फल निम्नित्या रहार र व व व स्तिक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनयम के अक्षान कर इंन क बक्त रक क दायिस्य अ कमी करने या एक वचा े बुबिय के जिए, बीर/या

जा जब, उनत अविनियम को धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात =-- ( ) मेसर्स बाबूखान विल्डर्स, 5-4-86 से 9,2 । रानोगंज, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमतो अकबरे। फरुक, 6-8-244/1, मलकपेट, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वा क्त सम्मात्त के अर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

रस्त सम्पत्ति के अपन क सम्बन्ध में लोहें भी वासप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्तवारी क्वित्या वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, में भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर भीक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए आ सकेंग।

स्पाद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मा यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा यो सम क्रमा सार्, हैना गया है।

### अनुसूची

कार्यालय नं० 124, 5-4-86, रानोगंज, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 375, चौ० फुट, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 422, राजिस्ट्रो-कर्ता स्रिधकारी स्नाइ० ए० सी० इक्वि० रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

दिनाक : 12-10-1984 मोहर :

# प्ररूप आर्च टी एन एस -----

, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(घ) (1) के बधीन सुचना

**वार्**स संग्रह

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद दिनाक 12 प्रक्त्बर 1984

निदेण सं० भ्रार० ए० सो० न० ग्राई० ए० मी०/हेक्वि०/
37-ईई/76---यत मुझे, एम० जगन मोहन
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269 क के क्षीन प्रका प्राधिकारी वा प्रक्रियार करा कारण है कि स्थादक स्थान करा कर कर्या करा है कि स्थादक स्थाप कर कर्या कर कर्या कर कर्या है

श्रीर जिसकी सं विवास 1006 है तथा जा बमारबाग, हैदरा-बाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद अनस्वा में श्रीर पूर्णका म बणित है), रजिस्हाकर्ता अधिकारा के कार्यालय श्राई० ए० सी० इविव० हैदराबाद राजम्द्रावरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 12/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य स कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिपत्त त, एस स्थमान प्रतिफल का पन्तर्ह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देश्य से उकत अन्तरण सिश्चित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुन्द्री किसी आय की बाबत, उक्त मुधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बासित्य में कमी करने या उसस वजने में सुविधा के रिस्ट; बॉर/या
- (का) एसे किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अगण्य अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

जान एउ छन्ट अभि∤न्धम की धारा 269 ग **के अनुसरण** कें, में, उक्त अधिनियम की घाण 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलि**खित व्यक्तियो, अथित्**.—— (') मैसर्म वाब्खान कन्स्ट्रक्शन क० 5-9-58, बसीरबाग, हैदराबाद।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोमती काता गगवाल द्यार० न० 12, वजारा हिल्स्, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध मा काई भी आक्षय --

- (क) इस स्चना को राजपण मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद मो ममाप्त हाती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन को तारोख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मम्पृत्ति में हितबह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में विर जानकी ।

स्पट्टोकरण:---इसमा प्रयूक्त शब्दा और पदा का, जा उक्त जीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया ग्या है।

### अमुसुची

कार्यालय न० 1006, बाबूखान इस्टेट, बसीरवान हैदराबाद, त्रिस्तीर्ण 1103 चौ० फुट, रनिस्ट्रोकृत विलेख न० 425, रजिस्ट्री-वर्ता ग्राधिकार शाहि ए० सी० इनिय० रेज हैदराबाद।

> ण्म० जगन भोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक 12-10-1984 मोहर:

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

हैपराबाद, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश मं० आर० ए० मो० नं० पाई० ए० मो०/इन्दि०/ 37-ईई/77-यतः मझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दलके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसाका जीवन बानार मन्य 25,000/- राम अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कार्यालय ति । 1005 है, तथा जो पसीरवाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे पाबत धनुम्ची में श्रीर पूर्णेक्द ने बणित है), र्जिन्द्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० इतिब० हैदराबाद में रिजिन्द्रीकण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 2/83.

भार पृथिति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम् के दश्यमान प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि अथापृथिकत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् भातभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निस्नितिश्व अस्तरियों से उपत अन्तरण निस्ति में अस्तरिय स्थ में स्थित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी अप की गायत, उच्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दादि क म कमी करने था उससे वचने में सुविधा के लिए, प्रोठ / था
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिनियम, विस्तियों स्वारा प्रकट नहीं विषया गरा के लिए;

श्रतः शब्र, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण हो, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-**व की उपभारा (1)** के क्यीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ह— (1) मेसर्स वाबूजान कन्स्ट्रक्शन क० 5-9-58, बसोरवाग, हैदरावाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रंभितः रायमा सुनताना, 6-3-347/9/2, द्वारकापूरी कालोनी पंजागूट्टा हैदरायाद ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां का इंभी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी प्रवित हुआरा;
- (क) ६५ सूचना के राजभन्न १८ प्रकाशा की तारीख सं 45 दिन के शीतर उदत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहस्ताक्षरा के पास लिखिल राजिए के प्रसादन ।

न्यध्दोकरण '----६समाँ प्रयुवत शब्दां और बदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के माँ परिभाषित हौ, वहीं जर्भ होंगा जो उस अध्याय गाँ दिया गया है।

### अनुसूचा

कार्यालयं न० 1005, बसारवाग, हैदराबाद , विस्तीण 304 चौ॰ फुट, रजिस्ट्रोकृत विलेख न० 426, रजिस्ट्रोकती ग्राधिकारी ग्राई० ए० सी० इक्यि॰ रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, हैदराबाद

दिनांक 2-10-1984 मोहर

# प्रक्ष आई. टी. एन एस -----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० स्रार० ये० सी० नं० स्राई० ए० सी०/इविव०/ 37-ईई/78----यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० एफ० न० 106 है, जो रामकोट हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० इविव० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जोर अन्तरित्र (अन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित म वान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अनंतरण से हुई किसी आय की बाबते, उक्त अधिनियम के अधीन कई दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्तिधा के लिए, चर/या

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निलिखत व्येक्तयों, अर्थात् .—— (1) मेसर्स तिवेणी बिल्डर्स 4-2-1068, रामकोट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कान्तीलाल जी० राजा 4-2-614, रामकोट, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तिया में सं तिसी वर्गावना दनारा .
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन नी तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्त गरी के पाम लिखित में कियो जा सकते।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयूक्त शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अव्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अब टा न, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

# बन्स्यी

पत्तैट न० 106, वैमव ग्रपार्टमेटस, रामकोट, हैदराबाद विस्तीर्ण 987, चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 427, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी श्राई० ए० सी० इक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, हैदराबाद

दिनाक : 12-10-1984

मोहर 🦚

प्ररूप भाई. टी. एन. एम.-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज' हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 भ्रवतुबर 1984

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० भ्राई० ए० सी०/इक्वि०/ 37/-ईई/79—-यतः मुझे, एम० जगन जोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ० नं० 404, है, जो यरांमंजिल, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी०, इक्विब० हैदराबाद में भारतीय किस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिपीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार भूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उवत अन्तरण किस्ति में अम्मविक, स्प में कांधन नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में मृतिधा क लिए: और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविभा के लिए;

अतः अतः, अत्रतः अभिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, में, तक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिक्षित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) मैसर्स कमरशियल पर्नेट , बिल्डिंग कोंरपोरेशन, ए-102, सत्या श्रपार्टमेंटस, भसाब टैन्क. हैक्राबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नैशाद हुशन, 11-6-862/वि०-1, रेड हिल्म, हैदराबाद ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना धारी करके पूर्वीकर सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को अवधि या तत्मवयी व्यक्तिरणे पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिणों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यस्टोकरण: --- इम्में प्रयक्त गब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अभें होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनसर्ची

पर्लंट न० 404, कोंकोरडे श्रपार्टमेंटम, यरामंजिल, हैदरायाद त्रिस्तीणं 1461 चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेखनं० 429, रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी आई० ए० मी० इक्टिंग्, हैदराबाद।

> णम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक अध्यकर स्रायम्ल (निरीक्षण) स्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

मोहर :

6--336GI/84

प्ररूप आई.टी.एन.एस\_-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहप्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैवराबाव

हैदराबाद, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० श्राई० ए० सी०/अक्षि०/ 37-ईई/80--यत. मुझें, एम० जगन मोहन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. में अधिक है

श्रीर जिसकी मं० पलैट 'डी' है, जो ए० सी० गार्डस, हैदराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० अक्वि० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 12/83,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करते या उससे बाबने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269- म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितियन व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) मेसर्स वसीरा बिल्डर्स,
 10-2-287/3, गांतीनगर,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती तेजीबूनीसा बेगमं, 11-5-400, रेड हिल्स, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिल्हा अधिनियम, के अध्याय 20 के थें परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### भन्यूचो

पलैट 'डी', प्रथम नल, बसीरा भ्रपार्टमेंटस् ए० सी० गार्डस् हैदरावाद, विस्तीणं 1353 चौ० फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 430 रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्राई० ए० सी० अक्वि० रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगनमोहन सक्षम प्राधिकारी सहत्यक अत्यक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्गन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-1984

प्रकृष्य वाह<sup>2</sup>. टी. एव., एव्., मण्डा

भागकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० न० ग्राई० ए० सी०/ग्रक्थि०/ 37/हेई/81—यस: मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी स० श्रपार्टमेंटस, है, जो रघूनाथबाग, हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णात है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्राद ई० ए० सी० अक्षिय० हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 12/3,

को पूर्वित सपित के उचित मानार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह निश्वास करने का कारण है थि बन्धा करने का प्रथमान प्रतिकास स, एस प्रथमान प्रतिकास का बाब्द प्रतिकात से सिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के निथ एक धन्तरम के लिए तम पामा गया प्रतिकास, निम्नीनिवित उन्देश्य के उन्त वन्तरण सिवित में अन्तरिक एए से किथत महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए, क्षेत्र/या
- (व) एंसी किसी कार या किसी धन या काय आस्तियों का, जिन्हों भारतीय काम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ धन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

क्षा वह, सकत क्षितियम की भारा 269-व के काम्सरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिस व्यक्तियों अर्थात्:--- (1) डा॰ नीना पी॰ वेसाई पित प्रफल मनूभाई देसाई, फ्लैट नं॰ 5 श्रादर्शनगर, हैवराबाद-500 483।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० ग्राई० सेशान
घर नं० 3-5-339/1,
विठलवाडी, नारायणगृहा,
हैदराबाद। (ग्रन्तरितो)

को बहु पुचना चारी करके पूर्वांक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उपत सम्पति को नर्जन को संबंध का कांग्रं भी भाक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  4.5 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा, को वस अध्याय में दिया गया हैं।

#### जनसंची

श्रपार्टमेंटस, राधूनाथ बाग, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1197. चौ० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 432, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्राई० ए० सी० इक्विंग रेंज, हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज हेदराबाद

दिनांक : 12-10-1984

मोहर "

प्ररूप आहं.टी.एन,एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** घरा 268-च (1) क अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

<sup>!</sup> स्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश स० ग्रार० ये० सी० नं० ग्राई० ए० सी०/इक्वि०/ 37-ईई/82--अत. मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० एफ० नं० 205 है, जो रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है (भीर इसते उपायद अनुमूची, में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारों के कार्यालय भ्राई० ए० सी० इक्विं हैदराबाद में भारतीय रजिस्स्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन दिनांक 12/83,

को प्वींक्त संपत्ति के ज़िला बाजार मूल्य से कम के द्रवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गहें हैं और मुभे यह निक्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रवसान प्रतिफल से, एसे द्रवसान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बान्तिक हम से किथन नहीं किया गया हैं:——

- (क) अम्तरण सं हुइ किसी भाय की बायत.. उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक वह आयित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा की लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

चत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) भाग्यनगर कन्स्ट्रवशन को॰, 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद । (श्रन्तरक)
- (2) श्री जे० श्रार० के० राव बी०-3/4, प्रसम अपार्टमेंटस, 121, माऊंट रोड, मद्रास ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इसारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

एफ० नं० 205, दूसरा मजला , 11-4-656/1, रेड हिल्स, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1090 ची० फुट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 433, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी श्राई० ए० सी० इक्विं रेंज, हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी (सहायक स्रायकर श्रायुक्त) निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 12-10-1984

.मोहर :

# प्रभूष भाइं. टी. एन. एस. ----

बायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के मधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निष्य सं० धार० ये० सी० न० धाई० ए०सी० |इक्वि० | 37-ईई | 83--यतः मुझे, ए ग० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित वाजार मून्य 25,000/- सं अधिक है

र्धार जिसकी सं० एक नं० 701 है, जो रेड हिल्स हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उमाबद्ध अनुसूची में और पूर्ग रूपसे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी प्ले कार्यालय, आई० ए० सी० इक्वि० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 12/83,

कां पूजोक्त सम्पत्ति को उपित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई वे और मुम्ने यह िण्डास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उत्तके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अनसरण संहूइ फिसी साथ की वायत, उपका अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरण के दासित्य मा कमी करने या उससे अपने माँ स्विभा के निए; और मा
- (बा) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती धुनारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा की लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणे मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत श्रावित्यां, अधीत्: --- (1) भाग्यनगर कन्स्ट्रम्थान को०
 11-4-656/1, रेड हिल्स,
 हैदराबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रह्मानन्दम राजेश्वरी पति श्रंजनेयुलु द्वारा अविनास पेंटस, तेनाली—1

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वार;
- (या) इस स्वना के राजपभू मं प्रकाशन की तारीय सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, सिमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिय गया है।

# मन्सूची

एफ़ नं 701, सातवां मजला रेख हिल्म, हैदराबबाद, विस्तीण 874 चौ फुट, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 434, रिजस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी ग्राई० ए० सी० इक्विं० रेज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

मोहर 🕹

शस्य बार्ड, टी. एन. एस.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश स० ग्रार० ये० सी० नं० भ्राई० ए०सी०/इक्यि०/ 37-ईई/84-भ्रत: मुझे, एम० जगन मोहन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० एफ० न० 515 है, जो रेड हिल्स, हैदराबाद में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, ग्राई० ए० सी० एक्बी०, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, दिनांक 12/83,

को प्वारित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बोज एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निवित्त में अस्तिक रूप से किंभिस महीं किया गया है —

- (क) अन्तरण सं हुए किसी जाव की बावत, राजस जिथितियम के जभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के जिए; जीर/या
- (क) एमी किसी आय गा किसी धन या कर्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

वतः वर्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 260-च की उपभारा (1) को अधीन निम्मालिखन स्थितियों, अर्थातः :— (1) भाग्यनगर कन्स्ट्रम्मन को० रेड **हील्**स, हैदराशाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) मोहांसद बसीरुद्दीन, 11-4-555, बा **झा**रघाट, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीप :---

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध को भी जबिथ बाब में समाप्त होती हो के भीतर प्रवेक्त अपिमत्यों में ये किसी व्यविस स्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य स्थिति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाद लिचित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, की स्वर्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिट है, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया क्या है।

### धनुसूची

एफ० सं० 515, पोचवा मजला, 11-4-656/1, रेड हील्स, हैदराबाव, विस्तीर्ण 1187 चौ० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 435, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्राइ०इए०सी० श्रप्तिय, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 12-10-1984

प्ररूप **नार्ड. टी. एन. एस.---**

मायकर मिथिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 11 अक्तूबर 1484

निदेश सं० प्यार०ये०सी०नं० घ्राइएमी/अक्वि/37-ईई/85 ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम शिक्षकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मांत, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० एफ० नं० 708 है, जो रेड हील्स, हैदरा-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण-रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राइएसी श्रक्षि० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 12/83

को पूर्वोक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने कें क्षिणः के सिए: और/वा
- (क) एसे किसी आम या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त्रिती द्वार् प्रकट नहीं किया गया था या विचा जाने अधिन था, किया में मिनियों के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मो, मी, सकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) भाग्यनगर कान्स्ट्रक्शनस् को०,
 11--4-656/1,
 रेड हीलस्,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के०पी० राव केर श्राफ एफ नं० 708, ए, ब्रिंदावन श्रमार्टमेंट्स, रेड हीलस्, हैदराबाद ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को गम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 परन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वीकन क्टिरतयों में ने किसी व्यक्ति ह्यारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ग

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त जाब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मगुभूजी

एक नं० 703-ए, ब्रिन्दायन ग्रपार्टमेटस्, रेड हीलस्, हैदराबाद, विस्तीर्ण 874 चौड़ाई फूट, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 436, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी श्राइएसी ग्रक्वि० रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रुजैन रेज, हैदराबाद

तारीख: 12-10-1984

प्रकार कार्ड. टी. एन. एस -----

आसबार अधि<sup>म</sup>नयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निवेश मं०आर० ये० मी० नं० आई० ए० मी०/3 क्वि०/ 37-हैई/86--यत: मझे एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हो), की धारा 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ क में अधिक हैं और जिसकी मं० एक नं० 703 है जो रेड हिल्स हैदराबाद स्थित

स्रोर जिसकी मं० एक नं० 703 है जो रेड हिल्स हैदराबाद स्थित है (श्रीर इमसे उपाव स्तूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सो० क्वि० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 1,2/83

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे वह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्मणन ग्रांनातल स, एक दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह पाचित से प्रतिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तर्गतायों, क बीन एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निकिक उद्दुद्धण्य से उक्त अन्तरण निक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्ष्ण) अन्तरण या हुई जिली जाय की बाबत, उत्क अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में मृजिधा के लिए, और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, दिन्हों भाग्नीय आयकर ऑपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ए धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) द प्रयाजनार्थ जन्तिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था प्राप्तिया जाना साहिए था छिपाने या एकिया क जिल्हा

(1) भाग्यनगर उत्स्टूक्शन की० 11-4-656/1 रेड हिस्स हैदराबाद

(अन्दरक्)

(2) कैंप्टन विकरम बारन एफ० नं० 703 ब्रिन्दावन अपार्टमेटम रेड हिल्स हैदराबाद ।

(अन्दरिसो)

को यह सूचना जारा करके पूजावन संप्यास क अर्जन क लिए कार्यमहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के धानि ले मार्ग्य मा कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस मूचना के राज्यप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 पिन की सविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के एक्स निर्माहन में किए। 13 से ग्रे

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एफ० नं० 703 ब्रिन्सावन अपार्टमेंटम् रेष्ट हिल्स, हैदराबाद विस्तीण 1181 चौ० फुट रिजस्ट्रोग्टत विलेख न० 437 रिजस्ट्रो-कृती अधिकारो आई० ए० मी० दिक्ति होंग्ट हैदराबार ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारो सहायक कालकर शास्त्रन (निराक्षण) अर्जन रेंड हैदराब।द

अल अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निदेश सं० आर० ये० सी० नं० आई० ए० सी०/इक्वि० 37—ईई/87——यतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पैरेबात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रह से अधिक है

भौर जिसकी सं० एफ० न० 702 है जो रेड हिल्स, हैवराबाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रेंकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० इक्वि॰ हैवराबाद में भारतीय रिजस्ट्रेंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 12/83

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित नाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित नाजार मूक्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिलित मं नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उच्न, उच्नत अधिनियम की धारा 269-म की अनुसरण भें, में, उक्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के मधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 7—336 GI/84 (1) भाग्यनगर कन्स्ट्रक्शन यो० 11-4-656/1 रेड हिल्स हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री पो० ह्वी० आर० के० प्रसाद 1→10→215/सी० अणोकनगर हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्द सम्पृत्ति के जर्जन के रिन्ए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या सरसम्बन्धि व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त काब्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगतको

एफ०नं० 702, सातवां मजल ए ब्लाक ब्रिन्वावन अपाटमेंटस, रेड हिस्स, हैवराबाद विस्तीण 1218 ची० फुट रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 440 रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी आई० ए० मी० इक्वि॰ रेज हैवराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

चिनांक : 12-10-1984

मोहर 🏖

# प्ररूप आई.दी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

### अर्जन रेंज हैदराबाद

# हैदराबाद दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये सी० नं० आई० ए० सी०/इक्वि०/ 37मर्टई/88—-यतः मुझे एम० जगन मोहन

अायकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसको स० पर्लंट है जो तिलक रोड हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० इन्वि०/ हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12/83

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उप्योदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के त्याः, और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिकथा के लिए;

असः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अनुसरण मो, मो, उक्ष अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) को अधीन, जिम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती गांती वाई 45~1~10 तिलक रोड हैदराबाद । (अस्तरक)
- (2) श्री किरन **धन्य** मालकर 10-2-317/16 विजय नगर कालोनी हैदराबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी बारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तक्षरीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

पलैट प्रथम तल 4-1-10/बि॰/9/ए, तिलक रोड हैदराबाद, विस्ती.र्ण 979 ौ० फुट रिजस्ट्रों कृत विलेख न० 442 रिजस्ट्रों-कर्ना अधिकारी आई० ए० स ० इतिक० रेंज हैदराबाद ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12-10-1984

मोहरः

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निरौक्षण) अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० आई० ए० सी०/इक्यि०/ 37-ईई/89-यतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्ग हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसको सं कार्यालय नं 644 है जो रानी गंज सिकन्दराबाव स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनसूच मे श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्राकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० इक्वि० हैदराबाद में भारताय रजिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 12/83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूलय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वांश्य से उक्त अन्तरण निम्बित में बास्तिबक क्य से कथित नहीं किया नया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उचल निमान के जभीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिथा के निए।

(1) मेसर्स बाबूखान चिल्डर्स 5-4-86 राम।गंज सिकन्दराबाद।

(अन्तरकः)

(2) मेसर्स यप्सोलोन येलक्टानिक इक्यूपमेंट एण्ड कम्पोनेंटस लि० ई-2 इंडस्ट्रायल इस्टेट क्साइगूडा हैवराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अपिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति सुवार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्त्वी

कार्यालय नं ० 644 श्रीर 645 कल्का रीम ट्रेड सेटर, रानीगंज सिकम्बराबाद विस्तोणं 266 चौ० फुट श्रीर 266 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं ० 443 श्रीर 444 रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी आई० ए० ती० इक्वि० रैंज हैवराबाद ।

एम० जगत मोहन
'सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर भायुक्त (निरोक्षण)
अर्जन रेंज हैदराम्राय

श्रतः सक्, अक्त मिशिनयम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त जिथिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निस्निलिखत व्यक्तियों, जर्थात् हु——

दिनांक : 12-10-1984

## प्रकप आहा.टी.एन,एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैयराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० सी० नं० आई० ए० मी०/इक्खि० 37ईई/90—यतः सुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 10-3-1144/90 है जो पी० एस० नगर, हैवराबाद स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णें कप में विजित है) रिजस्ट्रोंकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० इक्ष्यि० हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रोंकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12/83

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से ऐसे ध्रथमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी कांग्र की बाबत, उक्त कधिनियम के कधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृत्रिका के लिए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिमाने में सुविधा के लिए;

अप्तः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निकालिक्स स्मितियों, अर्थात् क्र- (1) श्री ए० एम० कृष्णा मूर्ति 13-1-13 सुर्यारावपेट मेम रोड काकीनाडा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती टी० वसंता 10-3-444/90 पी० एस० नगर हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पृत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्ची

घर नं 10-3-1144/90 पी एस नगर हैदराबाद, विस्ती जी 1101 भी जुट, रजिस्ट्री इत विश्लेख नं 445, रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी आई० ए० सी इनिव रेंज हैदराबाद, ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 12~10~1984

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आर० ये० मी० न० 674/84-85—यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), 'की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हुँ

भीर जिसको सं० घर है, जो बाकाराम गांधोनगर, हैदराबा स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूच में भीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, चौक्स उपरूर्ण में भारताय रजिस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) हैं। के अध न दिनांक 2/84

को प्वामित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण सह्दं िकसी आय की नाबस, उजस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्यरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—→  (1) श्रामता ए० लक्ष्मानरसम्मा पित ए० सोमसुन्वरम पर्लैट नं० ए-1 तक्षाला अपार्टमेंटम, 1-1-11, एस० पी० रोड सिकन्दराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती डी० कमान्ता पति सूर्यनाराणा शास्त्री 1-1-650 गाधानगर वाकाराम हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृषंधित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकामन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस्मानन की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहम्नाक्षरी के पास निमान में किए जा भके ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वनसूची

घर सम्पति नं ० 1-1-650 बाकाराम गार्धानगर, हृदराबाद रिजस्ट्रोकृत विलेख नं ० 207/84 रिजस्ट्रोकृती अधिकारी चीक्क अपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैयराबाद

विनक : 15-10-1984

# प्रक्य नाइ. टी. एन. एस. -----

भाथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे सभीन सूचना

#### भारत सुरकार

# कार्यालय, सहायक अायकर जायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांकः 12 अक्तूबर 1984 निदेश सं० अई-1/37ईई/1392/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- इ. सं विध्क है

और जिसकी सं ० फ्लैट नं ० 5एफ, जो, 5 वी मंजिल, विना वैपि होम अपार्टमेंटस को-आंप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 28-ए, नेपियन सी रोड, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान क्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पासा गया प्रति-क्ल निम्नतिश्वित उद्दोष्य से उन्त अन्तरण निम्बत में वास्तिशक स्था से कथित नहीं किया गया है प्र---

- (क) जन्तर्ण से हुइ किसी जाय की बावल उक्त जीव-नियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बुजने में सुविधा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री किरोतकुमार एन० पारीख, और श्रीमतो सरोनेन हराबवराय पारीख। (अस्तरक)
- (2) श्रीमती गोभा मोहनदास चोतलानी। (अन्तरिती)

को यह स्वाग जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीश से 45 विन की समिश मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वृष्ण किसी अन्य व्यक्ति वृदाय अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकरी।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया न्या है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 5एफ०, जो, 5वीं मंजिल, विना दैप होम अपार्टमेंटस्, को-आंपरेटिव्ह हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, 28-ए० ने पियन सी रोड, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा की फर्नि अई-1/37ईई/1520/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, वस्बई बस्बई दिनांक 11 अक्तूबर 1984 निवेश सं० अई-1/37ईई/1665/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 17, जो, "दरीया महल"—ए० नेपियन सी रोड, अम्बर्ड-6 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध उन्हर्च में और पूणं रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बर्ड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन अम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 21 फर-वरी 1984,।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक लग्न से किथा नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरकः के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती महाराज कुमारी ज्योत्स्ना देवि, वाईवान, और मेजर जनरल ए० आर० दन। (अइनरक)
- (2) श्री दिलीप के० गांधी, और श्रीमती सुधा डी० गांधी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (सं) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अभूसुची

प्लैट नं० 17, जो, दरीया महल-ए, नेपियन मी रोड, बम्बई--6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋ०सं० अई-1/37ईई/1573/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 21 फरवरी 1984 को रजीस्टई किया गया है।

> ग० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 1-10-1984

मोहरः

# प्रारूप आइ. टी. एन. एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायकत (मिरौंसण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 11 अन्तुबर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईहै/1715/83-84--अतः मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुपास 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, महाविर अपार्टमेंटस्, ताडदेव, बम्बई मैं स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूर्च में और पूर्ण रूप से विणत है), रिस्ट्रिं कर्ता के कार्यास्य, अम्बई में रिस्ट्रिं एप अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन पाबई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, विमांक 9 फरीरी 1984।

पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उनके धहरयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में पास्तिवक्त रूप में कथित महीं किया गया है ह

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की वावत, उत्तर अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- ा) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तयौं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृनिधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) मेपर्भ पंरेगाऊंट बांपीरेणन ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहनलाल मी० शेठ, और श्रीमती कलावती मोहनलाल शेठ।

(अन्तरिती)

(3) मेसर्स पंरेमाउंट कार्पोरेणन । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्वष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा भी उस अध्याय में विद्या गया हैं।

#### बसमधी

पनैट नं० 402, 4 थीं मंजिल, महावीर अपार्टमेंटस्, ताडदेव, बम्नाई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कल्सं० अई-1/37ईई/1574/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्गई द्वारा दिनांक 9 फरवरी 1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप जाइं. टी. एन. एस. -----

(1) श्री मेहबूब सब्जअली सुंदरानी।

(2) श्री प्रशांत घनश्यामलाल शहा।

कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

(अन्तरक)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ण (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

क्तार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

धम्बई, दिनांक 11 भ्रक्तूबर 1984

निवेश सं० अई--1/3 7ईई/1 812/83-84--अत: मुझे ए० लहिरी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० औं फिस नं० 23-एल, जो, 12वी मंजिल बिल्डिंग नं० 3, नवजीवन सोसाइटी, लैमिड रोड, बम्बई-8 है स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची हैं और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीक्राण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्की है, दिनांक 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह जिस्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्योदय में उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण सें हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के लिए;

अतः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त व्यीधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निजिस्त व्यक्तियों, अर्थात ६—— 8—336GI 84 (अन्तरिती) को यह सुचना जारी करके पृद्योंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त . अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्सूची

अनुसूची जैसा की क०सं० अई-1/37ईई/1679/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप बाहु .टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 ग्रक्तुबर 1984

निदेश सं० अई-1/37ईई/1817/83-84--अत: मुझे ए० लहिरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संव यूनीट नंव 212, जो, शिव शिक्त इंड-स्ट्रियल कांम्प्लेक्स, श्री सिताराम मिल कंपाउंड, लेअर परेल यम्बई-13 से स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, यम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन यम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनाक 2 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गना प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुंद्र किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरफ के बायित्व में कभी करने या उससे अभने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अतः, उकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राम शिवनदास भारवानी।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स सिंग एक्सपोर्ट ।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को जर्जन को तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित; है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्त्रची

यूनिट नं० 212, जो, णिव प्रक्ति इंडस्ट्रियल काम्प्लेक्स, श्रो सिताराम मिल कंपाउंड, लोअर परेल, धम्बई-13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क॰सं॰ अई-1/37ईई/1446/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्गई द्वारा दिनांक 2 फरवरी 1984 को रजीस्टर्ड सिया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 11-10-1684

मोहर

प्रकल बाह्र 🕝 टी ु एन . एस ,------

# भावकर जीभीनियम, 1964 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रेंज-1. बस्य ई

बम्बर्ड, दिनांक 12 अन्दूबर 1984

निदंण म० श्रई-1/37ईई/1842/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अध्यात् उत्तत अधिनियम' कहा पैसा हैं), की पार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/-छ. से अधिक है

25,000/-ए. से जावक हु

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 27, जो, 7 वी मंजिल, सेंट्रल को को-श्रांप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, मोटलीबाई स्ट्रिट, बम्बई—11 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रिधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 2 फरवरी 1984 को पूर्वोंकत संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मुख्य उसके श्रथमान प्रतिफल के, एसे श्रथमान प्रतिफल का बन्दार प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया श्रतिफल, निम्नीकियत उच्चक्ष से उक्त बन्तरण कियत में वास्तिकल, निम्नीकियत उच्चक्ष से उक्त बन्तरण कियत में वास्तिकल स्प से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की वाबस, उक्स जिथानिकम के जभीन कर दोने के जन्सरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; शरि/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किस् भारतीय आयकः अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, वें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधी न निक्तनिजिस क्योक्तियों, अधीत :---- (1) श्री विजय कुशन मेहरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री इक्बाल सिद्दीक पटेल, ग्रीर श्रीमती रूकैया इक्बाल पटेल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियः 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### मनुसूची

पर्गैट न० 27, जो, 7 वी मंजिल, सेंट्रल कोर्ट को-मांपरेटिव्ह हार्जिस सोसाईटी लिमिटेड, 18, मोटलीबाई स्ट्रिट, बम्बई-11 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कर्लंश श्रई-1/37ईई/1467/8-3-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, बस्बर्ड

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रक्टूबर 1984

निदेश मं० अई-1/37ईई/1855/83-84—अत: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रीर जिसकी सं० यूनीट नं० 151, जो, शहा अंण्ड नहार **इंडस्ट्रियल** इस्टेट, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्रर परेल, बम्बई--13 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) कें अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 फरवरी 1984। को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और सुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्घय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त औधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात् :----

- (1) श्री शहा भ्रंण्ड नहार श्रासोसिएटस्।
- (2) मेसर्स स्वशोक शर्मा ऋण्ड श्वासोसिएटस्, (प्रायवेट) लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(ग्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

यूनिट नं० 151, जो, 1 ली मिजल, शहा भ्रंण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट v-1, धनराज मिल्स कंपाउंड, सिताराम जाधव मार्ग, लोध्रर परेल, बम्बर्ड-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०स० श्रई-1/37ईई/1480/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, बस्बई

ना**रीख** : 12—10—**198**4

## त्रक्य आर्थः टी. एथः एसः ------

भागकर भौभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के भ्राभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 ग्रक्टूबर 1984

निवंश म० ग्राई-1/37ईई/1869/83-84—ग्रतः मुझे, ए० लिहरी

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दश्चात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पक्षि जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- फ. से मिक हैं

श्रौर जिसकी स० ऑफिस प्रिमायसेस नं० 144, जो, 14 वी मंजिल, "ए" विंग, मिक्तल टॉवर्स, नरीमन पांइट, बम्बई-21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण म्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कला के म्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनाक 4 फरवरी 1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दही और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि संशापनींक्त सन्परित का अचित नाजार ब्रुक, उसके दश्यमान प्रतिफल्से एसे अध्यमान प्रतिफल का बल्बाइ प्रतिवात से विभिक्ष ही बीर वंतरक (वंतरकों) वीर वंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे बन्तरम के निए तब पाना गया प्रति-कस निव्यक्तिक उद्भवेषय से उक्त जेतरण विकित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) जन्तरण डे हुई किन्दी जाव की बावण उनके अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कामी कारने या उससे वचने में सुविधा को लिए औड/बा
- (क) इंडी निजा नाय ना फिली थम ना नन्य नास्त्तों को, जिन्हों भारतीय नायकर भीधीनयन, 1922 (1922 का 11) ना उनता न्यापितयन, या धन-कर निधीनयन, 1957 (1957 का 27) ने प्रधोचनार्थ नन्तरिती त्यारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया वाना चाहिए ना, कियाने में सुविधा ने किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) मेमर्स चुनीलाल सुरजमल।

(ग्रन्तरक)

- (2) मास्टर सुदीप स्थामकुमार श्रीवास्तवा। (ग्रन्तरिती)
- (3) मेसर्स चुनीलाल सुरजमल।

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के कर्जन के सिर्ह कार्ववाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपर्तित के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बर्वीभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायिक हैं, बही वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूधी

श्राफिस प्रिमायसेस नं०  $1\,44$ , जो, 14 वी मजिल, "ए" विग, "मित्तल टावर्स" नरीमन पाइंट, बम्बाईत्21 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०सं० श्रई-1/37ईई/1490/83;84 श्रीर जो सक्षम श्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

प्रक्ष भाइं.टी.एन.एस. -----

भावकर गीधिनवर्ग, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वाना

#### शाद्व सरकार

# कार्यास्य, तहायक शायकर मायुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, विनाक 12 ग्रक्टूबर 1984 निवेण सं० ग्रई-1/37/1871ईई/83-84--ग्रत भुझे, ए० लहिरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्र बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

मीर जिसकी म० गाला न० 418, जो, अजय इडस्ट्रियल इस्टेट, माझगांव, बम्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908 का 16) के श्रिधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 11 फर-वरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुक्य इसके दश्यमान प्रतिफल से, एंबे दश्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिखत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) बन्तरण से हुई किवी आब की बाबत, उक्त अधिनिधम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व के कवी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; बीर/वा
- (स) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा खें किए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री रामचद्र व्हि॰ दोशी, एच०सू०एफ०।

(ग्रन्तरक)∞

(2) श्रीमती रमीला एस० पटेल।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पर्तिः के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्ये .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के की 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित क्यक्ति में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा हैं।

### अनुसुची

माला न० 418, जो, प्रजय इडस्ट्रियल इस्टेट, मस्करंहम्स रोड, 4 थी मंजिल, माझगाय, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०स० श्रई-1/37ईई/डिम्ड्स-7783-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11-2-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख 12-10-1984 मोहर प्रकृष कार्च. टी. एन्. एसं.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-व (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

# कार्यामय, सहायक मायक र मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, यम्बर्ध

सम्बर्ध, विनांक 12 ग्रक्ट्बर, 1984 निदेण सं० श्रर्ध-1/37ईई/1872/83-84र-श्रतः मुझे, ए० लहिरी

नायकर मृथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25.000/- रूत. से जिथक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैंट न० 505, जो, 5 वी मंजिल, "ई" विंग, विना बिना श्रपार्टमेटस्, सिवरी (प०), बम्बई-15 में स्थित हैं- (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 4 फरवरी 1984

कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 4 फरवरी 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफास के निए अन्सरित की गई है और मृन्धे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबाँ) के बीच एसे अन्वरण के निए तब पाता नवा प्रतिकृत, निम्निजिचित उद्बंदन से उस्त बन्तरण विविद्य में बास्तिकक रूप से क्रिजत नहीं किया गया है:---

- (क) वार्यहरू से हूद किसी बाब की बाबत, अबत जिसीन्यम के बभीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने वा उससे बच्ने में मूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एखी कियी नाव वा कियी वंत वा नम्ब आस्तिवाँ कां, विन्हें भारतीय नाय-कर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उनत निवित्यम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में नविधा के सिए;

जतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निस्निसिक व्यक्तियों भूषीत :—

(1) मेसमं विना बिना इंटरप्रायजेम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मायादेवी एल० मिरचंदानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वता चारी करके पूर्वोक्स संस्थित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस स्वान के शावपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्मत्ति में हितवज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिर्वित में किस का सकती।

स्पस्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त पन्नीं और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम दें अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु कि होगा, को उस अध्याय में विया गया

#### शनसभी

श्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० श्रई-1/37ईई/1492/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

तारीख: 12-10-1984

# प्रकप् कार्षं .टी .एम् .एस् . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 प्रक्टूबर 1984

निदेश सं० भ्रई-1/37ईई/1873/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, 2 री मंजिल, विंग-**ई, विना बिना** श्रपार्टमेंटस्, ग्राचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन श्रौर जिसका करारनामा भायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क.ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 4 फरवरी 1984। को पूर्वों क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य क्षे कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए जन्तरित की गुड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बुल्ब, उसके ध्यमान प्रतिकल से, एसे ध्यमान प्रतिकल् का पन्द्रहंप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोरय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मो, मो उक्त अधिनियम को धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन जिम्मिलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— (1) मससं विना विना इंटरप्रायजेंस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए०ए, च० ग्रब्दूल हास सिद्दीक ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त संपृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विम् की व्यविधात त्यान्यस्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन् की व्यविधा को भी व्यविधान में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तिस्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस तुमना के राजधन में प्रकाशन की धारीय से 45 बिन्नु के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनवृथ किसी बन्न व्यक्ति बुवारा ज्याहस्ताकाड़ी के शत सिवित में किए वा संकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके विभिन्निक, के बध्याय 20-क में परिभावित है, बही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिवा प्रवाह ।

# नन्स्यो

पसैट नं॰ 203, जो, 2 री मंजिल, बिग-ई, विना विना ग्रपार्टमेंटस्, ग्राचार्य दोंदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), बम्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की फ़॰सं॰ अई-1/37ईई/1493/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बस्बई

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप आर्द. टी. एन. एस. =-----

आरु कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-- घ (1) के अभीन सुचना

### भारत सरकार

'कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अन्तूबर 1984

निदेश सं० श्रई-1/37र्हर्र/1874/83-84—श्रसः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाम 'उंक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्रांफिस प्रिमायसेस नं० 1109, जो, 11 वी मंजिल, दातामल टावर्स, बॅकबे रेक्लमेशन, बम्बई में स्थित है) ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजीस्ट्री है, दिनांक 4 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ख्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योचय से उक्त अन्तरण निविद्य में नास्तिक क्य से कवित मुझी किया गया है:—

- (क) अन्तरण न हुई किमी बाब की बाबल सकत स्विक् निष्म के नशीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे सजने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी विन्ती नाय या किसी थन वा अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम या धन कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती स्वारा प्रकट नहीं किया अया या या वा विजया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के बिख;

वतः वव, उवत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात् 2— 9—336 GI/84

(1) श्री सुंदर किशिनचंद दुलारामाणी।

(भन्तरक)

(2) 1. कुमारी श्रनुसूया साधू (मायनर), थू हर गाडियन श्रीमती श्रनिता साधू, 2. कुमारी रंजना रांय डांटर झांफ, पिमाकी पंकज रांय, श्रीर 3. कुमारी ग्रनिता घोष, डांटर भ्रांफ सत्य झाता घोष।

(धन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्तित क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया है ।

### वन्सूची

श्रांफिस प्रिमायसेस नं० 1109, जो, 11 **वी मंजिल,** दालामल टांबर प्रिमायसेस को-श्रांपरेटिव हाउसिंग भोसांश्रीटी लिमिटेड, 211, बंकबे रेक्लमेशन, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क०सं० ग्रई-1/37ईई/1505/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० सहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीखा: 11-10-1984

प्रकम बाह्र . टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक मायकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्फ, दिनांक 12 अष्टूबर 1984

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- राज्य संबंधिक है

ग्रौर जिसकी सं० इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 417, ग्रजय सर्विस इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस, माझगांव, बम्बई—10 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कर्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 13 फरघरी 1984।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूफे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निजिक्त उद्विदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या अन्य कर अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों. अर्थात् :—

(1) श्री हेमेंद्र व्हि० दोसी, एच०य० एफ०।

(श्रन्तरक)

(2) मेस्सं इम्प्रेसिनिस्ट।

(श्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त संप्रित के वर्षन के शिष्ट कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की बविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितजर्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए था सकने।

स्वक्कीकरण: — इसमें प्रगुक्त क्रक्कों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होया जो उस अध्याय में विवा गया है।

# अनुसूची

इंडस्ट्रियल यूनिट नं० 417, जो, ग्रजय सर्विस इंडस्ट्रियल त्रिमायसेस डां० मंस्करंहन्स रोड, माझगांच, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क०सं० श्रई-1/37ईई/डिम्दस-45/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 13-2-1984 को रजीस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-1, बम्बई

सारीच : 12-10-1984

प्ररूप भार्ड : टी. एन. एस. - - - --

नायकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अधीन सुचना

#### भारत सरकातु

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (मिरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० धर्द-1/37ईई/1902/83-84--- ग्रतः मुझे, ए० लहिरी

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 212, जो, शिव श कित इंड-स्ट्रियल काम्प्लैक्स, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 10 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का काउण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत के विश्वास कर्ति का उधित के विश्वास में प्रतिकृति से भृधिक है और नंतरक (अंतरकों) और नंतरित (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मसिवित उद्वेषय से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरूण से हुई किसी भाग की बाब्द, उक्छ निभीन्त्र के भूभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कबी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना आहिए था, कियाने में सुविधा के शिए;

अतः जन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसर्ण के, मैं, एक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निकासियां व्यक्तियों, अधीत ु----

(1) श्री राम शिवनवास भारवानी ।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स सिंग एक्स पोर्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उभत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवाश;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधीं होगा, जो उस अध्याय में वियागयाही।

### नन्त्र

यूनिट स० 212, जो शिव शिवत इंडस्ट्रिगल कांम्प्लैक्स, श्री सिताराम मिल कंपांचड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की करुसं० श्रई-1/37ईई/1723/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10 फरबरी 1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 11-10-1984

मोहरः

प्रस्प बाह्". टी. एन. एस्., ------

नामकर निभिन्तिन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सूचना

#### बारत सुरक्तक

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० अर्ड-1/37ईई/1912/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसको स० गरेज न० 3, रजत श्रपार्टमेटस को-श्राप० हाउसिंग सामाईटो लिमिटेड, 20, माउन्ट प्लेझन्ट रोड, बम्बई— 6 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10-2-194

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकृतक कि निक्तिमिद्द दृश्येस्य से उच्च सन्तरण विचित्त में बास्कृतिक रूप से क्षियत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वायतः, उक्त विभिन्नम के बधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के शिष्ठ; बाँद/या
- (श) एती किसी बाय या किसी धन वा बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मंस्विधा के लिए;

मतः मन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसक्त्म में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भागिन, निम्निखिखिल व्यक्तियों, मर्थात् स्— (1) श्री अमिम प्रलीभाई प्रेमजी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवजो के० छैड्डा

(भ्रन्तरिती)

को सु बृज्ञा धारौँ करके पूर्वोक्त सम्परित से वर्षन के दिस् कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप्र-न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्थव्यक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ेरिज नं 3, जो, रजत श्रपार्टमेंट्रस, कोग्रापरेटिव हाउसिंग मोसाईटी निमिटेड, 20, माउन्ट प्लेझन्ट रोड, बम्बई-300006 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि० स० श्रई-1/37ईई/1729/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारां दिनांक 10-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज-1, बम्बई।

तारी**ख**: 12-10-1984

### प्रकृष कार्क हो। एवं एक 🧸

**गायकर अधिनियस, 1961** (196) के ना, की परा 269-भ(1) के अधीन सुनन

#### भारत सरकार

शायां नियं , सहायक बायकार कार्त र अर्जन रेज÷1 ाम्बर्ट वम्बर्ड, दिनाक 12 अप्रत्यर 1984

निर्देश स० अई-1/37ईई/1914/83-84--प्रत मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिले इसर्म इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया के), का धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

प्रौर जिसको स० फ्लैटन 403 तो 141 तता स्य भी सागर की-प्रोग० हाउसिंग सोगाईड लिमिटेड पुगरण रोज बालकेश्वर, बस्तई-6 में स्थित है (गीर १६ तिमिटेड पुगरण) रोज बालकेश्वर, बस्तई-6 में स्थित है (गीर १६ तिमिटेड पुगरण) से प्रौर पूर्ण का में बणित है), रिजर्ड़ी तिक । ति ज, तक में रिजस्ड्रीवरण अधितयम, 1908 (1908 ता 10) के १ त प्रांत जिसका वरारनामा आया प्रधानयम 1961 ता अप्रा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम आधिकार के त्रित्य में रिजस्ड्री है, तारीख 10-2-1984

को पूर्वोकत सम्परित के उचित वाजार कृषा । सं ६ २२ तान प्रतिकल के लिए अन्तरित की यह है और सं तर तर ते ताम करों का कारण है कि सथापूर्वाकर सार से तान परितकत का प्रमुख्य , उसके दश्यमान प्रतिकल से , ए में दश्यमान प्रतिकत का प्रमुख्य , उसके दश्यमान प्रतिकल से , ए में दश्यमान प्रतिकत का प्रमुख्य , उसके दश्यमान प्रतिकल से , ए में दश्यमान प्रतिकार का प्रमुख्य , उसके दश्यमान प्रतिकल है और अंतरक (अंतरका) । प अंतरित (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्दश्य स उकत जारण को लिए मा बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से शुक्ष किथा। वा १ ६ ड अभिनयम को अथी। उर बाबित्य में अभी अस्ति । उनेत व्यव प्रवास के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरिसया की विनह<sup>3</sup> भारतीय बायकर अधिनियम . 1922 (1922 का 11) या अवस अधिनियम एक ना-किए का नियम, 1957 (1957 का 22) के जयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या ज्या जाना चाहिये था, जियाने मी सुविधा नौ लिए.

मतः अन, उक्त अभिनियम की तथा 269 के के वदशरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269 व को उपशासा (1) के अभीन, निम्नसिश्विक व्यक्तिसमाँ, अभीत् .--- (1) श्रीमती सुधा ए० जवेगी

(ग्रन्सरक)

-----

(2) अ। मधुर्रणन् महता

(ग्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति ह)

का यह सूनना जारी करके पृक्षित सम्पत्ति के अर्जन के सिए

१ + १ / ४ - १ क प्रवाद भी का**हाँ भी आक्षीय :---**

- (क) एस स्वार के ाजपत्र में प्र**काशन की तारीख सें**45 रिम कें! स्वरि का तत्सखन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  विश्व कि समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (ख) उप ा जिस्सामन मी प्रकाशन की तारीस सं 45 कि के भीतर उक्त प्रभावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यदिल द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के कर्य के किसी अन्य की किसी आसी स्वीति के

स्पद्धांकरण इसमों गयन अब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के जन्माद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ है ना, चा प्त अध्याय में विद्या गया है।

### अनुसूच।

फ्लैट न० 403 जा, 441 मर्जिल, न्यू श्री सागर को-भ्रापरेटिव हार्जीसग सोसाईटो लिमिटेड, 29-सी, **डुगरशो रोड,** वालकेश्वर बम्बई-७ में स्थित है।

सन्प्च। जैपा कि क० प० अई-1/37ईई/1414/83-84 ग्राप ना पक्षम ाधि गर। नम्बई द्वारा दिनाक 10-2-1984 को राजस्टर्ड किया गया ह।

> (ए० नहिरी) सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रानंन रेज-1, बम्बई।

ारीष्व 12-10-1984 ॥इर:

# प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) कें अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्त्बर 1984 निर्देश स० श्रई-1/37ईई/1918/83-84—श्रतः मुझे, ए० लहिरी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के गथीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट 4थी मंजिल पर, समर्थ निवास, हिन्दू कालनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ग्रौर जिसका करारनापा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 17 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्छ सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास फरने के कारण हो कि यथाप्तांकत सम्परित का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, ए'से दश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे शासाविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायत्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा क लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः मन, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के जनसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) से अधीन निम्निधित व्यक्तियों, अर्थातः :— (1) यूनिट डेन्ह्लागर्म ।

(प्राप्तरक)

- (2) श्री अयंतीलाल चुनीलाल शाहा,
  - (2) चन्द्रकांत चूनीलाल शहा, भौर
  - (3) विकम भूनीलाल नहा

(मन्तरितो)

(3) म्हाले बदर्स

(वह व्याक्त जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में द्वितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी जाकोप-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

### **भनु**सूची

फ्लैट 4थी मजिल पर, समर्थ निवास, 148-ए, हिन्दू कालनी, दादर, बम्ब $\xi-14$  में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37ईई/डिम्डअ 9983-84 ग्रीरजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 17-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 12-10-1984

श्रुक्य बाह् , टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

### भारत करकाड

# कार्यांस्य, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984 निर्देश मं० अई-1/37ईई/1922/83~84--अतः मुँहो, ए० लहिरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उकत निधिनियम कहा गया हैं) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजाद मूल्य 25,000/-ए. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट नं० 19, जो, 3री मंजिल, महालक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, लोअर परेल, बम्बई—13 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 10-2-84 की प्रविक्त सम्पत्ति के जिपत बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से बाधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मीलिखन उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से झूर्य किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुखिधा के जिए और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गर वा वा किया जाना चाहिए था, विभान में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीम, जिस्तीसिका अधिनायों, अर्थात् :--- (1) श्री हरी धाउन

(भन्तरक)

(2) मैसमं प्राग रेफि चरेशन पायवेट निमिटेड

(अन्तरिनी)

(3) श्रन्तरिती

वह व्यक्ति जिसके श्रशिभोग में वह सम्पति है)

को यह सूचना धारी करके पूर्वाकिः संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में श्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सुमान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के शीतर उनत धानर सम्प्रीत्व में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति धारा अधाहरराञ्चरी के पार स्थिति में लिए हा सकरी।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ हाँगा, जो उस अध्याय में विद्या सवा है।

#### अन्मूची

यूनिट नं ० 19, जो, 3री मंजिल, "महालक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, ड्रेनेज चेनेल रोड, गांधी नगर, लोअर परेल, बम्बई -13 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अर्ड-1/37ईई/1733/83~84 और जो सक्षम प्राधिदारी, वस्बई द्वारा दिनांक 10~2-1984 कोरजिस्टर्ड किया गया है।

> ण्० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक्ष आयकर ायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज ा, बम्बई।

तारीख: 11-10-198 4

प्रस्य आर्थं टी. एन. एम --- --

भारत अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) की अभीन मुलना

#### भारत सरकार

कार्यातय, महायक आगकर आयुक्त (रिकास्तर्भ) अर्जन रेज-1 बम्बई

भम्बई, दिनाक 12 अक्तूबर 1984 निर्देश म० अर्ड--1/37ईई/1944/83--84 -अत मुझे ए० लहिंगे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसं श्यमें इसके परचात 'उन्त मधिनियम तहा गया में) की तारा 269-क के अधीन सक्षम गांधि परचे न मन जिल्ला मान्य कारण है कि स्थावर सन्मिति कियान मिन न पर नहा 25,000/- रह से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 173, जो, "श्री ओम एदन", नारायण, दामोरावर रोड, बस्बई -6 में रिधा है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप र जिस्ति हैं) र जिस्ती ली के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्री रूप अर्थि एम 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिस्ता अर्था र अर्थि एम 1961 की घारा 269 एक के अर्थीन नम्बई स्थि। उक्षम पाधि बारी के अर्थीलय में "जिस्ट्री है जिस्ब्री 5 2 1984

कां प्रांक्त पर्णाल के स्वित बाजार हत्य स कर हो उपमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मारे यह जिस्तास करने का कारण हैं कि यथाएगींनत संक्ति का स्वित का प्राप्त मृत्य, असके दश्यसान प्रतिकाल से एक रणायान प्रतिकता के प्रतिकात से अधिक हैं और अतरक (अंसरको) और अनिरती (अन्तरित्यों) के बीच एप अन्यास में किन तम प्राप्त के प्रतिकात, निस्निविद्यात उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक हो मिन तम के किन एप से से अस्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक हो से किना प्राप्त के से बास्तिक हो से किना प्राप्त के साम्तिक हो से किना प्राप्त के सामतिक हो से किना प्राप्त की स्वार्थ के सम्तिक हो से किना प्राप्त की स्वार्थ के स्वार्थ की स्वार्थ की स्वार्थ के स्वार्थ की स्वार्य की स्वार्थ की स्वार

- कि) बन्तरण से हाई किसी आव की बाबत, उनक अधिनिमच में अधिक चार दोने के करणुक्त के बाधिक में कासी आरने गा क्षण प्रकर्त मिल्ला के निर्दाण में र्रोग
- (थ) एसी विसी आए रा रिमी धन या सब आस्तिए। को जिल्हा भारतीय ३। व जिलि ॥ १११ (1922 का ११) मा नाम जिलि के धन-कर अधिनियस, 1057 (१९,७ १७) की प्योजनार्थ अस्तिकित स्वप्त केट मही कि , ज्या भा सा विस्था लागा आहिए भा कियाने में क्लिए। की निया

बतः कथा, जिस्त अधिनियम को धारा २६०-ग के ठासरण को, मी, डक्त अधिनियम को धारा २६९-घ की उपध्यश (1) को अधीन, निम्लिसिन प्रक्रियों, अपीय --- (1) श्री ओम गयन प्रायवेट लिमिटेह।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गरमेश्वरीदेवी,
श्री पती अग्रतान

(अन्तरिती)

को यह सच्चा जारी नारके पर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सकता के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 कि की समीध या तत्संबंधी क्यक्तियाँ पर राज्य की तामील में 30 दिन की समीध, जो भी गांध तार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त नाम नाम में किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मनाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से के शीवर कित स्थावर संपीत में हितबद्ध कि अधिक द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास

स्मानिक्षण - ए व । एकि शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 173, "श्री ओम मदन", 15, नारायण दामोल-कर रोड, बम्बई - 6 में स्थित है।

अनुसूत्री जैपारिकार मंग्र अई-1/37ईई/2121/83-84 और को एक्स अधि गरी बस्बई द्वारा दिनाक 15 2-1984 कोरजिस्टर्ड नियागसाहै।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज—1, **बम्बई** ।

नारीख:12-10 1984

मोहर '

प्ररूप आइं. टी. एन : एस. -----

नायक ट्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक)

अर्थन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश मं० अई-1/37ईई/1945/83~84--अतः मुझे; ए० लहरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं० 174, जो, श्री ओम सदन बिहिड्ग, नारायण दाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीखा 15-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ॐ र्पान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्द (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के लिए हम पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश से उसत अन्तरण मिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) बन्तरण से हुई किसीं बाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था छिपाने में सृषिधा के लिए;

(1) ओम सदन प्रायवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) श्री प्रदीप अगरवाल, श्रीमती परमेश्वरीदेवी अगरवाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहंस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण: -- इसमें अमुक्त खम्बां और पक्ष का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

क्लीट नं ० 174, जो,श्री ओम सदन बिल्डिंग, 15,नारायण दाभोलकर रोड, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि चा० सं० अई-1/37ईई/1735/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरेज-1, बम्बई।

तारीख: 12-10-1984 मोहर: प्रस्य नार्षः ती. एए. एस . ------

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्वेष सं० अर्ड-1/37र्ड्ड/1954/83-84--अत मुझे, ए० लहिरी,

कारकार निर्मानमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त स्थितियम' सहा प्या है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्ताब करते का कारण है कि स्थावर संपर्शत विश्वका उचित बाबार मूक्य 25,000/- फ. से विश्वक है

और जिसकी सं ० पलैंट नं ० 10, जो, "सी" ब्लाक, "बायतुल अमाम" की—आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेट, मौलाना आजाद रोड, बम्बई – 5 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्री ति के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1008 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15—2—1984

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उषित जाजार मूल्य से कम के द्रध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथाप्कों क्त संपत्ति का उषित आजार मूल्य. असके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बल्द्र प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांश्वत महीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायब, क्यल अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के किए; बौर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती क्षारा प्रकट महीं किया गया था वा किया धावा था हिस्सा गरी के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुस्थ्य मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीक, निम्मितिसित व्यक्तिकार्ग, नर्थात् हः—— (1) श्रीमतीखतिजासिहीक रेशमवाला।

(अम्लरक)

(2) श्रीमती फमिदा महमूद नाईक।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कारे यह सुवका जादी करके पूर्वीचल तस्पृतित की सूर्वम् की लिक्ष् कार्यवाहिमा करता हूं।

उक्त सम्बन्धि को सम्बन्ध को सम्बन्ध में नार्ष्य भी सम्बन्ध :--

- (क) इस क्ष्मना के राज्यत्व के उत्तराव की वार्ताम के 45 किन की क्ष्मीय ना उत्तराव्यत्वी व्यक्तिन की उत्तराव के 30 किन की नवीय, की की करीन बाद में बनान्त होती हो, की तीतृर पूर्वीचय महिनदारों में से किती न्यानित हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में क्रकावन की सारीय के 45 दिन के भीतर उनत स्थानह बंगीस में हिस-बृह्य किसी अन्य प्यमित बुवारा अधोहस्तासाड़ी क गाव सिवित में किए का सकेंगे।

स्वक्षीकरण :---प्रतयों प्रमुक्त क्षमां शीर पर्यों का, को जवल व्यक्तिकत् के बच्चाव 20-क में परिवाधित हूँ, वहीं वर्ष होगा को क्षा बच्चाव में दिका गया है।

## अनुसूची

प्लट नं० 10, जो, "सी" क्लाक, "बायतूल अमान" को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 2, मौलाना आजाद रोड, जंक्शन आफ बलासिस रोड और डंकन रोड, बम्बई-8 में स्वित है ।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ईई/1793/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 15-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सङ्ख्यासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, घम्मई।

तारी**वा** : 11--10--1984

मोहर.

प्रकार आहें.टी.एस.एस. ------

कामकार वीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म(1) के वर्धीय सुकता

#### भारत सर्कार

काबीलव, सन्नायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनांकः 11 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं॰ अई-1/37ईई/1959/83-84---अतः मुझे, ए॰ लहिरी,

कावकर कविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त कवित्वम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के कभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पर्लंट नं० 2, जो, 2री मंजिल, श्री राम भू-धन, दादर, बम्बई—14 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ली के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कका के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-2-1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिकास के सिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वशापूर्वोक्त संपरित का उन्तित वाचार मूल्य, उतके करवमान प्रतिकास से एसे दस्यमान प्रतिकास का पण्डाह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरिता) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम चावा नृत्य प्रतिवात, जिम्मसिचित उन्नेक्ष से उच्य कृत्यरण कि सिंह का मूला का मूला प्रतिवास का है:—

- (क) अन्तरण से शुद्ध किसी जाम की बानता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए; जीट्र/वा
- (क) होती किसी बास वा किसी भन या बन्य जास्तियों की किसी भारतीय शासकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती कुवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में उक्त जीविनियम की पारा 269-ग की उपवारा (1) को अधीन, निम्मीकीयत अधिनत्वी, जनीत हु---- (1) मैसर्स बिल्ड क्लीन

(अस्तरका)

(2) इन्स्टार्लाम कन्द्रोल प्रोडक्टस

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री महावेव शिवराम पाटिल, और (2) श्री विठोना शिवराम पाटिल। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद है)

की यह स्वना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपिक ख्वारा अधाहस्ताक्षरी की पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लैट नं० 2,जो 2री मंजिल,श्री राम भुवन, दादर, अम्बई--

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ईई/1738/83-84 और जो सक्सम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई।

वारीख: 11-10-1984

मोहरः

ब्रस्य गाइ". टी. पन्. एस.-----

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुचना

#### भारत श्रकार

# कार्यानय, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तिक) अर्जन रेजिन्स, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई--1/37ईई/1963/83-84--अत: मुझे ए० लहिरी,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्थ 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आफिस नं 1318, जो, 13वी मंजिल, प्रसाद चेंबर्स, राक्सी सिनेमा के बाजू में, बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्सा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषम से उकत अंतरण कि वित्त में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) जलारण से हुई किसी जाय की 'बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने वा उत्तरे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आव-कर जिम्हियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना किहा था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात्ः— (1) भैसर्स दिपक इंटरप्रायजेस ।

(अन्सरकः)

(2) मैसर्स महाविर डायमंड्स

(अन्तरिती)

को बहु बुक्ता कारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिए कार्वनिहिषां करता हुई ।

उनत् सम्पत्ति के भर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामींल से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति य्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

आफिस न'० 1318, जो, 13वी मंजिल प्रसाद चेंबर्स, राक्सी सिनेमा के बाजू में, वस्बई-- 4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ईई/1740/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 20-2-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्बई ।

तारी**च**: 11-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1981

निर्देण सं० अई-1/37ईई/1966/83-84-अन मुझे. ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जियं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की जियं 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास काने दा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार कल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी मं० सी—3, जो 3री मजिल, मान ज शा िएमाय-सेम को-आप० मोसाईटी लिमिटेड नैपियन यो योड व्याही—30 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुमूची में आर पूर्ण गण के बाणत है), रजिस्ट्रीतार्ता के कार्यालय, बस्बई में पित्रस्थे पार्वाधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधारा और िए कार्याधि-नामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 एक है उपधीत बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में श्रीक्ष्म्य है, गण प्र 20-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्षित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह निरदास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एमे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गपा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 में 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा १६६-६ के १६६ रण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ध को उन्हार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वृधीतुः—— (1) श्रीमती प्रश्ताबेन डी० दवे।

(अन्तरम्

(2) श्रा विनोदराय पोपटलाल पटेल, घनश्यामभाई पोपटलाल पटेल, और नयनाबेन जयंतीबाई पटेल

(अन्तरिती)

कां यह सूचन। जारी करके पूर्वाक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

रपद्धीकरण - -इसके प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जिथिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं का का अहा है है। जिल्हा मातु आशिष प्रिमाय-रंग को-आपरेटिय सोसाईटी लिमिटेड, 39, मेपियन सी रोड, बम्बई--36 में स्थित है।

अनुचर्चः जमा कि कर सर अई-1/37ईई/1743/83-84 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांकः 20-2-1984 को रिजस्टर्ड विद्या गया है।

> ए० लहिरी स**शम प्राधिकारी** महायक आयक्कर आयुक्त निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

भारीखा. 11- 10 1984 मोहर: प्रस्थ भाइ<sup>र</sup>. टी. एन. एस. -----

बाथकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/1978/83-84--अतः मुझे, ए०लहरी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 25,000/- . रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 43,जो,एम्पायर गाईड को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, एल० डी० रुपारेल मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन और निसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं,तारीख 20-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कुट दोने के अन्तरक के बाँगत्व में कमी करने या उससे अवने में सूविधा की लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयों को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार नियम, या धनकार नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

बता वर, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियमों, अथित :--- (1) श्री टिक् बन्द दुर्गीजी जोगानी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ज्योत्स्ता गोपाल मोकानी और श्री गोपाल प्रभक्षम गोकानी

(अन्सरिती)

(3) अन्तरक और उनका परिवार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्ति के वर्षन की सिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनिगुम, के वश्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नन्स्ची

फ्लैंट नं 43, जो, एम्पायर गाईड को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, एल०डी० क्पारेल मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-1/37ईई/1753/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 20-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० नहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक] आयकर आयुक्त (निरीक्षण); अर्जन रेंज-1; अम्बर्ध।

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप आइ<sup>र</sup>.टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जेसरेंज--1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्रेश सं० अई-1/37-ईई/1991/83-84---अतः मृझे, ए**० लहि**री

मावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269--च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैंट नं.० 101-बी, जो, 1ली मंजिल अंजली बिल्डिंग, फेंच किज, ओपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन /और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 25-2-84

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफक्त के लिए जन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंशाभूवोंकत सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रम्यमान प्रतिफल से एसे ध्रम्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (च) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधिक, निम्निकिति व्यक्तियों, जर्धातः :—— (1) श्री नरेन्द्र भाटिया

(अन्तरक)

(2) डा० जगदिश बलवन्तराय शहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अगिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अगिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य क्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लैट नं० 101-बी, जो, 1ली मंजिल, अंजली बिल्डिंग, फ्रेंच बिज, ओपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क० सं० अई-1/37-ईई/1675/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 25-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप आइ.टी.एन,एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 289-व(1) हें दें सचना

#### भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर, 1984

निर्देश मं० अई--1/37ईई/1992/83--84---अन: मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्या है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्धत्ति जिसका शिवित जातार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 101-ए, जो, 1ले मं। अल, अंजली बिस्डिंग, फ्रेंच ब्रिज, ओपेरा हाउस, बम्बर्ड-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण कप से विणित हैं) रिजिल्ट्रीलिंग के सार्यालय, बम्बर्ड में रिजिस्ट्रीविष्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसवा अरारनामा आयर अधिनियम 1961 की धारा 269 वा ख के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधि-

कारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तारीख 25-2-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण विविव में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उस्त अधि-णियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य के कभी करने या उससे अध्यत ये स्विधा के किया, और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ह भारतीय शासकार अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना थाहिए था, छिपाने में स्विका के सिए;

जत: जज, उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उचत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जो जधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत :---- (1) श्री गरेड भाटिया

(अन्तरफ)

(2) थामनी आशा जे० णहा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ल) इस सूचमा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रुगरा;
- (ख) इस स्चना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सर्भोंगे [1]

रपटिकारण :—हसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया है।

## जन्स्य

फ्लैट नं ० 101-ए, जो, 1ली मंजिल, अंजली बिरिंडग, फ्रेंच ब्रिज, ओपेरा हाउस, बम्बई-- 4 में स्थित है।

अनुसूच। जैसा कि क० सं० अई-1/37ईई/1676/83-84 और जो अक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरो मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, सम्बद्दी।

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. -----

कामज<u>र</u> अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

## भारत् बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्सूबर 1984

निर्देश सं० अई-I/37ईई/1994/83-84---अतः मुझे. ए० लहिरी

आयकर अधिमियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

25,000/-ए. से जायस है जीर जिसकी सं० आफिस नं० 610, जो, 6वीं मंजिल, "प्रसाद चेंबर्स", राक्सी सिनेमा के बाजू में बम्बई-4 में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्री-कर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 260 के ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-2-8 कि पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्विक्यों से उक्त अन्तरण मिचित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई फिली बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, बॉर/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) यां उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्ति खिल व्यक्तियों, अर्थात् हि—— 11—33601/84

(1) श्री हरी ताराचन्द्र नर्रासगामी

(अन्तरक)

- (2) मैंसर्स होतचन्द्र हिरानन्द्र (प्राययेट) निर्मिटेड (अन्तरिती)
- (3) अन्तरिता। (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मुम्पत्ति है)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्मवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो जेक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ≖नुसुधी

आफिस मं० 610, जो, 6वीं मंजिल, "प्रसाद चेंबर्स", राक्सी सिनेमा के बाजू में, बम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं अई-1/37ईई/1803/83-84 और जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25 -2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज⊶1, बम्बई

सारीख: 11-10-1984

· प्ररूप आह<sup>े</sup>,टी.एन.एस.----

A Maria and the marine and a second second

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 49) की धारा 269 व (1) के अधीन मृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, वम्बई

यमबर्ट, विनाक 11 अक्तूबर, 1984

निर्देश मर अर्ड-1/37ईई/2000/83-84--अत: मुझे, ए० लहिर्दे

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके पटचा 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करते का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 2, 000/- का के जिल्हा है

ओर जिसतं सं जािषस सम नं 3, जो, 11वी मिलल. विविद्या नं 3, विजेलिं सोसाईटी, लिमिस्टन रोड, बस्बई में रिवर्त है (जीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विजित है) रिजर्द्धां कर्ता के प्रायलिय, तस्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयकर पिशियम 1961 की धारा 269क के अधीन बस्बई स्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तार्राख़ 25-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य में कम के श्र्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृइ है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्परित का उचित बाजार मून्य, उसके श्रयमान प्रतिफल में, ऐसे श्रयमान प्रतिफल का गृंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिगितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय गाया ग्या गृंति-फल निम्नेतिश्वत उद्धार्य से उन्तम अंतरण निश्चित में वास्तियक रूप से जो किया गया है --

- (क) असरारण से हुन्दें किसी बाय की धांबत जनत किपिनियम के अधीन भर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उराये उचने में स्विधा क निग्, और गा
- (ध) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ता किया । 1922 (1922 का 11) या उक्त अशिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना किहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

बतः अब, उनतं अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, इक्त अधिकियमं की धारा २६९-घं की उपधारा (1) को स्थीत निकारि पृत्त चिता स्थार अथित — (1) श्रीमाशिधनपर्वादेवः वालनप्यखुराना और श्रीलक्षमनदाम अयदत्त गुप्ता

(अन्तरक)

(2) मैगर्स बाफरा एण्ड आसोसिएटस

(अन्नरिता)

(3) मैस्सं बाफना एण्ड आसोसिएटस (श्रह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को गृह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अजैन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीय से 30 दिन की अविध, तो भी अविध बाद में समाध्य होती हो, 'के भीतर' प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त कार्की और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

#### मन्स्ची

क्मिशियल प्रिमायसेस, बिहंग आत आफिस नं० 111/ 1103, जो, आफिस रूम नं० 3, 11वी मंजिल, बिल्डिंग नं० 111, प्रिमिगटन रोड स्किम, नवजीवन को-आए० हाउसिंग सोमाईटी निधिटेड, लेमिन्टन रोड, बम्लई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैना कि क० सं० अई-1/37ईई/1805/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारो दिनोंक 25-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० लहिरीः नद्यम प्राधिकारी, यहाय हे भायत्मर जायुका (विरोक्षण), अर्जन रेज--1, बस्वई

तारीख : 11--10--1984 भोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-1/37/ईई/2002/83.84--अत: मुझे, ए० ल्हिरी

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट न० 39, जो, 7वी मजिल, इफ परेड सुनीता को-आप० हा उिलग सोसाईटी लिमिटेड, इफ परेड, बम्बई-5 में स्थित है (और इपने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप हे विणत है), र्राजस्ट्रीकर्ता के जार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकर्ता के जार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 या ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25~2~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूला से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्देत कन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से क्षित नहीं किया गया है:—

- (क्) अन्तर्भ से हुई कियी काय ध्री धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के श्नारक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (इ) एसी किसी बाय या किसा बन या भन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय प्राय कर विभिन्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन व्यक्तिया अधीन, --- (1) श्री जयंतीलाल ई (० बराई।

(अन्तरक)

(2) श्री एस०पी० मोरी

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक और अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकता।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **जन्**स्थी

फ्लैटनं० 39, जो, 7वीं मंजिल, सुनीता बिल्डिंग, कफ परेड, सुनीता को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 98,775 परेड, कुलाबा, बम्बई--5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ०स० अई-1/37ईई/1807/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 25-2-1934 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जनरोज-1, बम्बर्ध।

तारीख \* 12-10-1984 मोहर प्रकम कार्युः टी., एन., एव*्------*

## भावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के नधीन स्वमा

#### भारत सरकार

कार्यक्षम, बहायक भायकर भायक्त (निर्दिश्ण)

अर्जनरेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्सूबर, 1984

निर्देश सं० अई-1/37ईई/2013/83-84--अतः मुझे ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (**पिसे इसमें** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रत. से अधिक **ह**ै

और जिनकी संब्दुकान नंब 24, जो,पाकिया मार्केट, मौलाना गौ कतअली रोड, ग्रान्ट रोड,बम्बई∼8 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्टी दर्ता के हार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयक्र अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के बार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 27-2-1984

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मरूब से काम के इदयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बसवनगृष्टि में धारा स्ट्रीकृत किया गया ही और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण ही कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रति-फल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीक्प एोसे अन्तरण के लिए तय पार्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित मी वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की यावत, उत्क अधिनियम के वधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में सभी करने या उससे अभने में सुविधा के सिए; और∕या
- (क) एमी किसी अगय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भायाकियाजानाचाहिए भा, <del>प्रि</del>पाने में सुविधा व्हें तिए;

नतः नग, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण बों, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए---

(1) श्रीलक्ष्मीचन्द भानजी शहा।

(अस्तरकः)

(2) डा० नरेश दुर्लभराम जानी, और श्रीमती इंदिरा दुर्लभराम जानी।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिसियो

(बहुव्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ₿)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करला हुई ।

जबत सम्पत्ति के वर्जन के मम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विंगकी अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से **किसी म्यक्ति द्**वारा;
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध **किसी अ**न्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, अधिनियम के अध्याय 20-क में है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मं दिया गया है।

#### अनुसुची

दुकान न० 24, जो,पाकिजा मार्केट, मीलाना शीकतअली शोब, ग्रान्ट शोड, बमबई-8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-~1/37ईई/1847/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-2-1984 के रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० यहिसी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1, बम्बई ।

तारीख: 11-10-1984 मोहरः

प्रस्य नाहे. टी. एन. एस.-----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

#### भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थनरेज--1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अर्ड-1/37ईर्ड/2021/83-84--अतः भुने ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्सें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित सावार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी म० फ्लैंटन० 1104, जा, 11वी मंजिल, बिल्डिंग नं० 3, णिरीन अपार्टमेंटस, ताडदेव, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची ये और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, बम्बई से रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन झऔर जिसका धरारनामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम, प्राधि हारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27~2 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और बन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उत्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्म से किथत नहीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त किंध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उत्तसे अभने में सुविधा के किए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय पा किसी धन वा अन्य अस्थियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सनत निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

(1) ताखदेव प्रापर्टी प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) अजितकुषमार फत्तेहलाल खागजीवाला, सरोज अजितकुमार साषणीवाला, और मपन अजितकुमार खाजमीवाला

(अन्तरिती)

को यह शूचना चार् करके प्रांक्त सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यवादियां करता हूं। दक्त सम्मन्ति के अर्थन के सम्मन्य में कोई भी शाक्षेपट---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की बनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथानतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- ब्र्यूध किसी करा क्यक्ति द्वारा अधातस्यक्षिण के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक स्ण: - इसमें प्रयुक्त राज्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## नमृजुर्यो

पलैट न० 1103, जा 11वा निजल. शिरीन श्रपार्ट केटरा, गंगा-जमूना, सिनेमा के सामन, ताडदव, वम्बई में स्थित हैं। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/1870//83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनोक 27-2-1984 की रिजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 12-10-1984

प्रख्प आई.टी.एन.एस.-----

भायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेज -1, बम्यर्द

वम्बई, दिनाक 11 अक्तूबर 1984

निर्देण स० अई $\sim 1/3.7$ ईई/2.033/83-84—अतः मुझे ए०लहिरी

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गयां हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पत्रैट नं० 4, जो, ग्राउन्ड पत्नो,र, "श्री" विग, विना बिना अपार्टमेंटस, आचार्य दोदे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई-15 में स्थिन हैं (और अनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से जिला है), रिनरट्रकर्ता के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधि सम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन /और जिमका द गर-नामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 कुख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी के दार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27--2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया रूगा प्रतिकत निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- । 'क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम के अधीन कर होते के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन , उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मी. उन्नत अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—

(1) मैसर्भ विना विना इटरप्रायजेस

(अन्तरक)

(2) ठाकोरभाई नारानदाम धावड़ा

(अन्तरिती)

को यह सूच ताजारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृषना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारोध से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृषना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागर;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्य ?—इसमें प्रयुक्त शब्बों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उसा अध्याय मा दिया

#### न्त्स्वी

पलैटनं० 4, जो, ग्राउन्ड पलोर, "डी" विंग, विना बिना, अपार्टमेंटस, आचार्य दोवे मार्ग, सिवरी (प), बम्बई—15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि लं अई-1/37ईई/1857/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई क्वारा दिनांक 27-2-1984 कोरजिस्टर्ड कियागमा है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जम रेंज-1, बग्बर्ट-

तारी**ड •** 11-10-1984 मोहर • प्ररूप आहूर.टी.एन.एस.-----

(1) विना विना इंटरप्रायजेग।

(जन्तर्थ)

(2) श्रीनरेण बाल्याहेमोहित

(খৰ-কিন্ত্ৰী)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्चना

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज--1, बम्बई बम्बई, दिनांक 11अक्तूबर, 1984

निर्देश न० अई-1/37ईई/2034/83-84--अतः मुझे ०लिहरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

और जिसकी फ्लैंट न० 1/ए, जो, ग्राउन्ड फलोअर, "डी" विंग विना बिना अपार्टमेंटस, आचार्य दोंदे मार्ग, रिवर्न (प), बम्बई-15 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयगर अधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के अधीन बम्बई सक्षम स्थित प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चिय से उधत अन्तरण लिखित में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए:

लत: अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मीं, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् १-- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीय।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### जन्सूची

प्लैटन० 1/ए,जी, ग्राउन्ड फलोअर, "डी" विग, विना बिना अपार्टमेंटस, आचार्य दौंदे मार्ग, सित्रणी (पश्चिम), बस्बई-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० स० अई-1/37ईई/1858/83-84 और जो सक्षम प्राधिनारी, वस्वई वारा विशेष 27-2-1981 को रजिस्टई किया गया है।

> ि० लहिरी स्थाम प्राधितारी सहायक आयमर जामुक्त (शिकीक्षण) अजैन मेंच -1, यम्बर्ध।

दिनकि : 11-10-1984

## प्ररूप भार्ष. टी. एन, एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांकः 11 श्रक्तुबर 1984

निवेश सं० श्राई०-1/36ईई०/2035/83-84--श्रतः मुझे. ए० लहिरो

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' केहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25 000/ रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'डी' विग, विना बिना ग्रपार्टमें च्स ग्राचार्य दांदे मार्ग, सिवरी (पिष्मम). बम्बई—15 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं ) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन/ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की घारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री र तारीख 27 फरवरी, 1984

को पूर्वों क्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य. जराके स्रयमान प्रतिफाल से, ऐसे स्थमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रात्मात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गत-कर अधिनियम, या गत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्ग विना विना उत्तरपाद्यंगा।

(भ्रन्तलक)

(2) श्रोमर्ता निर्मला बेन टाकुर भाई चावणा।

(ग्रन्तरियी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ह्यारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित-तव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परकीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसुची

फ्लैट मं० 5, जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'डो' विंग, विना बिना ग्रपार्टमेंट्स, ग्राथार्थ वोंदे मागे. सिवरी (पश्चिम), बम्बई—15 में स्थित हैं।

भनुसूचो जैसा कि कम सं० धाई०-1/37 ईई०/1859/ 83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई हारा दिनांक 27 फरवरो, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरा सक्षम प्राधिकारा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) ग्राजैन रेंज-1, बस्बई

तारोख : 11-10-1984

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूगर 1984

निदेश सं० श्राई०-1/37ईई०/2036/83-84--- झत: मुझे, ए० लहिरो

बायकार अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवास् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है, की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रोसे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'ए' विंग, विना बिना अपार्टमेंट्स, श्राचार्य दोंद सार्ग, सिवरो (पिक्स), वम्बई—15 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारा के कार्यालय, वम्बई में र्राजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन/श्रीर जिस हा करारनामा श्रायक्षर श्रधिनियम, 1961 को धारा 269 कख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, में रिजस्ट्री हैं तारीख 27 फरवरो, 1984

की प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रम्यात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वींकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रम्यान प्रतिफल से, एपे द्रम्यान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योदय से उपत अंतरण कि तिवित में वास्तियक यप से कथित नहीं किया गया है:---

- (ग) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अभि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व के कमी करने या उससे बचने में स्विधा को लिए, और/भा
- (क) ऐसी किसी अय या िकसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-कार आधीनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ प्रतिपत्ती त्यारा प्रज्ञ नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के नियए;

जतः जब उक्त अधिनियम की पारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. जिम्लिखित व्यक्तियों, अधीत्:--12-336GI/84

(1) मैं ० विना बिना इन्टरप्राइसेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नारायण के० थोरात।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जो उसल अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, 'ए' विंग, विना बिना ग्रपार्टमेंट्स, ग्रामार्य दीदे मार्ग, सिवरी (पश्चिम), अम्बई—15 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं भई०-1/37ईई/1860 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

- Laurana see allas menterer - , et san energ s'h e san anan anna a **ではな** 現代<sup>2</sup>。 でき 、 さい こと・・・・・・

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में अधीन मुकरा

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहारक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) 'भर्जन रेंग-4, बम्बई

बम्बई, दिलांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० 1/37/ईई०, 1958/83-84- अत: मूसे, ए० लहिरी

आयकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर संब्धीत, जिसका उत्तित बागार मूल्य 25,000/- रहे. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं में स्थित है (और इसमे जाब अनुसूची में और पूर्ण रूप से याणत है), याजस्ट्रीकर्त के कार्यालय, वस्त्रई में याजस्ट्रीकर्म अधितरङ्का, 1908 (1908 का 16) में अजीत/आँग जिसका कार पर मा उत्तरका अधित्यमा 1961 की धारा 261 कख का अधीन वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिकारों के वार्यालय में रिजस्ट्री है। तार्याल 20-2-1984 को पूर्वाकर पर वित्र के जिस्स्री स्थार मूल्य से कम के पूर्वाकर परवित्र के विश्वार स्थार मूल्य से कम के रूपातान प्राधिकारों है कि याजापूर्वीकत समारित का उचित बाजार मूल उसके स्थापन प्रतिकृत ने, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पर्यह प्रतिकात सं यिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए अप पाया गया प्रतिकृत, निम्मसिक विश्व के उपन अन्तरण के लिए अप पाया गया प्रतिकृत, निम्मसिक विश्व के उपन अन्तरण के लिए अप पाया गया प्रतिकृत, निम्मसिक विश्व के उपन अन्तरण के लिए अप पाया गया प्रतिकृत, निम्मसिक विश्व के अन्तरण के लिए अप पाया गया प्रतिकृत, निम्मसिक विश्व के प्रतिकृत अन्तरण के लिए अप पाया गया प्रतिकृत के स्थान न विश्व पर पाया है :---

- (क) अन्तरण संहूइ किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम संज्ञान कर दोने के अन्तरक के यापित्व में कमी करने या उसमें यचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (19.22 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था; छिपाने में स्विधा के लिए; और/या

जन. जब, उक्त जिल्लिमियम की धारा १०९-ग को अनुनरण मों, मों, उक्त अधिनियम को धारा 269-ण की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नजिक्ति व्यक्ति में, अर्थान ए—

- (1) 1. श्री जगन्नाथ नारायण से ही और
  - 2.श्रीमती निलनी जे० शेट्टी ।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री नागेन्द्र एस० ह**ंचा**टे । और
  - 2. श्री भरत एस० ह'चाटे।

(अन्तरिती) -

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि सार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति खनारा;
- (ख) इस सूचना के ऱाजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थिक व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### मन्सूची

यूनिट नं० 421, जो, 4 थीं मंजिल, न1रायण उद्योग भवन, लालवाग, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अम सं० आई० - /37/ईई०/1737/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दि. कि 20 फरवरी, 1984 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षसें) अर्जन रेंज-1, बम्बई

मेारीख: 12--10--1984

प्रमण भाष्ट्रं .टी . एन . एस . -----

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सुचना

#### तारह सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, वस्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेगस० आई 1/37ईईई०,1983,83-84--- अत मूझे, ए० लहिरी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक ह"

23,0007 रा. त जानन हु और जिसकी सं० फ्लैंट नें० 27 जो तीसरी मिनिन, हरगन हाऊस, वरली, बम्बई-18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है (, राजस्ट्रीकर्ता अधिवारों के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, और जिसका करारनामा आयवा अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन नम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है तारीख 25 परवरी, 1984

को वृबंक्त संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान वितिष्ठल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्तें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उजिन बाजार ग़ूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से एसे ध्रयमान प्रतिष्ठल का बन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल, निम्नलिखित उक्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुक् किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 की 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री सालिग राम मिश्रा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश कुमार बाब् लाल बाफना ।

(अन्त/रती)

ा त न्त्रभ रामा असक पत्राया सम्प्रीय के राजन के लिए कार्यकाहिया श्रम करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कांई भी आक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अनिध सा लनाम्बनी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (स) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दां और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसची

पलैटन० 27, जो तीसरी मिजिला. हरायन हाऊस, प्लाट न० 148,स्कीम 52, डा० अनी मेंझट रोड, वरली, बम्बई-18 में स्थिम है ।

जनसूची औसा कि कमा सल लाई०  $\cdot 1/37$ ईई०/1796/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बाबई द्वारा दिलांक 25 फरवरी, 1984 को रिजिस्टर्ड किथ. गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सह।यज आधकार आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

नागिष 12--10--1984

## प्रकृप कर्त्यू . हो. एन. एव.-----

# . बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अई०/1/37 **ईई**०/1998/83-84--अत: मुझे ए० लहिरी,

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभीन संस्मा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० समरा नं ० 216, जो दूसेरी मजिल, बाम्बे मार्किट, ताडवेब, बम्बई-34 में स्थित हैं (और इस्से उपन्वद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), और जिसका करारनामा आधकरअधिनिय 1961की धारा 269 कुछ के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याज्य में रिजिस्ट्री हैं तारीख 28 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित् बाजार मूल्य से कम के ध्यमान प्रतिकल के लिए मृत्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिकल से एसे द्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम मम प्रतिकत, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त मृत्तरण लिखित में वास्तिवक अप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर आयकर अभिनियम को अभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में अभी करने या उसम बचने में मुविका के सिए; और√या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

शतः थयः, उन्त अधिनियम की भाग 269-न के बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) दे सभीन, निम्निलिखित स्पिक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) श्री नर्गिस बानू यूसूफ अरली मुकाइम । (अन्तरका)
- (2) 1.श्री चन्दूलाल जेचन्द्र भाई शाहा। 2.श्री जिलेश भन्त भाई शहा। और
  - 3. कुमारी विमला टी० नैनानी ।
  - 4 श्री नरेश टी० नैनानी ।
  - ज मैसर्स ब्युटिज ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त् संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के जीतर पृथा नित्र स्थावतयाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गरा।

#### नगसची

क्तमरा न० 211, जो दूरी मंजिल, यम्बई मार्किट, लाउ-देव मेन रोड, ताउदेव, बम्बई-3 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अम सं० अई०/1/37 ईई०/डिम्ड -78 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 28 फरवरी 1984 को रजिस्ट के किया गया है:

> ा० पहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, **बम्बई**

ता**रीख** : 12—10—1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - =---

कामकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- ।. बम्बर्ड

बन्बई, दिनाक 12 अन्तुबर 1984

निदेश म० अई०/1/37ईई०/1832/83-84-- अतः भूषो. ए० लहिरी

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/-रः. से अधिक है

ऑन जिसकी स० दुशान नं० 5, जो वेसमेट, पारवा चेम्बर्स नं० 2, केणव जी नाईन, रांड, बम्बई-9 में !स्थन हैं -और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ओए पूर्ण व्या में बणित हैं) और जिसका करारतामा आवजर जिल्लामा, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मेंर्राजस्ट्री ह तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितकल् के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, ऐसे स्थमान प्रतिकल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तियक एप से किश्त नहीं किया गया है :---

- (क) ब्लाइण से हुइ किसी बाय की बाबख, उक्त मृथिनियम् के खभीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व मां कमी करने या अससे बचने में सुविधा के शिए; बार/या
- (स) एसे किसी जाय था किसी धन या जन्य जास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जाना नाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

कतः जब, उक्त मिनियम की भारा 269-य के जनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, क्रमार :--- (1) मैं । भणिलाल प्रेसर्जी एण्ड कम्पर्नी

, अन्तरकः)

(2) मै॰ प्रीति मसाला प्रोडक्ट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांह्र भी आक्षप :--

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में नमाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अगसची

दुशान नं० 5, जो बेसमेंट, शारवा चेम्बर्स, नं० 2, केशाव जी नाईक रोड, अम्बई में स्थित है। अनूसूची जैसा कि कम सं० अई०/1/37/ईई०/1461/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्ट के किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्क

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.------

# भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अवीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 श्रम्तूबर 1984

निर्वेश सं० ग्रई०-1/37 ईई०/1947/83-84---ग्रत. मझे, ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित याजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1504, जो बिल्डिंग न० 65, एम० ग्राई० जी० श्रादर्श नगर को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, वरली, बम्बई—26 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन/श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिष्ठित्यम, 1961 को धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 20 फरवरी,

को पूर्वित असंपरित के उभित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रशिष्क को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीं कत संपत्ति का उभित बाबार मूख्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्के देश से उक्त अन्तरण विश्विद के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अम्मारण से हुई किसी आय की वालंट, उपस अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; औड़/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त :--- (1) श्रीए०सी० मेहता।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एच० टी० रोहरा।

(भ्रन्तरिती)

- (3) ग्रन्तरक । (वह व्यक्ति जिसके ग्राधिभोग में सम्पति है)
- (4) एम० श्राई० जी० श्रादर्श नगर को० श्रापरेटिव हार्जसग सोसाइटी लिमिटेड।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्यन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जां भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पवाँ का, को उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसूची

फ्लैट नं० 1504, जो बिल्डिंग नं० 65, एम० म्राई० जी० भादर्ण नगर, को० भापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, बरली, बस्बई-25 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० म्राई०-1/37 ईई०/डिम्डम-46/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बद्धद्वारा दिनांक 20 फरवरी 1984 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> ए० लहिरी मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख : 12-10-1984 मोहरः प्ररूप भार्ष . टी . एन . एस . ------

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1981

निवेश स० ऋई०-1/37 ईई०/2014/83-84--- अत मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पदभात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित वाजार मृत्य 25,000/- रुठ से अधिक है

श्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 11, जो बी ब्लाक ग्राउन्ड फ्लोग, बूनयान भायखला, बम्बई-27 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन/श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीनबम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है नारीख 27 फरवरी, 1981

को पूर्विशित गम्पत्ति के उचित दाजार मन्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तिनिन को गई है और मझ यह विश्वास करन का कारण ही कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अध्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृश्य में उक्त अन्तरण कि कि में वास्तिक रूप में किंग्त नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दारे के अन्तरक क वायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय मा किसी अन या अन्य आस्तिया कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृतिथा के लिए,

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर, निम्निग्लिखन व्यक्तियों, अर्थात् '-- (1) श्री मोहसीन श्रारिफ।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री खुर्शीद श्रब्दुल अली बराफ वाला, ग्रीर श्रीमती अताका अब्दुल प्रली बराफ वाला। (भ्रन्तरिती)
- (3) अन्तरक । (वह व्यक्ति, जिसके जीवभाग में सम्पत्ति है) ।

का यह सूचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

जनत सपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ब किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन्सूची

पलैट नं० 11, जो, बी-ख्लाक, ग्राउन्ड फ्लोर, बुनयान बिल्डिंग, लंब लेन, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसा कि अम स० ग्राई०1/37 ईई०/148/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज–1, *बम्ब*ई

तारीख: 12-10-1984 मोहर: प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

## न्धार्यालय सहायक शायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 यनतुषर 1984

निदेश स० ग्राई०-1/37 ईई/2031/83-84--श्रत. मुझे, ए० लहिरी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उदत अधितियम', कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम पश्चितारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थार पश्चित्त, जिसका उजित बाजार मूर्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० श्राफिस नं० 503, जो पांचवी मजिल, सूरत सदन, सूरत स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मेरजिस्ट्री है तारीख 27 फरवरी,

का पृथों क्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान अतिफल के लिए अस्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का म्ल्यूह प्रतिशत से अधिक ही बीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गमा प्रतिफल का मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य में कथिन नहीं किया गया वै ---

- (का) कस्तर्थ संध्या किसी भाग की बायल, क्रक्त क्षिपित्यम के नधीन कर देशे के अन्तर्थ से कामित्य में कभी करने या ससस अपने में स्विध के जिए, गाँग/या
- (का) ऐसी किसी अप या किसी धन या अन्य अपितयों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्ने अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं यो सविधा को लिए;

अतः बवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-। के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियाँ, अधीत् :--- (1) श्रीमती भ्रम्बाबेन एच० चौधरी।

(भ्रन्सरक)

(2) मै॰ श्रारती एच॰ श्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके प्वाँक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपरित के कर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं से 45 दिन की अवधि या ताराम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर प्रविक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (**ा) ६स स्थान के राज्**पप्र मा प्रकाशन को ताराख स 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्व व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवाँ आ, जो जन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में नरिसावित है, वहीं अर्थ द्वांगा आ उन्न याजन में दिका भया है।

# **अनुस्**ची

भाफिस नं० 503. जो पाचवी मजिल, सुरत सदन, सूरत स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्रम स० श्रई०-1/37 ईई/1855/83-84 श्रौर जो सक्षमप्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 27 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज–1, बम्बई

तारीख . 12-10-1984 मोहर: प्राप्त आहे. ही. एव. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० भ्रई०-1/37 ईई/1811/83-84--श्रतः मुझे, ए० लहिरी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी मं० श्राफिस नं० 126, जो बारहवीं मंजिल, 'ग्रंटलांटा', नरीमन पाइंट, बस्बई—21 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2 फरवरी, 1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बभापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिज्यक्त, निम्मिसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिसिस में बास्तिक क्य से अधिक नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हार्व िकसी आय की बाबल, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एंनी किसी बाय या फिसी भन या अन्य आस्तियों कर्त जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, एकपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री भंबर लाल झिहानिया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री खेमराज सन्तोष चन्द मुर्घा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विम की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कर व्यक्ति हों, में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है!

#### अनुसूची

धाफिस नं० 126, बारहवीं मंजिल, 'ग्रंटलांटा', 209, नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कम सं० ध्रई०-1/37 ए० भ्रार०आई/ डिम्ड/43/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढारा दिनांक 2 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेज~1. बस्बर्ड

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🗓

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. - - -

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के संधीन स्थना

#### मारह सरकार

कार्याज्ञय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-1/37 ईई॰/1898/83-84---अत. मुझो, ए० लहिरी।

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 260- व्या अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रह. से अधिक है

और जिमकी सं० इण्डस्ट्रीयल यूनिट नं० 7, जो ग्राउन्ड पलोर, ग्राहा एण्ड नहार (बरली) लाइट इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बरली, बम्बई-18 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिमका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 10 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपस्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक के निम्निसिश्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण में निधित बास्तिबक कप से कथिन नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; क्षीर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों भर्ते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

(।) मैं० मिस्ती ध्रिकेम्यवेट कारपोरेणन ।

(अन्तरका)

(2) श्रीहरभजनिष्हं सन भाफ खेगिषिण राम घारिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सरवन्ध में काई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जों अविध चाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजण्य में प्रकाणन की तारीय. 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मित्त में हितबक् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पा

स्थव्यक्तिस्याः प्रथमतः शब्दों और पदों का, जो ७. विकास के अध्याय 20-क में परिभाषि हैं, वहीं अर्थ होगा को जस अध्याय में ि. गया हैं।

#### अनुसूची

इण्डस्ट्रीयल यूनिट न० 7, जो ग्राउन्ड फ्लोर, शहा एण्ड नहार (बरली) लाईट धन्डस्ट्रीयल इस्टेट आफ डा० ई मोजेस रोड, वर्जी, बन्बई -18 थे स्थित है।

अगुमूची नैं। ि कम्म सं ाष्ट्रिं। 1/37ईई/1720 83-81 और यो पत्रम प्रकारियों प्रमाहित्या दिवाक 1 फरवरी, 1984 टो टी स्टिंड रिया गया है।

> ए० लहिए निक्षम प्राधिकारी महायक श्रायक्तर प्रापृथ्न (निरीक्षण) श्रार्वेन रेज-2, बम्बई

अत अब, उत्ता अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

भागकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

क्रामिलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 प्रस्तुबर 1984

निदेश सं० अई०-1/37 ईई/1905/83-84--अत: ुरे, ए० लहिरी

...र अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें ...) पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 59 ख को अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्यास करने का एण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 5,000/- रु. से अधिक है

ार जिसकी सं आफिस नं 26, जो ताडदेश एअर कुडीणम्ड मार्किट, ताडदेश, बम्बई—34 में स्थित है (और इससे पाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता कि सायित्य, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिस्पा करारनामा आयकर कि शियम, के अधीन बम्बई स्थित

क्ष्मू प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है तारीख 10 फरवरी, 984

- े पूर्विकत सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ...जल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास रने का कारण है कि यथापविक्ति संपत्ति का उपित साजार ने का कारण है कि यथाप्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार ए प्रतिशास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और उपिती (अन्तरितयों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तम ग गया प्रतिकास, निम्निलियत उद्देष्य से उक्त अन्तरण ...स में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---
  - (क) अन्तरण से हुएँ किशी लाय की बाबत, उक्स अधिनियस के अधीन कर दौने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
  - (भ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य वास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उच्यत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

.तः अब, उक्त किंधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखा व्यक्तियों, अर्थात् ह---- (1) श्रीविमलगगनदास जेथवानी।

(भन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद ईशाक पठान ।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पट्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

आफिस नं० 26, जो तीसरी मंजिल, ताडदेव एअर फन्डीशन्ड मार्केट, ताडदेव मेन रोड, ताडदेव, घम्बई-34 में स्थित है अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37ईई/1714/83 84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रकृप आव", द्री . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्चना

#### nice asmis

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निदेश स० अई०--1/36ईई/1915/83 84---अत: मुझे, ए० लहिरी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25 000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 124, जो बारहवी मंजिल, सतनाम अपार्टमेट, बकबे रेक्लेमेशन, बम्बई-21 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीय ति अधिकारी के दार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीय रूप अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 क्ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षमप्राधिकारी के जार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 10 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल सा पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निचिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखित में आस्त-विक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स' हाई किसी जाय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने से सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नसिक्तिस स्यक्तियों, सर्थात् :— (1) श्री अदेशी खोदावाद ईरानी।

(अन्तरक)

(2) मैं जी वटी व की व भिष्म ए जेसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स' 45 दिन की अविधि या तत्संवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिकरण :--इसमें प्रयुक्त काक्यों और पदी का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

प्लंड नं० 124, ओ बारहवी मंजिल, सतनाम अपार्टमेंट, प्लाटनं० 94, ब्लाक नं० 5, बक्के रेक्लेमेशन, बम्बई-21 मे स्थित है।

अनुस्वी जैसा कि कम स० अई०-1/37ईई/1731 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10 फरवरी, 1974 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहर .

प्रकप बाई.टी. एन. एस. -----

आयम, र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 ग्रक्तुबर 1984

निदेण म० अर्घ०—1/37ईई/1884/83 84----अत मुझो, ए०लहिंगी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यात 'उक्त अधिनियम' बहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सप्राप्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० पर्लंट न० 1, जा प्राउण्ड फ्लार, चावला हाऊस की-आपरेटिय हाउपिया सी एडटो लिमिटेड, वूड हाऊसरोड, कुलाबा, अम्बई-5 मे लिम है (औं इससे उपाबड़ अनुसूची स और पूर्ण इन सेवणित है), रिजस्ट्रीक्त अधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजर्ट्री रण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिन्ना रास्तामा आयदार अधिनियम, 1961 की धारा 269 कवा के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है नारीख 4 फरवरी 1984

को पूर्वेक्स सपित के उचित बाजार मृत्य सं कम के रूत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विन्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूत्यमान प्रतिफल से, एसे रूत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रिक्षिक कि निम्नालिखित उद्देष्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किया गया हैं ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुनिधा है सिए;

बत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभा (f) के अधीन, निम्मिनिश्चल व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री इन्नाइटीयस डिक्रूप।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिव कुमारगुष्ता और श्री विष्णु कुमारगुष्ता ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अत्तरक । (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।

को यह स्थान आरी करके पृषांक्स सम्प्रांक्त को अर्थन को किन्। कार्यवाहियां क्रूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की हारीख है , दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूक्त की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शारीबा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा नक्षेष्ट्-शाक्षरी पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षांगा जो अध्याय में विया गया है।

## नन्स्ची

पर्लंट न० 1, जो ग्राउण्ड फ्लार, भावला हाऊस को० आपरेटिव हाऊसिंग सासाइटी लिमिटेड, वूड हाऊस रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अम स० अई०-1/37 ई/1506/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० लाहरी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजीन रेज-1, बम्बई

तारोख: 12-10-1984

## प्ररूप नाइ. टी. एन. एड.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 धनतूबर 1984

निदेश स० आई०-1/37 ईई०/1849/83-84---अत: मुझे, ए० लहिरी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ... ... परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा ?69-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का ... ए हैं कि स्थावर सम्परित्त, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गैरेज नं० 11, जो ग्राउन्ड पलोर, दादर कर्माग्यल ग्रिमिसेन को० आपरेटिन सोसाइटी लिमिटेड, दादर (मध्य रेलचे) बम्बई--14 में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूर्णा में और पूर्ण रूप से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयक्तर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 बख के अधीन बम्बई स्थित अम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-2-1984

प्रविक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ति .... ते के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास राने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का नृत्य प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती ।न्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम भाषा गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण 'लिखत में ..... के हम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त सिंधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने ये। उससे बचन में भृविभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः चया, उथत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) अधीम, निम्नसिखित स्योक्तियों, अधीत :--- (1) श्रीमती सुदर्शन परमानन्द मेहरा।

(घन्सरक)

(2) मै॰ महेन्द्र कुमार रतन जैन, (एच॰ यू॰ एफ॰)।

(ग्रन्तिरती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित बब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षर) के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

गैरेण नं० 2, जो ग्राउन्ड फ्लोर, दादर कर्माशयल प्रिमिसेस को० आपरेटिय सोसाइटी लिमिटेड, 95 दादा-साहब फालके रोड, दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई०-1/37 ईई०/1471/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई दिनांक 4 फरवरी, 1984 को रिल्टिड किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बम्बई।

विनांक: 12-10-1984

## प्रकाप बार्च ,टी , एव .. एक .. .....

नाय कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

## भारत सरकार

कार्यासय, सहायक मायकार कायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बर्ह

बम्बई, दिनोंक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई०-1/37 ईई०/1901/83-84--अत: मुझे ए० लहिरी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परेवार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० गाला नं० 208 बी, जो दूसरी मंजिल, धनराज इण्डस्ट्रीयल इस्टेंट, लोअर परेल, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता अधि आरी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याणय में रिजस्ट्री है तारीख 10 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कन के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अभिव, है और अन्तरक (अंतरकों) और अंशरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त निम्नितिषत उद्वेष्य से उन्तरण अन्तरण निकत में वास्त- विक रूप में अभित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई जिल्ली साथ की वायत, उनक् अधिनियम की अधीन अर धीन की अल्लारक की बामित्य में कभी करने या उत्तरी बचने में साविधा की लिए; भीर/धा
- (क) एंसी किसी अय या किसी भन मा अन्य जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनलार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया जाता वाहिए भा किएान यो सर्विभा के लिए:

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, बनुसरण मो, मों अवत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्मीन, भिम्मीनिश्चत क्यवितयों, अधात :--- (1) श्रीनाथ टेक्सटाइस्त ।

(সালাসক্)

- (2) मै० फेरोबन फिक्शन मिटीणिएलग ।
- (3) श्रीनाथ टेक्सटाइलन ।

(अन्सरिती)

(यह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में

सम्पि है)

का बहु सृचना भारी भरके पुराचल सञ्जीत्स क अवन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :--.

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त प्रकार में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसबदः किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगर जो उस शब्दाय में दिया गया औ।

## मम्सूची

गाला नं० 208-बी, बूसरी मंजिल, धनराज इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, सीताराम जाध्य मार्ग, लोजर परेल (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैलाकि कम सं० आई०-1/37 ईई०/1722/83-84 और जोसक्षमप्राधिव परी, बम्बई ब्राग दिलांक 10 फरवरी 1984 को गिल्सके किया गया है।

> ए० लहिरी सक्षम श्रीक्षणारी सहायए आयहर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग-2, बम्बई

विनोक: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज़ान रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई०--1/37 ईई०/1928/83-84--अत: मुझे,ए० लहिरी,

बायकर पिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट (आफिस) ने० 505, जो अरिहत बिल्डिंग अहमदाबाद स्ट्रीट, यम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय, वम्बई में जिल्ड्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन/और जिसका करारनमा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन तारीख 15 फरवरी, 1984

को पूर्वीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में बास्तिक लए में किशत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियां करो, जिन्हें धारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-त्रर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा क लिए,

कतः पप, उत्ता सिंगितियम की भाग 260-ग को अनगरण भें, भें, उकत अधिनियम की भाग 269-च की लपभाग (1) को अधीन, निम्निणिकित स्यक्तियमों अभीतः :— (1) भी बर्भकाणा प्यामान ।

(নেল্পডা)

(2) श्री वलदेव प्रोधन ।

(अन्तरिती)

(3) श्री बलदेव गीयल

(बहु वाक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ती हैं) को यह सूचना जारी करके प्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो ।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रश्नुवत बब्दो और पदों का, जो उक्स व अधिनियम के अध्याद r20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हारेगा, को उस अध्याद में दिया गया है।

#### जनसंची

यूनिट (आफिस) नं० 505, अरहित बिल्डिंग, प्लाट नं० 64 की, अहमदाबाद स्ट्रीट, बस्बई -9 में स्थित है। अनुसूची जैए कि कम सं० आएँ०- 1/37 ईई०/1776/ 83-84 और जो सक्षत्र प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 15 फरवरी, 1934 को एनिस्टर्ड क्षिया है।

> ए० लहिरी सक्षम प्राधितारी यहायक आययण आयुक्त (नि**रीक्षण)** अर्जन रेंज—3, **नम्बर्ध**

दिनोन्ह : 12-10 ·1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

# नायकर नीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 अस्तूबर, 1984

निदेश सं. आई०--1/37 ईई॰/1936/83--84---अतः मुझे, ए० लहिरी

सायकर सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-78, वीनस को० आपरेटिय हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, वरनी सी फैंस साउथ बम्बई-18 में स्थिन हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिन और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 15 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरक किखित में वास्तियक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्क) अन्तरण संहुर्इ किसी प्राय की बाबत, अज्ञर अभिनियम के जभीन कार दोने के अन्तरक के वासित्व में कभी कारने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खे किए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धात:——
14—336GI/84

- (1) श्रीमती दुर्गाबाई प्रिभा दास वाधवा । (अन्तरक)
- (2) श्रीनयन सुख अम्बालाल और श्रीमनोज नयनसुख ढोलकिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपका संपति को अर्जन को संबंध में कोई भी कार्क्स :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्टिन में किए जा सकरेंगे।

स्वच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स्ची

पर्लंट नं० सी-78, वीनस को० आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी लिमिटेड, वरली सी फेम माउथ, बम्बई-18में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-1/27 ईई०/177/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्ड किया गमा है।

> ए० ल**हिरी** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरी**क्ष**ण) अर्जन रेंज-3, **बम्बई**

विनांक: 12-10-1984

मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अम्बद्ध अम्बद्ध, दिनांक 12 अक्तूकर 1984

निदेश मं० आई० -1/37 ईई०/3710/83-84---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो चौषी संजिल, बिल्डिंग, गगन गिरी नगर, एक्पार रोड, बोरीवली प० वस्बई-92 में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण क्य सेविंगित है), और जिसका का करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के इपर्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 10 फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षप्रमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके प्रथमान प्रतिफल सें, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से उधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी शय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उसमें अखने में स्विधा कि जिए और/या
- (ख) एग्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाप-हार्थ अंतरिती देगारा प्रकट नहीं दिख्या गण था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के जन्दरक में मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ::-- (1) गगन गिरी डेबलपमेट कारपोरेशन ।

(अन्तर्क)

(2) श्रीआवम शेख अली मुकादम ।

(अः गार्ट्स)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स िक्सी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष भी 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तिन में किए जा सकेने।

स्यब्होकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसर्वी

फ्लैट नं० 404, जो चौथी मंजिल, 'सी' बिल्डिंग, गगन गिरी नगर, एक्सार रोड, बोरीयली (पश्चिम), बम्बई 92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमा कि कम मं० आई०-1/37 ईई०/3710/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनौंक 10 फरवरी, 1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आधुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **ब**म्ब**ई**

तारीख ' 12-10-1984 मोहर त्ररूप आइ .टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक मायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ष, दिनांतः 12 अक्तूबर 1984 निदेश सं० आर्ड०--4/37 ईर्ड०/3832/83 -84---अनः मुझे, ए० प्रसाद,

आय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 112, जो पहली मंजिल, (सी) बिल्डिंग, गगन गिरी तगर, एक्नार रोड, बोरीबली (पिष्चम) बम्बई-92 में स्थित है (और उसने उपाबद अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप ले बिणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कुछ के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है नारीख 3 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथा गही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी वाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, स्थिपान में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसर्थ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अभृत् ह्र-- (1) मै० गगन गिरी डेबलपमेंट कारपोरेशन।

(अन्तरक)

(2) श्री शकील अब्दुलाह पारकर।

(अन्तरिती)

ो यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>र्व</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 112, जो पहली मंजिल 'सी' बिल्डिंग; गगन गिरी नगर, एक्सार रोड बोरीवली (पश्चिम) बम्बई -92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/3832/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3 फरवरी, 1984 को रजिस्टर्रकिया गया है।

> ा्० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यन आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

तारीख ं 12-10-1984 मोहरः

## प्रकम् वार्च् ट्री.एन.एस., \*\*\*\*\*\*\*

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के नुषीन सुचना

#### शारत सहस्वह

कार्यालय, सहायक वायकार वाय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 984

निदेश सं० श्रई--4/37--ईई/3822/83-84--- झत. मुझे ए० प्रसाद,

बायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किभिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा से अधिक है

25,0007- र. स आ क है श्रीर जिसकी स० 5, जो "जंग्श्री" श्रपार्टमेट्स, जय-राज नगर, विजिरा नाका, बोरावली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-2-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-2-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-2-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के जार्यालय में रिजस्ट्री है और मुक्ते यह विश्वास प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्ण क्या सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का पत्राह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्या पत्राह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्या पत्राह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कोर क्या पत्राह प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष से उक्त कन्तरण सिचित में बासतिकल क्या से कथित नहीं किया पत्रा है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस उक्स अभिक्तिम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बार/या
- (क) एंसी किसी आय या. धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर शिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर लौधिनियम, या धन-कर लौधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किय। गया था वा किया जाना चाहिए था. डिपाने में स्विधा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिरियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री जय राज बिल्डर्स

(ग्रन्सरक)

 श्री गेट्टी विजयकुमार णिवराम, ग्रौप श्री गेट्टी उदयकुमार णिवराम।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी कारके पृत्रों कर सम्पत्ति के नर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्मीता के सर्वन के सम्बन्ध में कांद्र भी बाक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बबिंध बाद में समाप्त होती हा, के मीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी स्विभित हुए हा.
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवबूध किसी कन्य व्यक्ति त्थाय अपोहस्ताक्षरी के शस निवित के विश्व का सकीये।

ल्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया क्या है।

#### भनुसूची

प्लैंट नं० 5, जो "जय-श्री" श्रपार्टमेंट्स जय-राज नगर, विजरा नाका, बोरीयली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० स० श्रई-4/37—ईई/3822/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-2-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-4, बस्बई।

दिनांक 12-10-1984

प्ररूप बाह्रं टी. एन. एस. -----

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्जालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 12 भक्तूबर 1984

निवेश सं० भई-4/37-ईई/3827/83-84--- अतः मुझे,

ग्ए० प्रसाव,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-- के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग "श्याम क्रुपा" न० 1, एक्सार विलेज रोड़, बोरीवली (प०), वम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, तारीख 18-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण को लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसत जिथितियम के जभीत कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी या किसी थन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 19(7 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए।

अतः अव, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ण की उपभारा (1) के बधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. मेसर्ड विजय कंपनी

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० वेंकटेम्बरन् रामचद्रन

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ख से 4. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकर्गे।

स्वक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्योका, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 105, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग "स्थाम कृपा" नं० 1, एक्सार विलेज रोड, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूत्री जैसा कि क० सं० अई-4/37–ईई/3827/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

माह्यु 🖫

प्रकृत बाह्र . टी. एन्. एंस. -----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्रई-4/37-ईई/3878/83-84--- म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उबत अभिनियम' कहा गुगा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों का, यह विकास गरने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० फ्लैट नं० 105, जो "श्रोम श्राशिष", प्साट नं० 12, सर्वे नं० 119, हिस्सा नं० 7, (पार्ट), सी० एसटी० एस० नं० 987, विलेज एक्सार, तालुका बोरीबली, ग्राय० सो० कालनी, कास रोड नं० 6, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनिचम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 19-2-84 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्व से कम के दश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करमें का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उपित बाजार भूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल सं ऐसे धरयमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रियत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया भृतिफल, निम्ननिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित् में वास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई कि ती जान की वायत, बक्क बीधीनवस के वधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य से कसी करने या उन्हों बचने में सुविचा के निए; अहि/वा
- (क) ऐसी किसी आध या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उज्जल अभिनियम, या अनकर जभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, अंत, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस्ति व्यक्तियों, अ्थातः :— 1. मेसर्स ग्रार० पटेल बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. श्रो इ० डायस

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

### बन्दर्जी

फ्लैट नं० 105, जो "ग्रोम ग्राणिष", प्लाट नं० 12, सर्वे नं० 119, हिस्सा नं० 7 (पार्ट) सी० टी० एस० नं० 987, विलेज एक्सार, तालुका बोरीवली, ग्राय० सी० कालनी, क्रास रोड नं० 6 में स्थित है।

प्रनुसूचो जैसा कि क० सं० प्रई-4/37-ईई/3878/83-84 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-1984 को रजिस्टाई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-10-1984

प्रकृष वार्ष<sub>ः दीन</sub> एक*् प्*य<sub>ः</sub>----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भाउद ब्रुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्रई-- 4/37--ईई/4066/83-- 84--- श्रतः मु हो, गृ० प्रसाद,

दायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के. कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्स 25,000′- रा. स अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जी ग्राउड फ्लोर, "रामचंद्र भ्रपार्टमेंट्स", "ए" बिल्डिंग, जय-पाली हिल, ग्रांति भ्राश्रम के बाजू में, बोरोबली (पिम्चम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बाजत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में राजम्ट्री हैं, तारोख 3-2-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिवसान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करा का कारण है कि यथाप्रबेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दिवसान प्रतिकल से, ऐसे द्वयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और बंतरित की गरिकल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरण के लिए तय पाया गा प्रतिकल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में स्तिकल कप से कथित नहीं किया गया है कि

- (गः) अन्तरण से हुद्दे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्सरक के व्यक्तियम में कमी धरने मा उससे अखने में स्रोजधा के लिए; और/बा
- (क) हैं एसी किसी भाग मा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय नामकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त निधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकड नहीं किया गया मा या किया जाना भाडिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीन, निम्हिलिखित स्थीक्तयों, अर्थित क्लान 1. मैं जय पाली -बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. श्रीमती साटम हता मनोहर

(भन्तरिती)

का यह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्स बुम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (शं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकर्ष

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय भें दियाः वृता है।

#### ननुत्रुची

पलैट न॰ 12, जो ग्राउंड फ्लोर, "रामचन्द्र भ्रपार्टमेंट्स" "ए" बिह्डिंग, जय-पाली हिल, गांति ग्राश्रम के बाजू में, बोरीवली (पस्चिम), अभ्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-4/37—ईई/4066/83—84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनांक: 12-10-1984

प्रकृष आहे. टी. एन. एस . -------

## नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) क्री भारा 269-म (1) के नभीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/3711/83-84-अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- हर से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पलैट नं० सी/47, जो 4थी मंजिल "पंघ-रतन" प्लॉट नं० 25 (पार्ट), फायनल प्लॉट नं० 119 ऑफ टी०पी० एस० नं० 1, बोरीवाली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा भागकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख तारीख 28-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उन्ति बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और अन्तरिक्त (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत घरतरण लिखित में बाम्सिक चल से किंचा नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया स्वा वा या किया का वा किया का वा किया करा विद्या का वा किया के सिए;

बत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ें अभीन, निम्निलिखित स्पिक्तियों, अभीत्:— 1. मैं सर्स अवेरी एन्ड संस

(अन्तरक)

2 श्री मेचजी भारमल छेडा

(अम्सरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकत्ये।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियो गया है।

### अनुसूत्री

फ्लैंट नं॰ सो/47, जो 4थी मंजिल, "पंच रत्न" प्लाट नं॰ 25 (पार्ट), फायनल प्लाट नं॰ 119 आफ टो॰ पी॰ एस॰ नं॰ 1, बोरोबली (पश्चिम), में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अई.-4/37-ईई/3711/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1984 को रिजन्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक**े आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

अक्षेप 🗈

प्रक्ष्, बाइं., टी., एव., एस., -----

नायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई--4/37-ईई/3930/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग "ग्याम कुपा, नं० 1, एजक्सार विलेज रोड, बोरीवली (प०); बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफ ल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह बिध्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंदूर प्रतिजत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1' मेससं विजय सम्पनी ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सरस्वधी नारायणन ।

(अन्तरिती)

की यह सुववा बारी कर्के पूर्वीक्त स्म्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वश्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पिरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया भवा है।

### वन्स्की

फ्लैट नं० 102, जो 1ली मंजिल, बिस्डिंग "श्याम कुपा नं० 1, एक्सार विलेज रोड़, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/3930/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ट किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

वतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरण में, मैं. उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्थात् है—— 15 —336GI/84

दिनांक: 12-10-1984

मोस्र:

प्ररूप आहें.टी.एम.ऐस. -----

बायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/3820/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाध

क्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-सं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25.000/- रा. से अधिक है;

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-11, जो 3री मंजिल "जयेश अपार्टमेंटस" जय-राज नगर, वर्जिश नाका, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 19-2-1984

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार बृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्तर प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बया प्रतिफल, बिम्निलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के प्रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं ० जय राज बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. श्री पवन गंगवाल

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं-।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्क्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्परद्धिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुसुची

फ्लैट नं० सी-11, जो, 3री मंजिल, "जयेश अपार्टमेंटस" जय-राज मगर, वजिरा नाका, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/3820/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद ॄैंसक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिसांक: 12-10-1984

प्रस्य बाह्य हो । एन । एत । -----

1. मेसर्स विजय कंपनी

(अन्तरक)

2. मेसर्स स्टिल स्ट्रिप्स लिमिटेड

(अन्तरिती)

नायकर् विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाड़ा 269-म (1) के अभीत स्चता

### मीरत सरकार

### कार्यालयः, सहायक गायकर गायक (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/3825/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 305, जो 3री मंजिल, ष्याम कृपा नं० 1, सर्वे नं० 42, हिस्सा नं० 3 से 6, ऑफ एक्सार विलेग रोड़, बोरीवली, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका कराएनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (५) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उक्त विभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधानयम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीतः, निम्नि, सिंखत व्यक्तियों, अधारत :--- को बहु तुमना पारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के नर्धन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्परित के अर्जनःके सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप् :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास तिक्ति में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, ओ. जक्त अधिनियम के अध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्र्या

फ्लैंट नं० 305, जो 3री मंजिल, श्याम कृपा मं० 1, सर्वे नं० 42, हिस्सा नं० 3 से 6, आफ एक्सार विलेश रोड़, बोरीवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/3825/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आग्रकर आगुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-10-1984

मोहर 🖫

### प्रकार वार्ष 🚾 टी.. पुन् 🗸 पुन् 🗸 🛶

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### मार्व चडुकाड

कार्यासय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई--4/37--ईई/3821/83-84---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रापये से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो ग्राउंड पलोर, "जयेण अपार्टमेंट्स", जय राज नगर, विझरा नाका, बोशीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 19-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेद्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिबक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दादित्य में कभी करने या उत्तरे द्वापा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी जाम या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

जतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अधिनत्यों, अर्थात् क्र-

1. म० जय राज बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सिता मनोहर कालवलकर

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उंक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्ति एक्ट्रें का को उक्त अक्टरें की पाँउ क्या अक्टरें का को उक्त अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्द्र्यो

दूसान नं० 8, जो ग्राउंड फ्लोअर, "जयेश अपार्टमेंट्स" जय-राज नगर, विक्रारा नाका, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/3821 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्झई द्वारा दिनांक 19-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बस्बई**

विनोक \* 12-10-1984 मोहर \* प्रस्य बाइ 🚉 टी , एम , एस , 🗷 🖰 न 👓 🖘

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अई-4/37ईई/3765/83-84--अनः मुझे, ए० प्रसाद,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अभिक है

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 403, जो जिल्डिंग ई-21, योगी नगर एक्सार रोड, बोरीबली-पश्चिम बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबक्ष अनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों हैं, दिनांक 6-2-1984 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्वायिक्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपार में सृतिथा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :---

1. मेसर्स विजय नगर कारपोरेशन

(अन्तरक)

2. (1) श्री करसनदास नानजी वासानी, ग्रीर

(2) श्रीमतो लिलता करसनदास वासानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप रू---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगृस्यी

प्लैट नं० 403 जो, बिल्डिंग न० ई-21, योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरोबली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई/3765/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक, 6-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बाई

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप नाई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई--4/37--ईई/3826/83--84---अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग "श्याम कृपा" नं० 1, एक्सार विलेज रोड, बोरोवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-2-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके धरयमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्दृह प्रतिम्नत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कां) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेससं विजय कम्पनी

(अन्तरक)

2. श्रो अरुण विष्णु मुलये

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पंरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (के) इस सूर्णना को राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूत्रना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 विन के भीतर उक्त सम्मित्त में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा तकीं।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

### **अमृस्ची**

प्लैंट नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग श्याम कृपा नं० 1, एक्सार विलेज रोड, बोरोवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि कं सं० अई-4/37–ईई/3826/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विमांक: 12-16-1984

मीहर:

प्रकल बाह्". टी. एन. एस. ---- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याभय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्क्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश स० अई-4/37-ईई/3810/83-84--अत मुझे, ए॰ प्रसाव,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 202, जो 2री मंजिल, बिल्डिंग श्याम कृपा नं० 1, एक्सार विलेज रोड़, बोरोबली (प०), वम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:---

- (क) जन्तरम से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. मेसर्स बिजय कम्पनी

(अन्तरक)

2. श्री विद्ठल पुरुषोत्तम गोठस्कर

(अन्तरिसं।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश्वन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पर्यों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिया गया ह<sup>3</sup>।

### अनुसूचो

फ्लैंट मं० 202, जो 2री मंजिल, बिल्डिंग क्याम कृपा नं० 1, एक्सार विलेज रोड, बोरोवली (पम्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क० सं० अई-4/37–ईई/3810/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्दक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-10-1984 मोहर प्रकृप बाइ. टी. एव. एव. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं अर्ह-4/37-ईई/3912/83-84--अत मुझे, ए॰ प्रसाव,

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात 'उक्त विधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित वाचार नृस्य 25.000/ रा. से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट न० जो 2री मंजिल, रोसारीओ बोरीवली (प०) में स्थित एक्सार, अपार्टमेंटस्. है (और इससे उपाद्धा अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को धारा 269%, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-2-1984 को पूर्वों कत संपरित को उचित बाजार मूल्य से कम को करयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतफल, निम्नलिखित उद्वदोध्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जलरण वे हुई किवी बाव की बावस, उबस वीधीनश्रम में नधीन कर दोने के बस्तरक के दार्दिस्य में कभी करने या बच्चे क्यमें में सुविधा में जिए; बीर/वा
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अस्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में हविशा के विद्य;

वार अब, उक्त निर्धितियम की भारा 269-म की जनुब्रक्त में, में, डक्स अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिक्तित स्पितियों, अभीत् ६—— 1. भी नरी मयाई

(अन्तरक)

2. श्री फॉसिस जे० डिसोजा और एम० एफ डिसोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित कें वर्षन कें किए कार्यवाहियों करता हु<sup>±</sup>।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की पारीब सं 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यन्नतायों पर स्वना की तामील से 30 दिन की स्वांध, वो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवासित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बाधिनवर्भ, के कथ्दाय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं कथी होगा जो उस अध्याद में दिखा पदा हाँ श

### अनुसूची

पलैट न० "बी" 9, जो 2री मंजिल, रोसारिओ अपार्ट-मेंटस, एक्सार, बोरीक्ली (पश्चिम) में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/3912/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बम्बर्ड

विनाक: 12-10-1984

मोहर

प्ररूप आहु . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनौक 12 अक्तूबर 1984,

निदेश सं० अई-4/37-ईई/3766/83-84/-अत मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 1604, जो बिल्डिंग नं० 57/58, योगी नगर, एंक्सार रोड़, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और उपाबद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका क्रारनामा आयक्र अधिनियम, 1961 की धारा 269क है के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 6-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिट व्यक्तियों ने अर्थात् :—— 16—336 GY/84 1. मेसर्स विजय नगर कार्पेरिशन

(अन्तरका)

2. श्री आचल स्वरूप

(अन्तरिती)

को यह सृभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षारी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण '--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीाभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लैट नं० 1604, जो बिहिंडग, नं० 57/58, योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरीवली (पिष्चम), अम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--4/37-ईई/3766/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6--2-1984 को र्राजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ¦आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्पन रेंज-4, बस्बई

दिनांक 12-10-1984 मोहर प्ररूप. बार्ड. टी. एन. एस. - - - -

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

वम्बई, दिना 12 अक्तूबर 1984

निर्देश स० अई-4/37-ईई/3932/83-84---अत मुझे, ए० प्रमाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **एसके पर**चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिपकी स० फ्लैट न० 405, जो 4थी मजिल, बिल्डिंग "श्याम ⊦⊓ा", न० 1, एक्वार विलेज रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित ई (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णजन्मप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्तर अधिलियम, 1961 की धारा 269 में, ख के अधीन बम्बई स्थित समक्ष प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीखा 18-2-1984

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पदह प्रतिज्ञत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरिनियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुदंकिसी बाग की गावत, उच्च अधिनियम के अभीम कर दोन के अन्तरक की वायित्त्र में क्रमी करने गा उससे क्या े प्रें सुविधा ने सिए, और/या
- (ख) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत यव उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसारण मे, मै, उथत अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1 मेसर्स विजय कम्पनी

(अन्तरक)

2 श्री महेद्र रणछोड प्रसाद व्यास और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना अपरी करके धूर्वोचल सम्पत्ति क्रे अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्भन्धी व्यक्तिया स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिया मा से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सादीन से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए अर सकोंगे।

स्पद्धीकरण क्रिक्स प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बद्री अर्थ झोगा, जो उस अध्याय में विया यया है।

फ्लैट नं० 405, जो 4थी भंजिल, बिल्डिंग "श्याम कृपा न० 1, एक्सार विलेज रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० आई −4/37−ईई/3932/ 83 न84 मे और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रिजस्टर्न किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहाय र आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक 12~10~1984

प्ररूप आईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत बरकाडु

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अर्ध-4/37--ईर्ष/3763/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्जार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 404, जो बिल्डिंग नं० ई~21, एक्सर रोड़, योगी नगर, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूचो में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, खंके अवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 6~2~1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के इश्यमान प्रिक्षिल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अतिरित्यों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस निम्नीनीचत उद्विध्य से उक्त बंतरण सिचित में बास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जभ्यारणात्में हुइ किसी बाय की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बार/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रायोकार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिपाने में स्विभा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों, जर्थात् :---

1. मेसर्स विजय नगर कार्पीरेशन

(अन्तरक)

2- श्री भरत करसनदास वासानी, और श्री अजित सरमनदारा वासानी, और श्री करसनदास नामजी वासानी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मरित के अर्जन के सिए कार्यशाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन की जनिश्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेचे।

स्यस्वीकरणः --इसमे प्याक्त शच्चा और पदा का. भी खक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्ची

पर्लंट नं० 404, ब्रिन्डिंग नं० ई-21, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि अ० म० अई-4/37-ईई/3763/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप माई.टी.एम.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निदेश सं० अई-4/37 ईई/3812/83 84--अत सुझ, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० बी--5, जो 1नी मंजिल, रोमा-रिओ अपाटमेंट्स, एक्सार, बोरीवली (प०), वम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख

12-2-1984

को प्रवेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि सिचत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व को कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा है लिए;

अतः अब उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—-

1. श्री नरी मथाई

(अन्तरकः)

2. श्री जेरोम क्रिसोजा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :------

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भगताची

पलैट नं० बी-5, जो 1ली मंजिल, रोसारीओ अपार्टमेंटस एक्सार बोरीवली (पिन्नम), बम्बई में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/3812/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 12-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्रकप बार्ड . टी . एन . एस . ------

भ्रायकर पश्चितियम, 1981 (19**61 का 43) की छारा** 269-व (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्तम्, सहायकं बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्तुबर 1984

निदेश मं० अई-4/37-ईई/3740/83-84--अत: मुझे, गु० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), के पारा 269-स के अभीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 202, जो गोकर्ण की-स्रॉपरेटिव्ह हार्जिस सोसाईटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92, में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री हैं, तारीख 10-2-1984

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त उन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी कारने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए जा, ज्याने में स्विभा के लिए;

छतः अण्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स भूषण कंस्ट्रभगन कंपनी ।

(अन्तरक)

2. श्री भालचंद्र प्रतःपराव राणे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहत्त्रशक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सबा हैं।

#### ग्रनुसूची

प्लैट नं० 202, गोकर्ण को-ऑपरेटिव्ह हाउधिम सोसाईटी (नियोजित), णिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि स० अई-4/37-ईई/3740/ 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12 10-1984

मोहरि 🛢 .

### प्रकृष वृक्ष्य . टी. एवं. एक.-----

मायकर मिथिनिय्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यांतयः, सङ्घयक अध्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अई-4/37-ईई/4124/83-84--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति ,जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसेकी स० प्लैंट नं० 5 जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग ए 6/7, हैंगी जीवन कोआपरेटिव हाउसिंग सोसायटी, णाति आश्रम के बाजू में बोरीवली (प०), बम्बई-103 में स्थित हैं (और इससे उपाबज अनूसूची में और पूर्ण रूप से धणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी हैं। स्थानियम के प्रक्रिया हैं। स्थानियम हैं। स्थानियम

के का यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-2-1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण किवित के गस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क्क) अन्तरण से हुक निस्ती आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अप्सरक के ग्रीयत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंधी था वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए:

अतः अस, उन्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भें, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थार ।---- 1. श्री ठाकुरभाई यू० टेलर।

(अन्तरक)

2 श्रीमती कंदालम पुष्पावस्ती।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं रूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

पलट नं० 5, जो, 4थी मंजिल, बिल्डिंग ए 6/7, हैपी जीवन को-आपरेटिय हाउसिंग सोसाईटी, शांति आश्रम के बाजू में, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि r - प्तं o अई-4/37-ईई/4124/83-84 और जो सक्षम प्रशिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 18-2-1984 को रजिस्टड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक: 12-10-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस. ------

नायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निदेश सं० अई--4/37-ईई/3629/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका जीवत बाजार मून्य 25.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं प्रलैट नं 101, जो "ई" विंग, 1ली मंजिल, सूमेर नगर, निर्माणाधीन इमारत, एस० व्हिंग् रोड़, कोरा केन्द्र, के मामने, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट हैं, तारीख 28-2-1984

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- -(क) :क्यस्तरण न्संत्रहुई किसी नाय की न्यायत, उजत अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यार रक्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—

1. श्रीमती इिंदराबेन एन० राम्बिया

(अन्तरक)

 श्री प्रविण गांतिलाल ध्वे और श्री नरेन्द्र के० सोंधी।

(अन्तरिती)

को यह सूचचा जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्योक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति च्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्टीकरणः — इसमें अयुक्त शक्दों और पदौं का, जो उचका अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

### वन्तुची

फ्लैट नं० 101, जो "ई" विषा, 1ली मंजिल, सुमेर नगर, निर्माणाधीन इमारत, कोरा केन्द्र के सामने, एस० बिह० रोड़, वोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/3629/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 28-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप भाई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

ि  $\hat{3}$ ंश सं० श्रई०-4/37-ई०ई०/3668/83-84—स्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्क 25,000/- रह. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० गैरेज यूनिट नं० 31, जो, गांजावाला ग्रापार्टमेंट, बोरीवली गांजावाला को-ग्राप० हार्ऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), ग्रीर जिसका करारनागा श्रायकर श्रधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-2-1984

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्ति रत का गर्ड हैं और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तिरिती (अन्तिरितियो) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/्या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा जे लिए;

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की ल्पधारा (1) के अधीश. निम्नलिखित व्यक्तियों, अथीत :---

(1) मैसर्स विमेश कान्टीनेन्टल ट्रेडर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स हरेणकुमार दिलिपकुमार एण्ड कम्पनी। (भ्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पत्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विश्वा गया है।

### नन्स्ची

गैरेज यूनिट नं० 31, जो, गांजावाला श्रपार्टमेंट, सोरी-वली गांजावाला को-श्रापरेटिक्स हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, बोरीयली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई०-4/37-ई०ई०/3668/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-10-1984

प्ररूप आहूँ. ट. एन. एस. - - ---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)। श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ध्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ब्रई०-4/37-ई० अई/3663/83-84---ब्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च से अधीन सक्तम प्राधिकारी को शह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए/4, जो, 1ली मंजिल, श्री योगीदर्शन मकवाना को-श्रापरेटिक्स हाऊर्सिंग सोसाईटी, महा-देवभाई देसाई रोड, कार्टर रोड नं० 3, बोरीवलीं (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 19-2-1984

को प्वेंधित संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के थीय ऐसे अन्तरण के लिए तय वाया मधा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावस, अक्ट अभिनियम के दशीन कर दोनें के अन्तरक सी दावित्व में कभी करने या उसने सचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) एसी किसी जाम या किसी भन वा जस्य भास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, जिपाने में स्विधा के बिए:

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिन्कि व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती कांताबेग मगनलाल मकवामा
- (अन्तरक)
- (2) श्री विजयकुमार परशराम भट्ट, ग्रीर श्रीमती सुधा कमलेश भट्ट।

(मन्तरिती)

को यह स्वमा जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के व्यंत के विष् कार्यनाहियां कारता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उन्कर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

### वन्त्यी

फ्लैंट नं v/4, 1ली मंजिल, श्री योगी दर्शन मकवाना, को-प्रापरेटिक्स हार्ऊसिंग सोसाईटी, महादेवभाई देसाई रोड, कार्टर रोड नं 3, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-4/37-ई० ई० 3663/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद स**क्षम प्राधिकारी** महायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज**न** रेंज-4, **बम्बई**

दिनांक: 12-10-1984

मोहर ः

मुक्त वाह .टी.एव.एस -- -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

(1) स्टाय इण्टरप्रायजेस

(ग्रन्तरक)

(2) दालचंद सी॰ पालीवाल, श्रौर भंवरलाल डी॰ पालीवाल

(भ्रन्तरिती)

#### धाउद चुउन्हर

कार्याजयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अन्तूबर 1984

निर्देश सं० श्रई०-4/37-ई० ई०/4068/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को या विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० दुकान नं० 6, जो, स्टार गैलावसी प्रपार्ट-मेंट, एल० टी० रोड, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 3-2-1984

को प्यांकित सम्परित के उचित बाजार मूल से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एमे बन्तरूण के निए त्य पाया गया प्रति-कस, निम्निसित उद्विदेश से उक्त अन्तरण सिक्षित में बास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुए किसी आव भी बाबत, उक्त जिथितियम के जभीन कार बोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनमें अचने मा मिहिया से निए; सार्थ/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता किया का 27) धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सक्षिधा के सिए;

वतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्चन के नियः कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासीर:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की मामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियाँ की से किसी व्यक्तियाँ।
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ मकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### वगसची

दुकान नं० 6, स्टार गैलाक्सी अपार्टमेंट, एल० टी० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई०-4/37-ईई०/ 4068/83-84 भ्रौर जो सक्षम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 3-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> एं० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक 12-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अरूप वाह्न .टा .एन .एत .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 अक्टूकर 1984

निर्देग सं० ग्रई०-4/37-ईई० /3632/83-84---श्रतः मक्षे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० दुकान न० 4, जो भ्राउड फ्लोर, बेथलेहम भ्रपार्ट्रमेंट, एस० बी० पी० रोड, बोरीवली, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करानामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्ई, स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है, तारीख 28-2-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रितिकत के लिए अन्हरित की गई और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का

पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——
(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा

के लिए; और/गा

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री प्रेमचंद भारमल शहा, श्रीर श्री गुलाबचंद हेमराज मारा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रेमजी जे० गाला, भौर हंसराज जे० गाला

(घन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसूची

दुकान नं० 4, जो ग्राउंड फ्लोर, बेथलेहम ग्रापार्टमेंट, एस० वी० पी० रोड, बोरीवली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० अई०-4/37-ईई०/3632/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 28-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप. बाइं. टी. एन. एस. ----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 12 भक्तूबर 1984 निर्देश सं० अई०-4/37ईई० /4079/83-84----ग्नतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 /- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० बुकान नं० 26ए जो, गांजावाला शांपिंग सेंटर, गांजावाला लेन, बोरीनली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका कारनामा प्रायकर ग्रिधि-नियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरट्री है, तारीख

को पूर्वोक्स संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निस्ति उद्वेष्य से उक्त बन्तरण निस्ति में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया बया है :—

- (क) बन्तहरू से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोनं के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) श्री मनहरलाल छगनलाल कोठारी और श्रीमती जयश्रीबेन मनहरलाल कोठारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजेश गिरधरलाल गांधी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सपित्त के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह", बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### यगस्त्री

दुकान नं० 26ए, गांजावाला मापिंग सेंटर, गांजावाला लेन, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्र० ई०-4/37-ई० ई०/ 4079/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो, स**हायक भाय**कर आयु<del>क्त</del> (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, **बम्ब**ई

विनांक: 12-10-1984

प्रक्य आहे. टी. एन. एस.-----

शायकर विधितियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई०-4/37-ईई०/11626/83-84----श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित शाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिमकी सं० फ्लैंट नं० 17, जो, 4 थी मंजिल, सी-विग, त्रिल्डिंग नं० 1, बृष्णा नगर, नंवायरकर रोड, बोी-विसी (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपा-यह श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण घर से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 10-2-1984 को

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निसिचिच उद्देश्य से उच्च अन्तरण निचित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वाबता, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्; बॉर/वा
- (आ) एंसी जिसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर जीर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बागा चाहिए चा, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

- (1) श्रीमती चंद्रिका विनयचंद्र, खांदारे। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कलावत हरिकसनदस शहा, श्रौर हरिकसनदास गोंविंदजी शहा। (श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए वा सक्तेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसूची

फ्लैट नं० 17, 4थीं मंजिल, सी-विग, बिहिंग नं० 1, कृष्णा नगर, चंदावरकर रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्र० ई०-4/37-ई० ई०/11626/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 12-10-1984

### प्रक्ष काई. टी. एनं . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 अक्तूबर 1984 निर्देश सं० प्र० ई०-4/37-ई० ई०/3823/83-84---भ्रतः मुझ, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- क में अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुकान नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, "जयेण श्रपार्टमेट्स" जय-राज नगर, विश्वारा नाका, बोरीबली (प०), वस्वई-92 में स्थित हैं (ग्राँर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, नारीख 19-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरफ (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) बतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृदिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए,

क्स अब उन्नत की धीनयम की धारा 269-ग के बन्तरण में, मैं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बचीए, निम्नसिकित व्यक्तियों, वर्धात्:— (1) श्री जयराज बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) डा॰ नितिन मुरलीधर पुनयार्थी

(श्रन्तिरतीः)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, ओ उकते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विमा गुमा है।

### ग्रनुसूची

बुकान नं० 2, जो, ग्राउंड क्लोग्नर, "अयेश ग्रपार्टमेंट्स" जय राज नगर, विश्वला नाका, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क्र० मं० ग्र० ई०-4/37-ई० ई०/3823/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 19-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिका*री* सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) **ग्र**ॉन रेंज-4, बम्बई

दिनाक: 12-10-1984

मोहरः

### प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

**गायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा **269 (प) (1) के अभीन स्वना** 

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० ग्र० ई०-4/37-ई० ई०/3756/83-84---ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 203, जो, श्राय० सी० कालोनी रोड नं० 3, बोरीबली (पिष्चम), बम्बई-103 में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपाबद्ध अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाय गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिल में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) असरण से हुई किसी जाय की बादस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के असरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने मा स्विधा के लिए; और/या
- (का) एंगी विसी आय या किसी भन या अन्य अभिनयों का जिन्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:— (1) सन्मान कन्स्ट्रवशन्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रधुराम टी॰ मेट्टी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए काण्याहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटवद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास तिलित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

### **न**न्स्यी

फ्लैट नं० 203, जो, श्राय० मी० कालोनी, रोड नं० 3, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रिक हैं। 37.56/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2.4-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984 मोहर . प्रकृष बाह्र . टी. एन. एस.-----

बामफर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड ब्रम्बर्ड, दिनांक 12 श्रक्तुबर 1984

निर्देश सं० ग्र० ई०-4/37-ई० ई०/4082/83-84---म्रत: मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पहेंचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्य 25,000/-र से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, विंग ए, ग्राई० सी० कालोनी, कास रोड नं० 3, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 14-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दे हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्व निम्नीतिचित्त उद्देश्य से उन्त मन्तरण मिचित में वास्तिवक क्य से कथित नहीं किया गया है हैं—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे क्वने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम या भन-कर जीभिनयम, 1957 (1957 का 27) के श्रवां जार्थ जन्ति स्तारिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधौतः—— (1) सन्मनि कन्स्ट्रक्शन्स

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती अमी श्रीधर कोटीयन

(श्रन्तरिती)

नवे यह तूचना चारी करके पृत्रायत सम्परित के नर्चन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाहा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-व्यथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी कें पास निवित में केंग्रह आ सकतें।

स्थव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का, वा उक्क अधिनियम के अध्याम 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा को उस कथ्याम में दिया चं\_ भवा है।

#### नन्स्ची

फ्लैंट नं० 103, जो, विग-ए, श्राय० मी॰ कालोनी कास रोड नं० 3, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्र० ई०-4/37-ई० ई०/4082/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनांक 14-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-10-1984

प्ररूप काइं. डी. एन. एस -----

जायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांस 12 अक्तूबर 1984 निर्देश सं० अ० ई०-4/37-ईई /4064/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यक्षत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिन्दान करने का कारण हो कि स्थावर संपरित जिसका ए जिन बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हो

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० डो०/12, जो, 3री मंजिल साईबाबा धाम, मुलजीनगर, बोरीवली (पिएचम), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय में रिजस्ट्रें है, तारोख 25-2-1984

का पूर्वीयत सम्पत्ति के उधित याजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, श्रीत/शः
- (क) ऐसी किसी भाग ग किसी धन ग अन्य भास्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिएं था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः। भज, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग कै अनुनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन - निम्मलिखित व्यक्तियों. अधीत ;----- 18—336GI84

(1) श्री डालचंद श्रीविशन कासत

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सुखाबाई टी० जैन।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथिक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की किया के किया कि किया की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि साद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी धी. पास लिखिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो जकक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० डी/12, जो, 3री मंजिल, साईबाबा धाम, मुलजी नगर. बोरीयली (पिण्चम), बम्बाई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं० अ० ई०-4/37-ईई/4064/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 25-2-1984 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप बार्ड. टी. एन.: एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्आलय, महायक मायकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अन्तुबर 1984

निर्दोग सं० अ० ६०-4/37-ई **६**/3828/83-84----अतः मुझे, ए० प्रसाद

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियस' नक गमा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिनका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1, जो, एस० नं० 225, एस० नं० 10, सी० टी० एस० नं० 2211-ए, एकपार विलेज, बोरीवली, बोरीवली (पिश्चम), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयरूप अधिनियम 1961 की धारा 269 व, ख के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 3-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ब्रह्ममान प्रतिफल मं, ए में ब्रह्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल रिम्निलिखित उद्देश्य से उद्यत अन्तरण लिखित में धारतिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) कल्परण में हर्ष किसी जाय की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (हा) गोमी किसी अगय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ अही जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-गर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुराल प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिल्य था, छिलान मां सविधा के न्या।

वतः अवः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के वनुतर्भ वी, भी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, जिस्तिनियमं कार्यातः, अधीतः :---- (1) मैसर्स रजनीकात कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरकः)

(2) मैसर्स मंगल बिल्डर्स

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके वृजेंक्त सम्मत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी सक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यागः;
- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा मन्तेंगे।

स्यव्हिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

प्लाट नं० 1, जो एस० नं० 225, एस० नं० 10, सी० टी० एस० नं० 2211-ए, एक्सार विलेज, बोरीबली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि क० सं० अ० ई-4/37-ई ई/ 3828/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 3-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० असाद सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक: 12-10-1984

प्ररूप बाइ. दी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० अ० ई०-4/37-ई० ई०/4080/83-84----अश: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 16, जो, 3रा मंजिल, "मेघालप" विलेज एक्पार, बिक्सरा नागा, सर्पे नं० 9, एस० नं० 3ए, सी० टी० एस० नं० 56 बोरीवली (पिष्टिम) में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका उरारनामा आयेकर अधिनयम 1961 का धारा 269 ह, खके अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्रो हैं, तारीख 22-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जतिरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से नहीं किया गया है :---

- (क) बासरण से हुइ किसी आय की बाबत जक्त बिध-नियम के अधीन तर दोन के अन्तरक के तायित में कसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिय: श्रीर/या
- (ब) एंसी किसी बाय या किसी धन बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर किंपिनयम, 1922 . (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुला प्रकट नहीं जिल्ला भया भाषा किया जाना चाहिए था छिपाने मा मृतिभा के सिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स के० टी० कन्स्ट्रक्शन्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या अवधुत साठे

(अन्तरिती)

को यह मुचना जारी कर्क पृष्णिक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इनमं प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, हे अभ्याय ११ क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्स्ची

पत्रैट नर 16, जा 37, मिर्जि, "निमास", सर्वे नंद 9, एचव नव 3ए, सीद्र ट्रिक एक्क नद्र 56, क्लिब एक्सार, क्लिक नास्ति, बार्कित (क्षार्वम) में स्थित है।

अनुम्बा जैसा कि कि कि कि निम्मी  $35 \cdot 4/37 \cdot 26$  दिं $0/4080/83 \cdot 84$  आर जा सन्न निम्मी किया है द्वारा दिनाक  $22 \cdot 2 \cdot 1984$  का जिल्हा किया गया है।

ए० प्रभाद सक्षम प्राधिकारी सहायाः जायहर आगुक्त (निराक्षण) जर्गनकान्य, बस्बई

विनांश: 12-10-1981

प्रस्य माद्दे, टी., एन. एस.-----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देण सं० अ ई-4/37-ईई/3615/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 401, हैं जो 4थी मंजिल, प्लाट आफ लेण्ड बेअरिंग सी० टी० एस० नं० 490, कस्तूर पार्क, शिम्पोली, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबक अनुसूची पूर्ण रूप संवर्णित हैं), और जिसका करारनामा क्रियायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिवार के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 19-2-1984

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तर्तित की गई है और मृज्ञे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) ओर अंतरिती (अन्तर्तितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उचत अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धनं के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स साईकृपा कन्स्ट्रवशन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्री एन० के० गणेश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजएत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी ख़ुविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतार उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

पलैट नं० 401, 4थी मंजिल, प्लाट आफ लैंण्ड बेशिरिंग मी०टी० एस० नं० 490, कस्तूर पार्क, बोरीवली (पश्चिम), शिम्पोली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा वि कि सं० अई-4/37-ईई/3615/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 19-2-1984 को रिजस्टई किया गया है।

ा० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांका: 12-10-1984

प्ररूप . आहे . टी . एन . एस . ----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3666/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलैट नं० 302, जो, बिल्डिंग नं० डी/23, योगी नगर, एक्सार रोड, वोरोवली (पिष्यम), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उप।बड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्रें हैं, तारीख़ 11-2-1984 को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिम्नत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्व श्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की बण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सुधीर जीठ वेशपाण्डे, और श्री शिरीष जीठ देशपाण्डे।

(अन्तरक)

(2) श्री बच् एम० रागी और श्रीमती सारीका बी० रागी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्वीका भपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त ध्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक<sup>1</sup>गे।

स्पष्टीकरणः—इसर्म प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### नन्स्यो

पलैट न० 302, जो, बिल्डिंग नं० डों/23. प्रयोगी नगर, एक्झार रोड, बोरोवली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूचो जैमा कि क० स० अई-4/37-ईई/3666/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 11-2-1984 को रॉजस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

### प्ररूप कार्य: टी. एन. एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ई ई/4073/83-84----अत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसको मं० दुकान नं० एस०-3, जी, ग्राउंड पलोर लक्ष्मी अपार्टमेंट, "लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट", उरी कस्तूरबा रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 4-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसं अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्यों से उक्त अन्तरण जिचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-बिग्रम के अधीन कर दोर के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उलसे बचने में स्विधा के लिए; बीद/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बाब, उक्त जीभीनसम की भारा 269-ग के अनुसरण को. मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अभीन, पनम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—— (1) श्रा भांतोलाल ठोकरशी माह ।

(अन्तरक)

(अन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

(2) श्रोमती दिवालीबेन होथीभाई फारीया ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

दुहान नं० एस०-3, प्राउंड फ्तोर, लक्ष्मी अपार्टमेंट, "लक्ष्मी नगर प्रोजेक्ट", 3री कस्तूरका रोड, बोरीक्ली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० अ० ई०-4/37-ई० ई०/4073/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1984 को रिजस्टिंड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा : 12-10~1984

प्ररूप 'बाइ", टी, एन, एस, -----

माथकर आभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

वम्बर्ध, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अ० ६०-4/37-६० ६०/3739/83-84— अतः मुझे ए० प्रसाद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 401 जो गोकर्ण को-आप-रेटिब हार्ऊसिंग सोमाइटी (नियोजित), शिम्पोली रोड, बोरीवली (पिष्चम), बम्बई-92 में स्थित है (श्रौर इससे. उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका कर्महतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, रिजस्टी है, तारीख 10-2-1984 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, अक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी अंदनेया उससे बचने में सृतिधा के सिए; और/बा
- (बा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आहा, बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य को, अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को करिल् िप्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स भूषन कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक जगन्नाथ वरलीकर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी नाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सृष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उपत स्थावर संपत्ति में शितबडभ किसी अन्य व्यक्ति द्वाग अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः--६समें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उ**बत** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **बन्**स्ची

फ्लैट नं० 401, जो गोकर्ण को-आपरेटिव हाऊ सिंग सोसायटी (नियोजित) शिम्पोली रोड, बोरीवली (पशिश्वम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैसा कि के० सं० अ० ई०-4/37-ई० ई०/3739/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, जम्बई-1

दिनांका : 12-10-1984

प्ररूप बाई.टो.एन.एस.-----

(1) मैसर्स अरिहंत इन्टरप्राइसेज

(अन्सरक)

(अन्तरिती)

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

(2) मैंसर्स श्री जलाराम ट्रेडिंग कंपनी

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तरीक्षण) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्षन के हिंसए कार्यवाहिया करता हुँ।

- -

अक्षः, मुझे, ए० प्रसाद,

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

बम्बर्ड, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984 निर्देश सं० अ० ई०-4/37-ई० ई०/3708/83-84---

(क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध को बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य,

(च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

25,000/- रु. में मिथिक हैं श्रीर जिसका स० दुकान नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, देसाई एण्ड शेठ नगर, आफ एस० व्हो० रोड, पोईसर बस डिपो के बाजू में, बोरोबला (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूर्च में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 26क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 18-2-1984

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शुक्यों और पदों का, जो अवह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय स उक्त अंतरण लिखित ब बास्तिबक इस से कथित नहीं किया गया है है—

#### नगुमुखी

(क) अन्सरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के अधित्य में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या दुकान नं० 2, जो ग्राउंड फ्लोर, "बी" विंग, देसाई एण्ड सेठ नगर, एफ० एस० वी० रोड, पोईसर बस डिपो के बाजू में, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

(क) एसे किसी बाय या किसी अन या बन्य आस्तिकों को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धर्म कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया

अनुसूर्च। जैसा जि क्र० सं० अ० ई०-4/37-ई० ई०/ 3708/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविका के मिए; ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

कतः अव. उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 12-10-1984

प्रक्ष बाह्र . टी. एन., एस.:--===

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहारक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० अ० ई०-4/37-ई० ई०/3754/83-84— अत: मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, लार्डस बिल्डिंग, आई० सी० कालानी, काम रोड, बोरीवली (पिक्चिम), बम्बई-92 में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से बिलित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख: 4-2-1984

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उमत अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्ट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) मैसर्स जे० आइ० कन्स्ट्रक्शन

(अन्तरक)

(2) श्री क्रिस्टोफर एन० डिसोजा

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांचर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

पलैट नं० 002, जो ग्राउंड फ्लोर, लार्डस बिल्डिंग, आइ० सी० कालोनी, कास रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अ० ६०-4/37-६० ६०/ 3754/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 4-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के बन्सरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिश्ति व्यक्तियों, अधारि :—— 19—336GI/84

मोहर :

दिनांक : 12-10-84

म्बन्ध' बार्ध'.. टी. एवं. एस.------

जायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यानय, सहायक जायकर बाम्क्त (निरोक्षण)

धर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई०-4/37-ई ई/3755/83-84---अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उर्जित बाजार मृख्य 25 000/- का से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 001 है जो, गाउंड फ्लोर लाडमं बिल्डिंग, आई० सी० कालोनो, कास रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूना में ग्रीर पूर्ण रूप में बिणत है), ग्रीर जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रस्त प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की शायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य मों कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

कतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुमुख्य में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अकित्यों, अर्थीत :---

(1) मैसर्स जे० आइ० कन्स्ट्रक्शन।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मार्गारेट एन० डिसीजा

(अग्तरिती)

का यह स्थान आरी करके पूर्वोक्स मंपत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित सब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धिकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होग्य जो उस अध्याय में दिया । गया ही।

#### बन्स्ची

पर्लैट नं० 001 जो, ग्राउंड प्लोर लार्डस बिल्डिंग' आह० सी० कालोनी काम रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ई ई/ 3755/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारों, बस्बई द्वारा दिनांक 4-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

त्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याज्य, सहायक जायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, हैदराबाद

बम्बाई, दिनाक 12 अक्तूधर 1984

निर्देश सं० अ० ई०-4/37-ई० ई०/3612/83-84---अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाह जिक्त जिथिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी तो, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिज्यका उचित अधार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० फ्लैट न० 206, जो रामदेव पार्क चंदा-बरकर रोड नेक्स्ट टू बें।० एम० मो० गार्डन बोर विलो (पश्चिम), अम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधान अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री हैं, तारीख 27-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके उपयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के थीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित भे बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की बाबर, उक्त जिम्मीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वासित्य में अपनी करने या शाससे तक्त्र में सुविधा के निष् और/शा
- (का) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं अिया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अं अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, सर्थात् हस—— (1) कमला डेबलपमेंट्स।

(अन्तरक)

(2) मध्कर राम कामत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्स स्थ्यस्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध के कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाच्चीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनसर्ची

पर्लंट नं० 206 जो, रामदेव पार्क चंदावरकर रोड नेक्स्ट टू बी० एम० सी० गार्डन बोरीवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

अनसूचो जैसा कि कि सि अ० ६०-4/37-६० ६०/ 3612/83-84 भीर जो सक्षम प्राधिकारो अस्वर्ध द्वारा दिनोक 27-2-1984 को रिजस्टिड किया गया है।

> ए० प्रसाद संक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक 12-10-1984 मोहर:

# त्रक्ष बाइं.टी.एन.एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन स्वना

#### भारत बरकार

कार्याचय, रहायक मायक र मायुक्त (निर्दाक्तण) अर्जन रेंज-4, बम्बई.

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० अर्ध-3/37-्हर्ध/3627/83-84---अतः मृक्षे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 26, जो, बिह्डिंग नं० ए० 6/17, जीवन बीमा नगर टाउनिशिप, बोरीबली, (पिष्चम) बम्बई-103, में स्थित है। (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-2-1984

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नसिचित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था. खिपाने में सृत्विधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् हि—--

1. श्री के० एस० सत्यनारायणा।

(अम्सरक)

2. श्री बसन्तकुभार रामचन्द्र उचिल।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# जनत संपत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी बाह्में :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविध से त्रसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पवाँ का, वो स्थव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियर गया है।

#### नन्त्र्याः

प्लैट नं∘ 26, जो, बिल्डिंग नं∘ ए०6/17, जीवन बीमा नगर टाउनिशिप, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई—103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37-ईई/3627/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनांक 12-10-1984

म्रोहर 🕨

प्ररूप आई., डी. एन. एडं.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3652/83-84:--अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या दुकान न. 5, जो, बोरीवली शिवदर्शन को ऑपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमिटेड, 625/16-22, कस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-2-1984 को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिश्रात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पवा प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश्य के उक्त बन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की बाबस, उक्त बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: ब्रॉर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भागताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूरिबंध के लिए;

अतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विभीन, निम्निचिष्ठ व्यक्तियों, वर्धात् :—

 श्रीमती लिली एफ० मोन्साल्बीज, और श्री एफ० बी० गोन्साल्बीज।

(अन्तरकः)

2. श्री मुकुन्द बौलतराज चितालीया।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए बा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुज्जी

दुकान नं० 5, जो, बोरीवली शिव दर्शन को-ऑपरेटिव हार्जिंग सोसाईटी लिमिटेड, 625/16-22, कस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड, बोरीवली (पश्चिम), अम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37—ईई-3652/83–84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज-4, **बम्बई** 

दिनांक 12-10-1984

प्ररूप बाई .टी. एन. एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकाश

कार्यांचय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ष, विनांक 12 अक्तूबर 1984

सं० अई--4/37ईई/3636/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- उ. सं अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैट नं 301, जो, बिल्डिंग नं बी42, योगी नगर, एकतार विलेज, बोरीक्ली (पिष्चम), बम्बई92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं विणित है), और जिसका परारनामा आप एर अधिनियम
1971 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 4-2-1984
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मृन्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिचात से अधिक हैं और अन्दरक (अन्तरका) और अन्तदिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण से लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखत
के नास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उक्ससे अवने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था कियाने में संविधा के सिए;

जतः जब, उक्त जीभॉनयम की भारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त जीभीनयम की भारा 269-क की उपवारा (1) के जभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभौत्ः— 1. श्री सी० पी० अहुजा।

(अन्सरक)

2. श्री अमरीतलाल सामजी फितरोडा । (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्विक्त सम्पन्ति के सूचन के सिष्+ कार्यवाहियां अन्त करता हो।

# ं उक्त संपरित के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासोप हुन्न

- (कं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कस्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

प्लैंट नं० 301, जो, बिक्सिंग नं० बी०-42, योगीः नगर, एक्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रं स० 4/37/ईई/3636/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक आय**कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

दिनिक : 12-10~19**84** 

# ह्रसम्ब क्षाइ<sup>त</sup>ः कीः एवः एवः -----

जायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, वम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

सं ० अई-4/37-ईई/3610/83-84---अतः मुझे, ए० प्रमाद.

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उप्यत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ध्य 25 ೧೧೧/- एत. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 7 जो 2री मजिल, सुन्धर दर्शन, विलेज मागठाणा तालुका बोरीवली (प०) सर्वे नं० 169 और सी० टी० एस० न० 59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 21-2-1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके ध्वयमान प्रतिकास सं, ऐसे ध्वयमान प्रतिकाल कं पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक **स्प से कथित नहीं किया गया है:---**

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधानियम के अधीन कर वाता की मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरों स्थते में मुविधा के लिए, अरि∕या
- (का) एसी किसी बार्य या किसी धन या जन्म व्यक्तिकाँ को जिन्ही भारतीय शायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया. था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सर्विभा के लिए

अतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, पेंं, उच्चर अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

मसर्स सुन्दर इण्टरप्राइसेस;

(अन्तरक)

2 श्री घोष मोहिहीन इक्राहिम शेख।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनस सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षण----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियाँ पर सूचना की बामीस से 30 विन की अवधि, यो औ अविध बाद मा समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की शारींस है 45 विष् के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में विवयक्ष किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त खन्दों भौर पर्दों का, जो उक्त मधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है वही पर्य होगा जो उस श्रध्याय में दिया च्या हैं।

#### अन्सूची

फ्लैंट नं 7, जो, 2री मंजिल, सुन्दर दर्शन, विलेज मागठाणा तालुका सर्वे नं० 169, और सी० टी० एस० नं ० 59, बोरीवली (पश्चिम) में स्थित है।

अनुसूची जैमा कि क्रम सं० अई-4/37-ईई/3610/83-84 और जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई बारा दिनाक 21-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद, सक्षम प्राधिकारी महायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-4, बम्बई

विनाक: 12-10-1984

प्ररूप. शाइ. टी. एन. एस्. - - - -

जायकर अभिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वता

#### बारव सरकार

कार्यालयः, सहायकः भायकर भायकः (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 12 श्रश्तवर 1984

निर्वेश सं० प्रई-4/37/ईई/3616/83-84:--- झतः मुझे, ए० प्रसाद.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

म्रौर जिसकी सं० एस० नं० 10, सी० एस० टी० नं० 2243 (पार्ट) ग्रौर 2245, विलेज एक्सार, बोरीवली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 7-2-1984।

को पूर्विक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के हिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तयिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई जिसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने कें अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य व्यक्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अधिनियम, उपाय प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था निरुपान ए सिहन के सिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री धर्मा जी पांडुरंग ठाकुर।

(अम्तरक)

2. मैसर्स देसाई बिल्डर्स।

(ग्रन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीच चे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### नपृष्ठ् यो

एस० नं० 208, एस० नं० 10, सी० एस० ठी० नं० 2243, (पार्ट), श्रौर 2245, विलेज एल्सार, बोरीवली में मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37/ईई/3616/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-84 की रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाध, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🕸

# त्ररूप् नार्षः की, एन, एवा.=-----

# भायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-हु (1) के नृथीन स्थान

#### नारत सहकार

# कार्यासय, सहायक जामकर जायुक्त (भिद्रीकाण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं ० प्रार्ह-4/37/ईई/3624/83-84--म्रतः मुझे ए० प्रसाद,

नायकर मिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेवात् 'उक्त मिंपिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के निर्मात, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० जमीन स्ट्रकचर के साथ जो, बेग्ररिंग एस० नं० 43 ग्रीर सी० टी० एस० नं० 421, विलेज एक्सार, बोरीवली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 27-2-1984

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार बूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया क्या प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेश्य से उक्त बृन्तरण मिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) सम्बर्ग से शुद्र किसी बाव की बाबस डक्ड विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की बाजित्य में कमी करने या उससे वचने में बृतिधा के लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती, द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सं, में उक्त विधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन, निम्निसिवत व्यक्तियों, वर्णांकु:---

20--336 GI/84

श्री सुधा एन० वर्दे,
रंजित एन० वर्दे,
गुजित एन० वर्दे,
श्रीर मैसर्स कुबेर कमियल इण्टरप्राइजेस प्राइवेट
लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री सुधा एन० वर्षे,

(2) रंजित एन० वर्वे,

श्रौर (3) सुजित एन० वर्दे

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ी भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थानस्था में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए ता सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्वो की, धी. इच्छा अधिनियम के अध्याय 20-व्ह ने परि-भाषित ही, वही अर्थ होना, को इन्हें कन्वेल् में दिया गया है।

#### **श्रनु**सूची

जमीन स्ट्रम्बर के साथ बेर्ग्यारंग एस० मं० 43 भीर सी० टी० एस० नं० 421, जो, विलेज एक्सार, बोरीवली, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-4/37/ईई/3624/83→84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 27-2-84 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्पिका) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप काइ . टी. एन. एस. - - -

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के अधीन सुभना

#### भारत स्रकाड

कार्यालय, सहायक प्रायकर पायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 12 प्रक्तूबर, 1984

सं० म्रई-4/37/हर्ई/3877/83-84:---श्रतः मुझे ए० प्रसाद,

णायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 1 गाउण्ड, प्लोर, प्रल्का भवन बिल्डिंग, साईनाथा नगर, एक्सार विलेज, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिणित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, तारीख 29-2-1984

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिभक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अगने का कारण है कि यथाप्वेंक्स सम्पत्ति का उषित बाजार प्रत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिस उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक इप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की यावत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या उससे वथने में सुविधा क निए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब्त, उच्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षास् :--

1. के० एस० ठाकूर (प्राप्रायटर)

(ब्रन्तरक)

2. श्री सुभाष श्रनन्त खानोलकर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित मों किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नन्स्यो

दुकान जनं 1, जो, ग्राउण्ड फ्लोर, "ग्रस्का भवन" बिस्डिंग, साईना नगर, एक्सार विलेज बोरीवली (पश्चिम), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रमुस्ची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ईई/3877/83–84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 12-10-1984

प्रकथ काइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर, 1984

र्स० म्राई-4/37ईई/3761/83-84:--- म्रतः पुनि ए०, प्रसान.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० 604, जो, 3री मंजिल, विग बी, "प्रत्का भवन" बिल्डिंग, साईनाथ नगर, एक्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है) ग्रीर इससे उपाब ग्रम्नुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 21-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृद्ध, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मृड् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) में उनने मिलियम, ए। अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या मि किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुनिक्षा न 1000;

अतः जय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री के० एस० ठाकुर (प्रोप्राइटर)

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रात्माराम काशीनाथ मोरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपति के अंजन क संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुबना के राजपल में प्रकाशन की तारी से 48 विन की भवधि या तरने वैधी व्यक्तियों पर सुबना के। तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस नृष्या के राजपत में प्रकाणन की नागीत से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर अम्मलि में हिशबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रुधोहस्ताक्षरी के पार्म किसिस में किसे जा सकेंगे।

हप्रदीकरण 1----इसमें प्रयुक्त सभ्दों भीर पदां हा, जा उपन अधि-तियम के अध्याय 20-त में िमाणित है बही सर्थ होगा, जो उस सन्याय में दिस एए हैं।

# वन्त्र्या

फ्लैट नं० 404, जो 3री मंजिल, विग बी०, "ग्रल्का भवन" बिल्डिंग, साईनाथ नगर, एक्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क सं० घाई-4/37/ईई/3671/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 21-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

# प्राक्ष बाइ ुटी . एव . एस . -----

न।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्राई-4/37ईई/10925-83-84—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 505, जो, बिल्डिंग नं ० 1, 5वीं मजिल, "सुनेर कीर", बिल्डिंग, कोरा केट्ट के सामने, एस० ह्वि० रोड, बोरों ग्ली (पिचन), बन्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उप बद्ध अनुसूचों में और पूर्णस्य से विणित हैं), और जिसका करारनामा अध्य कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बन्बई स्थित सक्षम शाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 25-2-1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उत्विश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है ;—

- (क) जन्तरण ये हुई किसी जाव की बावत, उक्त जिथितियम के जभीन कर येने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अवने में मृथिधा वे सिद्ध; जीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयक्द अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा भा वा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुरवधा के निष्;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल- (1) श्री प्रमोद अतर० रल्हन ।

(अन्तरक)

(2) शेख बुद्दीन मिस्त्री ।

(अन्तरिती)

न्य वस् त्यना प्रारी कर्के पूर्वनित सन्तरित के वर्षन के विस् कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र. में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

क्ष्यकोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# वपृष्यी

प्लीट नं ० 504, जो, बिस्डिंग नं ० 1, 5वीं मंजिल, सुमेर नगर बिस्डिंग, कोरा केन्द्र के सामने, एस० ह्वि० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि कि कि से आई-4/37-ईई/3638/83-84और जो सक्षम प्राधिकारी, बर्बाई द्वारा दिनांक 25-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज⊶4, **बस्ब**ई

दिनांक : 12~10~1984

माहर:

प्रकम नाई. टी., एत., एस.,------

बाबकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 प्रक्तूबर 1984

निवंश स० अई-4/37-ईई/3698/83-84--अतः मुझै, ए० इस.इ.

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट न० 302, जो 3री मजिल, सरस्वती अपार्टमेंट, एम० ह्वि० पटेल रोड, बोरीवली (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्णस्प से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं, दिनाक 20-2-1984,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक कप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

नतः अवः, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अथाँतः— (1) रिलाएबल कन्स्ट्रक्शन कम्पनी ।

(अन्तरक)

(2) शैसूश गोधालाल शेठ, और श्री राजेन्द्र कुमार जी० शेठ ।

(अर्वारती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए , कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित में किए जा सक<sup>1</sup>गे।

स्पव्यक्तिरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **प्रमु**सूची

पलैट सं० 302, जो, 3री मंजिल, सरस्वती अपार्टमेंट, एस० हिं पटल रोड, बोरीवली (पिष्चिम), बम्बई में स्थित है। अन्सूची जैसा कि क्रां सं० अई-4/37-ईई/3698/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-2, यस्वई

तारीख: 12-10-1984

अक्ष बाह. टी. एन. एस.-----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत नरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्त्बर 1984

निदेश सं० आई⊶4/37/ईई 3617/83~84---अतः मुझे. ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी स० दुशान नम्बर्म 9 10 और 11, जो, गोयहस शापिग आर्केंड, रेल्वे स्टेशन के सामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्णस्प से वर्णित है), /और जिसका वरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिमी है, दिनाक 13-2-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अतरित्ती (अतिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अतरण सं हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्पीबधा के लिए अरि/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी भून या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए।

बतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) (1) मेसर्स गोयल बदर्स ।

(अन्तरक)

(2) मारीवाला बेनेफिट ट्रस्ट

(अन्तरिती)

अनसूची

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (खं)। इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगत्तवी

दुकान नम्बर्स, 9 10 और 11 जो, गोंयर्ट्स मापिश आर्थेड, रेल्वे स्टेशन के सामने, बोरीवली (पश्चिम), बम्बर्ध में स्थित हैं।

अनसूची जैसा कि ते स० आई-4/37-ईई 36/17/83-84 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ्ए० प्रसाद सक्षम प्रारधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप बाह्". टी. एन. एस. -------

बायकार विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीत सुवना

#### नारत सरकार

कार्यानम्, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई- 4/37-ईई/3760/83-84--अत: मुझे , ए० प्रसाद,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इराके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हु<sup>4</sup>), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उभित बाजार मृल्य 25,000/- रः. से अधिक है

और जिसकी सें० पंलैंट न० 305, ओ 4थी मंजिल, विग-ए, "अहका भवन" बिल्डिंग, एक्सार विलेज, होरीवली (प॰), वम्बई-92 में स्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वर्णित हैं) /और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित ।क्षम प्राधिकारी के कार्यांचय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 20-2-1984.

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण सं हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अन्तरक के बायित्व मैं कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम, की धारा 260-च के अनुसरण \*, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) दे अधीन निम्ननि**वित व्यक्तियो, चर्चान** ---- (1) श्री कें एस० ठाकुर (प्रोप्राइटर)

(अन्तरक)

(2) श्री पाडूरंग महावैव मालगावकर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

वक्त शम्परित के अर्थन के सम्बन्ध मा कार्ड भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पद्धिकरण :—हसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उन्तें अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित ह<sup>5</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में <sup>भ</sup>रणा गया है।

# जन्स्यी

फ्लैंटन० 305, जो 4थी मंजिल, "ए" विग, "अल्का —भवन" बिल्डिंग, एक्सार विलेज, वोरीवली (पश्चिम), बग्बई—92 में स्थित हैं।

अन्सूची जैसा कि कि नि आई-4/37ईई/3760/83-84 और जो सक्षम प्राधिक्तरी, बम्बई द्वारा विनांक 20-2-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद नक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई ।

दिनाक : 12-10-1984

# प्रक्य बाइं ुटी, एन, एस, =-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारो 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई-4/37-ईई/3707/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रापये से विधिक हैं

और जिसकी सं ० दुकान नं ० 3, जो, प्राउंड फ्लोर, समर्पन "ए" बिल्डिंग, के बौलत नगर, रोड नं ० 3, बोरीवलो (पूर्व), में स्थित हैं। (और इससे उपावद्ध में अनुसूची और पूर्णक्य से बिणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अयोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रिंग है, विनांक 6-2-1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया हतिफल, निम्निखित उद्बोदय से उक्त अन्तरण निचित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाय की बाबत, उच्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक को दाबित्व में कमी कारने वा खबसे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सृत्था को विक्य;

जत जब, उच्चे अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मॅं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

- (1) एस० एज० कात्स्ट्रकटर एण्ड कम्पनी । (अन्तरक)
- (2) श्री राजभारायण रामसिंगर, सिंग, और श्री राजेश लक्ष्मीचन्द उदानी । (अंग्लरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्श्वप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकर्गे।

स्पक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नम्स्यी

दुकान नं० 3, जो, ग्राउंड फ्लोर, समर्पन ":ए" विल्डिंग, दौलत नगर, रोड नं० 3, प्लाट नं० 26, सी० टी० एस० नं० र्ट 2543 और 2544, बोरीयली (पूर्ष), में स्थित है । अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० आई-4/37-ईई/3707/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, द्वारा बम्बई विनांक 6-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त अायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अम्बर्ष

दिनांक: 12-10-1984

मोहर ः

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/3680/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन गभम प्रापिकारी गर्म, यह पिश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रह. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 402, जो 4थी मंजिल, प्लाट आफ लैण्ड बेऑरिंग सी० टी० एस० नं० 490, कस्तुर पार्क, णिम्पोली, बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध अनुसूर्चा में और पूर्ण रूप में विणत हैं), और जिसका करारनामा आयक्रर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 18-2-1984

को पूर्वेक्त मंपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती दिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया पितफल, निम्नलिखित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आरि/या
- (मा) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया राना चाहिए था छिपाने में मुँविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार्त ः---

21—336 GI/84

(1) मेसर्स साई हुवा सन्स्ट्रम शनकम्पनी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० पी० मुरेश ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपम में प्रकाशन की तासीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनेत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

पलैट नं० 402, जो, 4% मंजिल, प्लाट आफ लैण्ड बेअरिंग सी० टी० एंस० नं० 490, कस्तुर पार्क, बोरीवली (पश्चिम), शिम्पोली, बम्बई -92 में स्थित है।

अनुमूर्च। जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/3680/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई है द्वारा दिमांक 18-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजैन रेंज−2, बस्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्रकप काइं. दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक जायकर **आयुक्त (निरक्षिण)** 

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं ० अई-4/37-ईई/3704/83-84--अतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विक्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 2,.000/~ रु में अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 211, जो, रामदेव पार्क, चश्वा बरक रोड, नेक्स्ट टूबी० एम० सी० गार्डन बोरीवली (प0), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेष्ठप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 म, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 27-2-1984

को पूर्विक्स सम्पस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रातिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य,, उसके स्थमान प्रतिकल से, ऐसे स्थमान प्रतिकल का भक्षह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंगरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्तित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में अम्लविक कप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के बन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; बौर/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पराजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ध(या किया जाना चाहिए था. छिपान में मुविधा के निराप

े अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कमला डेबलपमेंट्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल डी० महा और श्रीमती सरोज ए० महा।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

पलैट नं० 211, जो, रामदेव पार्फ, चन्त्रावरकर रोड, नेक्स्ट टू० बी० एम० सी० गार्डम, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/3704/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 27-2 1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 12-10-1984

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 12 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/3630/83-84-अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 17, जो, कोर्ट चेंबर्स, प्लाट नं० 23, सी० टी० एस० नं० 149, टी० पी० एस० नं० 111, एस० व्ही० रोड, बोरीवली (प0), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर धिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 28-2~1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री मनीकांत बलवंतराव मोदी, और श्रीमती चन्त्रकांता मनीकांत मोदी।

(अन्तरका)

(2) श्री प्रविण अमरीतलाल रायूयानी , 2. दिलिप अमरीतलाल रायूयानी और महेन्द्र अमरीतलाल रायूयानी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वन्स् ची

दुकान नं० 17, जो, कोट चेंबर्स, प्लाट नं० 24, सी० टी० एस० 149, टी० पी० एस०—111, एस० व्ही० रोड, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई—92 में स्थित है।

ं अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-4/37-ईई/3630/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-2-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण)। अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 12-10-1984

\_\_= -= -\_ \_=

प्रकल नाहरें. टी.क्ल.एस. -----

बाबक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### नाइत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं ० अई--4/37-ईई/3696/83-84---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत निधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-12, जो 2री मंजिल, विजय नगर बिल्डिंग, एकसार रोड, बोरोवली (पश्चिम) बम्बई-92 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची और पूर्णरूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्षर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रे हैं, दिनाक को पूर्वीक्त स≭पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रहप्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अभ्यारण से हुई किसी आय की क्षानत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी कारने या उससे सचने में स्विधा के लिए; जॉर/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में संविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) भैसर्स रजनीकांत बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री अणोक कुमार बाबूलाल मारीखा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहिया करता हु ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृक्षारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए का सकारों।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पसीट नं० सी-12, 2री मजिल, विशय नगर बिल्डिंग, एक्सार रोड, बोरीवली (पिष्मिम), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/3696/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24--2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाव मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहरः

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अर्द-4/37-ईई/3709/83-84--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की कारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उन्त्रिन वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैट नं० 203, जो, गोकर्ण को०-अपरेटिय हाउसिंग सोसायटा (नियोजित), शिम्पोली रोष्ठ, बोरोवली (पश्चिम), बम्बई--92 स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूच। में और पूर्णक्य से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनाक 10--2--1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि दथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुर्फ़ किसी आय की शावतः उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उनस बचने में सुधिधा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकार अधिनिश्रम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनिश्रम, या धन-कर अधिनिश्रम, या धन-कर अधिनिश्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंग था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूबिधा औं सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स भूषन कन्स्ट्रशक्त वस्पर्ना ।

(अन्तरक)

(2) श्री पांडुरंग ुल्णा पावसकर ।

(अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता ह**ं**।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .-

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45. जिन की अविधि या तत्संबंधी ध्याक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 इस के भीतर उक्त स्थागर सम्बेत में हितशस्थ किसी अन्य व्यक्ति इशास अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागत हो, तक्षी अर्थ हाजर का उत्यक्त करें शिया। गया हो।

## अनुसूचा

फ्लैंट नं० 203, जी, गोलण को०-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी (फियोजित), शिम्पोला राड, बोरीवर्ल, (पश्चिम) में बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूर्ची जैसा थि क स् अई-4/37ईई/3769/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई हारा दिनांक 10-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स्वहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 12-10-1984

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई-4/37-ईई/3634ई/83-84—श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 1, जो, रामकृपा, वसपाडा रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं। श्रौर जिसका करा रनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 10-2-84 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं कया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्ह भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जैनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तिताम, अर्थात् :--- (1) श्री वहंयालाल नयुभाई मारू

(म्रन्तरक)

(2) श्री भवानजी प्रेमजी नागडा

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के, अर्थन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्वी

दुकान नं० 1, जो रामकृपा, दत्तपाडा रोड, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/3634/83-84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक '12-10-84

मोहरः

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वंधीन सुमना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 12 ग्रन्त्वर 1984 निर्वेश नं० एम्रार-4 37-ईई/3611/83-84----ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिस की सं० फ्लैट नं० 2, ग्राउन्ट फ्लोर, 60 फीट रोड, आफ मडेसां रोड' बोरीवली (प) में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद अन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है। ग्रौर जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 2-83

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के दृश्यमात्र प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का धन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरित्याँ) के श्लीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आध की वाबत, उच्च विधिवय के वधीन कर देने के बन्तरक के वादित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (च) ऐसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने सें स्विधा के किए;

अतः अक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन ृनिम्निजितिक व्यक्तियों, अर्थात् ड— (1) मैसर्स कमला एन्टरप्राइजिज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हरीण कुमार डी० गोरडिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकरी।

स्वक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

प्लोट नं० 2 ग्राऊन्ड फलोर 60 फीट रोड आफ मांडेसवर रौड गोबिन्द नगर बोरीवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

अर्जन रेंज बम्बई कार्यालय में रजिस्टर्ड है। कम सं० ए०--ग्रार-4/37ईई।3611/83-84 विनांक 2-84

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक 12-10-84 मोहर: प्रक्ष बाइ". टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260 ल (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्याल**व,** सहायक झामकर बायु**क्स (निरक्षिण)** श्रर्ज रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश मं० ए० श्रार०-4/37-ईई/4069--83-84--अन मुझे, आई० ए० साद,

आकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का स्नारण है कि स्थावर मम्पीत्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- गा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ालैंट न बी/303 बिल्डिंग नं 7 बिधी स्पार्टमेटस, साईतिब लगर बोरीयली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उफान व यनगनी में पूर्ण क्य में बिणत है), और जिसका करारनामा आयर रहीं अधिनयम 1961 की धारा 269 का, ख के अधिन अम्बई (सात संधार प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनाक 28-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का ट्रचित बाजार मृत्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण भिक्त में वास्त्विक मूप से प्रधिक नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण सं हर्ष किसी वाब की बावस, उक्छ प्रणित । तीर कर देने के धनररक के ग्राप्तर के प्रणित उमर असने में सीवभा के हिन्द भीर/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या गन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) आ उत्तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) आया धनर अल्लीरती दवारा अकट नहीं किया अया था या किया जाना काहिए था छिपाने में स्विधा दें निया।

(1) मे० रिधी अपार्टमेंटस

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तथा श्रीमती नारायन कुटी

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कां।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया हैं।

#### **अनुसूची**

फ्लैंट नं० बी/302, बिल्डिंग नं० 7, रिधी श्रपार्टमेंटस, साईहिब नगर, बोरीवली (प०), बम्बई——92 श्रर्जन रेज बम्बई कार्यालय में रजिस्टर्ड है ऋ० सं० १ श्रार-4/37-ईई/4069/83-84 दिनांक 28-2-1984

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, रंज बम्बई ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (४) के अधीन, रिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 12-10-1984

# प्रकप कार्ड टी. एन एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धार। 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजं रेज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनाक 12 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० ग्रर्ड-4/37-ईई/4067/83-84---ग्रत गुझे, ए० प्रसाद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क अधीन सक्षम पाधिकारी कों, यह विख्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सर्पत्त जिस्सा उचित बाजार मृत्य 25,000/- स अधिक हैं

भीर जिसकी स० फ्लैंट न० 303 जो 3री मजिल, बिल्डिंग न० 6बी, साईबाबा नगर बोरीयली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इसमें उपाबब धनुम्ची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ब के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मं रिजस्ट्री है, तारीख 28-2-1984

को पृवािकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ाी गड़ों है, और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवािकत सपौत्त का उचित आवार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एोसे इत्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित अन्तरित के निए तब पाया गया प्रतिफल तिम्नितिकत उद्योध में उद्या अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल तिम्नितिकत उद्योध में उद्या अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल तिम्नितिकत उद्योध में उद्या अन्तरण के लिए तम

- (क) अन्तरम में हुई किसी नाम की बाबत उक्त अधि-नियम के नभीन कर दोने के जन्तरक के दामित्स यां कभी करने या उसस बचने श स्वित्या उ किए और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या क्रिय साम्यका को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अस्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए.

कतः अन्त, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिंक व्यक्तियों, अर्थात् —— 22 —336 G1/84

1 मैं० मुरेश ग्रासोसिएट्रस।

(ग्रन्तरक)

2 श्री वसत बाबूराव शिवे, श्रीर श्री सजय वसंत शिवे।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उकत सम्परित को अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी कार्कप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवि। या तत्सबधी अयिकतयों पर भूचना की तामील ह 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पृथाँकत स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हिल्मद्ध किसी अन्य त्योगि उत्राग जनग्रन्था व गम लिखित में किए जा सकरें।

स्वच्छीकरण'---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होना को उस अध्याय में किया क्या हाँ।

#### यन प्राप

ण्लीट न० 303, जो 3नी मजिल बिल्डिंग न० 6बी साईबाझा नगर, बोरीबगी (पश्चिम), बस्थई-92 मे स्थिन है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० स० अई-4/37-ईई/4067/ 83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 28-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

> ए०" प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रापकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जक रेंज-4, बम्बई

विनाक 12-10-1984 मोहर प्रक्रम बाह्". टी. एन े एस ुन----

भायकर साधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के स्थीन सूचना

भारत सरकः

कार्यालयः, महायक आयकार जागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984

निवेश सं० म्राई-4/37-ईई/4078/83-84---मृतः, म्स्रे. ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गृन्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट न० 102, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० बी०-1, लखमीनारायण को-धापरेटिव हाउसिंग सोसायटी (नियोजित), लक्ष्मीनारायण नगर, एस्के रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर भिधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम् के ध्रयमान प्रतिफल क लिए अलिरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयोधविक्त संपत्ति के उचित्र बाजात पूर्व उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एक्ते फ्ल्यमान प्रतिफल का प्रयूव प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और उन्तिकित (अन्तरितियों) के बीच एसं अस्तरण के लिए तय पामा गयः प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य सं उक्त अन्तरण किचित म आस्तिकित स्पान को यत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिन ज्ञान के हिनीन कोर दीन के अन्तरक के मायिला में कामी करने या उक्त रूपने में जूरिया। ज्ञान की गा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों हैं। केन्द्र भागताय अवकार कियोग्यम, 1922 (1922 की 11) या उद्या अभिनेत्रकार, या प्रान्ता अभिनेत्रकार, या प्रान्ता अभिनेत्रकार, 1957 (1957 का 1911) र प्रयोजनाथ अंतरिती बनारा प्रकार नहीं किया गया था किया आता आता काहित था विद्या असा प्रान्तिकार आता आता काहित था विद्या या भागवा आता आता काहित था विद्यान वा स्वीत्रकार भागवा आता आता आता काहित था विद्यान वा स्वीत्रकार भागवा आता आता आता काहित था विद्यान वा स्वीत्रकार भागवा आता आता आता आता काहित था विद्यान वा स्वीत्रकार भागवा आता आता आता आता काहित था विद्यान वा स्वीत्रकार भागवा आता आता आता आता आता आता वा स्वीत्रकार वा स्वीत्रकार का स्वीत्रकार का स्वीत्रकार काहित था वा स्वीत्रकार का स्वीत्रकार का स्वीत्रकार का स्वीत्रकार काहित था वा स्वीत्रकार काहित था स्वीत्रकार काहित था वा स्वीत्रकार काहित था स्वीत्रकार काहित था वा स्वीत्रकार काहित था स्वीत था स्वीत्रकार काहित था स्वीत्रकार काहित

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् अ---

- 1. मैं०. दि धरमशी मोरारजी केमिकल कं० लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री के० जनार्दना राव।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सबप मां कोई भी बाक्षप

- (क) ध्रस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं + वित ने निर्माण की तत्सवधी व्यक्तियों पर सूधना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त नीक्तप्र के सुनिर्माण दवाप
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 15 दिन के भीतन उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-व्याप किली व्यापित क्यारा, अधाहस्ताक्षरी के पास क्षित्र में किला स्थारा

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट न० 102, जो 1ली मंजिल, बिल्डिंग नं० बी-1, लक्ष्मी नारायण को-श्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी (नियोजित) लक्ष्मीनारायण नगर, एस्के रोड, बोरीयली (पश्चिम), अम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० म० प्रई-4/37—ईई/4078/83–84 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक 12-10-1984 मोहर अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सम्मतः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० धर्द-4/37-ईई/3721/83-84—भत., मृझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि धार सम्पोत्ल, जिलका उचित नाजर मूल्य 25,000/- रह. के अधिक हैं

भौर जिसकी स० फ्लैंट न० 501, जो ग्राउंड फ्लोर साईनाथ नगर, विग-बी, "ग्रल्का-भवन" को-भ्राप० हाउतिसग, सोसाईटी, एन्सार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 मे स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका कारारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 26 क, ख के अधीन, यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख फरवरी 1984

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकिता में शास्त्रिक रूप से काथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योग के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- हा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयो का, जिन्हों भारतीय श्राय-अर अधिनियत, १८०६ (1922 का 14) या उक्त अधिनियम, वा धन-प्रमोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रवट नहां किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने भी सुविधा के लिए,

अक्ष अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण भे, में उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री के० एस० ठाकूर (प्रोप्रायटर)।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नानेराव पडालिक नाईक ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपरित क वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उनत राज्यां रस के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख स 45 चिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तस्मील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवानन व्यक्तियों में साजसी क्योंजन दवार।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पति किरण :--- एसमे प्रयुक्त जय्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अध हागा, अप उस अध्याय में दिया गया।

# वन्त्यी

पलैट न० 501, जो ग्राउड फ्लोर, बिग "बी", एस० नं० 2, सी॰ टी॰ एस० नं० 2246. एन्सार बिलेज, "ग्रल्का भवन" को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कि सै० श्रई-4/37-ईई/3721/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिमांक 12-10-1984

## प्रथम बाहै. टी. एवं. एवं. ५ - - ----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### बाह्य बहुनह

# कार्यांशव, सञ्चायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 12 धक्तूबर 1984 निवेश सं० घर्ड-4/37–ईई/3653/83–84–– धत , मुझे, ए० प्रसाद,

बाबकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रो. से सिक ही

ग्रीर जिसकी मं० ब्लॉक नं० 105, जो प्लॉट नं० डी-15, योगी स्मृति बिल्डिंग, योगी नगर, बोरीवणी (पिण्चम), बम्बई-92 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण स्प से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खके श्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, नारीख 13-2-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण निस्तित के वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- क) अभारिक, सं हुई किसी जाय की बाबत उक्त विधितियान के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायिक में कभी करने वा उत्तरी विचने में सुविधा के लिए, जीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निद्

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भीन, मिम्निशिषिक व्यक्तियों, वर्णक र—

1. श्रीमती हंसा चंडकान पंडया।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मदनबाई मोहनराज राठोड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपति का अर्वत का रिस्स कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध मा कार्य भी आध्येष .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 विन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में कमाप्त होती हा, के भीतन पूर्व कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन को भीतर उत्तत स्थावर सन्त्रीता में हित ब्रह्थ किसी अन्य स्थावित व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे

स्मक्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्धों और पर्यों का, वा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित के हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय मी टिया गया है।

## अनुसूची

ब्लाक न० 105, जो प्लाट नं० **डी-15**, योगी स्मृति बिल्डिंग, योगी नगर, योगीवणी (पश्चिम), अम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० ग्रई-4/37–ईई/3653/83–84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 13–2–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ग्० प्रसाद ,सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बर्ध

विनांक: 12-10-1984

प्रकृत साद . टी एन एस . -----

# नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (;) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

लायीता, तहारह नारहर जायु**क्त (निरीक्षण)** अर्जन रोज-४ **सम्बद्ध** 

बम्बर्ड, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आ**ई** --4/37 ईई/3650/83--84---अनः, **मुझे** ए० असाद ,

मायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000 /- राज्ये अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट न० 404 जो 4थी मंजिल विशाल11 एस० व्ही० रोड आफ शिम्पोली रोड़ बोरीवली (प०)
बम्बंई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप सर्वाणत है) और जिस्हा करोरनामा आयकर
अधिनियम 1961 की धारा 269ए ख के अधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख
6-2-1984

को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को इस्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इस्यमान प्रतिफाल से, एसे इस्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशा से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नितिया उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जनतरण सं हुई किसी भाग की शावत, उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा श्रे निए, और/वा
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उत्तर अधिनियम, 1957 (1957 रा 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिकित व्यक्तियाँ अर्थात् :-- श्रीमती हंसा जे० गांधी
 और श्री मदन जी० पटेल ।

(अन्तर्क)

श्री विनोदराय परमानंद कोठारी ।
 और श्रीमती रमीलाबेन विनोदराय कोठारी ।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्त सम्मात के बार्व साम्बन्ध में को**ड़ भी बाक्षेप** :----

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 फि को असिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मच्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थाबन द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस मं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

#### अप्रस्ती

फ्लैट नं० 404 जो 4थी मंजिल विशाल-11 एस० व्ही० रोड़ ऑफ शिम्पोली रोड़ बोरीवली (पश्चिम) बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि से आई-4/37-ईई/3650/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वाराधिनांक 6-2-1984 को रजिस्टर्ड भिया गया है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी स**हायक आयक**र आयुक्त (नि**रीक्षण**) अर्जन रॅज-4 **बम्बई** 

विनांक: 12-10-1984

मोहर.

इक्ष् आर्ड, टी. एन. एस.- - - -----

# बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बर्ध, दिनांक 12 अक्तूबर 1984 निदेश सं ० अई- 4/37 -ईई/3913/83-84--अत, मुझे, ए० प्रसाव

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे **इ**समें **इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की** धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृल्य 25,000 / - रह. से अधिक हैं।

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 1102 जो 1ली मंजिल "अहका-भवन" **बिल्डिंग** साईनाथ नगर एन्सार विलेज बोरीवली (प०) बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप चे वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयङ्गर अधिनियम 1961 की धारा 269 कः ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम के धरमशान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्वयंमान प्रतिफल में, एंसे स्वयंमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गरा प्रतिफल. निम्नलिखित उद्वारेय से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उथस विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरफ की वाबित्य में कमी करने या एमर्स बचने में भिराप के लिए; बरि/या
- (स) ऐसे किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धन कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए थी. हिस्सने में मीराव के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1 श्री के० एम० टाकुर (प्रोप्रायटर)।

(अन्तरवा)

2. श्री गोखन श्रीकृष्ण रामचन्द्र

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पर्वेक्ति सम्पत्ति को अर्थन के एलए कर्मशा**हिया शुरू करता ह**ै।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप '--

- (क) इस स्थाना के राजपन मे प्रकाशन की शारीख 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो र्भः अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अयिक्तराों में में किसी स्यक्ति देवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हितबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम विकास से किए हा स्वींग 🗓

प्यस्तीकरण - इसमे प्रयुवस वान्यां और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाधित **ह<sup>4</sup>. वहीं अर्थ** होशा जो जरू अध्याय में रिप्रः गया ≓ै।

पर्लंट नं० 1102, जो 1लीमजिल, "अरुका-भवन" विल्डिंग, सार्धनाथ नगर,एन्झार विलेज, बोरीवली (पश्चिम), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋं0 सं0 आई-4/37 ईई/3913 83-84 और जो सक्षम प्राधिसारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बई

विनोक 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन एस.-----

कश्य कर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) की बधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण) अर्जल रोजन्य, बम्बई सम्बई, दिनाक 12 अवत्वर 1984

निदेश सं० अई--4/37-ईई/3969/83--84-- अत: म्झे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के गर्भ का प्रार्थित का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित गजार मूल्य 25.000/~ रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट तं० डीं॰--3, जो, ग्राउंड फ्लोर, "राजिक्किंग", बिल्डिंग, बिलेंग पांदिवली, मेडरोन स्ट्रीट, एम० जी॰ रोड़, जांदिवली (पिश्तम), बम्बई-८७ में स्थित है (और इससे उपाबंड अनुपूजी में और पूर्ण रूप से विणित है), औं॰ जिपदा उपारनामा आयार अधिनियम, 1961 की बारा 269 में खें अशीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के श्राणीलय में रजिस्ट्रीं है, नारींख 8--2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान गलफल के लिए अस्तिरित का गई है और मूफ यह ।वड्वास करन का कारण है कि यथाप्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस वश्यमान प्राविष्ठल का पन्द्रह प्रतिशत में अनिक हैं और अलग्यक (अन्तरका) और अतिरित्ती (अन्तरितियां) के बीच धूमि अलग्य के लिए तथ पाया वया प्रायम्बन, निम्निलिक्त उद्वर्षय से उच्के अतरण निश्चित में कास्तीय 5 कर से कथिन नहीं किया गया हैं ---

- (w) वंशरण से हुइ निस्ती आध की बाबल, अवस् आभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे अन्यन में स्वीत के से लिए और/या
- (भा) एसी किसी बाय मा किसी अन या अस्य जास्सियों की, जिन्ही भारसीय आप्रकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम में भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जरता चाहिए था जिला जस्मिका के लिए,

अत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण त मी, एका अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिकित योक्तियों, अर्थांत् '--- 1 श्री कीति डी॰ बदामी।

(अन्हरक)

2. श्री मुकेश पी० मेहता।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि से तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पे तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पे तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पे तत्समा को तामील से 30 चिन की अविधि, जा भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत "िल्लायों में से किसी व्यक्ति ब्राइत ब्राइत.
- (ब) इस सुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से १०, १३म र अन्तर १५-५१ १५-५ स्थावर सम्प्रीत में हिस्स बहुध किसी बन्य व्यक्ति सुवारा, स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए सा सकेंमें ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसर्ची

फ्लैट नं० डी-3, जो आउंड क्लोर, "राजकिशोर" बिल्डिंग, विलेज कांदिवली, मेडरीन स्ट्रीट, एम० जी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), धस्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि श्र० सं० अई-4/37-ईई/3969/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 8-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद, नक्षम प्राधिकारी नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जल रॉज-4, बम्बर्ड

दिनाकः 12-10-1984

मोहुदु 🛭

प्रकृप बाइ<sup>‡</sup>. टी, एन. एस.-----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थान

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 12 अन्तूबर 1984

निदेश मं० अई--4/37-ईई/3684/83--84--जन:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १६०- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अपन १ । ज स्थावर सम्मतिल, जिसका उच्चित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसक मं० पर्नेट नं० 25, जो मोहर अपार्टमेंट्स, एलाँट वियरिंग नं० मी० टी० एस० 71, और 221, पेण अर बाडी ज बम्बई एल० वी० रोड, बोरीकली, बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसता एराएतामा आयहर अधिनियम, 1961 की धारा 269 था, जा के अधीन, नारीख 25-2-1984 को पूर्वों कत सम्मतित के उचित बाजार मृत्य म कम के अधान प्रिक्स के लिए अन्तरित को गई हैं और मृक्ते यह विश्वाम करने के कारण हैं कि यथापूवों कत सपत्ति का उचित बाजार मृत्य स कम के एस्ट्राम करने के कारण हैं कि यथापूवों कत सपत्ति का उचित बाजार मृत्य स सिक्त का पन्द्रह प्रतिकृत स अधिक हैं और अन्तर्फ (अन्तरको) भेर अपरिती (बन्तरितया) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया वितक पिम्नलिकित उद्देष्य से उक्त बन्तरण निक्ति का प्रमित्न का पन्द्रह मान विकत के नाम का अधिक नाम अधिक नाम अधिक नाम अधिक नाम अधिक नाम कि का स्थान का स्थान विकत का स्थान का स्थित का स्थान का स्थान नाम का स्थान नाम का स्थान नाम का स्थान का स्थान नाम स्थान स्थान नाम स्थान स्था

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने मा स्विधा के अप्, और/मा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों करो, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छा अधिनियम सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने धें संविधा के लिए;

बतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविक्त व्यक्तियों, अधीन '---

मेसर्स बिस्ड क्वीश ।

(अन्तरक)

श्रीमती एन० आर० कुलकर्णी ।

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास,
- (क्ष) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबह्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्वी

फ्लैंट नं० 25, जो मोहर अपार्टमेंट्स, प्लॉट विअरिंग नं० सी० टी० एस० 719221, पेणहर वाडी, बाभई, एल० जि० रोड़, बोरीयली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/3684/83-84 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-2-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

ए० प्रसाद सक्षन प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक 12-10-1984 मोहर

# प्ररूप आई.टी एन.एस-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचरा

#### भारत सरकार

बार्यालय, सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई बस्बई दिनाक 12 भ्रक्तुबर 1981

निदेश स० ग्रर्ड-4/37-55/3622/83-84—-ग्रन , मुझे, ए० प्रसाद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), को धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर राग्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य (5,000)/-75 से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० ब्लाक न० 15, जो मोहर श्रपार्टमेट, प्लॉट बिर्यारा सी० टी० एस० 71 श्रीर 221, पेणकर वाडी, बामई, एल० टी० रोड बोरीवली, बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसमें उपावद्व श्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 24-2-1984

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अतरिती (अतरितिया) के बीच एमें अन्तरण के तिए लय पाया गया परिफल, निम्निलियन पद्देश्य में उक्त अतरण लिखित म गरतिवक रूप में कथिन नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हाई किसी आग की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- रा) एसी विशि अर का किसी धन या अन्य कारियां का, जिल्हों भारतीर आसारर अविनियस, 1922 (1522 की 11) ए उत्तत अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) प्राथानका रिस्कितिकार पाट नहीं बिहा गा। धा सा किसा जाना चाहिए था, क्याने म स्विका के निए,

अत पब, उक्त अधिनियम की त्रा 160-म क अनसरण म, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्पारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् ---23-336 GI/84 1 मेसर्स बिल्ड क्वीक ।

(श्रन्तरकः)

2 श्रा डी० बाग० नाइ कर।

(ग्रन्तरिती)

ा गह सचना जारी तरक गर्यातत सम्पन्ति ते अर्थन के लिए कार्य<mark>याह्या श्रुर करता ह</mark>ु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचिता के राजपण में प्रकाशन की नारील से 15 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त हों, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए या सकेय।

स्पष्टीकरण --इसमा पर्या शत्वो और पदो का, जा उक्त अधिनियम के अधार 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

ब्लॉब न० 45, जो मोहर प्रपार्टमेट्स, प्रॉट निपरिंग सी० टी० एस० 71 ग्रौर 221 पेणकर बाडी, बामई. एल० टी० रोट बोरीवली बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० प्रर्ध- 1/37-5ई/3622/83-84 ग्रीर जा सक्षम भाधिकारी बम्बर्ट द्वारा दिनाक 24-2-1984 का रजिस्टर्ट किया गया  $^{9}$ ।

ए० प्रसाद एअम पाधिकारी हाथन ग्रायक्त (निरीक्षण) श्राजन रेज-4 बम्बई

दिनाक 1*?*~10~1984 मोहर

# भूक्य बार् ु टी. एव. एस्., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 अब (1) के भ्रष्ठीन सूचना

#### श्राप्तवं बहुक्रार

# कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निर्दोक्तण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1984

निदश सं० श्रई-4/37-जी/60/83-84-यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 268 के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर नम्यनि, जिसका उचित बाजार मृह्य 25;000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 64, एच० नं० नहीं, जो सी० टी० एस० नं० 1404, दिहसरपूर्व में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 22-2-198 को पृवोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वाम श्रितफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वाम श्रित का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उपात बाजार ब्रुट्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे खरमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नालाविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भी या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निल्ए;

अतः । ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिसित क्रिक्टियमों, अर्थात् :-- (1) श्री खंडू रघुनाथ राऊत ग्रीर भ्रन्य

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहन भीमराव शिदे श्रीर 5 श्रन्य।

(भ्रन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूंचना की नामील स 30 दिन ही भ्रविध, जो भी अविध बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में 1 किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना क राजपत प प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्ब द्व किसी अन्य स्थावत द्वारा, प्रधोहस्ताध्यरी 4 पान जिल्लान है किए जा पहेंगे

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रतिनियम के गणाय 20-कर्ने परिभाषित है क्या पर्ध होगा, जो उन प्रदेशाय में दिया गया है।

#### अन<u>्</u>स्ची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस-814/76 श्रीर जो उन-रजिम्झार, प्रस्त्रई द्वारा दिनाक 22-2-1981 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-४, बस्पर्द

दिनांक: 11-10-198

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4. बम्बई

बम्बर्ड, दिनांक 11 ग्रक्तूबर 1984 निर्देश स० ग्रई-4/37-जी/58/83-84--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एउ. स अधिक है

ग्रौर जिसकी स० एस० नं० 95, जो प्लाट नं० 21, सी० टी० एस० नं० 42 ग्रौर 42/1 मे 26, विलेज कान्हेरी, बोरीवली मे स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास इंडरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ब्रार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: औप या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) मैं एफ ई विनशा चैरिटीज।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती शांतादेवी स्नार० श्रगरवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा स्केंगे।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्यी

ग्रनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 3026/83 ग्रीर जो उप-रजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 23-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 11-10-1984

# परक्ष आहें. टी एव एस ....

१ मर १ धानयम, 1961 (1961 **का 43) की** भारत 269-भ (1) के **अभीत स्था**त

भारत भरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिनान 12 प्रक्तूबर 1984

निर्देग म० श्रई-4/37-ईई/3845/83-84--यत मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे ६ पक्त पश्चात उन्त भाकित है। अहा गया है। की भारा ३69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह में अधिक है

ग्रीर जिसकी स० एस० न० 114 और एच० न० 6 ग्रीर 7 विलंज दिहसर नालुका नान ३ज बराला दिहसर में स्थित है (ग्रार इसम उपावक्ष अनुभूची मं ग्रीर पूर्ण रूप स विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रीयकर ग्री उन्यम, 1961 को वारा 269न ख के ग्रीधीन, वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मं र्राजस्ट्री है नारीख 13-2-1984

हो प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के रूथमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का यदह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरितिया) के बीच एस अंतरण के लिए तय पारा गया प्रति म्ल निम्मलिसत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शाम्नीदक स्प स फरिश नहीं किया गया हैं—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-। । अधीन कर दोन के पन्नग्य के दिवन म कभी करन यो उसमें बचन में शीवदा हो। सौर/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जानिए था, छिया ये म्हिंग के लिए,

अत यद उपन अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण र्ष में पक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) र अरीर विक्कित पिक्तियों अर्थात -- (1) श्री महेन्द्र एम०पाटील।

(स्रन्तरक)

(2) 1 श्री राहीस ग्रहमद इस्माइल2 श्री मसूद बाबुल्ला, ग्रीर

उ काल्लाल चपालाल जैन ।

(ग्रन्तरिती)

**को यह सुमना जारी करक पृदालक सम्परित के अर्थन को निध्** कार्यवाहिया जुरु करता हा।

उक्त सम्पार्त के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी माक्ष्य .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी व्यक्ति बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उका स्थापन पारित के हिल बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण --इसमे प्रयुक्त शब्बो और पर्दो का, जा उक्त अधिनियम ७ १६ गांच २०-४ म परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# **अन्**स्ची

एस० न० 114 और एस० न० 6 श्रीर 7, विलेज दिहसर, तालुका नान अज वाराला दिहसर में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-4/37-ईई/3845/83-84 ग्रीर जा पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 13-2-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बस्बई

दिनाक 12-10-1984 भोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-४, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1984 निर्देश सं० श्रई--४/37-ईई/3847/83-84--यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11, जो 2री मंजिल, साई विश्राम को-ग्रापरेटिव हार्जिसग सोसाईटी, कदारपाडप, प्लाट नं० 128, एच० नं० 1, दिहसर (पिष्चिम), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख़ 7-2-1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बोजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधाके लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात ::—

- (1) साई विश्राम को-म्राप० हैं।उसिग सोसाईटी। (श्रन्तरक)
- (2) श्री नंदन नर्रासंग रेगे ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित विव विस्था किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

### अन्स्ची

पशैट नं० 11, जो 2री मंजिल, साई विश्वाम को-आप० हाउसिंग सोसाईटी, कंदारपाडा, प्लाट नं० 128, एच० नं० 1, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है। ग्रमुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37–ईई/3847/83–84 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2–1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक फ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आहें.टी.पुन.एस.------

बायकर व्यिभिनय्म, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीम सुबना

#### THE SASTE

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अन्त्बर 1984

निर्देश सं० आई-4/37-ई/3848/83-84---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पसैंट नं० 1, तीसरी मंजिल, 'स्नेहज्योत' सी० टी० एस० नं० 1238 (पार्ट), आफ दिहसर, एस० नं० 59, एख० नं० 2, छत्रपति शिषाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणं रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 7-2-84

को पूर्वेक्सित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय नय पाया नया प्रतिफल निम्नलितित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिचित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) करतरण से हुई किसी आम काँ वाक्त, उक्त अधिनियम को अधीत कर दीने के अन्तरण के यायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को सिष्; बीरू/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती हुवारा प्रकट नहीं किया बना था वा किया बाना जाहिए जा, जिभाने में स्विभा के निए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नेलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) एस० पंर० कन्स्ट्रकशन्स।

(अन्तरऋ)

(2) श्री रामसागर जगन्नाथ विषाठी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पौत्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 15 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त काफितयों यो से किसी क्यों क्यांक्त बुकाना
- (व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की क्षारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इतारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिल्लिस में निष्णु जा मर्कोंगे।

स्पक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त अन्दों और एवा का, की जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं., ेह्नी अर्थ हासर के उस क्याय या किया गया है।

# वन्स्थी

प्लैंट नं० 1, तिसर्ग मंजिल, 'स्नेह्ज्योत', सी० टी० एस० नं० 1238 (पार्ट) आफ दिहसर, एस० नं० 59 एच० नं० 2, छन्नपति शिवाजी राड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िम ऋ०सं० आई-4/37-ईई/3848/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 7-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-4, **बम्बर्ध**।

दिनांक: 12-10-1984

प्रकार है हैं। एस एक जन्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भार १८८३

कार्यालय, महायक आधकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-४, प्रस्वर्ष

बम्बई, दिनाक्ष १२ अस्तूबर १५८१

निदेश म० अई-4/37-ईहै/3835/83-81--अनः मुझे, ए० प्रसाद.

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. में अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट न० डो/20, जो, 4थी मंजिल, अवधूत को-आपरेटिय हाउमिंग सोमाइटी लिमिटेड, शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बस्वई-68 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूर्ची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका लगरनामा आयत्त अधिनियम, 1961 वी धारा 269 थ, ख के अधान तम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के सार्यालय में रिजस्ट्री है, तर ख 13-2-84

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान पितफल से गृमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमात में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तर्शितयों) के बीच गृसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल । निम्नलिखित उव्वश्य से उक्त अन्तरण निम्बित के सामित हैं स्पार्थ किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हहा किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने में सृविधा के जिए; और/ए।
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ रही, जिल्हों भारतीय शय-कर प्राथित्यय, 1922 (1022 का 11) या उत्तर प्रिनियम राज्य अधिकार प्रीयित १३५ (1057 तर २७) विकास कार्या कार्या

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण मे. में, डउ४ प्रिवियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन निम्निसित स्यक्तियों. अर्थात :—

- (1) श्री आई। ए० शेख, सी० ए०एम०एस०शेख। (अन्तरकः)
- (2) श्रा पा० जार० नायर ।

(अन्तरिर्ता)

ना नह सूचना फारी करके पूना ने सम्पत्ति के सर्वन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

अन्ध सम्पत्ति के अर्जन क तम्बन्ध मा काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्या के रावपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी स्थानत्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थामत्यों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा, जो उस सध्याय में द्विया गया

# प्रनुसूची

पलैंट नं० डी/20, जो, 4थी मंजिल, अवधूत को-आपरेटिव हार्जिंग सोसायटी लिमिटेड, शिवाजी रोड,दिहसर (पूर्व), वस्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई/3835/83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13-2-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी यहायक आयक्तर औयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 12-10-1984

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

• बायकार अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन मुचन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० अई-4/37-ईई/3846/83-84---यत , मुझे, ए० प्रसाद,

आयकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके ५१९वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/~ रु. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० एस० नं० 166, एस० नं० 3-की और 4, दिहसर विक्षेज तालुका, रेलवाल पाडा, नोनट अज लक्ष्मणची भट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 13-2-84 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह शिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंवरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्ररिक्त निम्नलिखित उच्चेंक्य से उक्त अंतरण लिखत में त्रस्तावक रूप से किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शीयत्व में कभी करने या उससे बचने में सिंपबा के लिए, और/या
- (स) एंमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 दी 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, विष्णा प्रकरित के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —— (1) शा महेन्द्र मोरेश्वर पार्टाल।

(अन्तरकः)

(2) श्रा रहीस अहमद इस्माईन, श्री ससूद बाबूतला, ऑप श्री भाजनाल चपकलाल जैना।

(अन्तिरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप '---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्तियां द्वागा
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन ऐसी (र एक स्थार समाति मा रिन्तदथ किमी अन्य व्यक्ति सारा अधोहरण नहीं के पाम लिखन मा किए जा सकेंग।

स्यष्टीकरणः ---इसमा प्रयुक्त शब्दा आर पदा का, जो उकत र्जाधनियम के अध्यय 20-य के का रिका हो, बही क्षेत्र होगा के अध्यय प्रकार है।

### वन्स्यी

एस० नं० 166, जो एच० नं० 3-श्री और 4, दिहसर तालुका विलेज रेलवाल पाडा, लक्ष्मणची, भट मे स्थित है। अनुस्ची: जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/3846/83-84 और जो सक्षम प्राधिशारी, वस्बई द्वारा दिनाक 13-2-84 को रिजस्टर्ड स्थिया गया है।

> एः प्रमाद सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयक्षर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-4, वस्वई

दिनाकः: 12-10-1984

प्रकृष् वाद्", टी. एन. एस.-----

नामकर शीपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारत संरकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/3608/83-84---यतः, मुझे ए० प्रसाद,

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० विलेज शहरर, जो सर्वे नं० 15, हिस्सा नं० 3, सिटी सर्वे नं० 1353, सालुका बोरीवर्ला में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणित है), और जिसका क्षरारन्द्रमा आयक्यर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनाक 28-2-1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के धरममान हॉतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके धरममान प्रतिफल से, एसे धरममान प्रतिफल का म्लाह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सम किया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण संहुई किसी नाम की नामत उथक अधिनियम के अधीन कर दोने के बल्तरक व दायित्य में कमी करने या उससे बचन मे मृतिका, के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या कत्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---24---336 GI/84 (1) मैसर्स बो० आर० इन्टरप्राइसेस।

(अन्तरक)

(2) श्री वी० पो० चडहाण, और अन्य।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### उनत संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को त्रारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा शकींग।

स्वकारिक रण : — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पश्ची का, को खबत जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा गया हैं।

# जन्त्वी

विलेज दहिसर, जो सर्वे नं० 15, हिस्सा नं० 3, मिटो सर्वे नं० 1353, तालुका बोरीवली में स्थित है। अनुमूचा जैसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/3608/83-84 और जो सक्षम प्राधिशारी, बम्बई, द्वारा दिनांक 28-2-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बद्धी।

विनांक: 12-10-1984

# प्रकृष बाइ. टा. एन. एस. -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर, 1984

निवेश सं० आई-4/37-ईई/3897/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 4, जो ग्राउण्ड फ्लोर, "सी" बिहिंडग, "मिस्क्यूट्टा नगरें", छत्रपति शिवाजी रोड, दिहसर, (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं. दिनांक 18-2-84

को पूर्वोक्स सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके बर्यमान प्रतिफल से, ऐसे बर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अस्तरण वे हुई किसी बाव की बावस, अक्त अधिनियम के बधीन कर को के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्; और/बा
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अधीत:——

- (1) मैससँ एस॰ विदीं बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। मैं (अक्रिप्स)
- (2) श्रा हण्णनाथ नरहर मुले। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्भन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्तः विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस नध्याय में दिया नवा हैं।

#### वनस**्त्री**

वुकान नं० 4, जो ग्राउण्ड फ्लोर, "सी" बिष्टिश "मिस्क्यूट्रटा नगर" छत्रपति णिवार्जः रोड, दहिसर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं आई-4/37-ईई/3897/83-84 और जो सक्षम प्राधिहारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 बम्बर्ध।

दिनांक . 12-10-1984

प्ररूप शाई. टी. एन. एस.------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्याजय, बहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० अई-4/37-ईई/3849/83-84---अतः मुझे। ए० प्रसाद,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० शाप नं० 2, स्नेहज्योति सी० टी० एस० नं० 1238 (पार्ट) आफ दिहसर विलेज, एस० नं० 59, एच० नं० 2, छद्रपति शिवाजी रोड, दिहसर, (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्की है, विनांक 7-2-84

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार नृस्य, असके एर्यमान प्रतिफान से, एसे ध्यमान प्रतिफान का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष, जिन्दीसित उद्देश से अन्तर अन्तरण सिखित में बाइत-विक रूप से किंग्रत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाब्त, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे असने में सुविधा को निए; और्ट/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना बाहिए जा कियाने में सुविधा के दिस्पृत्र

नतः असः, उत्ततः निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उत्ततः अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) मैसर्स एस० पी० कन्स्ट्रकमान्स।

(अन्तरक)

(2) श्री मगनशाल जी सोनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी क्षाओं दः-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विनृकी अविभिया तत्सम्बन्धी स्वयितमां पर स्वना की तामील से 30 विन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वाद्याः
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्म स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिया गम्म है।

### भनुसूची

शाप नं० 1, 'स्नेह्रज्योति' सी० टी० एस० नं० 1238 (पार्ट), आफ दिहसर विलेज, एस० नं० 59, एच० नं० 2, छत्तपति शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई/3849/83-84 और जो सक्षम आधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 7-2-84 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद स**सम** प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्षजंन रेंज-4, **वस्वद्य**।

विनांग: 12-10-1984

# प्रकर बार्ड .टॉ..एन्.एक. ------

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्⊸4, बम्बई अम्बर्ध, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० अई-4/37ईई/3957/83-84--अत:, मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रंड संमधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दूकान नं० 1, जो ग्राउड फ्लोर बिल्डिंग 8, सक्टर 2, आनद नगर, लयआउट, दहिसर (पूर्व), तालुका: सालसेटटे में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्टी है, तारोख 10-2-1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्त्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि संथापुनोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मध्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरज के लिए तस शासा गया इतिफने, निम्नसिवित उप्योग्य से उक्त कन्तरम सिवित में नास्त्रीनक क्य वे कीन्त्र नहीं किया गना है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय नायकर मिशनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, मा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का. 27) 🕏 प्रयोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के.लिए; और/या

वर्त श्रे वर्त , उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण , मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के नभीन, निम्निजिति व्यक्तियों, अभीत् 🏣

- (1) मैसर्स हैपि होम हाउर्सिंग एजेन्सी । (अन्तरक)
- (2) श्रो जयंतीलाल वामजी ठक्कर । (अन्तरिसी)

को यह सुचना पारी करको पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यमार्डिया शरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशम की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंगे।

बिधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्वाय में दिया नवा है।

दुकाम मं० 1, जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग न० 8 सैक्टर 2, आनंद नगर, लयआउट, दहिसर (पूर्व), तालुका: सालसेटॅंटे में स्थित है।

अनुसूचो जसाकि ऋ० सं० अई-4/37ईई/3957 83-84 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 10-2-84 की रजिस्टर्फ किया गया है।

> ए० प्रसाध सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4 बम्बई

दनाक: 12-10-1984.

मोहर 🖟

अक्ष **बार्ड**. दी., एन., एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थान

#### भारत बहुकाड

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 12 अक्तुबर 1984

निर्वेश सं० अई-4/37ईई/3953/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो ग्राउंड फ्लोर बिल्डिंग नं० 8, सक्टर 2. आनंद नगर, लयआउट दिहसर (पूर्व), तालका: सलसेटटे में स्थित है। (ग्रीर इसे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप में विजत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारीख 10-2-84

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-धिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरण से हुई किसी बाय की वायत, उसत विधिन्यम के अधीन कार दोने के अंत्रक के वायित्व में कमी करने या उससे अपने में स्विधा के सिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः जन, उनत अधिनियमं कौ धारा 269-ग के जनसरण भें, मैं, उनत अधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत :--- (1) मैसर्स हैपि होम हाउसिंग एजेन्सी

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री नर्मदाशकर नरभेराम जोशी,
  - 2. श्री धीरजलाल नरभेराम जोशी,
  - 3. श्री रसिकलाल नरभेराम जोशी, श्रीर
  - 4. र्श्नः भरत नरभेराम जोशी

(अन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सध्युत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, बधोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### **ग्रनुसूची**

दुकान नं० 12, जो ग्राउंड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 8, सैक्टर 11 आनंद नगर, लयआउट दहिसर (पूर्व), तालूकाः सलसेटटे में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कर सं० अई-4/37ईई/3953/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 10-2-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बर्ड

सारीख: 12-10-1984

प्रस्प माइं. टी. एन. एस. -----

भायकड अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० अई-4/37-ईई/3888/83-84--यतः, मुझे, ए॰ प्रसाव,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 8, जो, ग्राउड फ्लोर, "एच" बिल्डिंग, मिस्क्यूट्टा नगर, छलपती शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है। (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 6-2-84

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निकालिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक कें दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन्तार्थ अन्तरिती व्वाय प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स एस० विदीं जिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री बापू अशोक धुलप ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंचे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# बन्स्डी

दुकान नं० 8, जो ग्राउंड फ्लोर, "एच" बिस्डिंग, मिस्क्युट्टा नगर, छन्नपती शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/3888/83-84 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 6-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

विनांक: 12-10-1984

मोहरः

प्रकम् कार्यः, टी∴ एन्. पुर, ,--=----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

### शारत शरका

भार्यालय, महायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 अक्तूबर 1084

निर्वेश सं० आई-4/37ईई/3898/83-84--अतः मुमे, ए० प्रसास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

भीर जिसकी स० वुकान नं० 1, जो, ग्राउंड पलोर, "जी" बिल्डिंग, "मिस्क्यूट्टा नगर", छत्रपती शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची भीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18/2/1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित वाजार मृज्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के निए तय पाया नथा प्रति-कल निम्नसिख्त उद्योग से उन्त अन्तरण मिनित में बास्तविक कम से कथित नहीं किया नवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अद्रि/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितौ द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

नतः नवः उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण मं, मं, उथत अधिनियम की भारा 26,9-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- (1) मैं सर्स एस॰ विदीं बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्री प्रसाद वामण दानवे।

(अन्तरितः)

को यह सुषना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौड से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवा का जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 1, जो ग्राउड फ्लोर, "जो" **विस्डिग,** "मिस्क्यूटटा नगर", छत्रपता शिवाजो रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई–68 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क० सं० आई-4/37ईई/3898/83-84 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/2/84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

**सारीख**ं 12-10-1984

A-- TIMBLE MADERNANCE AND

### प्रकृत बाह्", डी. एन. इस......

आयकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-क (1) के सभीन सुचना

#### नारत दरकार

# कार्याक्य, तहायक बायकर बाव्का (निरीजन)

ध्यर्जेन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तुबर 1984 निर्देश सं० ग्रई-4/37ईई/4015/83-84--श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधितियम' कहा गया हैं) की पाच 269-स के अधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संगीत्य विस्का स्वित वाचार गुरुव 25,000/- रा. से अधिक हैं

स्नौर जिसकी सं० "हेम निवास" जो, 87, एस० वी० रोड़, सी० टी० एस० नं० 372, विलेज मालाड नॉर्थ, कांदिवली (पिष्चम), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है) ग्रौर जिसका करार-मामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 14/2/1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृश्वे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्त्वह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क व निश्नीतीचत उद्देश्य से अक्त बन्तरण लिखित में वास्त-विक स्थ से क्रिया वहाँ किया स्था है

- (क) सम्बद्ध से हुई कि की बाव की नावक कथड़ निध-तिवस के सथीन कर दोने के सन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उक्को ध्यमें में सुनिधा के निये; सीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अमृसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के। उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती मोहिनीबाई शिवकरनलाल खंडेलवाल उर्फ शेम्रोकरन खंडेलवाल, श्रीर श्री लोकनाथ हेमराज खंडेलवाल। (श्रन्तरक)
- (2) मैं मर्स टन्ना इन्वेस्टमेंटस् ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करफे पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### बन्द सम्मित्त के क्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद ह---

- (क) इस न्यान के राज्यन में प्रकासन की तारीब से 45 दिन को नवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुम्बा की तामील से 30 दिन की अवधि, या भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवादा ;
- (च) इस सूचना के राज्यन में प्रकाचन की तारीच हैं

  45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रीहस्ताक्षरी के
  पास लिक्ति में किए था संकेंगे।

स्यव्यक्तिरण :—इसमें प्रयुक्त कवाों और पवां का जो जन्त अधिनियम, से सध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया मना हैं।

#### वन्द्रची

"हेम निवास" जो, 87, एस० थी • रोड़, सी० टी० एस० नं० 372, विलेज मालाड नार्थ, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई--67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक क• सं० श्रई-4/37ईई/4015/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14/2/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महाबक भ्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-4, अम्बई

दिनांक: 11-10-1984

मोहर 🛭

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्थना

#### भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर वायकत (निरोक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्राई-4/37ईई/3975/83-85—श्रत : मुझे, ए॰ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 296-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अप्रत्य है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिन्त बाजार मुख्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 25, जो 2री मंजिल, णिवम, बिल्डिंग, फतेह्बाग, एस० वी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 20-2-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का जिए अंतरित को गर्ड है और अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रा प्रतिफल, निम्निविस्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में न्यिया के लिए; और/भा
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 21 धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 ना 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या या किया जाना चाहिए था, कियाने में मृष्यिक्ष, के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलियित व्यक्तियों, अधीत :---25 | 336 GI|84 (1) मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

(2) श्री याजनेश ब्ही० व्होरा

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की दामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरी।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिश है. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में रिका गया है।

### अनुसूची

फ्लैट नं० 25, जो 2री मंजिल, शिवम बिल्डिंग, फतेह-बाग, एस० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० ग्राई-4/37ईई/3975/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 20-2-84 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 11-10-1984

प्ररूप बार्:.टी एन एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यासयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई; दिनाक 11 प्रक्तूबर 1984 निर्देश सं0 प्राई-4/37ईई/3967/83-84—प्रत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० 203, जो 2री मंजिल, निर्मा-णाधीन इमारत "सूर्यमुखी", प्लाट बेग्नरीग 82 बी (पी), झवेरी बाग, पोईसर, कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची मे ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961 की घारा, 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29-2-84

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुंवा कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सृतिधा के लिए; जौर/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (1) को अधीम, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स विवेक कन्स्ट्रक्शन कंपनी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रमरीतलाल पुरशोत्तम गोर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई" भी आक्षेप :---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्ति रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

फ्लैट नं० 203, जो 2री मंजिल, निर्माणाधीन इमारत-"सूर्यमुखी" प्लाट बेग्नरींग 82बी (पी), अवेरी बाग, पोईसर, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्राई-4/37ईई/3967/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-2-84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसातः सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप बार्. टी., एन. प्र्यू.,-----

# भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक आमकर आम्क्स (निरीक्षण) ग्रजिन रेज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्वेश सं० ग्राई-4/37ईई/4070/83-84---ग्रत : मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से विधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट न० 606 एच०, जो, पटेल नगर, 6वीं मंजिल, एम० जी० रोड नं० 4, कांविवली (प०), बम्बई—67 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है,) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 29—2—1984

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं काम के क्ष्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अपने अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया म्या प्रतिफल, निम्नसिक्त उक्षरेय से उक्त अन्तरण लिकित के बारतिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के ब्रायिश्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए अदि/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छवत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्यार्थ जन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नेत. क्य, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, इन्त अधिनियम की धारा 269-च की उत्पास् (1) के विधीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स के० पटेल एण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मीना बी० जोबनपूत्रा, ग्रौर श्री भरत डी० जोबनपुत्रा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी करके पृथ्वित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्कृत के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कृत की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींग।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृष्टी का, जो उक्त विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

### मन्सूची

पलैंट नं० 606, जो, पटेल नगर, 6वीं मंजिल, एम० जी० रोड नं० 4, कांदिवली (पिश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकि कि सं अग्रई-4/37ईई/4070/83-84 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29/2/84 को रिजस्ट किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽4, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

मोहर 😶

प्ररूप बाई ॰ टी॰ एन्॰ एस॰

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/3988/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने कर कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, 10वी मंजिल, श्रोजो दर्शन, एस० वी० रोड, कांदिशला, बम्बई--67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कम्ब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तार ख 18/2/84

को पूर्वीकित समपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान मितफल के लिए अंतरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थयमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्ति के स्थाप के स्थाप के प्रतिफल का पन्ति प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त मन्तरण निचित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हा भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्ता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) मैसर्स युनायटेड बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) कियोर एच० भाटिया, श्रौर सुरेश एच० भाटिया ।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिस्

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (खं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रितबद्दध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ने हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लैट न० 103, जो, 10वीं मंजिल, श्री जी दर्शन, एस० बो० रोड, कांदिवली, बम्बई-67 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि ऋ० सं० आई-4/37ईई/3988/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 18/2/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नाराख: 11-10-1984

मोहर 🚁

प्रस्प बार्ष.टी.एन.एस.-----

नायकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-न (1) ने नभीन स्ना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 11 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/4055/83-84—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕-, रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० प्लैट नं० 35, जो, 3री मजिल, शिवम बिल्डिंग, फतेहबाग, एस० वी० रोड, कादिवर्ल, (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूच, में भ्रीर पूर्णस्प से यणित है) ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार, के कार्यालय में क्रिर्जस्ट्रों है, ताराख 29-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उच्च अन्तरण निम्बित में बास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायिस्त में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी धन था अन्य आस्त्रयों का, जिल्हा भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रतिमाण जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना बाहिए था, किया में सुविधा में विश्व

कतः, अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-च के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कपना।

(अन्तरक)

(2) श्री हेमंत मोहनलाल मेहता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकित संपरित्र के अर्जन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हूं।

दक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चन्त की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कैं पास लिखिल में किए का सकेंगे।

स्थव्होकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नृत्यी

फ्लैट नं० 35, जो० 3री मंजिल, शिवम बिल्डिंग, फरोहबाग, एस० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूर्चा जैसाकि कि सं अाई-4/37ईई/4055/83-84 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 29/2/84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 11-10-1984

मोहर 🗓

प्रकप् नाइ. टी. एन्. एस. ----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

#### भारत संस्थार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई--4/37ईई/3980/83--84---अत: मुझे, ए० प्रसाद,

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), भी धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० फ्लैट नं० 203, जो, 2री मंजिल, "ज्ञान अमरोत" बिल्डिंग, एस० एम० रोड, कांदिवली (प०), बस्बई-67 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भौर पूर्ण रूप से बणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 कख के अधोन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 10/2/1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को विश्व को पत्ति को विश्व को सिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्नि बित उद्देश्यों से उकत अन्तरण सिवित में वास्तिक रूप से किंशित नहीं किया गया है :---

- (क) जलारण से हुई किसी बाय की बाब्छ, उक्स जिमितियम के अभीन कर दोने के जलाइक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; बौड/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी थन या अन्य आस्तियों के जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नृही किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविधा के निए;

अक्षः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :----

(1) एम० एन० कन्सट्रक्शन कंपनी ।

(अन्तरक)

ै(2) श्री चंद्रकांत एस० ग्रोझा, ग्रीर श्रीमती निर्मलाबेन एस० ग्रोझा। (अन्तरिती')

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुत्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्योकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नया इ<sup>2</sup>।

# ननुसूची

फ्लैट न० 203, जो, 2री मंजिल, "ज्ञान अमरीत" बिल्डिंग एस० एम० रोड़, कांदिवलो (पश्चिम), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि क० सं० अई-4/37ईई/3980/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 10/2/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसादः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

तारीख: 11-10-1984

शहर 🖫

प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-भ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बर्ध दिनांक 11 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई-4/37ईई/4006/83-84--अत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मन्य 25,000/- एत. से अधिक है

भौर जिसको सं० फ्लैंट नं० 8, जो, 1ली मंजिल, हेरमेस अपार्टमेंट, प्लाट नं० 7, मूलजो नगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (पश्चिम), बम्बई--67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 13/2/84

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, इसको व्ययमान प्रतिफलं से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यमा प्रतिफास निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अंतरण निसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हर्ष किसी बाय की बाबत.. अभिनियम के अभीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; जीर/बा
- (च) ऐसी किसी वाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था का का जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के सिए;

अन्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण , मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) **दे** अभीत् निष्नचि**त्रित व्यक्तियों, अर्थात् ⊈**—

(1) मैसर्स कर्नाटक ट्रेडर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्रो जयंतीलाल एम० दोशी, श्रौर अनिल जे० दोशी।

(अन्सरि ी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## सकत संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:----

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, षो अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्थ होगा जो उस मध्याय में विचा गवा है ।

### ममुसुची

फ्लैट नं० 8, जो, 1ली मंजिल, हेरपेस अपार्टमेंट, प्लाट नं० 7, मूलजी नगर, एस० वी० रोड़, कांदिवली (पश्चिम). बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37ईई/4006/83-84 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 13/2/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

तारीख: 11-10-1984

प्ररूप बाइ. दी. एत. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 12 प्रक्टूबर 1984

निदेश सं० जी०म्राई०म्रार० सं० के-142/ ---यतः मुक्ते, ए०प्रसाद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० भ्राराजो बन्दो बिस्ती नं० 358/1, श्रौर 362/1, है तथा जो मौजा सराय नन्दन परगना देता भ्रमानत जिला—बाराणसी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1984।

को पूर्योक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विज्यास करने का कारण है कि यथाएगेंक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्यों से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसके बचने में सूबिधा के लिए; औड∕बा
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ० 922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1 र्श्वः भोला नाथ
  - 2. श्री गोबिन्द प्रसाद

(अतरक)

(2) 1. श्री कुतुबुद्दीन

2 श्रीमीती खेद्रेजा बीबी।

(भ्रन्तरिती)

केता :

(3) (वह व्यक्ति जिसके श्री/श्रीमती/कुमारी ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुदारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितवदथ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा उत्थाहरूमाक्षरी का पान निश्चित में किए ना सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्यी

श्राराजी बन्दोबस्ती सं० 358/1 श्रीर 362/1, पैमाईसी 393.89 बर्ग-मी० स्थित मौजा-सराय नन्दन परगना देहात श्रमानत जिला-वाराणसी श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5559 में विणत है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी वारणसी के कार्यालय में फरबरी 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप आइ<sup>‡</sup>. टी. एन. एस.------

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 ग्रन्टूबर 1984

निदेश सं० जी०ग्राई०ग्रार० सं० एल-48/एक्यू०--ग्रतः मुझे, ए० प्रसाद

वामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० धाराजी बन्वोबस्तो है तथा जो नं० 358/1 श्रीर 362/1 मौजा सराय नन्दन, परगना देहात श्रमात जिला-वाराणसी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोकत सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्मिरत का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतर् रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्नसिविता उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ए---

- (क) अस्तरण में हुई किसी जाय की वाबस, जिस्त वीधीनयज्ञ के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य को क्षत्री करने या शत्त्रसे बखने में सुर्विशा के लिए वीद/वा
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चालिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 26—336 GI/84

- (1) 1. श्री भोला नाथ ।
  - 2. श्री गोबिन्द प्रसाद।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री लतीफुद्दीन।

2. श्री शहाबुद्दीन ।

(अन्तरिती)

(3) ऋेता। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना कारी करके प्योंक्त सम्बन्ति को अर्थन के निए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

### उक्त सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्म्यन्धी ज्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नन्स्वी

श्राराजी बन्वोबस्ती नं० 358/1 श्रीर 362/1, पैमाइश 393.81 वर्ग-मी० स्थित भौजा सराय नन्दन परगना बेहात श्रमानत जिला-वाराणसी श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 5558 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी वाराणसी के कार्यालय में फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप वार्च.टी.एन.एस.-----

बारकार अधिनियम , 1961 (1961 का 43) **की भारा** 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 प्रक्टूबर 1984

निदेश सं० म्राई०म्रार०सं० ए-149/एक्यू०---म्रत: मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा १६०-च के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का प्रारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य २६,०००/-रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ग्राराखी बन्दोबस्तो है तथा जो नं० 358/1 गौर 362/1. मौजा सराय नन्दन, परगना देहात ग्रमानत, जिला बाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्विवित सम्पत्ति को उचित बाजार मान्य से तम को क्षयमान प्रिक्षण्य के निए अन्तरित को गर्ड हैं और सुओ यह विश्वाम अरने का कारण है कि यथापर्वितित सम्पत्ति का उचित बाजार मन्न्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप में किथन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय क्यू बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, भें, उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीय, निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) 1. श्री भोला नाथ।
  - 2. श्री गोबिन्द प्रसाद।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री ग्रब्दुल एकीब।

(ग्रन्तरिती)

(3) केता (वह क्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं (i)

### भग्तुची

ग्राराजी बन्दोबस्ती नं० 358/1 और 362/1, पैमाइश 505.08 वर्ग-मी० स्थित मौजा-सराय नन्दन परगना देहात ग्रमानत, जिला-वाराणसी ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेल्डीड व फार्म 37-जी सं० 5560 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वाराणसी के कार्या-लय में फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

## प्रकम बाह्य, डी. एन्, एवं , 🛪 - - ----

# भावकर विभिनियमं, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वभीन भूचना

#### भारत सहस्रार

कार्यालय, सहायक नायकर मायुक्त (निरीक्षण) भूजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 12 ग्रम्ट्रबर 1984

निदेश सं० जी०माई०म्रार० सं० बी-122/ए०न्यू०---म्रतः, मुझे ए० प्रसाद

जायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० सम्पत्ति पैमाईसी 2125 वर्ग फुट है तथा जो 6/11, रेडियो रोड, हजरत गंज, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन विनांक फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्ष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विक्ष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दूष्टेश्य से उक्त अन्तरण किकित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्थ में कमी करने या उनके अचने में स्विधा के लिए आर्थ/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. कियाने में स्विधा के ट्रिए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269क्ष्म की उपधारा (1) के अधीत. निम्नलिस्ति व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्रीमती रेखा भटनागर द्वारा घटानीं श्री सुधीर पावसकर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बल्देव मेहरा।

<sup>'</sup>ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके वृत्रोंकत संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृष्टेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### बमसर्ची

सम्पत्ति पैमाईसी 2125 वर्ग-कीट स्थिन 6/11, रेडियो रोड, हजरत गंज, लखनऊ श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 13290 में वर्णित हैं, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

# प्रकार नार्षं ही , रूप , एथ , ------

चायकर विभागियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० जी०आई०आर० 14० ए-145/एक्यू०-----अतः मुझी, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो चुप्पेपुर, परगना-शिवपुरा, वाराणसी में स्थित है (भ्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रांकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के स्थमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निसिक्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण किवित के बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- हैंक) जन्तरक से हुई किसी जाव की बाबता, उक्त जिथितयम के जधीन कर क्षेत्र के अन्तरक की वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

ब्रुत्त, जब, उक्त विभिनित्तम, की भारा 269-ए की बन्हरूप कें, में, एक्त विभिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) क व्यक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ः—-

- (1) 1. बृज जावन दास
  - 2. बुज भूषण दास
  - 3. बुज मोहन दास
  - 4. बूज सुन्दर दास
  - 5. वो० लाल
  - 6. प्रवीन कुमार
  - 7. प्रमोद कुमार

(अन्तरक)

(2) आजाद गृह निर्माण सहकारी समिति लि०, वाराणसी द्वारा सचिव, आ० राज सिंह।

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हु: ।

जभत संपर्तित के नर्वन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# **गन्स्**ची

प्लाट पैमाईमी 137466 वर्ग-फिट, स्थित चुप्पेपुर, परगना, शिवपुरा, वाराणसी और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलडीड व फार्म 37-जी सं० 6664, में विणित है, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में फरवरी, 1984 की किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

ताराख: 12-10-\$1984

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० जी०आई०आर० सं० एच-146/एक्यू०---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 298 ग्रीर 299 है तथा जो मौजा-शिबपुर, परगना, शिवपुरा, वाराणसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण च्या से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारों के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरों 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्व्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुभे यह विस्वास करने को कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, जसके रूक्यमान प्रतिफल में, एमें रूस्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तम पाम गमा प्रति-फल निम्निसिचित उद्विष्य से उक्त बन्तरण मिचित में बास्तिक म्य में कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) अन्तरण तं हुई किसी नाव की बाबत उक्त नाभ-नियम के नभीन कर दीने के अन्तरक के वाजित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविभा के लिये; बोहर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया न्या था या किया बाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिय:

बतः वन, उन्त निर्धानयन, की धारा 269-न से ननुबरण में, में., उन्त निर्धानयम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें नधीन,, निम्निसित व्यक्तियों, नर्धात् :—

- (1) 1. श्री भोला नाथ, साब
  - 2. श्री रतन शंकर
  - 3. श्रादया शंकर

(अन्तरक)

(2) आजाद गृह निर्माण सहकारी समिति लि०, वाराणसी, द्वारा सचिव डा० राज सिंह।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित इन्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

### वन्त्यां

प्लाट नं० 298, पैमाईसी 39 डिसमिल भौर प्लाट नं० 299 पैमाईसी 70 डिसमिल स्थित मौजा-शिवपुर, परगना शिवपुरा, वाराणसी भौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जो सं० 4288 में वर्णित है जिसका पंजोकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में फरवरो 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

ताराख: 12-10-1984

# प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

# मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं जी अाई आर सं एफ - 6/ए क्यू ---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्जात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000′- का से अधिक उ

ग्रीर जिसकी संव आराजी नंव 164/2 है, तथा जो मौजा-निर्मा, परगना देहात अमानत, वाराणसी में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबंड अनुसूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिष्कस्ट्राकर्ती अधिकारों के कार्यालय वाराणमी में रिजस्ट्री-क्रमण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन, दिनांक 18 फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बार्यित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ए'सी किसी आय या किसी धन या बन्य अपिस्तमा की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रतिचयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरम मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) 1. श्रां रमा कास्त गुप्ता
  - 2. श्री शर्श कान्त गुप्ता
  - 3. बीना वेषी

(अन्तरक)

(2) फेन्डस सहकारो गृह निमार्ण समिति लि०, वाराणसी • द्वारा प्रेसीडेंट, श्रो हौसला प्रसाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेकिंग व्यक्तियों में सं किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्द्रोकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्वो का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वारेगा जो उस अध्याय में विया ाया है।

# भ्रनुसूचा

आराजो नं० 164/2, पैमाईसी 25 डिसमिल, स्थित मौजा-नरिया, परगना देहात अमानत जिला-वाराणसी जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 18 फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद; मक्षम प्राप्तिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 15-10-1984

मोहर 🗓

### प्रक्ष आहें, टी. युन्, एस , --------

जासकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का विश्वास का 269-म (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

सखनक , दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश मं० जी०आई०आर० सं० जी-75/एक्यू ---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गण्यात् 'उकत अधिनियमें' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० आराजी भूमिधरी है तथा जो नं० 42 श्रीर 43 मौजा—हबीबपुरा, परगना-देहात अमानत, वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन विनांक फरवरी 1984

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशों से उसत अन्तरण किचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचने में सुविधम के लिए; और/बा
- (स) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था. किया से स्विथा के सिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) 1. श्री गोबिन्द प्रसाद
  - 2. श्री माधो प्रसाद
  - 3. श्री साधी प्रसाद
  - 4. श्रीमती प्रभावती देवी
  - 5. श्री हरिहर प्रसाद

(अन्तरक)

(2) गुलशन सहकारी गृह निर्माण समिति सि०, वाराणसी,

द्वारा सिचव श्री शशि कान्त प्रसाद।

(अन्तरिती)

विकेता

(3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हों, की भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तियों मों से किसी व्यक्ति सुकारा;
- (का) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

आराजी भूमिधरी नं० 42, पैमाईसी 61 जिसमिल ग्रौर 43, पैमाईसी 65 जिसमिल स्थित मौजा-हबीबपुरा, परगना-देहात अमानत, जिला-वाराणसी ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्मे 37-जी सं० 4225 में विणित है, जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में फरवरी, 1984 को किया जा खुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

मोहर 🕫

प्रकृष् नाइं.टी.एन.एस.-----

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सूच्या

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निवेश स० जी०आई०आर० स० टा-40/ एक्यू०---अतः मुझे, ए० प्रसाव

भायकर सिंभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इक्समें इसको प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृन्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो 1, स्टेनली रोड.
पुराना कैन्ट, इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-सारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984। को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे वह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इन्छमान प्रतिफल कर जातार प्रतिफल कर कर्यमान प्रतिफल सं, एसे इन्छमान प्रतिफल कर जातार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे इन्छमान प्रतिफल कर जातार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के मिए त्य पाया ग्या इतिफल निम्निचित्तित स्वविद्य में उक्त अंतरण निम्निचित्त संकारित नहीं किया गया इतिएल सिविद्य में अस्तिक स्थ में काथित नहीं किया गया इतिएल

- (क) नंतरण से हुई किसी शाय कर्त्र वासता, उक्त जिम्मियम के जभीन कार दाने के अंतरक के दायित्य में कभी कारने या उससे अभाने में सविधा के सिए; जौर/या
- (व) ऐसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं जिला या भा या किया जाना नाहिए था कियाने के स्वीवधा के लिए;

ाप उपर स्थिनियम की धारा 269-ग के जन्मरक में, में, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की सधीन, निम्मतिशित साम्यिमों, समीतु :- (1) नेशनल असेम्बली आफ बहाइस 6, कैनिंग रोड, नई दिस्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री तरुण कुमार चटर्जी

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्य कुथ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किये जा सकेंथ।

स्पक्किकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्षांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### बन्द्रची

सम्पत्ति स्थित 1, स्टेनली रोड, पुराना कैन्ट, इलाहाबाद ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विधरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी सं० 546 में वर्णित है, जिसका पजीकरण रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी इलाहाबाद के कार्यालय में फरवरो, 1984 को किया जा कुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अजैन रेंज, **लख**नऊ

तारीख: 12-10-1984

ाक्षा अध्वा. टी. **एन. एस.-----**-

नावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा । 269-च (1) के अशीन संघता

#### भारत तरकार

कार्यालय, महायक श्रायकर भागवत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांकः 12 अक्तूबर 1984

निवेश सं० जी० आई० आर० सं० के--141/एक्यू अतः मृत्तो, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269 के के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्स 25,00 ∕-रु. से अधिक है

स्रोर जिसको मं० एए फिला आराजी है तथा जो कुतुबपुर-खालि अपूर, याना, ह्यनगंज, लखनऊ में स्थित है (और इसमे उगावं अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजर्स्ट्रा-फर्ना अधिकार। के कार्यालय लखनऊ में रिजर्स्ट्रा-प्रण अधि-नियम, 1908(1908 का 16) के अर्धान, दिनांक फरवरी 1984

भी पृत्रां अल सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के इध्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उत्सके इस्यमान प्रतिफल से, एमे इस्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्निसित्त उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्निसित में राज्य-

- (१८) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उन्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उंक्ट बाँधिनियम, इन्धन कर अधिनियम, इन्धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना काहिए के खिपाने में सविधा के लिए;

कत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण का मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की रवधात (1) के अधीन, निम्निविद्यत किलायों, अधीन :---

- (1) 1. आ। भ्रोम प्रकाण खन्ना
  - ? श्रीः एया नन्द खन्ना
  - 3 र्आं। रमेश धवन
  - 4 श्री अमीक मुक्ला

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्राः कैनाभ नरायम गुप्ता 2. श्रामनं भारतः गप्ताः

(भ्रन्तरितो)

(3) विकेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपभ में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्न होती हा, के भीनर पूर्वीयन व्यक्तिया मा म जिल्ही जिल्हा बढ़ार.
- (क) इस सूचना के राजणत्र में प्रकाशन की सारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंत-शब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोह्स्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सिनियम के अध्याय 20-क मी पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अन्याय मी जिस्सी गया है।

#### अन्सभो

एक किला आराजी पैमाईसी 4500 वर्ग-फिट, प्लाट नं० 22 श्रीर 23, 16000 वर्ग-फिट से, स्थित कुतुक्षपु - स्थालस-पुर, थाना हजरत गण, लग्जनक जिसका गंज करण रजिस्ट - कर्ता अधिकार। लखनक के कार्यालय में फरवरों. 1984 को किया भा चुका है।

ए० प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तार्राख : 12-10-1984

# प्रक्ष बाइं.टी.एन.एस------

# भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कप्रयालिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निवेश सं० जं∶०आई०आर० सं० एल—47/ एम्यू०—— अतः, मुझे, ए० प्रमाद,

आयंकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० प्नाट है तथा जो 22-23, कुतुबपुर खालिसपुर, फैंगाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूजी में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रा-कर्ता अधिकारों के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्राकरण अधि-नियम, 1908(1908 का 16) के अधान, विनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य स उक्त अतरण विकित में वास्तिक स्था में किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उदा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. भं श्रोम प्रकाण
  - 2. श्रोः दया नन्द
  - श्रं अशोक कुमार
  - 4. श्री रमेश धवन

(अन्तरक)

(2) 1. श्राः लक्ष्मण स्वरूप कपूर

2 श्रमतः ऊषा कपूर (अन्तरितो)-

केता

- (3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)
- (2) 1. श्रो लक्ष्मण स्वरूप कपूर

को यह मूचना जारी करके पृश्वित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्की

प्लाट पैमाईमो 3000 वर्ग-फिट, स्थित 22-23, कुनुबपुर खालिसपुर, फैजाबाद रोड, लखनऊ छौर सम्पत्तिका सम्पूर्ण-विवरण जोकि सेलडीड घ फार्म 37-जो सं० 13037 में विजरण है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में फरवरी 1984, को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्तम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष)ण अर्जन रेंज, लखनऊ

तार<sup>9</sup>खः । १२-१०-१984

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वमा

#### भारत सरकाइ

कार्यालय, सहायक मायकार वायुक्त (निरीक्रक)

अर्जन 'रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्टूबर 1984

निदेश सं० र्जा०आई०आर० सं० जा:-74/एक्यू०--अक्ष: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिस्साम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजिल बाजार मन्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट है तथा जो 22-23, कुतुबपुर-खालिसपुर, फैजाबाद रोड, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता अधिकार। के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवर। 1984

कः पृष्वं क्ल संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच अन्तरण के लिए तय पाग भक्त प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्नल प्रें नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) अल रा ा हाइ किसी आग सी बायस उक्स अधि-नियम के संधीन केर कीने के असरक की सारित्य के अभी करन का उसस बचन मा सीविधा की किय, काँग/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. किन्हों भारतीय आयजार अधिनियम, 1920 (1922 का ११) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना बाहिए था, कियाने में युजिया के सिए.

सतः सव, उक्त सिंभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्तिसित व्यक्तियों, संभीत :---

- (1) 1. अरे ग्रीम प्रकाश
  - 2. श्रानया नन्द
  - 3. श्री अशोक शुक्ला
  - 4. श्री रमेश धवन

(अन्तरक)

(2) श्री गोपाल स्वरूप कपूर

श्रेता

(ग्रन्तरिती)

(3) (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

की ग्रह स्वना जारी करके प्रवोक्त सम्मस्ति के अधन के निष् कार्यवाहियों करता हु।

उक्त सम्परित क वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :----

- (का) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की शविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की शविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपर्ति में हित-बद्ध किसी जन्म न्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

### मन्स्ची

प्लाट स्थित 22-23, कुतुबपुर-खालिसपुर फैजाबाद रोड, लखनऊ पैमाईसा 1500 वर्ग-फिट ग्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फामें 37-जी० सं० 13038 में विणित है जिसका पंजाकरण रिजस्ट्राकर्ती अधि-कारो लखनऊ के कार्यालय में फरबरो, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज, संखनऊ

मारा**ख** . 12--10--1984 मो**ह**र

# प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज, लखभऊ

लखनऊ, विनातः 10 अक्तूबर 1984

निदेश सं मा० आई०आए० के-140/ एसीक्यू ---अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

25,000/- रु. सं अधिक हैं
और जिपता सक मकन 133/111 है तथा भूमि जो फतेह
गंज. अमेगाबाद लखगऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
अनुभूचा में और पूर्ग क्य में विगत हैं), रिनस्ट्रोक्शनी अधिकारा के सार्यालय लखभऊ में रिजस्ट्रोक्शण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अभाज दिनास 26 फरवरां 1984,
का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मला से कम के हरा।
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझं यह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्त बाजार
मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरका) और
अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण
सिखित में वास्तयिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त विधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अभिनियम, या प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

आतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1. थां राघे श्याम साह
  - 2 श्रं/सन्तोष कुमार साष्ट्र (नावा०)
  - कु० विजय लक्ष्मीः साह्र ।

(अन्तर्स)

(2) श्रां कस्तुरी लाल पाइना

(अन्तरिता)

विकेता

(3) (बह व्यक्ति जिसके अधिभोगमें सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य विकत व्वारा अभोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

### अनुसूची

मकान न० 133/141, मय भूमि, पैमाइसी 516 वर्ग फिट स्थित फतेह गंग अमीनाबाद, लखनऊ, और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जीकि सेलडीड व फार्म 37-जी सं० 13450 में विणित है जिसका पंजोकरण रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 26 फरवरी 1984 की किया जा चुका है।

ण्० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्राय**कर श्रायुक्त (निरो**क्षण**) **भ्रजै**न रे**ज-**, **लखनऊ** 

तारिका: 10-10-1984

प्रकल्प बार्च, टी, एन. एस.-----

कायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा -269-ध (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर शायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनांक 10 अक्तुबर 1984

निवेश सं० जो०आई०आ४० सं० पी--131/एक्बी अत मुझे, ए० प्रसाद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका धिवत वाकार मृत्य 25,000 /-रा से अधिक हैं

और जिसकी सं भिकान है तथा जो 81/1, शिवपुरी, लाट्स रोड, (गौतम बुध मार्ग) लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रा-कर्ता अधिकारों के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908(1908 का 16) के अधान दिनांन फरवरी 1984।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिनी (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्युविध्य से उक्त अन्तरण लिसित में शास्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है ....

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उच्त बीधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ष) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च विभिन्यम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1977 प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, १७पान में स्विधा के लिए;

(1) श्रोमतीः चमेली देवी द्वारा अटार्नी श्री ए०एल० नागर ।

(अन्तरक)

(2) श्री परमजीत सिंह नादा

(अम्तरिती)

भुस्वामा ।

(2) घह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित कंवर्जन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितत्वाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहरनाक्षर के गास लिखित में किम्में जा सकारी।

स्पद्धिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्स्ची

मकान स्थित 81/1, शिवपुरी, लाटूण रोड (गौतम बुध मार्ग) लखनक मय भूमि पैमाईसी 4275 वर्ग-फिट, और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडोड व फार्म 37-र्जी सं 15359 में विणित है जिसका पंजीकरण रिजस्ट्री एवी अधिकारी लखनक के कार्यालय में फरवरी 1984 की शिया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन र्रेन, लखनऊ

तारीख: 10-10-1984

प्ररूप बार्ड टी एन एक ----

कायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायां स्वयं, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अजंन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 12 अक्तूबर 1984

निदेश स॰ जो॰ आई॰ आर॰ बी-123/एसीक्यू-अस मुझे, ए॰ प्रसाद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा १६०-च क अधीन सक्षम पाधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपेत्सि, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- रहे से संधिक है

और जिसका स० आराजां भूमिधरां न० 147—148 है सथा जो मौजा सेमणा, पश्मना तहसील व जिला-लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूचा में और पूण रूप में विणित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के वर्धान, दिनौर फरबर्रा 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्ति उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखिक मे बास्ट वक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, बार/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्थिधा के लिए.

अतः अब, जक्त अधिनियमः की धारा 269-ग को जन्सरण को, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, विस्मिक्तिकत स्वक्तियों. वर्णात्:--- (1) 1 श्रो गजराज 2 श्रो स्मा बगन्त ।

(अंतरन्क)

(2) बाल श्रष्ण लाल पोवद्वार (प्रा०) लि०. पोवद्वार हाउस, ऐशबाग रोड. लखानऊ द्वारा मैनेजर श्री राधे श्याम अग्रवाल।

(अन्तरिर्ता)

(3) विकेशा

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है। की यह सूचना जारों करक पूर्वाक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उस्त सम्पत्ति के शर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) ६० संस्कार र राजगात है शिकाशन की श्रीका से 45 दिए की अवश्थिया नस्सम्बन्धी अवित्रिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, - के भीतर पूर्वों कर राक्तिया और दिशा नामिल स्वरण
- (का) इस सूचना को राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी को गास निकास में किए के सकींगे।

स्पद्धीकरण --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगरा ची

आराजी भूमिधरों नं 147, पैमाइसी 8 बिस्या 18 बिस्यान्तों और नं 148, मैमाइसे 1 बोधा 1 बिस्या अर्थात 4888.047 वर्ग-मोट- स्थित मौजा-मेमरा, पन्गना, सहसे ज व जिला-लखनऊ, और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोलि सेलबीड व खार्म 37—जो मं 13358 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी लखनऊ के कार्यालय में फरबरी, 1984 को रजिस्टर्ड विया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेंज, लखानऊ

सारीख : 12--10--1984

प्रकथ बाह्र', टो, एन, एष्ट, ---- ----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षक) अजंभ रेंज, लखनऊ

लखनक दिनार 12 अक्तूबर 1984

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धार 269-स के उद्देश राज्य विकास कार का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृख्य 25.000 का से अधिक है

और जिसको सं० आराणी बन्दो बस्ता तथा जो न० 358/1 और 362/1 मौना नराय नन्दा परगना देहान अमनान जिला वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीयनी अधिनारी के वार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रा हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनोंक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापवीक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मल्य, उन्कें नश्यमान प्रतिफल को पन्नाह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रति कल निम्निलिखित स्वादेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक में इस्तिविक

- (क) अन्तरण स शुर्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन की याने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा र िं। और या
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनने अधिनियम, या ना किया जाता, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुण या किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा के लिए,

,

(2) 1. श्री मो॰ इक्राहीम 2 श्रीसती अतिया बीबी

2. श्री गोविन्द प्रसाद

(1) 1. श्रे भोला माध

(अन्तरितो)

(अन्तरम)

(3) केता वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है।

को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याप्त;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन् को भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास िलाखन में किए जा सकारो।

स्थय्यकिरणः :--इसमा प्रयुक्त सन्यों और पद्यों की, भी तक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क मी परिभाषित इत, वहीं अर्थ होगा घो उस मध्याय मी दिया गया है।

### नन्त्यी

आराजो बन्दोबस्ती न० 358/1 और 362/1, पैमाईसी 505.83 धर्म-मीटर स्थित मौजा-सद्राय नन्दन, परगना बेहातअमानत, जिला-बाराणसी जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रोक्सी आधिशारा वाराणसी के आर्थालय में फरवरी, 1984 को विचा जो घुला है।

ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (किरक्षण) अर्जन रेंज लखनऊ

जन जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए का अनुमरण कां, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थीस् :--

तारी**ख**: 12–10–1984

भाइर :

### श्**रूप बार्ड** , टी , एम , एस .....

शायकर विभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के अभीन सुणना

#### भारत श्रामाय

कार्या**नय सहायक भागकर आग्**क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ दिलांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० जी० आई० आर० सं० जे--70/एक्की०--यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पञ्चात्र 'जन्म क्षिपिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिसत बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० आराजी भूमिधरी बन्दोबस्तो नं० 323/1, माहरूला पान्डेपुर, परगना, शिवपुर, जिला-आराणसं, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में बणित है), रिजिस्ट्रोक्ती अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में रिजिस्ट्रोक करण अधिनियम, 1908 (1908 हो। 16) के अधीन दिनांक फरबरी 1984

को पृथींक्स सम्परिस के उचित बाजार मृत्य से कम के कश्यमाम विस्तित को निए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्हें कि यथापूर्वोंक्स संपन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्हें प्रतिशास से अधिक ही और अंतरक (बंतरकों) और प्रतिफल को (अंतरितिशों) के बीच एसे बंतरण के निए स्य पासा गया प्रतिक्ष का निम्नानिश्वत उद्देश्य से अक्स जन्तरण निमित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (सः) सन्तरण **ते हुई किसी बाय की यावत**, उर्वत अधिनियम के कथीन कर होने के आपरक के राधित्य में कभी करने सा उसमें वधने में सुविधः। तः लिए, और / यः
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अप्त बास्तियों लड़े जिन्हों भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1929 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किए। ध्या था या किया बाना बाहिए था, ब्लियामें में स्विधा के निय;

चतः जन, उक्त जिथिनियम, की धारा 269-ग के अनुझरण वाँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) क अधीक़ पिक्किकित व्यक्तियाँ, अर्थात् उल्ल

- (1) 1. अं। मदन मोहन
  - 2. श्री । ग्रेंच शंसर सिंह
  - 3. श्री नन्द लाल
  - 4. श्री बैंकुस्ट नाथ
  - 5. श्री भारस

(अन्सरकः)

- श्री अवाहर लाल
- 2. श्री विजय कुमार

(अन्तरिर्तः)

को यह सुभोना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति की वर्जन के सिए कार्यकाहिया करता हुए।

क्रक्त मुख्यात्त के कर्णन के सम्बन्ध में कोड़ा भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की ताथीज में 30 दिन की बर्बाध जो भी वर्बाध बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पृवाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा,
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की नारीक में 45 दिन की भीतर उन्ति स्थावन संपरित में हितबद्ध किसी अन्त्र व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षणी के पास लिखित में किए का मकेंगे।

स्वक्कीकरण:—-इसमें प्रयुक्त सब्दों भीर पक्षों का, को उपक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस प्राचार में स्थान गए हैं।

## **भ्रनुसू**णी

अराजी भूमिधरें। बन्धोवस्ता नं 323/1, पैमाईशें। 27 डिसमिल और कन्ना मक्षान खण्डहर नगरें महापिलका नं 2/341, स्थित मोहल्ला पाण्डेपूर, परगना-शिवपूर, जिला-वाराणसीं, और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि मेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 5554 में विणित है जिसका पंजीकरण रिजिस्ट्रीकर्सी अधिकारीं, वाराणसीं के कार्यालय में फरवरीं, 1984 को किया जा चुका है।

गर प्रसाद -सक्षम प्राधिकारी महाबक्ष आयक्ष (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

प्रथम वार्षः दी. एत्. एतः .-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निदेश सं० जीं अवाई०आए० सं० एस-338/एक्वी०--यत:, मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000∕- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 21 है तथा जो हाउसिंग स्कीम प्लाट नं० 21 व महापालिका नं० 19/27-14-2, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1984

का प्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम क स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, असके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया गवा प्रति-स्त निम्मलिबित उद्देश्य से अक्ष अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के निए; जौर/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्म जास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनल अधिनियम, या भन-कड़ अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना भाहिए था, कियाने से स्विधा के लिए।

भेतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, डक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियाँ अर्थातः ः—

28--336 GI/84

(1) श्री मंतर।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती साजिया बीबी
  - 2. श्रीमती माजदा बीबी
  - 3. श्रीमती ताहिरा वीबी

(अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके प्याँक्त सम्पृत्ति को अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

# वनक कुम्पृतिक के कर्षक के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्:---

- (क) इस सूचमा के द्रायपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की जनभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जनभि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित सुधारा;
- (क) इत् सूचना के राव्यत्र में प्रकाशन की तारीय ते 45 दिन के भीत ? उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितववृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा बकोंगे।

स्वकाशिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, वा स्वस् विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में प्रिशािष्ठ हाँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया हाँ।

# वपुत्र्यी

हाउसिंग स्कीम प्लाट नं० 21 और नगर महापालिका नं० 19/27-14-2 वाराणसी, मय भूमि, पैमाईसी 2-80 बिस्वा और मम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जो कि सेलडीड व फार्म 37-जी सं० 5875 में विणत है जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्सी अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 12-10-1984

प्रस्य बाइ". टी. एन. एस.-----

अप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर <mark>आयक्त (निरीक्षण)</mark> भ्रजीन रेज, सर्वानऊ

लखनऊ, दिनांक 12 श्रक्तूबर 84

जी० श्राई० श्रार० संख्या के-139/एक्यू०-श्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ( जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० मकान है तथा जो मोहल्ला, प्रेम नगर, सिविल लाईन, सीतापुर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 84

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे रहयमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे समर्थ में मुर्विधा की निरा; और या
- (ख) एपी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपाने के स्विधा के लिए;

भत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनूसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीरा निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री हरबन्ग लाल भ्रमन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृपाल दास कलबानी

(भ्रन्तरिती)

(3 विकेसा

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह स्वना आरी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्ष्म :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकिष्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पत्स्वीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बत सची

एक मकाम स्थित मोहरूना प्रेम नगर सिविल लाईन परगना—खैराबाद सीतापुर, श्रीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37—जी संख्या 702 में विणित हैं जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी सीतापुर के कार्यालय में फरवरी, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

सारीख: 12-10-1984

मोहर ;

## प्रकप बाईं.टी.एन.एस.-----

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

#### भारत बहुकाहु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 प्रक्तूबर 84

जी० श्राई० श्रार० संख्या ही-53/एक्यू०-श्रत: मुझे, ए० प्रसाव

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सख्या मकान सम्पत्ति मय भूमि है तथा जो मोहल्ला फाल्तृन गंज, बरेली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को वृवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रति-फल निम्नलिसित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण लिसित में शास्त्रिक स्प से कथित नहीं किया नवा है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त बिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जौर/या
- (अ) एमी किसी आय या किसी अन या अन्य क्यास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

नतः शव, उन्त निधिनियम की भारा 269-न को अनुसरण भें,, मैं, उन्त विभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सथीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सर्थात् य--- 1. डा॰ बृज नाथ श्रग्रवाल
 श्रीमती कुसूम श्रग्रवाल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री धरम वीर म्रानन्व

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

बन्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष क 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में धिया गंगा हैं।

# मन्त्रची

मकान सम्पत्ति मय भूमि पैमाईशी 424 वर्ग-गज स्थित मोहरूला-काल्तून गंज, बरेली और सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि मेलखीड व फार्म 37-जी संख्या 2024 मे वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी वरेली के कार्यालय में फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीच : 12-10-1983

प्ररूप भाइ . टी. एन. एस.-----

कायकर व्यापितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिण) श्रजैन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या एस-- 337/एक्यू०--म्रत:, मृझे, एस० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एक किशा प्लाट है तथा जो मझोला, मुरादाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्षत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अम्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौं भारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात १——

- (1) श्री गंगा राम ।
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती स्नेह लता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्ष्प :---

- (क) इस बुचना के रायपत्र में प्रकाशन की ताराँख वे 45 विन् की नविभ या त्रसम्बन्धी स्विभतमाँ प्र सूचना की तामील से 30 विन की नविभ, को भी नविभ नाव में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त स्विभतमाँ में से किसी स्विन्त एवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

एक किता प्लाट पैमाईगी 382.40 वर्ग-मीटर स्थित मझोला, मुरावाबाद श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 964 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, मुरावाबाद के कार्यालय में फरवरी, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सखनऊ

तारीखा: 12-10-1984

प्रकप कार्य ुटी, एनं⊴ एव⊙ в ⊶ ≥

# नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुकना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 श्रक्तूबर 1981

निदेण सं० जी० श्राई० श्रार० सख्या पी-129/एक्यू०:---यतः, मुझे, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० एक किता स्रारा जी है तथा जो सिविल लाईन, मुरादाबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वाणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोधत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उपके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का नम्बह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिवित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण सिवित में वास्त-दिक रूप से कृषित नहीं किया प्या हैं:---

- (क) कराहण ने हुन्दे किसी बाव की बावत कथत वाहिया नियम के अधीन कर बोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या ध्वंकर अधिनियम, या ध्वंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुरे । प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा अहे जिए;

सतः वर्ष, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वमुसरण कें, में, उक्त कथिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) से बधीन, निम्मसिक्षित व्यक्तियों, स्थात् :--- (1) श्रीमती शकुन्तला।

(मन्तरक)

(2) श्रीपृथ्वीराज भाटिया।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के तिहर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की संबंधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हित-बहुध किसी जन्य व्यक्ति इकारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकारो।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बन्त्यी

एक किता भाराजी पैमाईसी 209.40 वर्गमीटर, स्थित मिविल लाईन, मुरावाबाद भीर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37—जी संख्या 1021 में विणित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, मुरावाबाद के कार्याक्षय में दिनांक फरवरी, 1984को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लखनऊ ।

तारी**च**: 12-10-1984

मोहर 🏻

प्रकृत नार्द् टी. एव. एस. ----

कायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-ज (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० जी० श्रार० श्राई० संख्या पी-130/एक्यू०---श्रत:, मुझे, ए० प्रसाद

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 45,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक किता मकान है तथा जो मोहल्ला-श्रालम गीरी गंज, बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से मधिक हैं और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्निसित्ति उद्दोश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/बा
- (क) ऐसी कियी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने हो स्विधा के किए।

कतः जब उक्त अधिनियम की धार्य 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, संर्थात् :—

- (1) 1. श्री शान्ती कुमार ।
  - 2. श्री ग्रदित्य कुमार ।

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती प्रभा म्रग्रवाल ।
  - 2. श्रीमती रेखा श्रग्रवाल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को नर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी सं 45 दिन की अविध या तत्सं संधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मं से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्मच्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## and d

एक किता दो मंजिला मकान मय भूमि पैमाईशी 150 वर्ग-गज, स्थित मोहल्ला-श्रालमगीरी गंज, बरेली ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1982 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, बरेली के कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण मर्जन क्षेत्र; लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

प्रकप बाइ . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

#### भारत बरकार

# कार्याक्य, सङ्घाक आयुक्त आयुक्त (निर्योक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनोक 12 भ्रम्तूबर 1984

कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रत. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० एक किता मकान नं० सी०-82 है तथा जो गांधी-नगर, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रित्फल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिस्तास करन का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के सीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रति-कल निक्नितियाँ उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कांचित नहीं जिसा क्या हैं।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कामी करने या उत्तर वजने में सुविधा के सिष्; स्रोट/या
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी पन या नन्य वास्तियां कां, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रयोधनार्थ जंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः सब, उक्त सीमीनयम की भारा 269-म के सक्तरक मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्थात '--- (1) 1. श्री कैलाग चन्द्र गुप्ता । 2. श्री सुनील कुमार गुप्ता ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शारदा देवी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्तित इवारा,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित्त में किए जा मकोंगे।

त्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाविश इंग वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स्यी

एक किला मकान नं० सी-92, पैमाईगी 168.18 वर्ग-मीटर स्थित गांधी नगर, मृरादाबाव ग्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी मंख्या 1455 में विणित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी, मुरादाबाद के कार्यालय में दिनाक फरवरी 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) भर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

प्ररूप बाई.टी.एन.एस------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 12 ग्रम्तूबर 1984

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० सं० जी-73/एक्यू०--म्रतः, मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० एक किला आराजी है तथा जो प्रेम नगर मझोला, मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) भी अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् :-- (1) श्री सुशील कृष्ण शर्मा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गर्ने शिया देवी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु शृष्या जारी करके पृक्षीकत सम्मृतित में वर्षण के विष् कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और नवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मनुसुची

एक किता भ्राराजी पैमाईशी 210.75 वर्ग-मीटर स्थित प्रेमनगर मझोला, मुरादाबाद, श्रौर सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जोकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1636 में वर्णित है जिसका पंजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मुरादा-बाद के कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षीण) घर्णन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 12-10-1984

# प्ररूप जाइ टी एन एस. ----

# बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २५५ घ । ) हे अधीन सम्मना

## भारत सरकार

कार्यालय , सहायक प्रायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 1 श्रवन्बर 1981

निर्देश स० जी० ग्राई० आर० स० पी—128/एक्य०---म्रत मुझे, ए० प्रसाद

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे क्समों इसमों परिचा किन्द के किन्स न्याप की), तो धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी ना यह निद्यास करने सा कारण है कि स्थावर राज्योंन जिस्का जीवत बाजार माल्य 25 000 (ज्या सामा किन्स हो

ग्रीर जिसकी स० मकान न्० डी-53/92-93 है तथा जो मोहल्ला कमच्छा, लबणा, रामापुरा, देहात ग्रगानन, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्णरूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रीधकारी के कार्यालय, वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, दिनाक 21/2/1984

की पूर्वोक्त सप्रृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम क स्वयमान प्रतिफल के लिए अर्नार की गई है और मक्ते यह विद्यार करने का कारण है कि यथाप्वोक्त सपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण निम्नलि में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण शहरू किसी बाग की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायिल में कभी करन या उससं बचन का सुविधा के लिए अप गा
- (का) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय अप-कर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था छिएएन वा निविधा के लिए.

अतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-म की अस्मरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधारित —— 29—336 GI/84 (1) श्री सेवा राम

(भ्रन्तरक)

(2) 1 श्रीमती प्रदीन कपूर 2 श्रीमती किरन कपूर

(ग्रन्नरियो)

(3) विक्रेना

(बह व्यक्ति जिनक श्रिश्चिमोग में सम्पत्ति है)

कों यह सृचना वारी कश्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्थितनाथीं में से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पद्धित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास निस्ति में किए जा सकींगे।

स्यब्दीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, गहीं क्षे होगा औं उस अध्याय में दिका नवा हैं।

## अनुसुची

मकाम त० डी-53/92-93 पैमाईणी 3144 वर्ग-फीट स्थित मोहल्ला-कमच्छा लवणा, रामापुरा परगना-दहाा ग्रमानत जिला-वाराणमी, जिसका प्रजीकरण रजिस्ट्री-कर्ना ग्रीधकारी वाराणमी के कार्यालय में दिनाव 21/2/84 को किया जा चुका है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) (भ्रार्जन क्षेत्र) लेखनऊ

नारीख 12/10/1984 मोहर:

# प्ररूप आई टी एन.एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के अधीन स्चना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिन<sup>ा</sup> 12 अक्तूबर 84

निर्देश स० जी० आर० आई० सख्या जी-72/एक्यू०---अन- मुझे, ए० प्रसाद

अथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 25,000/-रु स अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो मौग्रा-मार्नी, परमाना-जाल्ह्पुर जिला-वाराणभी में स्थित है (और इासे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण मप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वे व्यार्थालय वाराणसी में रिजस्ट्रात्रण अधि म 1908 (1908 न 16) के अधीन, दिनात फरनरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एस इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उउद्देश से उद्देश अन्तरण कि नि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी विसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 260-न ने न्यानार (1) के अनीन, निम्निस्ति व्यक्तियों. अर्थात :---

(1) श्री गलाम दास

(ग्रन्तरक)

(2) 1 श्री गोपी चन्द2 श्री बाप्देव

(अन्तरिर्ता)

(3) विकेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यनय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि पैमाईशी 6 42 एउड स्थित मौजा-मार्नो, परगना जालह्पुर, जिला-वाराणसी और अम्पित का सम्पूर्ण विवरण जोकि रेलडीड व फार्न 37 जी सख्या 4526 मे विणत है जिसका पजीकरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराणसी के पर्यालय मे फरवरी 1934 को लिया जा चुना है।

्रप्राद अस प्राधि पर सहायय अप्रवन्त्र (निराक्षण) अजन क्षेत्र, लुखनऊ

नारीख 12-10-1984 भाहर

## प्रस्प आई.टी.एन.एस. -----

गायकर गिंधानियम. 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के गंधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आगार गामार (। स्यादाणः अर्जन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिनाद 12 अक्तूबर 84

निर्देश य० जी० आई० जा०० सख्या वी 124/० स्यू० अत्र मुझे, ५० प्रनाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका किन । उनक्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसको स० प्रथम तल को भरचा। हं तथा जा गोहल्ला-कुण्डीगढ़ टा। चा तर् प्रगणमी ते रिथा है (और इपसे उपाबड़ जन्मूची में और पूण रूप से तिणत है), रिजस्ट्रोशनी अधिकारी र विधलम नाराणमी म रिजस्ट्रीवरण अधिकिथम 1008 (1908 के 16) के अधीन दिनार 21-2-1981

की पूर्वाक्त सम्पास के उचित बाजार मूल्य सं के म के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्तिया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (अ) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबल, उपता अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व सं कमी जरत या उसमें बचने में स्विधा के लिए, जीर/मा

बत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण म", में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात .—

- (1) । श्रामती निर्मेला दर्वा
  - 2 श्रीमर्ता रूप हमक
  - अभिती नीता पहरात
  - 4 श्रोमती गी।। नहगल
  - 5 श्रीमती सन्ताप सहगल
  - 6 श्रीमर्तः रजनी भहगल

(अन्दरका)

(2) मैंटर्स क्रोज एक्सपार्ट लिए सम्पर्ना र्नाजस्टर्ड साफि ५७, पार्क छ, कलण्या

(अन्तरिर्ता)

(3) विक्रोतः (यह व्यक्ति जिस्हे अधिभाग म सम्पत्ति ह)

का सह भूचन जारी जरु । व्यव सम्पोध क अजन क निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म ओई भी भाक्षेप ---

- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की गरीस से 45 दिन का अगाँच या तत्सरबन्धी ज्यांकारत पर मूजना का तामील म 30 दिन का जबिंध, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
- (स) हम मृचनः । भाजपन मा प्रभानि भा गर्दाश्य सं 15 विस् क भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा । हतद्वथ भाजसी जन्म व्यक्ति व्वास अभाहम्ताक्षर। के पास लिखित भा निर्ण जा सकेंग ।

स्पथ्टिकरण ---- प्रसम भगकत गाउने और पदा का. जो जनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा, का उस अध्याय में दिया गगा है।

## अस्सनी

प्रथम तल की सरचना गाथ में जासान सुविधाये और क्षेत्र की नुलना में तीन भाग आर एं प्रशासदा है, कुल निर्मित क्षेत्र 78 83 पर्ग-मीटर है कि ए ने मिठके 39/79 इंग् महिल्ला-कुण्णीयत ही ने चा वार्य प्रशासी के कार्यालय में दिनाक 21-2-1984 को िए। जा चुका है।

ए० **प्रसाद** क्षम प्राप्ति प्रशिक्षं,ण) होरा जोग च जानुका (र्गिक्षं,ण) हर्ग जोग, लक्ष्वक

114 -1 10-1-81

माधर

## प्ररूप बाईं.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आय्कर त्राप्कत (निराक्षण) अर्जन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 12 अक्तूबर 84

निर्देश स० जी० आई० आर० संख्या वी 124/एक्यू०--अतः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० प्रथम तल की संरचना है तथा जो मोहल्ला-कुण्डीगढ़ टोला, चौट वार्ड, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीक्ती अधिकारी के नार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 21-2-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गईं और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण है बिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क्ष) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों कारतीय आय-तर मान्य मान 2 (1922 के 1' कि उप मान अप आधानयम, धा धनकर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1 श्रीमती निर्मला देवी
  - 2. श्रीमती रूप महगल
  - 3 श्रीमती नीता सहगल
  - 4. श्रीमती गीता सहगल
  - 5. श्रीमती सन्तोष सहगल
  - 6. श्रीमती रजनी सहगल

(अन्तरकः)

(2) मैसर्स ब्रोज एक्सपोर्ट लिं० कम्पनी राजस्टर्ड आफिस 26, पार्क लेन, कलकत्ता

(अन्तरितीः)

(3) विक्रोता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में में किमी व्यक्ति दवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्वी

प्रथम तल की सरचना साथ मे सामान्य सुविधायें और क्षेत्र की तुलना में तीन कमरे और एक बरामदा है, कुल निर्मित क्षेत्र 78.83 वर्ग-मीटर है जिसका नं० सी०के 39/79 ई० मोहल्ला-कुण्डीगढ़ टीला चौक वार्ड वाराणसी जिसका पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 21-2-1984 को किया जा चुका है।

ए० प्रसाद क्षम प्राधि हारी सहायक आयक्ष आयुक्त (विरीक्षीण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 17-10-1984

## प्ररूप आई. टी. एव. एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनः लखनःअ, हिनाःग १२ अक्तूबर **84** 

निर्देण ग० जी० आई० आग० सख्या एम-202/ एक्यू०--अन मुझे, ए० प्रसाद आयकर अधिन्यम, 1961 (1961-का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह जिक्काम करन का जारण हो पि रथावर सम्पत्ति जिसका उचिन जजार मूर्य 25,000/- रु से बिधिक है

और जिसकी सख्या हितीय तल और नितीय तल है तथा जो मोहल्ला कुण्डीगढ टोला चौ बार्गणसी से स्थित है (और इससे उपाबद अनस्ची पे और पूर्णरप से विणित है) रिष्टिस्ट्री हाती अधियारी हार्गालय बाराणसी से रिष्टिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 या 16) के अधीन दिनौता 22-2-1984

को पूर्वो क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मक्षे यह जियाम करन का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एक जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में पास्तिक रूप से जीवन नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक क दायित्व मा क्षमी करने या उसस बचन मा सूचिधा के लिए; और/या
- (५) एनी किसी अप या किसी पन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त, अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपान म स्विभा के लिए,

अतः ग्राग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात .~~

- (1) 1 श्रीमती निर्मता देवी
  - 2 श्रीमती रूप सहगल
  - उ श्रीमती नीना महगल
  - 4 श्रीमती गीता महगल
  - 5 श्रीमती सन्ताप सहगल
  - श्रीमती रजनी यहगल

(अन्तरक्)

(2) मैसमं क्रोन मेबा बिहार प्रा० लि० कम्पनी राज० आफिन, 33 टाली गज सक्लर गोड, जलकत्ता

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति जिचक जीवभोग म सम्पत्ति ह,)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुए।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारींख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर प्रकार व्यक्तिया भा सा किसी व्यक्ति द्वारा.
- (स) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को तारील स 45 दिन के भीतर उदा स्थावर सम्पत्ति म हि। बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहुम्नाक्षण क पास लिस्तिन में किए जा सकेंगे।

स्थष्टाकरण - - ६सः प्रयुक्त भव्दो अपंगपदा जा, जा उत्स अभिनियम के अध्यास 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में शिया गया है।

# नम्स्ची

द्वितिय तल के तीन कमरे और तृतीय तल में एक कमरा व खूली छत, उसार कुल निमित क्षेत्र 78 93 वर्ष-मीटर जिसका न० मी० के० 39/79 एफ० है जो मीहल्ला कुण्डीगन्ध दोता चौक वाराणसी में स्थित है, जिसका पजीहरण रिजस्ट्रीयती अधिकारी वाराणसी के वार्यालय में दिनाय 22-2-1984 को किया जा चुंदा है।

> ए० प्रनाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

भारीख 12-10-1984 मात्रर

# प्रकार आहें, टी. एन. एस्.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, लखनऊ लखनऊ दिनांच 12 अक्तूबर 84

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या ए~147/एक्यू०~ अत: सुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रभात जिसे अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये म अधिक है

और जिसकी सं० भूमिधारी नं० 935 है तथा जो मीजा-शाहपुर, तिगरी, परमता व जिला-मुरादाबाद से स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्णक्य से विणित है), रिम्झीकर्ता अधितारी के नायित्य भूरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 द्या 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1984

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के शिंचत बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्वित संपत्ति का उत्तिन काजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण से लिए तय पाया गया तिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ास्तिविक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने या उसस अचन मा स्विधा का निष्; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्ह<sup>5</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्री पूरन
  - 2. श्रीनरायन
  - अी चरन
  - 4. श्री सावल

(अन्तर्क)

(2) आर्थ नगर सह तारी आवास समिति लि०, मुरादाबाद, द्वारा प्रेसीडेन्ट, श्री राम मोहन व दांचब.
श्री विजय शंकर मिश्रा

(अन्तिरिती)

को यह सूचना अपरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित क अर्जन के सम्बन्ध में कार्ड भी वाक्षेप :---

- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्न में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

ल्पध्दोक्षरणः--ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## श्रनुसूची

आराजी भूमिधरी तंत 935, पैमाईशी 0.66 डिसमिन, स्थित मीता माहपुर-तिगरी, परणता और जिला मुणदाबाद और भम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण जीकि सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 1269 में वर्णित है जिसला पंजीकरण रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुरादाबाद के कार्यालय में फरवरी, 1984 को किया जा चुका है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र ल**ख**नक

नारंखि: 12-10-1984

म∣हर :

## **अस्प आइ**. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 के 11) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अजन रें लखनऊ लखनऊ दिनार 12 अयनुबर 84

निर्देश में जें(० जोई० अस्टि संख्या । 148/एक्यू० → अनं एक प्रणाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), का नारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वाम करन का कारण हैं कि स्थावर नपत्ति, जिलका दीचन अलार मंज्य कर, ००० ए प जीनक हैं

और निगाने सप्तप रामिति । १८८/10/) - तथ जा ज्ञाम-डेहरी क्याहम, निगान व निगा-मुराधिक म स्थित हं (और व स उपाय) जनुमूचा में आर पूर्णक्प स वर्णित हं), रोजस्ट्रीनिंग निर्मा धर्माक्थ मुरादाबाद म रिजस्ट्रीनिंग प्रति यम 1908 (1908 पा 16) व अधीन, तारीख पानिंग 1981

का प्रोक्त सम्पत्ति के उपिन बाजार मृत्य स कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्ति रिंग का गई हैं जार भूके यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उभित बाजार पृत्य, उनके दश्यमान प्रतिकत स एस द्धानान प्रिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जनरक (अतरको) और अतरिती (जन्तिसिया) के जी पार्य के का कि कि अवस्थान के कि निर्माणितिया। के जी पार्य के कि अवस्थान के अवस्थान के मिलन के अवस्थान के अवस्थान के मिलन के अवस्थान के अवस

- (क) इस रचना क राज्यभन मा प्रकाशन की साराख से मधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व मा अर्थी करने के जरूने उक्षा भी भूतिया के लिए, बीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्य-कर अभिनियम, ३५५/ (1927 को ∠7) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात.-- (1) श्री शेर भिह

(अन्तर्भः)

(2) जार्य नगर पह शारी आजाग समिति सि० भुगदाबाद प्रेसीचेत्ट, श्री राम मोहत व सचिव, श्री विजय णवर मिश्रा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करक पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लि<del>य</del> कार्यवाहिया करता हु

उनत सम्पत्ति के गर्भन क सम्बन्ध मां कोड़ा भी शाक्षप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि ए। तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों:
  - निर्म इस स्थान के राज्यक में प्रकायन की तारीय है 15 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहरणाक्षरी के ''क जिल्हा में किए का समें हैं

स्पष्टाकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, बही अर्थ द्वांगा. जा उस अध्याय वा दिया गया। है।

#### जनसंखी

आराजी कास्त भूमिधरी न० 268/10/1, पैमाईशी 0-78 डिसमिल स्थित अम-डेहरी मुस्तहकम, परगना व जिला मुरादाबाद और स्पन्ति व सम्पूर्ण विवरण जोति सलडीष्ट व फार्भ 37-जी सम्या 505 में बणित है जिसमा पजीरामण रिजस्ट्री ती अधिरारी मुरादाबाद के अधालय र दिना प्रज्वरी, 1984 को निया जा चुना है।

ण्य प्रसार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, गखनऊ

ा(गीप) 1.-10 1984 माहर प्ररूप आडे. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत मस्कार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, लखनऊ लखनऊ, दिनाइ 12 अक्तूबर 84

निर्देश सं० जी० आई० म्रार० सख्या यू-37/एक्यू०--अन मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), करे धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार सम्य 25,000/- रा में अधिक हैं

और जिसकी संख्या आधा हिस् ा आराजी भूमिध्री तथा जो मौजा-शाहपुर तिगरी, परगना व जिला-मुरादाबाद मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोजियी अधिनाणी के जार्थालय, मुरादाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

4.ो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमानं प्रतिफल से, एसे दृश्यमानं प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक कें दायित्वं में कभी करने या, उससे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आहित्या को. जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं विया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनमरण माँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उण्धारा (1) के अधीन. निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थाद :- (1) श्रीमती रूप ेखा द्वारा श्री वी० पी० श्रीवास्तव

(अन्तरक्)

(2) उमिल नगर यह गरी आवाम समिति लि०, म्राडाबाद, द्वारा सचिव, श्री राम अवतार गण्ता

(अन्तरिती)

को यह सचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो जी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

आधा हिस्ण आराजी भूमिश्वरी, पैमाईशी 6-94 डिमिल. स्थित मौजा-शाहपुर तिगरी, परगना और जिला-मुरादाबाद (जैसा फार्म 37-जी संख्या 1691 विणत है) जिसका पंजीकरण रिजस्ट्री उर्ता अधि गरी मुरादाबाद के टार्यालय में फरवरी, 1984 को िया सा चुरा है।

> ए० प्राप्त गथम प्राधिः परी निरीक्षी पहायर आग्रार आयुक्त (धर्जन क्षेत्र) लखनङ

तारीख: 12-10-1984 भोहर प्रस्प बाहै ही. एत. एस.----

**शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** राग 269-स (1) के अधीर संख्या

भारत शरकार

कार्यालय . महायक अध्यक्त (निरोक्षण) श्रुर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 20 सितम्बर, 1984

निदेश म० श्राई० ए० मी० /श्रर्जनं/भोपाल/5160—श्रत मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-र में अधिक है

स्रौर जिसकी मं० मकान नं० 10 है, तथा जो साधुनगर, इन्दौर में स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता धियकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण धिवियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

करे पूर्व किस सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के त्रयमाने वित्तिक के निर्माण अनिष्य की गई हैं और मुभ्ये यह जिल्लास करने वर वारण है कि यभाग्योधन मम्पन्ति को जीना नानार मृत्य, उसक द्रयमान प्रतिफल के एस द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह शितशत से अधिक हैं अन्तरक और (अन्तरकों) और अत्तरितीं (अतिरित्यों) के बीच एसे अतरण के लिए तम पाया गमा प्रतिफल, निम्निलिखन उद्दरस्य स उक्त अन्तरण निम्निल में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गमा हैं —

- ्क) अन्तरण म हाइ जिल्ली आय का बाजता, उपरा अधिनियम के अधीन छार दान के अन्तरक के बायित्य मो कमी करन या सर्ग बद्दरे तो युविस ध लिए, और/या
- (७) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में 'ए के लिए;'

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण ो, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधी 1. श्री चादुलामल पिता श्री कुन्वनदास, निवासी 10, साधुनगर, इन्टौर म० प्र०

(भ्रन्तरक)

2 श्री मुल्लीधर पिता श्री ग्यानचन्द जी मघानी निवासी 33-बी, प्रेम नगर इन्दौर म०प्र०

(ग्रन्तरक)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) ६म स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील म 30 दिन की अविधि, बाँ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियां में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को ताराख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बेष्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  जिस्ति में किए जा सकेगे।

स्थय्दीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के स्थाप 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ हाशा, जो उस अश्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

मकान नं 10, साधु नगर, इन्दौर में स्थित है । यह बह स्थावर सम्पन्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 37-जी, में नीहित है तथा जन्तरिसी द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल नत्त्रम् ग्रधिकारी भहाया श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल,

दिनाक 20-^ 1984 मोहर प्ररूप आर्ड, टी. एत. एस .....

अध्यास परिवर्षिक्षम । 1961 (1961 का 43) की भारत १५९ व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय . अहल्प्ड जायक र अयक्त (जिन्सिका) श्रजन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 ग्रक्तूबर, 1984

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी ०/ग्रजंन/भोपाल/5161---ग्रतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयंकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसन ५०जा, उक्क भाविस्थम कहा गया है), की धारा १६००-६ की बचीन सक्षक पाधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्णिय किस्थका पिश्व १७वार महन्त 25,000/- रहे. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 10 पर बने सकान की पहली व दूसरी मंजिल है, तथा जो भाष्मिनगर, इन्दौर में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध सन्मुची में और जो पूर्ण स्पासे विजित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में प्रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्थीत दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्विकार पम्पत्ति के तींचत राजार मृत्य हो स्म के अध्याह प्रतिमन्त के लग यानांच्य हो। हो है और पृथे एवं विद्यास करने का कारण हो कि यथाप्वेदित सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से लियक हो और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरफ के लिए उथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में सम्परिक एक से कथिन नहीं किया गया हो ---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आम की नावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए; और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन ए अन्य आरित्या की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयभ, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयभ, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

 श्री चांदुमल पिता श्री कुन्दनदास जी, निवासी 10, साध नगर. इन्दौर म० प्र० (ग्रन्तरक)

1- (1) श्री रमेश पिता श्री ग्यानचन्द,

(2) श्री ग्यान चन्द पिता श्री परसुमलजी, नियासी 33, बी, प्रेम नगर, कालोनी, इन्दौर म० प्र०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजप्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किस शिअन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यख्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ःिस्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अपृत्य

प्लाट नं० 10, पर बना मकान, साधु नगर कालोनी, इन्दौर, मक्द्राठ स्थित है। यह वर् स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जीं, से नीहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रागृबत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

सतः अभ, उस्त अधिनियम, की धारा 269-म क अनुसरण तं, में, 'कित अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा /। के अधीर, रिम्मिलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :--30 -336 GI/84

दिनांक 5-10-1984

# प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

अभयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ा र २६० घ (४) के अधीन सुधना

#### भारत संडुकार

कामालय, महायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, भोपाल

भोगल, दिनाक 20 मितम्बर 1984

निदेश में श्राई । ए० मी । प्रजेन / भोपाल / 5162-- धन मझे, वीरेन्द्र पुमार वरतवाल, शायकार शांपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'बक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा

269- ख के अधान सक्षम प्राधिकारी का यह दिश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, दिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/- रु से अ**धिक है** 

ग्रीर जिपकी स० मकान न० 60 का हिस्सा है, तथा जो धानमडी जनलाम, मनप्रन में स्थित है (ग्राँग इससे उपायद्व श्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रश्चिकारी के कार्यालय रालाम मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) क ग्रधीन, दिनाक फरवरी, 1984

र प्रावित स्थानि व जित बाजार मुख्य संक्रम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अनारित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योक्त सम्पत्ति का अधिक कारण बुल्य, उसक दश्यमान प्रतिकल स. एस दश्यमान प्रतिकल प्रा पन्द्रम् प्रतिशत र अधिक (\* और अतरक (अतरकाँ) और अस िन्ती (अतिरिहियाँ) के बीच गाम अक्षरण के लिए तय पाया गदा प्रतिपात निर्मालि**पान एददार्य स** उत्कार अन्तरण लिखिन । धा चार्ताप । स्पार्थ शिथन नहीं किया गया है − −

- (क) अन्तरण स **हुई किसी आय की** अवाबत, उक्त अधिनियम के अधान कर दान के ब्रतर¶् इतिग्राम मा ऋषी करून हा नस्य अचार हा सानिः के सिए; और∕वा
- (स) अपेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम,, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किरा गया था या किया जाना चाहिए था., छिपान ट मविधा**के फिए**;
- ब्रह्मः वर्वः, चन्तः अपिनियमं की भारा 269 ग के अनुसरण में , उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) र वर्षात निम्नलि**शित** परिकार कथीन

- मैसर्भ चौदमल नानुराम, धानमडी, रतलाम , भागीदार श्री बद्रीलाल पिता श्री चादमलजी परिहार, निवासी 69, धानमडी, रतलाम, म० प्र० श्रीमती ज्ञान्तीबाई, पित श्री मोहनलालजी परिहार, निवासी 69, धान मडी, रतलाम, म० प्र० श्रीमती .मेनाबाई पति स्व० श्री चादमलजी परिहार, निवासी 69, धानमडी, रतलाम, म०प्र०। (ग्रन्तस्क).
- 2. श्री भन्बीर हुमैन पिता श्री हाजी श्रब्बास बोहरा, बासवाडाबाला, निवासी मोहल्ला चादनी चौक, रतलाम, म०प्र०।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुखना जारा कारक पूर्वीक्त सम्पत्ति क अर्जन के सिध त्य शिक्षिय करना हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी बाक्षेप .----

- (क) इ.स.सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध \$ किसी अन्य व्यक्ति दवारा, अधिहस्ताक्षरी के पास जिन्मित में किये जा सकेंगें।

स्पर्धदीकरण ----इशम प्रयक्त शब्दो और पदों का, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया 📽 ।

## श्रन्यनः

मकान नं० 60 का भाग धानमडी, रतलाम म०प्र० मे स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी मे नीहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा मत्यापित किया गया है

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल राक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर भ्रायक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज, भोपाल

नारीख 20-9-1984 मोहर 🕝

# प्रस्प. आर्ड टी. प्न. एस. ----=

अग्रकर आधिनियण, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### भारत संरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोषाल,

भोपाल, दिनाक 20 सितम्बर, 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/5163--ग्रन. मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्ता ;' पि प्राचन सम्पत्ति, जिस्का उच्छि बाजार महरू '5,000/-रु से अधिक है

श्रौर जिसकी स० भूमि सर्वे न० 1400/3, 1401, 1400/2 एव 1404/2, है, तथा जो ग्राम खजराना तहर जिला इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण स्प से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम रि908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक फरवरी, 1984

को पर्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में केम के रहशमान शिवपन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वाम करते का कारण है कि यथापृत्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक रश्यमान गतिपन य, एम रहश्यमान गतिपन का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अनिर्ती (अतिरित्तयः) के बीच एस अतरण के लिए तथ पाया प्रया प्रतिपन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

अन्रण मं हुई किमी आय की बाबत, उबते अधिनयम के अधीन का दन के अन्तरक के क्षित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा क लिए, और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी अन ११ थन्य आफ्तियों दें. जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या सन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहा किया हवा था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविभा के सिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) के अभीत निम्निविध्य व्यक्तियों, अर्थाह्य :----

- 1. श्री रतीराम पिता श्री राभाजी पाटीदार, निवसी ग्राम खजराना तह० एव जिला इन्दोर म०प्र० (अन्तरक)
- 2 बिजली नगर सहकारी गृह निर्माण सम्था, मर्यादित, इन्दौर तरफे ग्रध्यक्ष,श्री किरण सकर, पिता श्री काली साधन बनर्जी, निवासी 86, जवाहर मार्ग, इन्दौर म०प्र० (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति क वर्जन क सबध म काहां भी बाक्षप .---

- (क) इस मूचना क राजपत्र मा प्रकाशन को हारील में 45 दिन की अविध वा तत्नावधी 'व्यक्तिमी पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद के समाप्त हाती है, के भीए प्रकित स्वित्तयों मा स विज्ञासी व्यक्ति हुआरा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का ताराध में 45 दिन के भीतर उपने स्थापर सम्पन्ति में हिनबार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाछ लिसित में किए जा सकेंगे।

स्मध्यीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दा अर्थर पदा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होरा जो उस अध्याय में दिया एया है।

## जन्म भी

भूमि सर्वे नं ० 1400/3, 1401/, 1400/2, एवं 1404/2, जो ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जो मे निहित है, तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख 20-9-1984 मोहर: अक्ष बार्ड सी सन एन . ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर, 1984

निदेश सं० प्रार्ड० ए० सी०/प्रजेन/भोपाल/5164---प्रत

मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), यते धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वागर मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं क्वें नं 1400/3, 1401 है, तथा जो ग्राम खजराना, इन्दौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध धनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाक फरवरी, 1984

को पूर्वोकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल भी, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बह् प्रतिशत अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उच्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप में किथन नहीं किया गया है .---

- (क) बन्दरण से हुई किसी आम की आवतः, उक्ष बिश्वियम के अभीन कर होने के अन्तरक के विदिख्य मां कमी करने या जसमें स्पर्त में मिला के लिए। आर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आंकिया का, जिन्हों भारतीय आय-कर निर्धानगम, १९२५ (1922 का 11) या उपत अधिनियम, स्व भन-कर अधिनियम, 1957 (१९३७ ६ १) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं दि.।। यदा शा या किया जाना चाहिए था कियाने में रिविश के निए;

अतः सन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिक्ति व्यक्तियों अधीत .——

- 1. (1) श्री भदनलाल
  - (2) श्रो माहनलाल,
  - (3) श्री पुरुषोत्तम
  - (4) राधेश्याम पिता श्री रामप्रसाद जी पाटोदार,
  - (5) श्रो मत्ती क्ष्रःगाबाई, पत्ना श्री रामप्रसाद जी पाटीक्षर निवासी ग्राम खजराना, इन्दौर म० प्र०

(ग्रन्तरक)

2. विजली नगर सहकारी गृह निर्माण सस्था, मर्यादित, इन्दौर तरफ श्रध्यक्ष श्री किरणशंकर पिताश्री काली साधन बनर्जी, निवासी 86, जवाहर मार्ग, इन्दौर म० प्र०

(श्रन्तरिती)

का यह स्वतः जारी करके पृथांकतः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवानिया शुरु करता हूं।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धां व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध याद म समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वा अव व्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस सूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितवद्ध किसी याथ पत्रित द्वारा शंभातरणाक्ष्मा में वास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है

# अनुस्यी

भूमि सर्वे न० 1401 एव 1400/3, जो ग्राम खजराना, तक्षठ एव जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में भिद्धि के तथा प्रत्नरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> घीरेन्द्र कुमार वरनवाल मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, भोपाल

तारीख 20-9-1984 मोहर. प्रकृप आर्द्धः टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) অস্ত্ৰ পৰি भोषाल

भोपाल, दिनाच 20 नितम्बर 1984

निदेण गठ प्राई० ए० सीः/४केंप/मोपाल/5165-अनः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनथाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) (जिसे इसम इगके फरात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 260 स क अधीन सक्षम प्राधिकारी कों, यह किस्वाद करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- २०. में जीयक हों

और जिसकी सं० तिम ्त्वं नं० १६1/1/2,261/261/1/5/262/4/2,262/1/2,252/1/3एई 2 1/5 है तथा जो रतलाम में स्थित है (और १९६ त्रांच उपाचढ अनुभूक्ष के १८८ पूर्ण ते त्रांच रे विणय है) प्रतिस्ट्राणी जिल्लाम में स्थित है) प्रतिस्ट्राणी जिल्लाम में सिन्द्री एक जिथितियम, 1908 (1908 च 16) ते अधीय दिला र करवरी, 1984.

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित को गई है और माम यह रिक्सास करने का कारण है कि युपापूर्वाच्य समात्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल ते, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गृथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उत्तर अन्तरण लिखिड़ में यास्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है:

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुलिधा के लिए, और/मा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अल्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम के धनवार अधिनियम के प्रयोजकार अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए

जत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को अनुरूपण को, मी, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपधारा १) क सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—

(1) श्री मन्नुवां पिता श्री मेहभूद खा सेरानी. तिवासी -- मेरानीपुरा रतलाम म० ०

(अन्तरः)

(2) श्री राम इन्वस्टमंग कारपोरेजन द्वारा कार्याया श्री रन्द्रनारायण.

पा श्री मनसुखलाल राय जी झालानी,

निवासीश्री राम भावन गोजाला रोड, रतलाम (म० प्र०)

(अन्तरिती)

कां यह रूजना आरी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशिहियां गुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, को भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों औं में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितमकुष किसी अन्य अपिक्त व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित के किए जा सकती।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त बच्दों और पहाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, क्ष्ठी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नन्सूची

भूमि रद नं० 261/1/2,261/261/1/5/262/4/2, 262/1/2, 252/1/3 एव 261/5 है जो रतलाम में स्थित है। यह यह स्थावर अम्पत्ति है जिया जित्रण फार्स नं० 37-जी-में तिहत है तथा अन्तरिता आरा मत्यापित विधा गया है।

वीरेन्द्र कुमार वरचलवाल, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयक्त) अर्जन रॉज, भोपाल गंगोकी बिल्डिंग. चौथी मंजिल टी०टी०नगर,भोपाल

विनास : 20-9-19**8**4

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्रह, भाषाल

भोगाल, दिलाग 20 सितम्बर 1984

निदेण स० शाई० ए० मी०/अर्जग/भोपाल/5166——अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, ,

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा में अधिक हैं

और जिनकी स० सूमि खभग स० 26%/1/5 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (और इस १८पाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री एवं अधि पर्ना ने रायलिय रत्तलाम में रिजस्ट्री करण अधियम 1908 (1908 प 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गर्छ है और गूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, िस्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में लिए;
- अत पंजिब, े उक्त अधिनियम की धारा 269-ध के अनुसरण में, में , उक्त ,अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधी कि निम्नी निस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मुख्तार **खा** पिता श्रा महमृद खा नेरानी निवासी—-सेरानीपुरा, रतलाम (म० प्र०)

(अन्दर्ध)

(2) श्री राम इन्यग्डेनेट रारपोरेणन, द्वारा भागीदार श्री इन्द्रनारादण, पिता श्री मनसुखनयजा आतानी, मोहल्ला गोणाला रोड, श्रीरामसबन, रतलाम (म० प्र०)

(अन्तरिती)

का यह स्थान जारी कर ह प्यक्ति भम्पोल क अजन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य यिक्त द्वारा अधोहस्त्राक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त कब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूर्च।

भूमि खपरा नं० 262/1/5 है जा रतलाम से स्थित है। यह वह स्थायर नम्पत्ति है, निभ ज विवरण फार्म न० 37-जी में निहित है तथा अस्तरिती द्रारा मत्यापित किया गया है

> वारेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधि अर्रा (रिरोक्षी महासर आवार आयुक्त , प्रानि रेज, भोनाल) गंगोत्री विल्डिंग, चौर्या मजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनाः : 20-9 ·1984

मोहर

प्ररूप. बार्ड. टा. एन. एस. ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का ४३) ही भारा 269-म (1) के सधीन भ्यता

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयकत (निरीक्षण) अर्जा रेंज, भोषात

भोपाल, दिनाक 20 पितम्बर 1984

निर्देश मे० आई० ए० मी०/निन/नीपाल/5167 --अतः मुझे, बीरेन्ट कुमार बरनवाल.

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दक्कात उपत अधिनियम काहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य 25,000/- राज्य से अधिक है

और जिस्की सं० भीम खारा नं० 262/1/5 है, तथा जो रचलाम से स्थित है (और एमसे उपावड़ अनुसूची से और पूर्णेस्प के विणत है) रिजिस्ट्री जो अधिकारी के त्यासीलय, रतलाम से रिजिस्ट्रीकरण अधितियम, 1908 (1908 जा 16) विधारी, विकार फरवरी, 1984.

कां पूर्वेक्ति रुम्पत्ति के उवित बाजार मूल्य म कम कं इश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, रुगके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान तिष्य का पल्द्रह्न प्रतिशत में अधिक हूं और अतरफ (अगरकों) और अतर् रितीः (अंतरितियो) के बीच एमें अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उददेश से दक्त अंतरण लिखित में प्रभाविक रूप में विथल नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की आबता, उक्त सिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व मो कमी करने या उसमे बचने घो सिवधा है लिए, और/या
- (ख) एंसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रवादिकाल जाती देशी दवारा प्रकट नहीं जिला गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— (1) र्श्वा मृद्धतारचा आरमण शो भेहम् स्यासेरानी, निवासी ---भोहल्ला सरातीपुरा, रतलाम (म०प्र०)

(अन्तरका)

(2) श्रीनम इन्वेस्टमेट गरपोरेशन द्वारा भागीदार श्री एड्डान्यण पिता श्री मनगुखरायणी झालानी गोशाला रोड रतला (म० प्र०)

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजिपत में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं .45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग।

स्पव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त कर्म्या और पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि खसरा नं० 262/1/5 है जो उतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जी में निहित है तथा अन्तरित द्वारा सत्यापित दिया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्षर आयुक्त(निरीक्षण) अर्जन रेज भोपाल

दिनांक 20-9-1984 मोहर

# प्रस्य बाह्रं. टी. एन. एस्.,----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोभाल

भोपाल, दिनाक 20 सितम्बर 1984

तिर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रार्जन/भोपाल/5168--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल.

आयवर जो जिलाम, 1961 (1361 रा 13) हिस्स उत्तमें कर के जान, - अति जिलामें तहार या है), ते धार 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का जारण है कि राप्तर राज्यित क्रिकार प्रीचित शासर में स्थापण है कि राप्तर राज्यित क्रिकार प्रीचित शासर में स्थापण है कि राप्तर राज्यित है

और जिसकी स० भूमि खाला त० 262/1/3 है तथा को रतलाम से स्थित है (और इमले उपायह अनुसूची से और पूर्ण भप से निकार है) र्या एट्टी को अधि लगे के लगे के लगे रतिस्कृतिकरण अधितिसम 1908 (1908 का 16) वे अधीत दिलीक फरवरी 1984

का प्रविक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गर्ड है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि नभावना कर एक स्थमान प्रतिफात का विश्वास करने उनक क्यमान प्रतिफात से, एक स्थमान प्रतिफात का वन्तरित प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अन्तरितो (अन्तरितियाँ) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्धेश्य से उच्त अन्तरण जिलित में बास्तियक रूप से किथल नहीं किया गया है ——

- (क) बन्तरण से हुद्दं किसी जाय की बाबस, अवस्य जिभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दिख्यान में कमी करने या उसमें नचने में पविशान किसा शरित्या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसित्यां को, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) ए एक परिविचान, या के कर अधिनियम, 1957 (1957 की 2/। वे प्रयोजनार्थ अन्तिक्ति इतारा एक्ट नहीं वियो एक भा या किया जाना चाहिए था छिपान से स्वारधा के लिए

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 न के अनुसाथ को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 260 व वर्ष उपरास (१) क अधीन निम्निसिसिन व्यक्तियों, अधीत् :——

- (1) श्री आफाखा भिरा श्री मेहमूदका रा नी मुख्तारआम नुक्ता का जिता श्री मेहमूदकाजी मेरानी निवासी - सेरानीपुरा, रतलान, म० प्र० (अस्तर)
- (2) श्रीताम इन्त्रेस्टपेट कारपोरेणन, उपा भागीदार श्री उन्द्रेनारायण, पिता श्री मनमुखनाय जी सालानी, गोशाला रोड, रेनलाम (म० प्र०)

(अन्धरिती

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अर्थन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारील म 45 कि का उर्दोध पर तन प्रवर्गी प्रक्रियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों ममाप्त होती हो, को भीतर प्रवोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विष्या गया है।

# अमुसूची

भूमि खसरा न० 262/1/3 है जो रनलाम में स्थित है। यह वह स्थावर गम्पत्ति है, जिप्ता विवरण फार्म सं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गरा है।

> वंगरेन्द्र कुमार वरसवाल - सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल),

दिनार 20-9-1984

माहर :

# प्ररूप बार्ड्, टी. एन, एस ु -----≝---

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सहकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिक)

म्पर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1984

निवेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5169---म्रतः मुझे, बीरेन्द्र कूमार बरनवाल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि सर्वे नं० खसरा 262/1/2,है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की पद्दं है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त विभिन्नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आह्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिस्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

(1) श्री मन्सुरखा पिता श्री महमूद खा जी सेरानी, निथासी—सेरानीपुरा रतलाम म० प्र०

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीराम इन्वेस्टमेण्ट कारपोरेशन, द्वारा भागीदार श्री इन्द्रनारायण,, पिता श्री मनसुखरायजी झालानी, गोणाला रोड, रतलाम म० प्र०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वास अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

# जनसूचीं

भूमि खसरा नं० 262/1/, है जो रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जी मे निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-9-1984

मोहुडु 🛭

# प्ररूप आर्च.टी.एम.एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

भायासिय, सहायक भायकार आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनोक 20 मितम्बर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/ 5170---श्रतः मुक्षे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 262/1/5 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है)-रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रतलाम मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वायमान प्रतिफल से, ऐसे द्वायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसं धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, विश्वालिक उद्ध्य से स्वत प्रकारण लिखित में बास्त-

- (क) अस्तरम से हुई किसी अध्य की बाबत वनत प्रक्षि-विश्वय के बड़ीन कर देने के अस्तरक के वास्तिम में कमी क्यने या वससे मंग्री में सुविद्या के विष्णु धीर/या
  - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निवध के सिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम को भारा 269-ग को अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के क्रधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मुख्तीमार आध्यण मेहमूब्बा सेरोनी, निवासी---मोहल्ला सैरानीपुरा, रतलाम, म० प्र०। (अन्तरक)
- (2) श्रीराम इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन द्वारा भागीदार श्री इन्द्रनारायण, पिता श्री मनसुखराय जी झालानी, मोहरूला गोशाला रोड, रक्षलाम, म० प्र० ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृथाँक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिश्व या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश्व, जो भी जनिश्व बाद में समाध्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क के परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्पी

भूमि खसरा नं० 262/1/5 है जो रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा जो अन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 20-9-1984

प्रकृष बाहें ही एन एस -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नथीन त्यना

## नारक वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1984

निदेण सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5171---ग्रतः मुमे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर निर्मियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० भूमि खमरा नं० 262/1/3 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय. रतलाम में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाषार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत उक्त गीर्भीनवन के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; पीर/या
- (च) एंसी किसी अब वा किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिस्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा अकट नहीं किया गया धा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में विधा के निद्;

वेषः। जन, अनत अधिनियम की वाद्य 269-व नी जनसरक कें, में उपत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों अधीत् :---

- (1) श्री श्राफाकर्खां पिता श्री मेहमूदखां द्वारा मुख्तार श्राभ श्री मुख्तार खां पिता श्री मेहमूदखां सेरानी, निवासी—मोहल्ला सेरानीपुरा, रतलाम म० प्र० (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन द्वारा पार्टनर श्री इन्द्रनारायण पिता श्री मनसुखराय जी झालानी, गोशाला रोड, रतलाम म० प्र०। (भ्रन्तरक)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के हिनय कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

शक्त शब्दित के बर्गन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण के प्रकासन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती. हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वाधिकरणः इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बिधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वर्षात्रक

भूमि खसरा नं० 262/1/3 है जो रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं०-37 जी में निहित है तथा प्रन्तरिती द्वारा मध्यापित किया गया है।

वीरेन्द्रं कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल) गगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

**इनांक** : 20-9-1984

ANT N

प्ररूप आह<sup>‡</sup> टी एन **एस**.-----

शावकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### RIVE TORRE

# कार्यालय्, सहायक भायकर भायुक्त (निर्धाक्षण)

भ्रजन रैंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 198 4

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5171—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर शिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें देखको पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृष्य 25,000/- रु. से निश्क हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 262/1/2 है, तथा जो रतलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रतलाम मैं रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, हेंसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अप्रधिनियम को अधीन कर दोने के जन्तरक औं दायित्व में कमी कर्म या उसते बचने में सम्बंधा के लिए; औद्र/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट महीं किया गया था किया जाना जाहिए था, कियाने में मृतिधा से सिष्

शतः जन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अभीत् ६—— (1) श्री मुन्सूरखा पिता श्री मेहमूदखां सेरानी, निवासी—सेरानीपुरा, रतलाम म० प्र०

(म्रन्सरक)

(2) श्रीराम इन्वेस्टमेन्ट कारपोरेशन, द्वारा भागीदार श्री इन्द्रनारायण पित<sup>ह</sup> श्री मनसुखराय जी झालानी, निवासी मोहल्ला गोशाला रोड, रत्तलाम म० प्र० (प्रन्तरिती)

को यह सुभूना भारी करके पृथांक्त सम्मत्ति के वर्षन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय शं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हां, के भीतर पृत्रों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त कव्यों नीरं पदों का, को उनक् विधिनियम्, के वश्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं नेशें होगा को उस नश्याय में दिया गवा ही।

## प्रसम्ब

भूमि खसरा नं० 262/1/2 है जो रसलाम मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जो जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है। तथा जो प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-9-1984

# अरूप कार्ह<sub>ा</sub> ही. एव**ं एस**्-----

# नायकर विभित्तियमः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1984

निदेश स० श्राई० ए० सीं०/ग्रर्जन/भोपाल—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं भिम खसरा नं 22/1 है, तथा जो ग्राम पिपल्या कुमार , इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से बाँगत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिकल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्योक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकर्ण अतिराती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अवः, अवस अधिनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिवित व्यक्तिमें, अधीत् ह— (1) श्री रमेश पिता श्री सालगराम, निवासी—ग्राम पिपल्या, कुमार, तह० जिला—इंदौर म० प्र० ।

(म्रन्दुरक)

(2) मेसर्स स्नेष्ठनगर गृष्ठिनर्माण सहकारी संस्था मयोधित, तरफे ग्रध्यक्ष श्री ग्रर्जुनदास पिता श्री जेठानन्दजी चाबुला निवासी—114-ए, स्नेष्ठनगर, इन्दौर (म० प्र०)

(श्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति कं अर्जन ध्दें लिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत् ह

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के सं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**स्ची

भूमी खसरा नं 22/1, जो ग्राम पिपल्याकुमार जिला इन्दौर में स्थित है। तथा यह वह स्थादर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा ग्रन्तरिती धारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-9-1984

# प्रकर्ण नाइ .टी.एन.एस्.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीय सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरक्षिण) प्रार्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1984

मिवेश सं० म्नाई० ए० सी'०/म्रर्जन/भोपाल/5174—मतः मुझे, श्वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं ं प्लाट नं 38 एवं 39 है, तथा जो मनीवपुरी, गुलमोहर कालोनी, तह ं खजराना, इन्दौर है, में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1984, को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तो पाया गया श्रीतफल, निम्नशिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त को बास्तिकल, निम्नशिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त को बास्तिकल स्प से किथन नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-निवध में बधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में सनी करने वा उच्चे बचने में बृतिया के निए; और√वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोवनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्न्लिखित व्यक्तियां, अर्थात् ः——

- (1) 1. श्री बापूराव पिता श्री पाण्यूरंग,
  - 2 श्री राम पिता श्री गणपत,
  - 3 श्री ग्रनिल पिता श्री गणपत,
  - 4 श्री सुनील पिता श्री गणपत,
  - 5. भी मुरेश पिता श्री वसालय,
  - 6. श्री दीपक पिता श्री शेषराव, सभी निवासी—47, गुलमोहर कालीनी,

इन्दौर (म० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स ए० बीठ एस० इण्टरप्राइसेज, तरफे श्रीमती भारती प्रवीप पड़गांबकर, निवासी—25, ग्रनूप नगर, इन्दौर म० प्र०

(भ्रम्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियों करबा हुए।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में तमाप्त होती हो, से भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकत्ये।

स्थळीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया पदा है।

# नम्स्यो

प्लाट नं० 38 व 39 है जो गुलमोहर कालोनी, तहु० खजराना, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्सरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्नी विल्डिंग, **चौयी** मंजिल टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक : 20-9-1984

मोहर 🖟

प्ररूप जार्. टां. एन. एस.------

# बायका अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुवता

भारत संगतार

कार्यालय, सङ्घयक भायकर जायुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5175—प्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकार निधितिदम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके पश्चात 'उक्त निधितियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के निधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से निधक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 38 व 39 है, तथा जो मनीकपुरी, गुलमोहर कालोनी, तह० खजराना, इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता के श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी, विनाक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त तम्पिति के उकित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रितंक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मून्य उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय'पाया गया प्रति-फल, निम्निसितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बास्त-विक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धवने में सृविधा के लिए, बार/या
- (च) एोसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय सायकार किभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जभिनियम, या भनकार जिमिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिनाने जें सुविधा के सिए;

नतः जन, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म के ननुसरण ने, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की सम्भारा (1) के सभीन, निव्यक्तिकित व्यक्तियों, वर्षात् क्र---

- (1) 1. श्री बायूराव पिता भी पाण्डुरंग,
  - 2. श्री राम पिता श्री गणपत,
  - 3 श्री ग्रनिल पिता श्री गणपत,
  - 4. श्री सुनिल पिता श्री गणपत,
  - 5 श्री सुरेश पिता श्री दत्तालय
  - श्री दीपक पिता श्री गेषराय, सभी निवासी—47, गुलमोहर कालोनी, इन्दौर म० प्र०

(ब्रन्तरक)

(2) मेसर्स एंबी० एस० इण्टरप्राइसेज, तरफे श्रीमती भारती प्रवींप प्रड्गांबकर, निवासी—25, ध्रमूप नगर, इन्दौर (म० प्र०)



को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वो उक्त अभिनियम, को अभ्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में क्रिया गया हैं।

#### अनुसुची

प्लाट नं० 38 एवं 39 है जो मनीषपुरी, गुलमोहर कालोनी, तह० खजराना, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फाम नं० 37—जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रायंत रेंज्∎ भोपाल गंगोती बिल्डिंग, वौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-9-1984

प्रक्य बाह्र<u>ै.</u> टी. एन. एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, विनाम 20 सिंतम्बर 1984

्री० ग्राई*र ए० सी०|ग्रजॅन|*भोपाल|5176---यतः ब कुमार बरनवाल,

कायव अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० धोपन प्लाट भूमि खसरा नं० 32, प० ह० नं० 70 है, लथा जो तिनुरहीह, जी० ह० रोड, दुर्ग में स्थित है (और इससे उपावद अमुसूची में और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दुर्ग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984 कोट पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान शितकस के सिय अन्तरित की नई है और मुखे वह विश्वाद करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान अतिकल से एसे द्रयमान प्रतिफल का मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल का नहीं कोर मंतरित (मंतरितयों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म, निम्निवित उद्वेद्य से अन्तर्भ कन्तर्भ निवित में वास्व-विक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) कल्यरण से हुई किसी बाव की वायत क्या विध-विश्वत के ब्योद कर योगे के बलाहक के सामित्य में कती करने वा बख्ते वचने में बुविया के निये; नरिया/
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय, को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा प्रके लिए;

कतः. अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1 श्री ग्रम्बनी कुमार पिता श्री रामसुन्दर सिंह, श्राम० मु० पेमाबाई पति श्री रामसुन्दर सिंह,
- 2. श्री गनेश सिंह पिता श्री गनेशी सिंह राजपूत,
- श्री रामेश्यरं सिंह पिता श्री गणेशी सिंह राजपूत, निवासी—--तितुरडीह, दुर्ग ।

(ग्रन्तरक)

(2) छत्तीसगढ़ विकास गृह निर्माण , सहकारी समिति लिमिटेड, भिलाई चरींवा, दुर्ग ।

(अन्तरिती)

को यह त्यना बारी करके पूर्वोक्स संप्रित के बुर्वन की विष्रु कामवाहियां करता हूं।

उत्पत्त सम्मतित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45' दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आे भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्यूथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताकारी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हूँ, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विया वक्ष हूँ।

## **मन्स्यी**

श्रोपन प्लाट भूमि खसरा नं० 32, प० ह० नं० 70 है जो तितुरडीह, जी० ई० रोड़, बुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म सं० 37—जी में निहित है तथा श्रम्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल गगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक : 20-9-1984

प्ररूप आई. टी. एम. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुजना

#### भारत सरकार

## कार्धासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल दिनांक 20 सितम्बर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5177—-यत; मुझो, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं ० भूमि खसरा नं ० 32, प० ह० नं ० 80, ब्लाक् नं ० 259 है तथा जो तितुरकीह, दुर्ग में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णस्प से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधि-व्यारी के कार्यालय, दुर्ग में रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उश्वत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास अन्ने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण विवित्त में नास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाबत, उकत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें अधने यें मृतिधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी ६न या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जा। स्तिन्तर का उत्तर कर के दिवप;

नतः नन, उन्त गिधिनियम, की भारा 269-भ के अनुभरण मी, मी, अवत अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यवित्तर्ग अर्थात —— 32%336 GI/84

- (1) 1 श्री अज्वनी जुमार पिता श्री रामर्जुन्दर सिंह इतरा आ० म्० ग्रेमाबाई पत्नी रामसुन्दर सिंह,
  - 2 श्री गणेश सिंह पिता श्री धीमी सिंह राजपूत ।
  - अशे रामेण्वर सिंह पिता श्री घांसी सिंह राजप्रत, निवासी—सित्रकेह, दुर्ग म० प्र०

(अन्तरक)

(2) छत्तीसगढ़ विकास गृह निर्माण महकारी समिति लिमिटेड, भिलाई चरौदा, दुर्ग, द्वारा अध्यक्ष ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविध जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यां करवीं में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य अयिक्त द्वारा सभोहस्ताक्षरी के बाब सिसित में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिश गया है।

## अनुसूची

भूमि खसरा नं ० 32, प० ह० नं ० 80 है तथा ब्लाक न० 259 है जो तितुरडीह, जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्स न० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्रकुमार धरनवाल सक्षम प्राधि रारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, गंगोली बिस्डिंग, चौथी मजिल ी० टी० नगर, भोगाल

दिना र 20-9-1984 मोहर प्रकृष आहे. टी. एन्. एस \_------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1984

निर्देशो ने आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5178—यत; मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की 'धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि प्लाट खसरा नं० 210 है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण, अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कम, निम्नितिवित उद्वेष्य से उचित बन्तरण सिवित में वास्तिविक क्य से अधित नहीं किया गया है है--

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की गावत, उक्स अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) एँसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आरंग्सियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं जिल्ला गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः अ**य, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण** मों, **मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1)** रुजीन, निस्नियिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राजेन्प्र निह णिता श्री धुर्गा निह ठाकर गमीरिया तह० जिला मागर (म० प्र०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दुलीचन्द पिता श्री भगवानदास साहू चतुरमठा तह० व जिला मागर (म० प्र०) । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त सम्पादन के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## मन्स्यी

ज्लाट भूमि खमरा नं ० 210 है जो मागर में स्थित है यह वह स्थावन सम्मत्ति है जिसा। विश्वनण फार्स नं ० 37-जी में निहित्त है तथा अन्तरिती क्षारा सहयापित क्रिया गया है।

> वीरेन्द्र सुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरःक्षण) अर्जेन रेज, गंगोली विल्डिंग , चौथी मजिल टील टील नगर, भोषात

विनां 5 · 20 - 9 - 198 4 मोहर प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 20 सितम्बर 1984

निवश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5179—यतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क् के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट व भूमि है, तथा जो लागर में स्थित है (अंगर इमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह भेतिशत से अधिक ही और अन्तरफ (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेष्यों से उपत अन्तरण निक्ति में बास्तिविश स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स धूर्इ किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियक के अधीन कार पन के सन्तरक के दायित्व में कमी करने ये उमसे अभने में सृष्टिधा के लिए; और/या
- (भ) एसे किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के बिद्ध;

(1) श्री गांविन्द सिंह आत्मज श्री भगत सिंह ठाकुर, सागर (म० प्र०)।

(अन्तरक)

(६) श्री मुन्नालाल आत्मज श्री केदारनाथ सेन, निवासी —–सागर (म० प्र०)।

(अन्तरिती)

को यह सुधना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाही शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ कर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थळतीकारण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश्य गमा है।

### अनुसूर्चा

प्लाट व भूमि सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण फार्म सं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती क्षारा सत्यापित किया गया हैं।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज. भौपाल गगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी॰ टी॰ नगर, भौपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बारीन, निम्नलिशिय व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक : 20-9-1984

## प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

# आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीच सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई०ए०सी०/अर्जन/भोपाल/5180---अतः मुझे वीरेन्द्र कुमर्फ बरनवाल,

आयकर अधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० प्लाट नं० 306, है तथा जो साबेत नगर कालोनो, इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसके अन्तरण से संबधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए०वी० के अन्तरण सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय इन्दौर में जनवरी, 1984 को पंजीकृत माना गया है)

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिहिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उबन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब कं अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिक्त व्यविक्रकों. अर्थात् —— (1) 1. रामनाथ अग्रवाल पिता श्री द्वारकादास अग्रवाल, 2 श्री विजय कुमार अग्रवाल पिता श्री अमरचन्दजी अग्रवाल, दोनों निकासी 1/1, पलासिया, इन्दौर म०प्र०।

(अन्तरकः

(2) श्री वासूदेव परमानन्द अगनानी, निवासी 18, बैराथी कालोनी, इन्दीर म०प्र०।

(अन्सरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसम प्रयुक्त शब्दा और पदा का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

प्लाट नं० 306 है जो माकेत नगर कालोनी इन्दोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-ई०में नोहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> र्वः रेन्द्र कुमार बरनवाल सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

नारीख . 9-10-1984 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

**कार्यालय, सहायक** आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल दिनाक 27 सितम्बर 1984

निदम स० आई० ए० सी०/अर्जन/भीपाल/5181——अत मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि एवं भवन, नई मडक, गुना है तथा जो गुना में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपबद्ध अनुसूच, में श्रौर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकार, के कार्यालय, गुना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अर्धान फरबरों 1984।

को पूर्वेशित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के त्रयमान प्रतिपत्त को लिए अतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेशित सम्पत्ति का उधिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्ति किया गया हैं.—

- (क) **बंतरण** संहुई विसी अध्यकी वाबत, इक्त **किंधिन्यम के अधीन कर** धने के अतरक के **दायित्य में कमी क**रने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कारितयों को, जिन्हों भारतीय प्रायक्षार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एकत अधिनियम, गा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरिती दवारा प्रकृष्ट नदा किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

अतः, जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नो उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधी , निम्निलिखित व्यक्तियों, अधितः----

(1) श्र. रूस्तमजः दिना
श्रः सोडगबनः सीत बाला,
12-ए,
ग्रेटर को-आपराटन
हार्जीसन सोसाइटः
गुलमोहर कान गड,
नम्बर 1,
बाम्बे।

(अन्तरक)

(2) श्रा राम नारायण पिता
श्रा गणेयराम एसी,
अश जगदण नारायण पिता
श्रा रामनारायण जर्मी
वार्ड नं० 12
गणेस भवन,
राजेन्द्र मार्ग,
गना म०प्र०।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना क राजपार में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि पा नत्मम्बन्धी व्यक्तिएपों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गर्भ में समाप्त ताती हो, क भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में सालि सो व्यक्तिया द्वारा,
- (क) इस सृचना के राजपा मा प्रकारण की तारीस से 45 दिन के भीतर गा स्थावर सम्पत्ति मा हिल-बस्थ किमी अन्य व्यक्ति क्ष्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिस्ति मा किए जा मकींगी।

स्पाकरीकरण — इसमा प्रयक्त नहीं और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ शंका, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूचा

भूमि एव भवन, दुर्गा टाकीज, नई सड़क गुना में स्थित है। यह वह स्थावर नगति है जिल्ला विषरण फार्म नं० 37-जी में नाहिन ने नहां अल्लिश हारा सन्यापित किया गया है।

> वारेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी महापक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल) गगोवी बिल्डिंग, चौयो मजिल टोंट्टी० नगर भोपाल

तारीख: 27-9-1981 मोहर: प्रकृष बाइं.टी. हन . एस . -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घयक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनाक 27 सितम्बर 1984

निवेश स० आई०ण०मे(०/अर्जन/भोपाल/5182—-अत: मुझे,, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

श्रीर जिसका सं० मकान नं० 45/5 है, तथा जो मल्हारगज, इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारा के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधान फरबरो 1984

की पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के उर्वमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके उर्वमान प्रतिफल से, एसे उर्वमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिक्त, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के दासित्व में कभी करने वा उससं वसने में सुविधा के विष्; क्यूर/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविशा के सिक्ट;

बत: अज, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अजीत:——

(1) श्रीनिवासदास पिता श्री रघुनाथदास, 2. श्री पुरूषोत्तमदास पिता श्री रघुनाथदास अग्रवाल, निवासा 4 कसेरावाजार, इन्दौर म०प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री सुवेशरानी पति श्री जगदीशराजजी, निवासी 40, मस्हारगंज, इन्दौर म०प्र०।

(अन्तरिती)

को यह त्यमा चारी करके पृथावत सम्मतित को अर्थन के सिए कार्यगाहियां करता हूं।

## बनत सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई' भी बाह्यप 2--

- (क) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविश्वित जो भी अविध बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षर्ध के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को उपत नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्त्यी

मकान नं 45/5, है जो मल्हारगज, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जो में नोहित है तथा अस्तरितो द्वारा संस्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त(निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टो०टी० नगर, भोपाल

नारीख : 27-9-1984

प्ररूप आइ. टी एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269 च (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोजाल दिनांक 27 सितम्बर 1984

निदेश सं०आई०ए०मी०/अर्जन/भीपाल/5183—-अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्ड 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० मकान नं० 45/5 है, तथा जो मल्हारगंज, इन्दौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपबद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्त्ता अधिकारों के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन फरवरा 1984!

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह जिश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बिथ एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उच्चेश्य से उच्छा अन्तरण निखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के निए, और/या
- (च) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनयम, या भनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में कृतिथा के सिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) की अधीनः निम्नासिकत व्यक्तियों, अथितः :--- (1) धानिवासास पिता
श्रा रघुनाथदास अग्रवाल,
2 श्रा पुरूषोत्तमदास पिता
धा रघुनाथताम अग्रवाण,
निवामा 1,
वाजार,
दृन्दौर,
ससेरा वाजार,
इन्दौर म०प्र० बर्तन।

(अन्तरक)

(2) श्री श्यामसुन्दर पिता श्री मनोहरलाल पंजाबी, 2. श्री राजकुमार पिता श्री मनीहरलाल पंजाबी, निवासा मकान नं 45/5, मल्हारगंज, इन्दौर मन्प्रना

(अन्तरितः)

क्षे यह स्थना चारी करके प्रांचित बम्परित के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों में।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सभा है।

#### अनुसुची

महात न० 45/5 है जो मल्हारगंज, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिनका विवरण फार्म गं० 37-जो में तीहित है तथा अन्तिरिता हारा मत्यापित किया गया है।

> वेत्रेन्द्र कुमार बरनवाल सदाम प्राधिकारः महायक आयक्षर आयुक्त (निर्मक्षण) अर्जन रेजि, भोपाल गंगोतः विल्डिंग, वीर्था मंजिल टोव्टॉ० नगर, भोपाल

तारीख: 27-9-1984

ः य जार . ११. एष . एर .----

बाएकर रुप्तिगास, 1061 (1461 का 43) की प्राप्त गुन्दा प्राप्त मुलना

#### भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज भीमान

भोपाल, दिनाता १८ विपार ए १९९४

निदेश म० आई०ए०मं ०/वर्ग्न/भोताल/5181---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार तरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षण पाकिकारों को, यह जिस्सास करने का कारण है कि रथाप समर्गत्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- राष्ट्र से अधिक है

ग्रौर जिमका सक म्युनस पाल्ट सकान तक 80 एमक्टाक क्लाथ मार्कोट है तथा जो एमक्टाक क्लाथ मार्कोट, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इपन उपात्रत अनुसूच में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिन्द्रा उन्ती अधिक री के कार्यालय इन्दौर में रिजिन्द्र अरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधान फरवर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अंतरित की गर्व हैं और अभी यह विश्वास करने का कारण है कि एथए एंड्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, अभके दृश्यमान प्रीएए ए, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिश्य (अन्तरित्यो) के गीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्देश्य से उच्च अन्तरण किक्ना में नासाबिक एप स्वर्शित नदी किया गया है द्रान्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिकायम ० १ की, इन व कल्तराक क दायित्व में कमी अटन गा गरम अचन में मुविधा वे लिए, कीर स
- (स) एसी किसी अाप था किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-पर पर्मा । पर्माप , वा 27। के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया करन रही किया गया प्राचित्र में निर्मा स्वाप्त स्वाप्त

(1) श्रं। लदमणदारा फिता श्राः लानचंदनः तिवासः, 90 जननामपुर कालोनः इन्दौर ग०प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्रः कमलकुमार पिता श्रोः मुरलःधरजः, निवासः जयरामपुर कालोनीः, इस्दौर म०प्र०।

(अन्तर्जु))

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सपाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर पूर्वोक्त उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्स्वी

म्युनसीपाल्टी मकान न० 80, जो महाराजा तुर्काजीराव क्लाय मार्केट, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका थिवरण फार्म न० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिनी दारा मत्यापित विस्था गया है।

> वारेन्द्र कुमार बरनवारा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निर्दे क्षण) अर्जन रेज, भोपाल गगोबी बिल्डिंग, चीर्षा मंजिल दाल्टाल नगर भोपाल

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की गाप 269-व की उपधारा (1) के अधीन, जिन्निकियन व्यक्तियों, अधीन:——

नार ख . 27-9-1984

ो⊭हर :

प्ररूप बाह्र . टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269 थ (1) के अधीन मुखना

1 PT BIRTHA

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्रत (निरीक्षण) अर्जन रेंज. भोपाल

भोपाल, दिनांक 27 सितम्बर 1984

निदेश सं० आर्ड०ए०मी०/अर्जन/भोपाल/5185—अतःमुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० म्युन्सीपाल्टी मकान नम्बर 81 है, तथा जो महाराजा तुकीजीरावक्लाथ मार्केट, इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजिस्ट्रीकक्तरण अधिनियम 1908(1908 का 16) के अधीन फरचरी 1984

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है ।

- (क) अंतरण घंतार्र किसी अय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीत का दांने घं प्रंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ना 11) था जना अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १८५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैनरिती दुवार प्रतार नहीं किए। गया था या किया जाना साहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निटिखित व्यक्तियों, अर्थाल :---- 33-336 GI/84

(1) र्श्वा महेण कुमार पिता श्री नानचंदजी, निवासी मकान नं० 90, जयरामपुर कानोनी, इन्दौर मण्प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री मुरलीधर पिता
श्री लालचढजी,
(हिन्दू संयुक्त परिवार कर्त्ता मुरलीधर),
निवासी जयरामपुर कालोनी;
इन्दौर मण्यण ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सक्यरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु सैं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की श्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्पच्चीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो **उक्त** अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### वनस्यी

म्युन्सीपाल्टी मकान नं 81, जो महाराजा तुकीजीराब क्लाथ मार्केट, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न 37-जा में निहित है तथा अन्त-रिती द्वारा मत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनधाल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख : 27--9--1984 स्रोप्त

## प्ररूप् बार्च, टी. एन. एस. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भाषाल

भोपाल, दिनाक 27 सितम्बर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5186---अतः मुझो, वीरोन्द्र कुमार बरनवाल,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिनकी सं० प्लाट तं० 5ए०, है तथा जो राजगढ कोठी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय, इन्दौर मे रजीस-ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1984

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्योध्य से उचत अंतरण लिशित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससं अधन में मुतिधा के सिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने धों सर्थिम के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिम्स्तिसिन व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्रीमती सुभद्राबाई पनि श्री धरमदास, निवासी 34/2, पारभी मोहल्ला, इन्दौर, म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) अरिहन्त गृह निर्माण महकारी संस्था, मयादित, 146, जावरा कम्पाउण्ड, इन्दौर, मु० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वित्तयों पर स्वा की तामील से 30 दिन की संविध, जो भी सविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्वित्यों में से किसी ध्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्थाव्हीकरण:—हसमें प्रयुक्त सम्बद्धियाँ वार पर्यों का, वाँ उक्त विधिनियम के मध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा जो उन मध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं **5 ए जो रामगढ़ कोठी**, इंदौर में स्थित **है यह वह स्लाबर** स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी० में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भोपाल ।

नारी**ख**: 27-9-19**8**4.

प्रक्रम मार्च. दी. एन. एस.-----

नायकर निधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5187——अत. मुझो,वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित गाजार मृस्य 25,000/ र से अधिक हैं

और जिसकी स० म्युनसीपाल्टी मकान न० 21, पुराना म्यु० पा० नं० 24 है तथा जो शान्ती नगर, जैन कालोनी, इन्दोर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण क्ष्य में वर्णिन है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिवारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अतरित की गईं है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथाप्यावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तरितयों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उच्चवेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (का) अन्तरण से हुइं किसी आय की बाबस, उत्तः अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के भिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए,

नतः नन, उक्त मधिनियम की भारा 269-ग ने अनुसरण मे, में उक्त अधिनियम की भारा 260 थ की उपभाग (1) के नधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, मर्थाद ६----  (2) श्री भवरताल पिता श्री कन्हैयालालजी कोठारी, निवासी जैन कालोनी,
 शान्ति नगर 21,
 इन्दौर, म० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्री मूरजमल पिता श्री जीवराजी केयर आफ भारत इर्लेक्ट्रिक एन्ड कम्पनी, महारानी रोड, इन्दौर म० प्र०

(अन्तरिती)

कार्य सह सूचना जारी करक पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माक्कीकरण '---इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदौं का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा, जो लस अध्याय भें दिया गया हैं।

## ग्रन् सूची

म्युनसीपाल्टी मकान न० 21 तथा पुराना मकान न० 24 है जो गान्ती नगर, जैन कालौनी, इन्दौर म० प्र० में स्थित हैं। यह यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जी० में निहित है तथा अन्तरित द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, भोपाल ।

तारीख . 3-10-1984 मोहर क्ष

## प्ररूप नाइ ैं, टॉ ् एन ् ऐस . -----

श्वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन संचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 3 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5188:---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारक है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 25,000/-ए. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० पा० सकान नं० । (बान्दा कम्पाउन्ड) प्राईवेट खोली नम्बर 43, छोटी ग्वाल टोली नम्बर 2 है तथा जो छोटी ग्वाल टोली नं० 2, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कायलिय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख फरवरी, 1984

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रतिफॅल को लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त समपरित का उचित बाजार मुख्य, अस्को दश्यमान प्रतिफल सं,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रीतशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिसी (अन्तरि तयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फक् निम्निसिक्त उत्देश्य से उक्त अन्तरण "लिखित भे" वास्त्रीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उसत अधिनयम् के अधीन कर योने के अन्तरक अ बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (192) कर १९) का उस्त अधिनयम, भा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था वा किया जाना चाहिए जा, कियाने भें स्विधाके लिए;

बत: अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपधार्य (1) को अधीन , निम्नलिस्ति व्यक्तियों , अर्थात् :---

- (1) श्रीमती भेहसूद अहां बेगम वेवा स्व० सेफअली बहादूर,
  - 2. नवाब बहाद्र, 3. अमीर बहाद्र,
  - 4. शमशेर वहाद्र, 5. इसरार बहाद्र,
  - मुक्ताकअली बहादुर, 7. असफाकअली बहादुर, जुबैर बहादुर, 9. दिलेर जहा, 10. रिजया बेगम,

  - 11. मुख्त्यार जहां, 12 अजीन बहादुर,
  - 13 जमशोद बहादुर, 14 तमकीन बहादुर,
  - 15. फारोक जहां, 16. आफाक बहादूर,
  - 17. इस्ताक अली बहादुर, 18. अखलाक अली बहादुर -पिताश्री सेफअली बहाद्र, निवासी मनोरमागंज, इन्दौर मु० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री शायक णाह खान पिता श्री मे हमूद शाह खान, नियासी खोली ऋ० 43. भवनका०1. छोटी खाल टोली, नं० २, इन्देंग्र म० प्र०।

(अन्तरिती )

अब यह सुचना जारी करके पुर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिच की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तिसमें सुचनाकी तायील से 30 दिन की मंगींग, जो भी भेषां घ बाद में समाप्त मृति हो, के भीतर प्**वांबर** न्य क्षिता वा स विकासी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस युचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जनत स्थाधर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थितित दुशरा अधोहस्ताक्षरी के पाव लिसित में किए जासकोंगे।

स्यक्तोकरणः----इसमें प्रयुक्त राज्यों और दवीं का है और दक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विया गया है :

## अभृस्यी

म्यु ०पा ० मकान नं ० 1 (बान्दा कम्पा उन्ड) छोटी ग्वाल टोली नं 0 2, इन्दौर में स्थित है ' ( यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती ब्रारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी महायक आयकर आयुक्त), अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख: 3--10-1984

स्रोहर:

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

स्रोयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) को स्थीन स्था

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायुकर बायुक्त (निर्धिका)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 3 अक्तूबर 1984

निर्देण मं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपालः ~5189:——अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी मं० म्यू० पा० नम्बर 1 (मकान) है तथा जो छोटी खाल टोली, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

की पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अविद बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती किन्नियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निविधां उद्योग्य म लिए अस्पर्ण किन्निया मानविधान उद्योग्य म लिए अस्पर्ण किन्निया मानविधान अस्पर्ण के अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क्क) अन्तरण सं क्ष्मुक्षं किसी आय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरके के वायित्व में कमी करने वा उससे यक्तने में स्थिभा के लिए; बार/ना
- (ह) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय काय-कर अभिनियम, 1922 (1921 की 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिल्पाने में सुविधा के लिए;

जतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में तै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती मेहमूद जहा बेगम बेवा स्व० तयाब सेफ अ व बहादुर, 2. नवाव बहादुर, 3. अमीर बहादुर, 4. शमशेर बहादुर, 5 इसरार बहादुर, 6. मुख्ताक अली बहादुर, 7. असफाक अली बहादुर, 8. जुबेर बहादुर, 9. दिलेर जहा, 10 रिजया बेगम, 11 मुख्त्यार जहां, 12. अजीज बहादुर, 13. जमशे बहादुर, 14. तमकीन बहादुर, 15. फराख जहां. 16. आफाक बहादुर, 17. इस्ताक अली व 18 अखालाक बहादुर पिता श्री नवाव सेफ अली बहादुर, निवासी 11/2, मनोरमा गज, इन्दौर म० प्र०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमति फातिमा मुलताना पति, श्री हबीबुहमान, जुनापीठा, इन्दौर म० प्र०।

(अन्तरिती)

का यह स्वना थारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हां सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस गुचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वितियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में दिया जा सकेगा।

स्पच्चोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया भया है।

## वन्स्वी

म्यु० पा० मकान नम्बर । है जो छोटी भ्वाल टोली (बान्दा कम्पाउन्ड) इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है नथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त), ग्रर्जन रेंज मोपाल

दिनांक 3 ·10−1984 मोहर∶

## त्रक्ष्य वार्ड. टी. एन. एव.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनोक 5 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5190.—अत. मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० एक मंजिला मकान का भाग, कार्मामियल सम्पत्ति, म्यु० पा० मकान नं० 99, बाई नं० 14 है, तथा जो दो बत्ती, रतलाम में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रतलाम में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पल्कह प्रतिशत से जिथक है और अंतरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्नितियां उच्चेश्य से उक्त अंतरण कि बिता में बाक्तिक क्य वे कांचित नहीं किया नवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किती बाव की वावत, छक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे वयने में सुविधा के सिए; बाड/वा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया. प्रया था या किया जाना वाहिए था, क्रियाने में स्विधा के जिए;

नतः जब, उक्त निधितियमं कौ भारा 269-ग कौ नन्तरण भा, भी, उक्त अधितियमं की भारा 269-ण की उपधारा (1) के संधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री अन्तपृणी अन्त क्षेत्र बोर्ड, रतलाम।

(अन्तरक)

(2) रमेण चन्द्र जी पिता श्री गोपीकिणनजी राठी, निवासी मोहल्ला फीगंज, रतलाम म०प्र०।

(अन्तरिती)

को बहु स्वना वारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के अर्थन के बिए कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ हारेग जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

म्यु०पा० मकान नं० 99, जो वार्ड नं० 14, दो बसी, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, भोपाल।

नारीखाः: 5-10 1984

प्ररूप बाई. टी, एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 प्रक्तूबर 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/5191—प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्रिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं खुली भूमि म्यू० नं ० 6/573, नया नं ० 84 है, सथा जो विक्रम विश्व विद्यालय मार्ग, माधव क्लव रोड, उज्जैन में स्थित है (भौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण के रूप ने विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

फी पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृत्य पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की वाबत, उक्त जीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)—या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्रतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण श्रें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :== (1) श्री टीकमलाल पिता श्री ग्रम्तलाल जो गाह, निवासी---26 गंकर मार्ग, माधव नगर, उज्जैन, द्वारा सुरेन्द्र नरेन्द्र छोटा मराफा; उज्जैन, म० प्र०। (ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री केदार सिंह तोमर पिता श्री भीकम सिंह तोमर, निवामी—जयसवाल बिल्डिंग, माधव नगर, उज्जैन म० प्र०

2. श्री बापू सिंह पिता श्री क्षचक सिंह जी कुणवाह, ग्राम——ढाबलागोरी, तह० घट्टिया, उज्जैन, म० प्र०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतिर्ज के कर्बन के सम्बन्ध के कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस त्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी स्पवितयों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी स्पब्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- वह्म किसी अन्य व्यक्ति वृताय अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त कन्दों और पतों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रन्सूची

खुली भूमि म्यु० गृह क्रमांक पुराना नं० 6/573, नया नं० 84, विक्रम विश्व विद्यालय, माध्य क्लब रोड, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तिरती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल, गोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल ।

दिनांक : 5-10-1984

प्रकथ बाइ टी. एन. एस. - - - -

बादकर व्यभिनियम, 1961 (1961 व्य ४४) भी भारा २६९-६ (1) की अभीन सचला

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्र्जन/भोपाल/5192—म्रातः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उभत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 25,000/- रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रविकसित भूमि खसरा नं० 761 एवं 762 है, तथा जो खजराना, इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल सं, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तिबक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उँक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अंदिनाः; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 को १११ या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब., उयत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात १ —— (1) श्री श्रादित्य प्रताप शाह पिता श्री वीरबहादुर शाह, निवासी—~नागपुर (महाराष्ट्र)

(ग्रन्तरक)

(2) शिव शक्ति गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, 20/2, पुराना पत्नासिया, इन्दौर म० प्र० ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाता जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिय कार्यवाहियां करता हुं।

अवस सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में में किसी स्वित दुवारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्नीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसक, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वजा हैं।

#### जन्त्वी

श्रविकसित भूमि खसरा नं० 761 व 762 है जो खजराना इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पन्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी (निरोक्षी) महायक स्रायकर स्रायुक्त स्र्यंन रेज, भोपाल, गंगोवी बिल्डिंग, चौथी मं**णिल** टी०टी० नगर, भोपाल

दिनांक 5-10-1984

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 ग्रन्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5193—ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रूथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रोर जिसको सं० फ्लैट नं० 4 व प्लाट नं० 47 है, तथा जो स्वदेश नगर, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधकारों के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:-~

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34—336GI/84

(1) श्रो ज्ञानचन्द पिता श्रो नन्दलाल जो, निवासी—187, कृष्णपुरा, इन्दौर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमती स्वर्णजोत कौर पति श्री हरवंग सिंह जा, निवासी—-फ्लैट न० 4, प्लाट नं० 47, स्वदेश नगर, इन्दौर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- वहुभ किसी जन्म अम्मित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के गत्म लिखिन में किए जा मकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नन्स्यो

फ्लैंट नं० 4 व प्लाट नं० 47, स्वदेण नगर, उन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा भ्रन्तरित्ती द्वारा मत्याधित किया गया है।

> बोरेन्द्र कुमार बरतवाल सक्षम प्राधिकारो (निरोक्षी) सहायक भ्रायकर श्रायुक्त श्रजैन रेंज, भोजल, गंगोबो विल्टिंग, बीबो मंजिल टो० टो० नगर, भोगाल

दिनांक : 5-10-1984

## प्रकृष शाह . टी. एन इस. .....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, बहा<mark>यक अयकार गाय्वस (निरोज्ज</mark>)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 20 सितम्बर 1984

निदेण सं० ग्राई० ए० सी:०/ग्रर्जन/भोपाल/5194—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन शक्षक प्रिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं क्यु क्या का मकान नं क 64 है, तथा जो साउथ तुकोगंज, गली नं क 1, इन्दीर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी. 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के तीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक ज्य में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण अ हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया प्रयाधा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौँ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अधाँत :-- (1) श्री शरद महादेव खैर, 64/1, साउथ तुकीगंज, हंदीर में प्र

(प्रनारक)

(2) श्री चन्द्रकान्ता पति डा० श्री घीरज गान्धी व डा० धीरज गांधी पिता श्री मोतीलाल जी गान्धा, निवासी—-597/6, महात्मा गांधी मार्ग, इन्दौर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पृत्रोंक्स मंपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्द अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची:

म्यु० पा० मकान नं० 64 है जो तूकोगंज, गली नं० 1, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्स नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती हाण सन्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षी) सहायक श्रायकर श्रायुक्त पर्जन रेज, शोपाल, गंगोवा विव्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टो० नगर, भोपाल

दिनांक : 20-9-1984

मोहर 🕫

कृष्य काइ<sup>र</sup>. ट्री. एच. एस.-----

बायकर बिश्रानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुभना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 5 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5195--अत: मुझे, वोरेन्द्र, कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट खमरा नं० 1782, 1773, 1785, वार्ड नं० 18 है तथा जो आजाद वार्ड छिंदवाड़। म०ग्र० मे स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, छिंदवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसांक फरवरी, 1984

- को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण के लिए निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण के लिए निम्निसित अधित नहीं किया गया है :—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे क्याने में सुविधा के निए; और/गा
  - (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग की अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) अहे अधीन निश्नसिद्धित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) 1. देवेन्द्र कुमार पिता श्री लालचन्द जी पाटनी,
2. श्री गांतिकुमार पिता श्री देवेन्द्र कुमार पाटनी,
दोनों निवासी---गोपालगंज,
छिदवाडा, म० प्र० ।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री भारती पति श्री अशोक कुमार पाटनी,
2. श्री राजकुमार पिता श्री सोहनलाल पाटनी,
3. श्री जहेमेन्द्र कुमार पिता श्री घीसूलालजी पाटनी
4. श्रीमती आशा, पाटनी, पिती लिलतकुमार पाटनी
5. श्रीमती किरण पति श्री वीण कुमार जैन,
सभी निवासी—गोलगंज,
छंदवाड़ा, म० प्र०।

(अन्तर्रिता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के तियः कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपर्य में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावतीकरण — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुस्धी

प्लाट, अलका सिनेमा के सामने, छिंदबाड़ा में भूमि ख० न० 1782, 1783 एवं 1785, आजाद बार्ड नं० 18. छिंदबाड़ा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है सथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज (भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 5~10−1984

## प्ररूप नाहाँ. टी. एन. एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5196——अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000./-रा. से अधिक है

और जिसको स० हिष भूमि खसरा नं० 241 का भाग, एरिया 3475, एव कच्चा मकान है, तथा जो फाफाडोह, रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा मे और पूर्ण के रूप ने विणक्त है) राजिस्ट्रोक्षर्ता अधिशारों के कार्यातय, रायपुर में रिजस्ट्रोक्षरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पृबोंबत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापृबेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत, उक्त अभिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के यायित्व में कमी करने वा उक्क बचने में मृत्रिधा
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री अशोक कुमार पिता श्री श्यामलाल गोयल, निवासी---फाफाडीह, रायपुर म० प्र० (अन्सरक)
- (2) श्री आनन्द पिता श्री हरोराम गोयल, फाफाडीह, रायपुर म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध् या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगें।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### नपुरुषी

भूमि खसरा नं० 241 का भाग, एरिया 4375, एव उस पर बना हुआ कच्चा मकान है जो फाफाडीह, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपास गंगोबी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपास

विभांकः : 5-10-1984

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अन्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5197—अतः मुझे, वीरेन्द्र फुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ से अधिक है

और जिसको सं० भूमि खसरा न० 241 का भाग एवं मकान है तथा जो फाफाडोह, रायपुर म० प्र० मे स्थित है और इससे (उपाबद्ध अनुमूचा में और पूर्ण के रूप से विणित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रोक्तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन, दिनाक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ...

- (1) श्रीमती फूलवती पति श्री म्प्यामलाल गोयल, निवासी——फाफाडीह, रायपुर म० प्र० (अन्तरक)
- (2) श्रीमती गिन्नी देवी पति श्री हरीराम गोयल, निवासी—-फाफाडीह, रायपुर म० प्र०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

भूमि खसरा नं० 241 का भाग, एरिया 4374 व मकान है जो फाफाडोह रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> बीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी निरीक्षी (सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिस, टी॰ टी॰ नगर, भोपास

विभांस : 5-10-1984

प्रकथ गाइ. टी., एन., एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनाक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5198--अतः मुझे, वीरेन्त्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खमरा न० 738/1, मौजा मोबा, रायपुर है तथा जो भौजा मोबा, जिला तह० रायपुर में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण के रूप में विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1984 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोव्स सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिरीयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के संयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए ता, छिपाने में सुविधा नै निए।

बतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :---

- (1) श्री नरनरायण अग्रवाल पिता श्री रामचणलाल अग्रवाल, निवासी —-पुरानी बस्ती, रायपुर म० प्र०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मता देवी पति स्व० श्री बूलचन्द मखीजा
  2 श्री राजेन्द्र कुमार पिता श्री सफरमल मखीजा,
  निवासी—ईंदगाह भाटा,
  रायपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का मुक्ते।

स्भष्टीकरण:——इसम प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### मन्त्र्यी

भूमि खसरा नं० 738/1, एरिया 1 63 एकड है जो मौजा मोवा, तह० जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म न० 37—जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्रकुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेज भोपाल) गगोती बिर्लिडग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक: 5-10-1984

## अष्य वार्ड. डी. एन. एत्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोगाल

भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेण सठ० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/5199---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें एक्सात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि खमरा नं० 638/1, हल्का नं० 109, 1.63एकड़ है, नथा जो गौजा, मोजा, तह० व जिला रायपुर में स्थित है (और किसमें उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप में विजित है), रिजिस्ट्रीयती अधिड़ारी के जायिलय, रायपुर में रिजिस्ट्री-दरण अधितियम, 1908 (1908 की 16) के अधीन, फरवरी 1984,

को प्रोंधस संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निज्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त जिल्लामिया के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं जिसा गया भा या किया जाना चाहिए था स्थिमने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उन्नतः **अधि**नियमं की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

- (1) श्री नरनारायण अग्रवाल पिता श्री रामचरणलाल अग्रवाल, निवासी---पुरानी वस्ती, रायपुर म० प्र० (अन्तरक)
- (2) श्रीमती भारती देवी पति श्री रामदाम, निवासी—ईदगाह भाठा रायपुर मृ० प्र०

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के किए कार्यप्राहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पहित के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिष या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्**स्**ची

भूमि खसरा नं० 738/1 एरिया 1.63 एकड़ है जो मौजा मोवा, तह्० व जिला रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में तिहित है तथा अन्तरिती द्वारा मत्यापित विधा गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोगान), गंगोत्री विल्डिंग, चौथी संजिल टी० टी० नगर, भोगान ।

दिनांक 5--10--1984 मोहर : प्रकृप आई. टी. एन. एस्.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5200---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुभार बरनवाल,

अध्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25.000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खमरा नं० 738/1 एरिया 1.52 एकड़ है, तथा जो छू मौजा मोवा नह० व जिला रायपुर में स्थित है (और इससे उपाधक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांन फरवरी, 1984, को पूर्णेक्ट सम्पत्ति के उधित वाजार मरण से कम में रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्टित सम्पत्ति का उपित वाजार मूल्थ, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरित्र में) और अन्त-रिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्तिवित्त उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कार/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा छिपाने में सविचा के लिए.

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमसरण में, मैं, उक्त अधिनिय की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री नरतारायण अग्रवाल पिता श्री रामचरणलाल अग्रवाल, निवासी—पुरानी बस्ती, रायपुर म० प्र०

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती कविता बाई पति श्री दिलीपकुमार निवासी——सिविल लाइन्स, रायपुर म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सकी।

स्पद्धीकरणः --- इसमें पयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया हैं।

## वनुसूची

भूमि खमरा नं० 733/1 एरिया 1.52 एकड़ है जो मौजा मोबा, तह० व जिला रायपुरमे स्थित है।यह वह स्थावर सम्पत्ति है,जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी मे निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निर्शिक्षी सहायक आयक्द आयुक्त अर्जन रोज, भोपाल) गगोत्री विल्डिंग, चांथी मंजिल टो० टी० नगर, भोपाल

दिनांक 5~10 ·1984 मोहर प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 5 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5201---अत मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

काण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रहे. से अधिक है

25,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकी सं अपूर्म खसरा नं 0 738/1, एरिया 1.77 एकड़
है, तथा जो मौजा मोवा तह ० व जिला रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984, को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——
3 5—336GI/84

(1) श्री नरनारायण अग्रवाल पिता श्री रामचरण लाल अग्रवाल, निवासी---पुरानी बस्ती, रायपुर म० प्र०

(अन्तरक)

(2) 1. श्री अमरलाल पिता श्री रेलुमल,
 2. श्रीमती कला बाई पित श्री रेलुमल,
 निवासी → सिविल लाइन्स,
 रायपुर म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नम्सूची

भूमि खसरा नं० 738/1 हल्का नं० 109 है जो मौजा मोवा तहसील व जिला रायपुर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी, सहायक आयक्तर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

विनांक : 5-10-1984

## प्रकृष बाइ. टी. एन. एस . -----

## भायकर किंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत करकाडु

कार्यालय, महायक आयवर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल दिनौंक 5-10-1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अजंन/भोपाल/5202---अतः मुक्ष, वीरेन्द्रकुमार बरमवान

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने की कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिनकी सं० म लान, बार्ड नं० 8 है। तथा जो मिल रोड जिला विदिशा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गंज वासौदा, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक फरवरी, 1984

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमात्र प्रतिफाल के लिए अन्सरित की गई है और मुम्हे यह विश्वसास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सन्य उसके बश्यमान प्रतिफाल ऐ, एमे इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रेटी स्थरक रिक्टियो। जीव एके अन्तरण है लिए तम एका गया रितफल निम्नलिकित उन्नदंश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में नाम्सनिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- अस्ति अल्लाह्म में झुन्दू किसी आय की बाबस उद्यक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा प्रियं और /गर
- (स) एंगी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

लनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री अशोक कुजमार प्रिक्षा डा० मदनलाल शर्मा, निवासी गंज बसौदा, जिला विदिशा म० प्र०

(अन्तरक)

2 श्रीमती माधुरी केन, पति श्री रमेशचन्द जैन, सिवासी गंज वासौदा, विदिशा, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविभ , जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा स्या है।

#### वन्स्वी

मकान वार्ड नं० 8, मिल रोड, बसोदा, जिला विदिशा, में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में तिहा है तथा अद्योगि द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक: 5-10-1984

मोहरः

## प्ररूप भाइ.टी.एन.एस. -----

## भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5203--अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी संव मकान, वार्ड नव 8, असीदा, है तथा जो
मिल रोड, बसोदा, जिला विदिशा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्षा
अधिकारी के कार्यालय गंज बसोदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1984
को प्वेंक्त सम्पित्स से उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वेंक्त सम्पित्त का उचित बाजार
मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरकों) और अतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गय।
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
जालक्षिक एक से किया नहीं किया नया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बन्सरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए और/या
- (क) एेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा खें स्विधः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री अरूण कुमार, शर्मा पुत्र डा० श्री मदनलाल शर्मा निवासी गज बसोदा जिला विदिशा, म० प्र० (अन्तरक)
- श्रीमती माधुरी जैन, पित श्री रमेश चन्द जैन, निवासी गज बसौदा, जिला विदिशा, म० प्र०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन कं लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में कि विक्रिया कर विक्रिय कर विक्रिया कर विक्रिय कर विक्र कर विक्रिय कर विक्रिय कर विक्रिय कर विक्र कर विक्र विक्र कर वि
- (क) इस सुचना को राजणक के प्रकाश के अन्यक्त के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त में हिंहत बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण'---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जा उक्त अधिनियम की अध्याप हुस्तक का जीएकहिल्स हैं, बही कथे होगा ओ उस सध्याप का 'नड, भया है।

## अनुसूची

मकान वार्ड न० 8, मिल रोड, बसौदा, जिला विदिशा मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल गक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

दिनांक - 5-10-1984 मोहर : अरूप आइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज , भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर, 1984

निर्वेश सं० आई० ए० मीं०/अर्जन/भोपाल/5204---अतः, मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समंत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्यु० पा० मकान नं० 123 (प्लाट हैं, तथा जो द्रविड नगर, सुखनिवास रोड, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक फरवरी, 1984

को पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की गायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :---  श्रीमती विमला देवी, पित श्री रमेशकुमार अग्नवाल निवासी—132, ट्रविड नगर, कालोनी इन्दौर मध्य प्रदेश।

(अन्सरक)

2. श्री विमलचन्द जैन पिता श्री बंसीलाल जैन, निवासी मकान नं० 543, सुदामा नगर, इन्दौर , मध्य प्रदेश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकों गें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### जन संपर्ध

प्लाट पर बना हुआ मकान 123 है जो द्रविष्ठ नगर, सुखनिवास रोष्ठ, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सहयापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांश : 5-10-1984

मोहर

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्श्वास्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5205--अतः मुझे वीरेन्द्र भुमार बरनवाल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक हैं

और जिसकी सं क्युनिसिपैल्टी, मकान नं क 17/2, व नया नं क 236 है, तथा जो प्रिन्स यणवंत रोड, इन्सौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय इन्दीर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितयो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

जतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की रपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :----

(1) श्रं(सूर्य कुमार पिता श्रं/मातेण्डरावर्ज/चौधरी,

- (2) श्रोदोप कुमार पिताश्री डा० सूर्य कुमार चौ दोनों निवासी 17/2, प्रिस यशवंत रोड, इन्दौर, म० प्र०
- (3) श्रीमती आभा पति श्री मधुसूदन जी, निवासी मक्षान नं० 36, साजन, नगर, इन्दौर, म० प्र०

(अन्तरकः)

2. श्री कस्तुरीलाल पिता श्रीः भागमलजी गम्भीरः, निवासी मकान नं० 4/2, नाथं राजमोहल इन्दौर, म० प्र०

(अन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकरी।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

म्युनिसिपास्टी मकान नं० 17/2, एवं नया नं० 236, है, जो प्रिस थशवंत रोड, इन्दौर, म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है क्या अन्तरिती द्वारा सत्यापित विधा गया है।

र्वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 5-10-1984 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीय स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर मायुक्त (निरीक्षण) भोपाल, दिनाक 5 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5206---अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करण है कि रथावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

और जिसकी संबद्धकान के साथ मकान नंव 40 है, तथा जो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अजिकार। के कार्यालय देवास में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधिन फरवरी, 1984

को पूर्वेक्त संपर्तित के सचित याजार मून्य से कम के दश्यमान श्रीतफाल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एंसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिक कप से किश्त नहीं किया प्रशाह :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबतु, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समित्व में कभी करने या उससे अधन में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--  प्रीतम सिंह पिता श्री मोहन सिंह पंजाबी, निवासी देवास, म० प्र०

(अन्तरक)

2. श्री आशारामणी पिताश्री नाथूलालणि शर्मा, निवासी देवास, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्र्येप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख भें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्साक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिशाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय से विसा गया हैं।

#### वन्स्ची

दुकान के साथ मकान नं० 40 है, जो विजया रोड, भवानी सागर, देवास में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिति द्वारा सस्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-10-1984

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व '1) के अधीन सुभना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/म्रर्जन/भोपाल/5208—म्प्रतः मृभ्रे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं भकान नं 744 है, तथा जो सदर बाजा, मनावर, में स्थत है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मनावर (जिला धार) में रिजस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के रहयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वो क्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसने दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निलित में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अम्बरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कशी करने या उससे वचने में सुविधा के निल् और/या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, कियाने में स्वित्या के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

1. श्रो सोताराम पिता श्रो नारायणजी प्रग्रवाल, महाजन, निवासी मनावर जिला धार, म० प्र०

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) निसार मोहम्मद, पिता श्री मुनीर मोहम्मद
  - (2) श्रा वजोर मोहम्मद पिता श्री वली मोहम्मद, दोनों निवासा मनावर जिला धार म० प्र०

(भ्रन्तरितो)

को यह स्पना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 744, है, जो सदर बाजार, मनावर जिला धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्रकु मार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल

दिनांक 5-10-1984 मोहार : प्रकार हाई. टी. एन. एस. - - - -

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महापक आयकर आयक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3,भोषाल भौषाल, दिनांछ 5 अक्तूबर, 1984

रिवर्देश सं ० ८।ई० ए० सी०/अर्जन/भाषाल/5207—अतः मुझे वीरेन्द्र कमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिल्की संब दु उन के नाथ महान नंव 40 है, तथा जा विक्रमा रोड, भावाकी नागर, एरिया, देवास में स्थित है (और इ से नगार अपूर्वा में अपेर जो पूर्ण स्प से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता जिल परी के अधिन देवान में रिकस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 म 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार अस्य से कम के शरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, जसके देश्यमान प्रतिफल सं, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतीरितिया) के बाच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिशत उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वायत, उक्त निभिन्नम के नभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; शरि/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना छाडिए था, छिपाने में सुविधा अं लिए;

नतः अब, उचल अर्थिनयम, की धारा 269-म के नन्सरम में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (!) के अभीन, निभ्नलिकित व्यक्तियों, नुषीत् ह

- श्रीप्रीतमसिंहिपता श्री मोहनिसिंह पंजाबी निवासी भावानी सागर एरिया, देवास म०प्र० (अन्तरक्)
- श्री हरीशिंकर पिता श्री आसाराम जी शर्मा, निवासी 16, विकम मार्ग, देवास म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सृष्यना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या ततस्म्बन्धी अयिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से कियी व्यक्ति प्रवास
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए मा सकर्ग।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

दुकान के साथ मकान नं० 40, है, जो विजया रोड, भवानी सागर, एरिया, देवास में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित कियागय है।

वीरेन्द्र कुमार बग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 5-10-1984 **माहर**ा

## प्ररूप बार्च टी एन. एस -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कायाज्य सहायक आग्रक काग्रक (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज भोषाल भोषाल, दिनाक 5 श्रक्तुबर, 1984

निर्देश स० ग्रार्ड० ए० मी०/धर्जन/भोपाल/5209-- ग्रत मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा ?69-क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का रारण है कि स्थापर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु में अधिक है

ग्रीर जिसका सं० प्लाट नं० 46 है, तथा जो कैलाग पार्क कालोना इन्दौर में स्थित है (ग्रीर समे उपाबद्ध ग्रनुसूध। में ग्रीर जो पूर्ण ऋप में विणित हैं) रिजस्ट्राकर्ता ग्रधकार। के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्राकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रशीन दिनाक फरवरा, 1984

का प्राप्ति सम्पन्ति क उचित बाजार मृत्य स कम के रश्यमान प्रतिपन के लिए अन्तरित को गर्द है और स्था यह विश्वास परने का वारण है कि यथापानिया सम्पत्ति का उचित बाजार मन्य. उसके क्रयमान प्रतिफल स, एसे रश्यमान प्रतिफल का शब्ह प्रतिश्वत से बिधक है बीर अंतरक (अंतरकों) नौर अंतरिती (अर्तिरितिया) क बीच एस अन्तरण क लिए तय पाशा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण सं हुई किसी जाब की बाबत, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उसमे बचन में मृतिधा के लिए, और/या
- (ज) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वन अधिनयम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अध र राजिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 36--326 GI 84

- 1 (1) श्रीमती मोहन देवी पनि श्री मोहनलाल मोटाबानी,
  - (2) श्रोमती णकुन्तला देवी पति श्री मोहनलाल माटोबाल, दोनो निवासी 107, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर, म० प्र०

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्रामता राजरानी पतिश्री सत्यपाल डावर,
  - (2) श्री मुरेण पिता श्री सत्यपाल डाबर,
  - (3) श्री अजय पिता श्रा मध्यपाल डाबर,
     सभी निवासी मकान न० 12/2.
     साउथ तुक्तीगज, इन्दौर म प्र०

(भ्रन्तरितः)

**को यह मूच**ना जारा। करवे। । जाश्रामणील के गर्जे । शासिस कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृष्टिक व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति इवारा.
- (था) इस स्थाना की राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी की पार्वित में किए जा सकींगे।

स्पक्तीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसची

प्लाट न० 46, है, जो कैलाश पार्क कालाना, इन्दोर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्बात्त किसका विवरणः। फार्मश्र न० 37-जी मे निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

> त्रोरेन्द्र कुम्परं बरनवाल सक्षम प्राधिकारः सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजंन रेज, भोपाल

तारीख 5-10-1984 मोहर

## प्रसम् सरहै. टी एन एड.---

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्रा २६७-६ ।) के अधीन स्चना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5210——ग्रत. मुझे बोरेन्द्रकुमार बरनवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधिन रक्षये अधिकार, का, पर अक्षय अधिक का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रहे. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० म्युनिसपैलिटी मकान न० 171, व नया नं० 90 है, तथा जो जयरामपुर कालोना, इन्दौर में। स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्चा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारा के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्राकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक फरवरी 1984

का पूर्विति संपत्ति के उचित बाजार मुख्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि संधापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निकार निका

- (क) बन्तरथ सहाधी किसी आय की बाबस, उक्स मधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क बाबित्य में कामी करन या उसमें क्याने में सिंगिश क लिए. बार/बा
- (ए) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विकास नाम चाहिए था, छिपाने में संविधा के निष्

बरा. मंक, उक्त अधिनियम का धारा 260 ना क जन्मरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269 ना उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ं—  श्री मुरलोधर पिता श्री लालचन्दजी, निवासी जयरामपुर कालोनी, मकान नं० 105, इन्दौर, म० प्र०

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री लक्ष्मणदास,
  - (2) श्री जैठानन्द
  - (3) श्री महेशकुमार पिता श्री लालचन्द जी, निवासी मकान नं 90, जयरामपुर कालोनी, इन्दौर, मर्गप्र

(भ्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवक्ति सम्पत्ति के अर्घन के जिल् कायवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वासप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मा से कि की व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीक के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हित बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

न्यव्यक्तिककाः — इसमें प्रयुक्त कल्यों और पदांका, कां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 का में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

#### वन्स्यी

म्युनिसिपैस्टो मकान नं० 171, व नया न० 90 है, जो जयरामपुर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है सथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

**सारीख**: 5-10-1984

मोहर.

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) क सधीन श्यना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर, 1984 निर्वेश स० आर्ड० एसी०/अर्जन/भोपाल/5211—स्अतः े वेरेन्द्र कराहर करानुसार

मुझे, वं रेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट न० 179 पर बने हुए भवन कमांक 105 का प्रथम मंजिल है, तथा जो जयरामपुर कालोनो इन्दौर में स्थित है (भौर इससे उपाबद नुसूचा में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकार के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवर्रा, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमाम प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया शतिकल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिश नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संधुद्धं किसी जाय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जम्मा आहिए था, कियाने में सविधा की सिए;

बत: अब, उक्त बिधिन्यम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन, लिस्निसिबित व्यक्तियों, अर्थात:--  गोभावाई पति श्रा जेठानन्दजाः, निवासः 105, जरयपामपुर कालोनः, इतौर, म० प्र०

(अन्तरक)

 श्री विरे ब्र कुमार पिता श्रा ठाकुरदास जोत. निवासी 90, जयरामपुर कालोनो, इन्दौर, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पृथोंकत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पान्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकागः

स्पर्धाकरणः ----इसमें अयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रीरभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

#### मन्स्ची

है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-ओं में निहिंत है तथा अन्सरितं। द्वारा सत्यापितं किया गया है । बोरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायग आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपास

दिनांक 5-10-1984 मोहर

## प्रका आहे. ही. एव. एइ.

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (;) के क्यीन क्यांग

#### भारत् सरकार

कार्यानय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल भोपाल, दिनांक 5 अक्तूबर, 1984 निदेशस० आई० ए० सो० /अर्जन/भोपाल/5212— अत: मुझ वोरेन्द्र कुमार बरनवाल

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मूस्य 25 000/रा. से मिथक है

ग्रीर जिसको सं ॰ प्लाट नम्बर 179 पर बने हुए भवन, कमाक 105 का भाग है, तथा जो जयरामपुर कालोनी, इन्दीर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूच, में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दीर में रजिस्ट्राकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अर्थान क्लिक्ष फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया पया प्रतिकल निम्नसिचित उच्चेत्य से उक्त बन्तरण किचित वे बास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है:-~

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उच्छ विधिनियम के बचीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुमिधा के सिए; शहर/वा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिल्हें भारतीय जायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम 1927 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा किया वाना वाहिए था, खिपाने में स्विका के लिए;

नतः नवः, उन्तं निधिनयमः, की धारा 269-व के नन्सरण मः, मः, उन्तं अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीनः, निमनलिखित व्यक्तियों, नवात् :--- 1 श्रोमती शान्तिबाई पति श्रो मुरलाधर, निवासी 105. जयरामपुर कालोना, इस्दौर, म० प्रवा

(अतरक)

2 श्रोमता मुशोलाबाई पति श्रा ठाकुरदासजा, निवासी 90, जयरामपुर कालोना, इन्दौर, म० प्र०।

(अ नरिनो)

का यह सूचना चारी करके प्रॉक्त सपित के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त कम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में ब्योर्ड भी बाबोर्:--

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन की अनिधिया तरसबधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की बवधि वो भी बच्छीत नात के सक्तारत होती हां, के भीतर प्रवासित व्यक्तियां ने संकिसी व्यक्ति हुवाहा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की दारीब में 45 विम के भीतर जनते स्थायर संपत्ति में हितबत्य किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहम्ताक्षरी के पास तिविक्ष में किए वा सकींगे।

स्पक्कीकरण:---इसमं प्रवृक्त अब्दों और पर्योका, आंउत्स अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>7</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा क्या है।

#### गन्युपी

प्लाट न० 179 पर बने हुए भवन कमा है 105 का भाग है जो जयरामपुर कालोनों, इन्दोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिल्लका विवरण फार्म न० 37-जा में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वारेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) ज्ञजंन रेज, भोपास

नाराखाः 5-10-1984 मोह्रा प्ररूप आहूं. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत बरकार

कार्यांस्य, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल , दिनांकः 5 अक्तूबर, 1984 निर्देश सं० आई० ए० सं०/अर्जन/भोपाल/5213---अतः, मुझ, बं रे द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० म्युनिसिपिलटी मकान न० 90 का हिस्स है, नथा जो जयरामपुर झालोन, इंन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचा में ग्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रजिस्ट्रे कर्ता अधिकारी कों आर्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रें करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन बिनांक फरवरा, 1984

को प्वॉक्स संस्पित्स के उणित साजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए जन्सरित की गई हैं और मूझे यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्स संपत्ति का उणित बाखार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिचत से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तिरती (बन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्नितिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी नाय की बावत उचत अधि-नियम के अधीन कुर को के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससं अधने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

कतः अकः, उक्तः मधिनियमः, की धारा 269-गंके बन्सरण गें, में. उक्ते अधिनियमंकी धारा 269-गंकी उपधारा (1) के अधीग, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात् :—- श श्रा ठाकुरवास पिता श्री लाल चन्द जी, निवासा मकान नम्बर, 105, जयरामपुर कालोनी, इन्दौर म० प्र०

(अंतरक)

- 2. (1) श्री लक्ष्मण दास
  - (2) श्री जेठानस्व
  - (3) श्रा महेश कुमार पिता श्रो लाल चन्द जी निवासा मकान नं० 90 जयरामपुर कालोना, इस्वीर म० प्र०

(अन्तरितः)

को यह स्थाना जारी करक पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं. 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्तिन में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनयम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा जवा हैं।

#### अनुसूर्याः

म्युनिसिपिषिटो मकान न० 90 का भाग है, जो जयरामपुर कालोनी, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्यत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जो में निहित्त है तथा अन्तिश्ति। बारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेग्द्र कुमार बरनजाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दलांक : 5-10-1984

प्ररूप आहा. टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनाक 5 ग्रम्सूबर 1984 मिदेश स० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5214—-ग्रत मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 99-100 पर बना हुआ दो मंजिला मकान है तथा जो तिलक नगर, इन्दौर मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची मे और पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर मे रजिस्ट्रीकरण अधियम, 1984,

(1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1984, को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्युष्टेश्य से उक्त अन्तरण

लिशित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बाबूलाल पिता श्री दगडुलालजी दिधवी, निवासी---337, तिलक नगर, इन्दौर म० प्र०

(मन्तरक)

 (2) श्री प्रर्जुन सिंह पिता केशर सिंह चौहान, निवासी—11/2/2, मंबिद नगर, इन्दौर म० प्र०

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ृृृ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### जन्स्ची

प्लाट नं० 99-100 पर बना हुम्रा दो मंजिला मकान जो तिलक नगर, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा भन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीकी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोझी बिस्डिंग, चौषी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल ।

दिनाक 5-10-1984 मोहर प्ररूप आहे. ट. एन. एस. - - ---

# मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज भोपाल भोपाल, दिनांक 9 श्रक्ष्मर 1984 निदेश स० श्चाई० ए, सी०/श्चर्जन/भोपाल/5215—श्वतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान जिसका एरिया 75 30 स्क्वायर मीटर है, तथा जो रामपुरा वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाब्द्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी, 1984.

की पूर्वोक्य सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल में उक्त पन्तरण जिक्ति में जम्मीन हुए से अक्त पन्तरण जिक्ति में जम्मीन हुए से अक्त पन्तरण जिक्ति में जम्मीन हुए से किया गया है:---

- (क) अन्तरण म हुंई किसी आय की बाबत उपत आध-तियम के अभीन अप दोन के अन्तरक के इधितद का कमी करने या उससे बचने म सृविधा के लिए, गर या
- 'प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1022 (1022 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गाना चाहिए था छिएन पा संविधा के लिए.

श्वर अज्ञ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग में असमरण मी, मी, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, (1) श्री प्रेमनारायण पिता श्री सुन्दरलाल, निवासीं—रामपुरा वार्ड, सागर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गीताबाई पति श्री मनोहरलाल तिवारी, निवासी—रामपुरा वार्ड, मागर म० प्र०।

(बन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वाना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (स) इस सूचना के राजपश मा प्रकाशन की सारीस पे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी व पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

## नगृत्वी

मकान जो रामपुरा वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी मे निहित है तथा भ्रम्मरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल गगोत्नी बिल्डिंग, चौधी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल।

विनाक 9-10-1984 क्षेत्रक

प्ररूप बाहरे. ही. एतं. एसं.-----

भायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्रस्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 ग्रक्ष्तूबर 1984

निवेश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5216—श्रत मझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आययार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000 - रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान एरिया 28.70 स्क्वायर मीटर है, तथा जो रामपुरा वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

कां पृत्रोंकत सपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृत्रोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय वाया गवा पितफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण स हुइ किती नाम की नाम कर उसल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे वचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (स) एरेसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों को, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था. स्थिपाने में सुविधा के लिए;
- अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भं, ग्रें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री प्रेमनारायण पिता श्री सुन्दरलाल सिवारी, निवासी----रामपुरा वार्ड. सागर म० प्र०। (श्रन्तरक)
- (2) संजय (नाबालिंग)
  पिता श्री मनोहरलाल तिवारी,
  निधासी—रामपुरा वार्ड
  मागर म० प्र०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति क अर्जन क सबध म काई भी बाक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की नाराध्य स 45 दिन की अवधि या प्रत्सेवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजंपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भींतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों की पास लिखित में किए जा सकती।

स्पर्वतिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्छे जिभिनियम के अध्याय 20-क न परिभाकित हैं, वहीं नर्भ होगा. जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

## नन्त्र्ची

मकान जिसका एरिया 28 70 स्क्वायर मीटर है जो रामपुरा वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सन्यापित किया गया है ।

> वीरेस्द्र कुमार घरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक प्रायकर प्रायकन प्रजीन रेज, भोपाल) गंगोती विल्डिंग, चौथी मजिल टो० टा० नगर, भोषाल।

दिसांक . 9-10-1984

## प्र**क्ष्य आर्च . टी . एम् . एस्** . प्रत्य-प्य-प्रत्य-प्य-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-प्रत्य-

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासया, सहायक जायकर जायुक्त (निर्शक्षक)

अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5217—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी स० मकान एरिया 28.70 स्क्वायर मीटर है, तथा जो रामपुरा वार्ड, सागर में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनु-सूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाव की वावतः, उपनत वीधनियम के वधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; वॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सविधा के लिए;

(1) श्री प्रेम नारायण पिता श्री सुन्दरलाल तिवारी, निवासी—-रामपुरा वार्ड, सागर म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्री आनन्द (नाबालिम)
पिता श्री मनोहरलाल तिवारी,
निवासी—रामपुरा वार्ड,
सागर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां कारता हुं।

उन्त बम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी व्यक्तियाँ में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उसस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## नगुस्यी

मकान एरिया 28.70 स्म्बायर मीटर है जो रामपुरा वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म सं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेन रेंज, भोपाल गगोत्री बिल्डिंग, **चौ**थी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनां कः 9-10-1984

मोहर ः

प्रकृप आर्ड .टी. एन . एस . ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० ग्रई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5218—श्रतः मृक्षे, वीरेन्द्र कुमार सरनवाल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो नरयावली नाका वार्ड, सागर में स्थित है (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सब्द्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कबी करने या उदसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भग या अन्य आस्तियों का, विक्ते भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गुया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के किए;

ं बतः वंत, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण की. मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) 1. श्री शालिगराम पिता श्री बैनीप्रसाद,
 2. श्री बिहारीलाल पिता श्री रामरतन,
 3. श्री रामरतन पिता श्री शिवचरण,
 सभी निवासी—नरयावली नाका वार्ड,

सागर म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री गया प्रसाद पिता श्री पन्नालाल श्रग्रवाल निवासी—नरयावली नाका वार्ड, सागर म० प्र०

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया है।

#### अनुसूची

मकान, नरायत्रली नाका बार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सन्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायका श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिह्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

विनांक : 9-10-1984

प्रक्रम बाई. टी. एन. एस. - - - ---

शायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के सभीन सुचना

#### भारत चत्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 प्रकट्बर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/धर्जन भोपाल/5219—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या मकान है, तथा जो नरयावली नाका वार्ड, सागर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सागर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिमांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण लिचित वा वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है हैं —

- (क) जन्तरम से हुई किसी बाद की दावरा, अवस विधिनियस को जभीन कर दोने के जन्तरक को दायित्व में कसी करने वा उससे दचने में सविधा के जिए वरि/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के बिए;

जतः जज, उत्तर अभिनियम की भारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियें अथात् :---

- (1) 1. श्री शालिगराम पिता श्री बैनीप्रसाद,
   2. श्री बिहारीलाल पिता श्री रामरतन,
   3. श्री रामरतन पिता श्री शिवचरण,
  - 3. श्री रामरतन पिता श्री शिवचरण, सभी निवासी—नरयावली नाका वार्ड, सागर, म० प्र०।

(मन्तरक)

(2) श्री रवीशंकर पिता श्री गयाप्रसाद, निवासी—नरयावली नाका वार्ष, सागर, म० प्र०।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्म से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन के भीत,र उक्त स्थावर सम्परित में हित-वृष किसी जन्य व्यक्ति दुवारा जभोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए का सकेंगे।

स्थव्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उर्वत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

### अनुसूची

मकान जो नरयावली नाका बार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त भ्रजन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, शौषी मंजिल ठीं० ठीं० नगर, भोपाल

दिनांक ' 9-10-1984' मोहर ब्रक्प बाइ. टी. एन. एस.:-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अधीन सुसना

### शारत करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 9 श्रमतुबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5220—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो नरयावली नाका, वार्ड, सागर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसूची मे स्रीर पूर्ण के रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सागर मे रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, विनांक फरवरी. 1984

की पूर्वोक्त सम्मित्त के उत्वित बाजार मुख्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उवित बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है के—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाव को बाबत उन्त अधि-विवस की जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में क्षती करने वा उन्ते बचने में सुनिधा के सिए; बीर/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अस्य वास्तियों की, चिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धव-कर विधिनियम, या धव-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा की विद्

असः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्स अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, विकासितिक व्यक्तिवाँ, जर्मात् हि—

- (1) 1. श्री शालिगराम पिता श्री बैनीप्रसाद,
  - 2. श्री बिहारीलाल पिता श्री रामरतन,
  - 3 श्री रामरतन पिता श्री शिवचरण, सभी निवासी—नरयावली नाका वार्ड, सागर, म०प्र० (श्रस्तरक)
- (2) श्री मुझालाल पिता श्री गया प्रसाद, निवासी—नरयावली नाका वार्ड, सागर, म० प्र०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेष उ--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीज सें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए आ सकोंगे।

स्पन्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

मकान, जो नरयावली नाका वार्ड, सागर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायका श्रर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, वौथी मंजिस टीं० टीं० नगर, भोपास

दिसांक : 9-10-1984

मोहर

प्रकथ जाई. टी. इन्. १व .-----

भागकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यात्व, सञ्चायक भायकार नायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5221—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात 'छक्त निधीनयम' कहा गया हैं), को धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 75.000/- रह. से नधिक हैं

पौर जिसकी सं० एक मंजिला मकान, प्लाट नं० 215/1, मकान मं० 4/6, ब्लाक नं० 12 है, तथा जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड, ब्योहरबाग, जबलपुर मे स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची भें ग्रीर पूर्ण के रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर मे रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाब की शबक, डेक्स जीभीनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के सिए; बीट्र/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तिनों को जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) ने प्रस्तेनार्थ जन्दिरती न्वारा प्रकट नहीं जिला गया था या किया जाना चाहिए था, स्थितने में नृतिका के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरग मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः--- (1) श्रीमती रीटा डिसूजा पत्नि श्री श्रम्थोनी डि मिवासी सेण्ट्रल जेस लाइन, सिविल लाइन, जबलपुर, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती शारवादेवी पत्नि श्री श्रवधनारायण तुवे, निवासी-सकान नं० 215/1-ए, श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड, ब्योहार बाग, पेंट्रोल पम्प के पास घमापुर, जबलपुर म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्यॉन्त संपरित के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

बनत् सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रीय:--

- (क) इब् स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिवं की जबीध वा तत्वस्थान्त्री स्थापतमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधिः, को भी ववधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थापत ह्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्मत्ति में हितवह्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास लिकित में जिए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## ननुष्यी

एक मंजिला मकान, प्लाट मं० 4/6, मकान नं० 215/1-ए, ब्लाक नं० 12, है जो क्यामात्रसाव मुखर्जी वार्ड, ब्योहारबाग पेट्रोल पम्प के पास, धमापुर, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है त । प्रान्तरिती , द्वारा मत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमारबरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजंन रज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल, टी०टी०नगर,भोपाल

विनोक : 9-10-1984

ब्रुक्य बाह्र . टी. एन्. एस. ----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5222--ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रजिधकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्षि, जिस्का उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 701, 701/2 नाजूल ब्लाक नं 3, तथा प्लाट नं 66 है, तथा जो दीक्षितपुरा, पूर्वी निमाइगंज, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक फरवरी, 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नित्वित उद्देश्यों से उक्त बन्तरण निचित व वास्तिवा के बास्तिक स्थ से कृष्यित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तुहुण चे हुद्द किसी थाय की बाब्तु, उक्त बिधिनियम के बधीन कर बोने के बन्तरक के दायित्व मो कभी करने या उच्छी बचने मो सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब् उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तिकार्यों, अधीन क्ष---- (1) श्री महेशचन्द तिवारी पिता श्री (स्व०) हरशरण तिवारी, निवासी----711, पूर्वी निमाङ्गंज, जबलपुर म० प्र० ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जगवीश प्रसाद पिता श्री रामवास साह निवासी—जघराजी जबलपुर म० प्र० । 2. श्रीमती भाषाधाई पति श्री मूरतलाल साह, निवासी—कुडम, जबलपुर म० प्र० ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के कर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की जबिंध, जो भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक को 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवकुथ किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

रपध्यकिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उद्यक्त विभिन्नियम के अध्यास 20-के में पीरभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस ज्थ्यास में दिया प्या हैं 'हें

## वप्युच

मकान नं० 701, 701/1, 711/2, है जो दीक्षितपुरा, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेण्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षी) प्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोक्षी विल्डिंग जीवी मंजिल टी॰ टी॰ नगर, भोपाल

दिनांक : 9-10-1984

मोहर

## अस्य अरही, डी. पुन. पुन. 😇 - - ----

## बायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के नभीत स्वता

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 प्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सीं०/म्रर्जन/भोपाल/5223—म्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 2/69-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० सकान का भाग जिसका नं० 281, 281/1 एवं 281/22 है, तथा जो गोरखपुर (नया नेपियर टाउन) जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

- को पूर्वीक्त सम्पर्िक के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान अन्सरित प्रतिफल के की लिए गहु-यह विष्वास करने कारण कि यथाप्यों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक **है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अ**न्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किए। जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के शिए।

अतः अब, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियमं की भग्रा 269-थ की संपंधारा (1) के अभीन निभनमिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट (1) 1. श्री रंजीत सिंह,
2. श्री इकबाल सिंह,
3. पिता श्री (स्व०) ग्रमीर सिंह,
दोनों निवासी—20—क्लर्कस टाउन, जबलपुर म० प्र०।

(धन्तरक)

(2) श्री किशोर कुमार पिता श्री दिवान वन्दे जी, विवासी—735, महाताल, जबलपूर म० प्र०।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत स्थितियाँ में से किसी स्थिति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्यारा भधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे !

स्थव्यक्तिरण --- इसमें प्रयुक्त करों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पौरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुसूची

मकान का भाग जिसका नं० 281, 281/1 व 281/22 है जो गोरखपुर, (तया नेपियर टाउन) जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर प्रायुक्त (निरीक्षी) स्र्जन रेज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, **भौधी** मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल ।

विनोक : 9-10-19**84** 

प्रारत्य मार्चे टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5224—प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान का भाग नं० 281, 281/1 से 281/22 है, तथा जो गोरखपुर (नया नेपियर टाउन वार्ड) जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबक्ष अनुसूची में और पूर्ण के रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की वायत, उक्त अधिनियभ के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; औरं/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में छक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, जबाँत :—

(1) 1 श्री रंजीत सिंह पिता श्री ग्रमीर सिंह, 2 श्री इकबाल सिंह पिता श्री ग्रमीर सिंह, सभी निवासी—20-क्लर्कस टाउन, जबलपुर, म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ध्रशोक कुमार पिता श्री विवानचन्दजी, निवासी---735, मढ़ाताल, जबलपुर म० प्र०

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त घट्यों और पर्यों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

मकान का भाग जिसका नं० 281, 281/1 से 281/22 है है जो गोरखपुर (नया नेपियर टाउन वार्ड) अबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहिंत है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन रेंज, भोपाल गंगोन्नी बिल्डिंग, चौथी मंजिल टीं० टीं० नगर, भोपाल

विनांक : 9-10-1984

रक्ष काइँ.टी.एन.एस -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1984

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/5225—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 1027, एन० बी० नं० 5, शीट नं० 5, खसरा नं० 88/1 है, तथा जो नरसिंह वार्ड, नागपुर रोड, जबलपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरो, 1984,

को प्रचेक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान कितक के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्येंक्ति संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (वृत्वरितियाँ) के बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निल्खित उद्दश्य से उक्त अन्तर्थ निमित्त के बाक्तिक के

- (%) अन्तरण में हुई किसी आप की बासत, उक्त अधिनियम के बचीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सविधा जे निया, शीय/का
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कैं अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 38—336 GI/ (1) श्री राजपाल सिंह पिता श्री कहान सिंह,
 निवासी—1204/बी, मदन लाल महल,
 जबलपुर, म० प्र० ।

(भ्रन्तरिती)

(2) श्रीमती तारा पति श्री मंगलदास, नियासी—मकान नं० 1112/23, मदनमहल, जबलपूर, म० प्र०।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सं लेशी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्म के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं 1027 है जो नरसिंह वार्ड, नागपुर रोड, जबलपुर, एन बी वनं 5 शीट नं 5, खसरा नं 88/1, है जो जबलपुर में स्थित है । यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है ।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनोंक : 9--10--1984

प्रेम्प बार्ड टी एन एस नेन ------

वायकार वाधितनयम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के अभीत सुणना

भारत सरकार

क्रायांलय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनातः 9 अक्तूबर 1984

निदेश स० आई० ए० सा०/अर्जन/भाषाल/5226---अत मुझे, वारेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उप्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह जिस्सास करने का का ला तो कि स्थापर सम्मति किम्पन उच्चित बाजार मृत्य के 166 के स अधिक हैं

ग्रीर जिसक स० महान हा भाग जिसका न० 1028/20, है, तथा जो नरिनह आई, नागपुर राड जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबर श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है) रिजस्ट्र कार्त अधिकार वे कार्यालय जरलपुर में रिजस्ट्र करण अधिनियम, 1908 (1908 का 1८) के अधान, दिनाक फरवरे, 1984, की पृथिकत संपर्ति के उश्वित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान एतियाल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास अरन का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रसक्त का अधिक का प्रतिकाल का उश्वित बाजार प्रतिकाल का उश्वित बाजार पर्म दश्यमान प्रतिकाल का प्रतिकाल में अधिक ही और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एम अन्तरण के लिए तथ प्रया गरा प्रतिकाल, निम्नितिकाल उश्वित्य में उक्त अन्तरण निम्नितिकाल पर्म अन्तरण के लिए तथ प्रया गरा प्रतिकाल, निम्नितिकाल उश्वित्य में उक्त अन्तरण निम्नितिकाल अधित नद्वी किया गया है ——

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अम्तरक के बायित्व दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृबिधा के लिए, और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्निया का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सुविधा के निए,

क्षत अब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण । , , , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) (शोव निम्निनित्तित व्यक्तियों अर्थात् :---- (1) श्रा राजपाल मिह पिता श्रा कहान मिह, निवासा----1204/बा, मदनमहुल, जबलपुर म० प्र०।

(अन्तरक)

(2) श्रा मगलदाम छावडा, निवास(---1113/23 मदन महल, अबलपुर म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जा के लिए कार्यवाहिया करना है।

## उपरा सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में भोड़े भी लाहाप

- (क) इस मृथना के राजपत्र मां क्रांशन की तार्गाल म 45 दिन की अंत्रील या तत्मवधी व्यक्तिय ५७ सूचना की तामील से 30 दिन को अविश्व, जा भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थितित वेशासा, उपाहस्ताक्षणी व्य वास जिल्ला मा जिल्ला सारकोंगा।

स्पब्धीकरणः ---- इसम प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मो परिशायित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गग हैं।

#### नग्सची

मकान का भाग जिसका न० 1028/2-ए, जो नरसिंह वार्ड, नागपुर राड, जबलपुर में स्थित है यह उह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37-जी में निहित है तथा अन्तरितः द्वारा मत्या-पित किया गया है ।

> वारेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) छर्जन रेज, भोषाल गगोत्रा बिल्डिंग, चौथा मजिल, टा०टा०नगर,भोषाल

दिनोंक : 9-10-1984

#187 1

प्रकृष काइ', टी एन. एस.-----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के नधीन सुवना

#### भारत गरकार

## कार्णसय, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्तज) अर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल दिनांव 9 अन्त्वर 1984

निदेश मं० आई० ए० सः०/अर्जन/भोपाल/5227---अतः मुझे, वःरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २69 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका संव मकान का भाग नव 379 व 380 है, तथा जो नेपियर जाउन, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूचा में श्रीर पूर्ण के रूप स वणित है) राजस्ट्राक्त अधिकार के कार्यालय जवलपुर में राजस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, दिनाक फरवरा 1984,

का पर्वावित सम्पत्ति क उचित्र वाजार मन्य स कम के रध्यमान प्रतिकान के लिए जन्तरित को गई है और मूझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य., उसक रूपमान प्रतिकाल स, ऐस रव्यमान प्रतिकाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया। गतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिक ७५ से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे बचन में सृविधा क लिए, और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुमरण मं, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :— (1) कुमारा आर० डा० वर्षा पुत्रा था डा० एम० वरुचा, निवास:—379, निषयर टाउन, जबलपुर म० प्र**०**।

(जन्तरक)

(2) भारत में यूनाइटेड पोण्टाकोश्टल वर्च द्वारा अधाक्षक मार्फत श्रा पो० टिमोरवाय कार्यकारा मण्डल जबलपूर म० प्र० ।

(अन्तरितः)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त मपत्लि के अर्जन के सबंध में काई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकारी।

स्थष्टीकरणः ----इसमा प्रयुक्त शब्दी आर्थ क्यों का, आं उपता विभिन्नियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ बागा को उस अभ्याद प्रविद्या क्या है।

### अन्स्पी

मकान का भाग नं 379 व 380 है जो नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जा में निहित है तथा अन्तरियो द्वारा मत्यािः किया गया है ।

> बारेन्द्र कुमार बरनवाल गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, चौथी मजिल टा० टा० नगर, भोपोल

दिनाक : 9-10-1984

प्ररूप बाह्र : टी. एन. एस., - - -

# माय्कर मिथ्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 मृ(1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 क्अतूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सा०/अर्जन/भोपाल/5228----अतः मुझे वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको स० मकान का भाग जिसका नं० 379 व 380 है तथा जो नेपियर टाउन जबनपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है) र जिस्ट्रोक्तर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में र जिस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्थान दिनाक फरवरी 1984

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान भितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों करें जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान से सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के क्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः— (1) कुमारो डार० डी० बरुचा पुत्नी श्री डी० एन० वरुचा. नियासी—379 नेपियर टाउन जबलपुर म० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजय लक्ष्मी मुक्ला पति श्री डो० के० मुक्ला निवासी---नेपियर टाउन, जबलपुर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील में 30 दिन की अमिप्र, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वार.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रषष्ट्रीकरण :--इममी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां **उक्त** अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### ## B #

मकान का भाग जिसका नं० 379 व 380 है जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सस्या-पिक्ष किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज,॰ भोपाल गंगोत्री बिल्डिंग, चौषी मंजिल टी०टी. नगर, भोपाल

दिनांक : 9-10-1984

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की; भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5229--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 - रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं मकान का भाग न० 379 व 380 है, तथा जो नेपियर टाउन, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में भीर पूर्ण के रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान, विनांक फरवर्र, 1984,

का पूर्वीक्षत सम्पत्ति के उण्यत काजार मृत्य में कम के रश्यभान प्रतिफल के लिए अतिरित्त की गई है और मुक्ते यह विक्राग्य करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यभान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से करियद महाँ किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुद्दं किसी थाय की बावस, उत्तर अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्ज प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिया, अर्थात्:—

- (1) कुमारा आर० डाँ० बरुचा पिता श्रां डाँ० एन० बरुचा, नियासो--- 379, नेपियर टाउन, जबलपुर म० प्र० (अन्तरक)
- (2) 1. मान्ती देवी पति श्री शिवकुमार गुप्ता,
  - 2. मोना गुप्ता पति श्रो विनय कुमार गुप्ता,
  - 3. सुनोता गुप्ता पति श्री अनिल गुप्ता,
  - 4. स्वर्णता राय पति श्री मिहिलाल राय, सभी निवासी--नेपियर टाउन, जबलपुर म० प्र०

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोइ" भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, पो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति इंबार;
- (क्र) इ.स. सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मा हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिश में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयूवत शब्दां और पदों का, जो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया ही।

## जन्स् औ

मकान का भाग जिसका नं० 379 व 380 है, नेपियर टाउन जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है। तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज, भोपाल गंगोली बिल्डिंग, भौर्या मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिसांकः : 9-10-1984

मोहर 🖫

प्ररूप बार्षं.टी.एन.एस.------

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सं।०/अर्जन/भोपास/5230--अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवास.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको संबुध्य मंजिला मकान नंव 6, माट नंव 31 है, तथा जो फाफडोह, रायपुर में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध अनुसूचो में भीर पूर्ण के रूप से विणित है) रिजस्ट्राकर्ता अधिकारों के कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्राकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिवाँ को जिन्हें भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:--- (1) श्रामती कमलादेवा पति श्री सेवाराम, निवासी-—बढ़ईपारा, रायपुर म० प्र० ।

(अन्तरक)

(2) श्री मूलचन्द पिता श्री बेढ़ामल सिन्धी, निवासी - बढ़ाई पारा , रायपुर म० प्र० ।

(अन्तरितंः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कावाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी अविकासों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स अविकासों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्राणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया -गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० 6 शीट नं० 31 है जो फाफाडीब्र, रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिते द्वारा सत्यापित किया गया है।

> र्वारेन्द्र कुमार बरनबाल सक्षम प्राधिकार। (निरोक्षो सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री बिल्डिंग, वौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

दिनां<del>कः 9-10-1984</del>

## प्रक्रम बाइ .टी.एन.एस ------

नायकार आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेश स० आई० ए० सी०/अधर्जन/भोपाल/5231— अतः मुझे, बोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाण 269 प के अधीन सक्षम पाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एक मंजिला मकान नं० 6 शीट नं० 31 है, तथा जो फाफाडीह, रायपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष अनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप में विजित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी से कार्यालय रायपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक फरवरो, 1984,

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रितिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लाम करने का कारण है कि मधापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे अभने में सृधिधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या फिया जाना चाहिए था, छिणाने का स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के करीन निकटिलियात व्यक्तिश्वों अर्थात —

(1) श्रीमती कमला देवी पति श्री सेवाराम, निवासी—तेलीवाड़ा , रायपुर म० प्र०.।

(अन्तम्क)

(2) श्री मूलचन्द पिता श्री बेढ़ामल सिन्धी, निवासी——वरईपादा, रायपुर म० प्र० ।

(अन्तरिती)

कै यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बंभरा सम्परित को नर्जन को सम्बन्ध में कांग्रे भी बाक्षेप:---

- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रशासन की तारीख में 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवसि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए आ सकेंगे

स्पक्तीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## वप्यूची

एक मंजिला मकान नं० 6, श्रोटनं० 31 है जो फाफाडीह रायपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका विवरण फाम न० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोत्री विल्डिंग, चौथी मंजिल, टी० टी० नगर, भोपाल

विनोक : 9-10-1984

प्ररूप बाइ .टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) से सधीन सुपना

भारत सरकार

कामसिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, चिनांक 9 अक्तूबर 1984

निदेश स० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5232-अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी स० खुनी जमीन प्लाट न० बी० 493 खसरा न० 55202, 552/3, 553 एवं 554 है, तथा जो जवाहर वार्ड, कटनी जिला जबलपुर म० प्र० में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में श्रौर पूर्ण के रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कटनी में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी, 1984,

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसि द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरच त' हुईं किसी बाय की बाबत, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; बार/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के स्थित के लिए:

वतः अब उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की वनुसरण में, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को अभीन, निस्तिविक्त कालिएगों, वर्षात :--- (1) श्री हर प्रसाद जैन पिता श्री बुद्धसेन जैन, निवासी—मालवियागंज वार्ड, कटनी म० प्र०

(अन्तरक)

(2) श्री प्रीतगदास पिता श्री सन्मुखदास सिन्धी, निवासी----बिनोबा वार्ड, कटनी, तह० मुख्यारा, जिला जबलपुर म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तरिकास से 45 दिन की अविध या तर्सकंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए था सकी।

स्पब्बिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

खुली जमीन प्लाट एन० बंा० 493, खसरा नं० 552/2, .552/3, 553 एवं 554 है जो जवाहर वार्ड, कटनी छू में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वोरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारो (निरोक्षी सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोरो बिल्डिंग, चौथो मजिल टो० टो० नगर, भोपाल

विनांक : 9-10-1984

मोडर 🛭

## प्ररूप आई.टी.एन.एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अन्त्वर 1984 निदेश सं० आर्ड० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5233—अतः

मुझें, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं खुली भूमि प्लाट नं एन बी नं 493, खसरा नं 552/2, 552/3, 553, 554 एवं 555 है, तथा जो जवाहर वार्ड, कटनी, जिला जबलपुर म प्र में स्थित है (भीर इससे उपाबब अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीक्क्ला अधिकारी के कार्यालय, कटनी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1984,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, त्रक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिसित ध्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रो हरश्रसाद जैन पिता श्रा बुद्धसैन जैन, नियासी,---मालवीय गज वार्ड, कटनी मण्डाल ।

(अन्तरक)

(2) श्रा च र्दाराम पिता श्रो सन्मुखदास सिन्धी, निवासी---विनोबा वार्ड, कटनी, मुड़वारा तहसील, जिला---जबलपुर म० प्र०।

(अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके प्लेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुलो भूमि प्लाट एन० बी० 493 खसरा नंभे 552/2, 552/3, 553, 554 एवट 555 र जो जवाहर वार्ड, कटनो, में स्थित है, जिसका विवरण फार्म न० 37—जी में निहित है तथा अन्तरिती ब्रारा सत्यापित किया गया है।

यीरेन्द्र कुमार बरनवाल , सक्षम प्राधिकारो (निरीक्षी सहायक अगयकर आयुक्त अर्जन रेंज, भोपाल) गंगोती बिल्डिंग, चौथी मंजिल टी० टी० नगर, भोपाल

दिनांक : 9-10-1984

मोहर :

39-336 G1/84

## प्रकर नाइं. टी. एन. एक. ० - - - - - 1. %

## नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 19अन्तूबर 1984

निर्देश सं० आहे० ए० मी० /अजंम/भोपाल/523 4--अतः मुझे वीरेन्द्र कुपार अस्तवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उविश बाजार मन्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० खुला भूमि प्लाट एन० बी० 493, खमरा नं० 552/2.552/3, 553/554 व 555 है, तथा जो जवाहर बाडं कटनी, जबलपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित्त) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के सार्यालय कटनी में रिजस्ट्रीकर अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषयों से उक्त अन्तरण निमित को बास्तविक रूप से कशित नहीं किया गया है:—

- (तः) अत्मयण गे हार्च किमी बाय की बावतः, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के अत्मरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृविधा के लिए; बौट्र/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में मुविभा के सिर्ण ।

अत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं. उक्त अधिपियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के सभीन, निम्निरिणिक व्यक्तियों, वर्धात :----

- श्री हरप्रहाद जीए, पिता श्री बुद्धसेन जीए, नियामी मालवियां गज, बाडं, कटर्नी, म० प्र० (अन्तरक)
- श्रोमतो नानकी बाई पित श्री सन्मुखदास सिन्धो, निवासी विनोबा वाई कटनी, तह० मुड़बाड़ा, जिला जबलपुर म० प्र०

(अड्डतरिती)

का यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यविष्ठियां करता हूं।

उचत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याया;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिब्दित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अभ्याय में दिया गया है।

## जन्त्यी

खुली भूमि प्लाट एन० बी० नं० 493, खसा नं० 552/2 552/3, 553, 554 एवं 555 है, जो जबाहर वाडं कटनी, में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित्त है नथा अन्तरिती द्वारा सम्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार अप्नवाल मक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजंन रेंज, भोपास

नारीख 9-10-1984 मोहुर: प्ररूप आहें.टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनाक 9 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अजन/भोपाल/5235—अतः मुझे वोरेन्द्रकुमार वरनवाल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० अपि भूमि खसरा नं ० 704, 705, 710, 711 है, तथा जी ग्राम खजराना तहसील एवं जिला इन्दौर में स्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिजकारी के कार्यालय में रजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

कां पूर्वोक्त संपत्त के उिषत बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) औ ोच एसे अन्तरिंग के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत संविद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधान्हें लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत्:—

- शिव नारायण पिता श्री हरीराम जी पटेल, निवासी ग्राम खजराना,तह० जिला इन्दौर म० प्र० (अन्तरक)
- 2. लक्ष्मो गृह निर्माण सहकारी संस्था भर्यादित इन्दोर राजि अमा०क डो० आर०/आय० डी० आर०/ 104/1966,को ओर से अध्यक्ष श्री गोविन्द बाबू पिना श्री सितल यादव, निवासी 83, कलोनी नगर, इन्दौर मं० प्र०

(अन्तर्रारर्स)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन, के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

कृषि भूमि, खसरा नं ० 704, 705, 710 एवं 711 ई.जो ग्राम खजराना तह ० व जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिहै जिसका विवरण फार्म नं ० 37-जी में निहित है तथा अर्लारना दारा सन्यापित किया गया है?

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षजम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, भोपाल

तारीख: 9-10-1984

## प्रकथ नाहर् ु टी., एन., युसान -------

## नायक र अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को नभीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर, 1984

निदेश सं० श्रई-3/37ईई/6063/83-84---श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु, से अधिक हैं

और जिसकी सं ० प्लाट नं ० 75 ई, तथा जो श्रीनगर, कालोनी, इजन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप मे विणक्त हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शजन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिफल से, एसे ब्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चंय से उन्तर अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम क अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या सससे वचने में स्विधा ध लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकार अधिनियम, वा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

बतः अब, उत्सत अधिनियम की भारा 269-ग के लनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् ४---

- 1. इन्दुमल जैन, पिता श्री रतमलाल जी जैन, निवासी 54, बीमानगर, कालोनी, इन्दौर म० प्र० (अन्तरक)
- शांतीरानी पारिवारिक ट्रस्ट 198, श्रीनगर कालोनी, (खजराना), इन्दौर, म० प्र०

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हों।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिष्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ण।

स्यव्दीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्त्ची

प्लाट नं० 75 है, जो श्रीनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधाकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, भोपाल

दिनांक 9-10-1984 मोहर ॥ प्ररूप कार्षं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 9 अक्तूबर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अजन/भोपाल/523 7--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनबाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात् 'उसत सिधिनियम' कहा गया है, की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाधार मृश्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 59 नया नं० 6 है, तथा जो रेसकोर्स रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास कर ने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरका (अन्तरकारों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निय्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सर्विभा के निष्; और/भा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः वन, उक्त विभिनियम काँ भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्ननिवित्त व्यक्तियों, अभारत्:—— 1ं श्रों नवनलाल पिक्षा श्री सुद्धेलाल जी गर्ग, निवासो 6-रेसकोस रोड, (पंचम की फेल के सामने) इन्दौर मञ्जूञ

(अन्तरक)

2. श्रीमतो मंजुगुप्ता, पति श्री सहेद कुमोर चतुर्भुज गुप्ता, निवासी 18-शंकर बाग, इन्दौर म०प्र० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकता।

स्वकाशिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्वों का, वा अवस अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दियाः गया है।

### अन सुची

मकान नं० 59, नया नं० 6, हजो रेसकोर्स रोड, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्तिई जिसका विवरण फामं नं० 37-जो में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांच : 9-10-1984

----

त्रक्ष आहें. डी. एम्. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) चे अभीय स्थान

#### नारक बहुनार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, भोपाल भोपाल, दिनाक १ अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अजन/भोपाल/5238—-अत मुझे, वीरेन्द्र कुभार बरनवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिस, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-रा. से अधिक ही

और जिसके। म० मकान न० 59, नया न० 6, भाग कमाक 4 हैं, तथा जो रेसकोस रोड, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपा-बढ़ अनुसूच। मे और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्र कर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्धान दिनाक फरवरा, 1984 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से क्रम के उज्यमान प्रतिफल के अन्तरित लिए की गष्ट2 विष्वास करन कि यथापूर्वींक्त सपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्दोश्य से उक्त अन्तरण सिवित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) जन्तरम से हुइ किसी बाब की बाबत, उसत जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के निष्; क्योर/बा
- (च) ऐसी किसी जाव वा किसी धन या जन्य शास्तियों कां, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अस्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया निया था या किया जाना चाहिए या क्रिया म स्विधा के लिए;

अतः कथं, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अधाँत हु---

- शः मध्यताल पितृ श्रो सुण्डेलाल गर्ग, निवासी 6-रेसकीस, रोड, इन्दौर म० प्र० (अन्सरक)
- 2 श्री लीला किशन, आत्मज श्री बालूरामजी तलबार निवासी 547, एभ०र्जा० रोड, इन्दौर म०प्र०

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पृत्रोंकत सपरित के वर्षन के विष् कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्तेष ह ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्थाक्तयों में से किसी स्थित बुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्वाचीकरण:-इत्तमः प्रयुक्त सम्भा और पदां का, भा जबस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, सही अर्थ हागा, जा उस अध्याय म दिया गर्या है।

#### नपुष्प

मकान न० पुराना, 59 नया न० 6, भाग कमाक 4 है जो रेसकोस रोड, इन्दार में स्थित ई। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फाम न० 37-जो में निहित है सथा अन्तरिती द्वारा सल्यापित किया गया ई।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

दिनाकः: 9-10-1984 ----

मोहर 🗸

प्ररूप बाई. टी. एन. एस. - - -

र्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत गरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 9 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 5239~-अत मुझे दीरेन्द्र कुमार बरनवाल

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित यात्रार मृत्य \$5,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं ० फ्लाट 375 पर बना हुआ मकान है, तथा जो कलानी नगर, कालोनी, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण कप से वर्णित) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908का 16), के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करों का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रके प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- 'क) सन्तरण से हुई किमी काय की बाबत, उक्त सिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें स्कने में सविधा के लिए; बरि/या
- (म) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम; पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सिक्या के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सधीन, निम्मीसिकत व्यक्तियों, अर्थात :---  कियोरी लाल पिता हीरास्नाम भीरासिया, तिवासी 426, महास्मा गांधी मार्ग, इदौर, यु प्रजा

(अन्तरक)

2. श्री कल शिचन्द्रपिता श्री रामेश्वर जी गोयल, निवासी 16-कुंवर मण्डली, खजूरी, बाजार, इन्दौर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

की यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्नाना की तामीन हे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मस्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के नाम जिल्हा में किए का सबोंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के लक्ष्माय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ हाना जा उस अध्याय में दिया गरा है।

#### मन्त्रकी

प्लाट नं० 375 पर बना हुआ मकान कसानी निगर, कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वहस्थावर सम्पक्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित हैं तथा अन्तरिती द्वारा मत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 9-10-1984

मोहर

प्ररूप बाह्र दी. एन . एस . ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनार 15 अक्तूघर 1984

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5240---अत मुझे, वीरेन्द्र कुमार बनरवाल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमा इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ही और जिसकी सं० प्लाट नं० 53 खनरानं० 28 है, नथा जो ईवगाह हिल्स, भोपाल, में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्रीसरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि संभापृष्ठींक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पनक प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिवित् उद्देश्यसे उपत अन्तरण सिवित

> (क) जंतरण से हुइं किसी आय की बाबत, उन्त किमियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; जीर/या

में बास्त्विक रूप से कथिल नहीं किया गया है ह--

(वा) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की धन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या जिला जाना चारिए था विल्लान में सिनिया विल्ला जाना चारिए था विल्लान में सिनिया वे लिए:

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण क, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :---  श्रीनिती निहद जलाबेगम पिन स्व० श्री जमाल मो०खाँ निवासी तलया, भोपाल, म० प्र० ।

(अन्तरक)

2. श्री गोकुल प्रसाद सूर्य वंशी, पिता श्री हरलाल सूर्यवंशी, निवासी ग्राम विश्वजा पोस्ट भूभका तह० अमरवाड़ा, जिला खिन्ववाड़ा म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकरीहयां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जमिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयहूव किसी अन्य व्यक्ति द्वारा त्रथोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्त्रची

प्लाट न० 53 खसरा नं० 28 है, जो ईदगाह हिल्स भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पक्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिनी द्वारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त ('निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपार

दिनांक: 15-10-1984

मोहर

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस . ------

भारत का राजपत्न, नवम्बर 24, 1984

## आयकर अभिनियम, 1961 <sup>(1961)</sup> का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनां 15 अक्तूबर 1984

निदेश मंज्आई०ए ०सी०/आई/भोपाल अर्जन/5211---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल

आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिपकी सं० प्लाट नं० 54, खमरानं० 28 है, तथा जो ईदिगाह हिल्स, भोगाल में स्थित है (और इश्ले

उपाबत अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीटार्ना अक्षिणारी के अलीलय भोषाल में रिजस्ट्रीवारण अधिनियम 1908 (1908 अ 16) के अबीन दिनांक फंक्टरी, 1984

का पृषे जिन्न सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दण्यमान "मृतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं। और मृझे यह यिशाम करने का कारण हैं कि रूथापूर्वों क्ल मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दण्यमान प्रतिफल का पन्द्रत प्रतिशत में अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्युष्टिय में उक्त अन्तरण लिस्स में वास्तिवक स्प में कथित नहीं। किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचाने मो सविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी द्वारा पंकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

1 श्वामतो रहिंद बेगम, प्राः स्व०श्वी जमाल मो० खां निजामो नच्या, भाषाल, म० प्र०

(अन्तरहा)

2. श्री हे० आपर्व पोटाई पिता श्री जुआर सिंह पांटाई, तिवासी ग्राम भाटपाल पोठ सेन्र, तहर नारायणपुर, जिला बस्तर, मठ प्रठ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त मपीन के अर्जन के गबध में कांई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्पत्ति मो हितबब्ध सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी लिखित मो किए जा सकोंगें।

त्यध्दीक्षरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ हारा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट 51. खसरानं० 28 जो **ईदगाह हिल्म, भोपाल** में स्थित है। यह बह स्थावर गम्पत्ति है जिमला विवरण फार्म **नं०** 37-जी में निहित है जथा जन्मिती द्वारा मन्यापित **किया** गया है।

> वीरेद्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आगल्य आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, भोषाल

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्थ के अनसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की रपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख 15-10-1984 **मॉहर** :

-336GI/84

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

भोपाल, दिनां ए 15 अक्तूबर, 1984

निर्देश सं० आष्ट्र० ए०सी० /अर्जन/भोपाल/5242---अत. मुझो, वीरेन्द्र सुमार बप्तवास

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वाम करने का कारण है कि स्थावर समित्ति, जिमका उधित बाजार मृल्य 25,000/- रु सं अधिक है

और जिनकी सं० तीन मंजिला मान का भाग है, तथा जो गांधी बाजार, लागर में स्थित है (और इसते उपाबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बणित है) र्याजस्द्री दर्शा अधिए रि के कार्लालय सागर में रिजरद्रीकरण अधिएयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां फरवरी, 1984

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलियन तद्दरेण से श्यान सम्तिष्

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के स्वित्त के लिए; और/या
- (स) एमी किए। कार या किसी धन या अन्य अस्थिया को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सारिधा के लिए।

बत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  लक्ष्मी बाई पति स्व० श्री भया लाल साहू, निवासी गांधी चौ-०, सागर म०, ४० ।

(अन्तर ह)

2. श्री दीनद्याल पिता श्री कुन्जीलाल सोनी, तिवासी बड़ाबाजार, बा०एस०जैन धर्मणाला के पास, सागर, म० प्र०।

(अन्म(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्मन्वन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उत्कत स्थात्रर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिगित में किए जा स्कर्ण

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, आ उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसाची

तीन मंजिल, मंजिल का भाग जो गांधी चौज, सागर में स्थित है। यह वह स्थावरस पमिलहै जियाजा विवरण फार्म नं अत-जी में निहित्र है जथा जन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

बोरेन्द्र कुमार बरनदाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल,

दिनां र 15-10-1984 मोहर

## प्रकथ बाइ . टी. एन. एस -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-9 (1) के अभीन सुषमा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भागाल

भोपाल, दिना ः 15 अक्तूबर 1984

निर्देशसं०आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5243-—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार धरनवाल

आयकर किंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी स० शूमिनं० 0 886 है, तथा जो मोजा जांजरी, तटनी जबलपुर रोड, तह० मुख्यारा, िला जबलपुर में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण स्पर्भ विणित है) रिजिस्द्री दिती, अधि परी क प्राथित अबलपुर में रिजिस्द्री दितांक अधिनयम 1908 (1908 को 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और एके यह विश्वास सरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तर्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन मे वास्तविक इप मे कथित नहीं किया गया है --

- (क) बन्तरण संहुइं किसी बाय की वाबत उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा और किए; ब्लॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्कत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिधा से किए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात .--- श्रीमती ताराबाई पति स्व० श्री विधेषवरी प्रसाद निवासी मानरकर वार्ड, मुद्दवारा, कटनी, जिला जबलपुर, म० प्र०

(अन्तरक)

2. मैसर्स भागियल आटो मोबाइल्झ द्वारा श्री कैलाण गुप्ता, निवासी शास्त्री क्रिज, नेपियर टाउन, जबलपुर, म० प्र०

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

## उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भोतर प्रविकत विकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस मुचना के राजपत्र म प्रकाशन का तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति । हितबद्दं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरूनअपी के पास लिसित में किए या सकीं।

॰पध्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उपला अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुों अर्थ होगा, खो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

भूमि 0.886, खसरान ०526/1, जो मौजा आंजरी, कटनी जबलपुर रोड, कटनी, तह० मुख्याड़ा, जिला जबलपुर म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-10-1984

मोहरः

## प्रकम सार्घ टी.एसं. रूप ------

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १८०५ (1) के वर्धीत जना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 ग्रक्स्बर 1984

निदेश सं० श्राष्ठि० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/5244—श्रातः मझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उधत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्मत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 25,000 रहा में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 15,000 वर्ग फुट, खमरा नं० 62, 67 व 69 है, तथा जो मौजा महाराजपुर, तह० व जिला जवलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिन्ट्रीकर्ता ग्रिशकार, के कार्यालय जवलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वों क्त सम्पत्ति क उधित बाजार मूल्य ने कम के क्रयमान प्रतिफल के और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविध। के लिए: बारि/या
- (व) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नत जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ननुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री सुन्दरलाल पिता श्री शारदा प्रसाद तिवारी, निवासी जगदीश मंदिर, जबलपुर, म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मिताभा पिता श्री ईशवरदास, निवासी प्रेम नगर (मदन महल), जबलपुर (म० प्र०)।

(भ्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त उम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कांद्र आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की टारीब सं 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद को समाप्त होती हो. के भीतर प्रवास व्यक्तियों मीं से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (वं) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निचित में किए वा सकोंगे।

स्पन्दोकरण:—-इसमें प्रयुक्त जब्बां और पक्षों का, जां उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि हो, वहीं अर्थ हागा. जो उस अध्याय में दिक्त

## नम्स्ची

प्लाट 15,000 वर्गे फुट खसरा नं० 62, 67 व 69 है जो मौजा महाराजपुर तह० जिला जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है नथा श्रस्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> त्रीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984 मोहर: प्रस्य वाहं.टी.एन.एस.-----

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वमा

### भारत ब्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 ग्रक्तूबर 1984 निदेश संब्राई० ए० साव्/ग्रर्जन/भोपाल/5245—ग्रहः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसक। म० भूमि नं० 10,000 वर्ग फुट, खसरा 67, 68 है, तथा जो मौजा महाराजपुर, तह० जिला जबलपुर, म० प्र० में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्प से बणित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्याख्य, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारोख फरवरी, 1984

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मूओ यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, एक दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से किथत नहीं किया गया है ——

- (क) बन्धरण से हुई किसी बाय की बायत, उन्हें अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दाविश्य में कामी करने का सबसे बचने में सुविका के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-किस अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिस्सिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयाचनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए भा, छिपान में सुविधा के दिए,

नंतः भव, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग क जनुसरण वं, मं, अनंत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन, निम्नलिकित व्यक्ति में, कर्माः—  श्रो गारवा प्रसाद पिता श्री चंदमल तिवारी, निवासी जबलपुर, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री श्रविनाण पिता श्री ईश्वरदास, निवासी 1177, प्रेम नगर, मदन महल, जबलपूर, मं० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील से 45 दिन के भीतर रक्त प्रशायर संपत्ति में हितबक्य किसी अन्य व्यक्ति दबारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए वा सकेंगे।

स्यक्टीकरणः ----इसमें प्रयानत कर्कों और पदौंका, ओ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया यस है।

#### अनुसूची

भूमि 10,000 वर्ग फुट, खमरा नं० 67 व 68 हैं जो मौजा महाराजपुर, तह० जिला जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 3,7-जी में निहित है तथा ग्रन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार ब्रन्नवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर प्रापुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज, भोपाल

तारीख 15-10-1984

## प्ररूप आई. टी. एस. एस. ------

## बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### नारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनांक 15 ग्रन्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/भ्रजंन/भोजाल/5246—-भ्रतः मुक्षे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० प्लाट 15,000 वर्ग फुट, खसरा नं० 62, 69 एवं 68 है तथा जो मौजा महाराजपुर, तह० जिला जबलपुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 को 16) के श्रिक्षान, ताराख फरवरों, 1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के। कारण है श्रि अकाण्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रियमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर जंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल कस तिम्निकिचत उप्रवेश से उच्छ अन्तरण कि कित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कारण अन्तर, हा
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियः का जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिजियमः, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियमः, या भक्तर अधिनियमः, या भक्तर अधिनियमः, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नस्थितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- शं णारदा प्रसाव, पिता श्रो चदमल तिवारा, निवासो भरती वार्ड, जबलपुर, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

2 मेसर्स हिमालय मिनरल एण्ड बिल्डर्स, भागीदार श्री प्रविनाश पिता श्री ईश्वरदास जी, निवासी 1177, मदन महल, (प्रेम नगर) जबलपुर, म० प्र०।

(भ्रन्तरितो)

का क्षु क्षुना नारा करके पूर्वाक्य सम्परित क वर्जन के सिक् कर्णनाहियां करता हूं।

चनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्मपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त सम्याँ बौर पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

## अनुसूची

प्लाट 15,000 वर्ग फुट, खसरा नं० 62, 69 व 68 है जो मौजा महाराजपुर, तह० व जिला जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है तथा भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

## परूप **बाई** टी एन एस

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269--घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **बायकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन क्षेत्र भोषाल

भोपाल दिनाक 15 भ्राक्तूबर 1984

निदेण स० म्राई०ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5247—म्प्रत मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

उत्पत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें व्यवे गहनात उत्तर अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्हाम करने का कारण है कि स्थापर गमित जिसका उचित प्राधार मन्य 25,000/- रास अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट न० 35, जोन न० 1 है तथा जो मेजर शापिंग सेंटर, हबीवशंज भोपाल में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद शन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में बणित है) रिजेस्ट्रीकर्ता शिधवारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीवरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी, 1984

- (क) बन्तरण संहुद्ध किली आर्थ की बाजत तकत औप निषम के अभीन चार दन के अन्तरक के दाधित्व सं क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/धः
- (क्ष) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्मिया की, जिन्ही भारतीय कायकर अधिनियम, 197 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाज नार्ध अन्तरिनी ववार प्रकट नहीं िया में प्रयाज पा किया जाना चाहिए था किया में सिंह । सिंह । सिंह । सिंह । सिंह ।

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण सा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) इ यथीन निम्निचिक्त व्यक्तियों, अर्थात ध--- श्री लिलित मोह्न मदाम पिता श्री रोणन लाल मदान, निवासो "ग्रर्जुन भवन", णाहजहानाबाद, भोपाल, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

2 श्री घासीराम पिता श्री रघुनाथ प्रसाद, निवासी बुन्देल बाडी, तह० व जिला धार म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारो करके पूर्वेविस सम्पोरत के अजन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उथत सम्परित के जर्जन क सम्बन्ध म काह भी बाक्षण ----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 विम की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध आं भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में स फिसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

## नन्स्ची

प्लाट न० 35 जोन न० 1 जो मेजर शापिग सेन्टर, हबोबगज, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर नपत्ति है जिसका विवरण फार्म न० 37—जो में निहित है तथा श्रन्त-रिता द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, भोषाळ

तारीख 15-10-1984 माहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 भ्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० मी०/म्रर्जन/भोपाल/5248---भ्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 25,000/-रु में अधिक है

ग्रीर जिसको स० प्लाट नं० 36, जोन नं० 1 है, तथा जो मेजर शार्पिंग सेंटर, हजीवगंज, भोपाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण । श्रिवियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधोन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिएनों में सिविधा के लिए;

अंत अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री ग्रजय लाल मदान, पिता श्री रोशन लाल मदान, निवासी "ग्रजीन भवन", शाहजहानाबाद, भोपाल, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो कैलाश नारायण ग्रम्भवाल, पिता श्रो बाझ्लाल भ्रम्भवाल, निवासी 37, दास मंडालो, धार, जिला धार, म० प्र०।

(ग्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविधि या नत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपश्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

ल्पस्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं० 36, जोन नं० 1, जो मेजर शापिंग सेंटर, हवोबगंज, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म 37-जी में निहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा संत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

धाहर

प्रकथ आहे. टी. एन. एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/5249—म्प्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट, खंडहर, है, तथा जो कर्बला रोड़, प्रहमदाबाद, भोपाल में स्थित है (भीर इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, भोपाल मे रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख फरवरी,

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बारनिवक कप से कथित नहीं किया गया है है----

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी जाय की धावत, उक्त जिथितियम के अभीत कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ज्वाने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य 'आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

श्रोमतो खुजिस्ता खेगम
पित श्री हाजी जलील उद्दीन श्रहमद
निवासी कर्बेला रोड़,
भोपाल द्वारा
श्रीमती कमर सुल्तान,
पित श्री रफी उद्दीन शहमद,
निवासी झासव मंजिल,
श्रहमदाबाद,
भोपाल, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

2. डा० मेहबूब ग्रहमद सिद्दीकी, पिता श्री हबीब ग्रहमद सिद्दीकी, रामनगर कालोनी, ईदगाह हिल्स, भोपास, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन 🔼 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्रिके

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराव 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भे अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगराची

प्लाट खंडहर है जो कर्बला रोड, ग्रहमवाबाय, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्या-पित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भीपाल

तारीख: 15-10-1984

## प्रकप् बाइ . ट्री . एव . एत . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर गायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भीपाल, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/भ्रजेंन/भोपाल/5250—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उवित आणार मूल्य

कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उवित काणार मृत्य 25 रि. के से अधिक हैं को उसे के खुला प्लाट, णोट नं के 62, प्लाट नं के 5877 वर्ग फुट है, तथा जो जगदलपुर जिला के प्रव में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद स्नुसूची र पूर्ण रूप से वाजत है), रिजस्ट्रोकर्ता स्रधिकारों के यालय, जगदलपुर में रिजस्ट्रोकरण स्रधिनियम, 1908 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, फरवरो, 1984

को प्वांक्त संपत्ति के जियत बाजार मृस्य से कम के दूरगमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुभे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रूब, उसके दूरगमान प्रतिफल से, एसे दूरगमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाशा प्रशा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सृत्थिय के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बम्सरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्री दान सिंह चौहान
पिता स्व० श्री शिवदास सिंह,
निवासी सागर
पुराना अस्पताल,
जिला सागर म० प्र०
द्वारा मुखत्यार
श्री ग्यानेन्द्र सिंह चौहान,
निवासी मैंन रोड़,
सदर बाजार वार्ड,
जगदलपुर,
बस्तर म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजकुमार जैन पिता श्रो सन्त कुमार जैन, निवासो इन्दिरा वार्ड, जगदलपुर, जिला बस्तर म० प्र०।

(ब्रन्त कि)

को यह सृचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विम की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीन वें 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति वृतारा अथोहस्ताक्षद्री के पास निवास में किए वा सक्तेंगे।

स्थव्यक्रिपण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्वित्यम, में वश्यान 20-क में परिभावित है, वही वर्ष होगा, वो उस कश्याय में दिवा प्रवाही।

## जन्स्की

खुला प्लाट नं० सीट नं० 62, त्लाट नं० 17/1, एरिया 6877 वर्ग फुट, है जो जगवलपुर जिला बस्तर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार **धरनवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

प्रकृष बाह् । दी व एवं . एवं . अ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) के बुधीन सूचना

#### भारत यहकाड

कार्यालय, स्हायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 म्रक्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5251—ग्रत: मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

जायकर भृभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25.000/- रा. से अधिक है

भीर जिसको सं० प्लाट नं० 1, खसरा नं० 97 है, तथा जो ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रोकर्ता भाधकारों के कार्यालय, भोपाल में र्राजस्ट्रोकरण श्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान, फरवरों 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा भवा प्रतिफल, निस्नितिवित् ज्ववित्य से उक्त अन्तरण श्रिष्ठ के बास्तरिक रूप से कीन एसे अन्तरण के लिए तय पावा भवा श्रीतफल, निस्नितिवित् ज्ववित्य से उक्त अन्तरण श्रिष्ठित से बास्तरिक रूप से कीनत नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तर्ज सं हुई किसी बाव क्रॉ वावस , उनस विभिन्त् के वभीन कर दौर के बन्तरक के यामित्य में कमी कर्रने वा उससे व्यूपे में सूब्धि के सिए; और/या
- (व) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तियों कां, विन्हें भारतीय बाय-लाट अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में तृतिभा के सिहु;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिधिक व्यक्तियों स्थान, स्मिन

 श्री एम० चाइ० ऐ० बैग पिता स्व० श्री एम० एफ० ऐ० बेग, निवासी इकबाल मैदान, मोती मस्जिद, भोपाल, म० प्र०।

(मन्सरकं)

 श्री राना सुल्तान पति श्री सुलतान कुरैशी, निवासी 37, ईवगाह हिस्स, भोपास, म० प्र०।

(मन्तरिती)

नक्षे यह तृष्यना पारी करके प्रशेषतः, संस्थीतः को वर्षन् के निष्ट कार्यमाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षप ध---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाश की तारीव से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अधिक्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवेधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीत के पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच की 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में कित्वक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ तिक्षित में किए या सकती।

स्वस्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त वन्नों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम दे अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही वर्ष होना, जो उस कृष्याय में दिया न्या

## **भग्**त्यी

प्लाट नं । खसरा नं 97 है जो ईदगाह हिल्स, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थायर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवास सक्षम प्राधिकारी सहायंक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, भोपास

तारीख: 15-10-1984

मोष्ठर:

प्रक्ष बाहर्के दी प्रमान एवं न वन्तरहरूका

कायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) की अधीन स्थान

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्षण)

भ्रजन क्षेत्र, भापाल

भोपाल, दिनांक 15 ग्रक्तूबर 1984

निवेश सं० माई० ए० सी०/म्रार्जन/भीषास/5252--म्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विदेशस करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- स्तं से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट खसरा नं० 7/3, एरिया 12, 644 वर्ग फुट है, तथा जो मौजा तालापारा, बिलासपुर, म० प्र० में स्थित है , श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान मितिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उच्न जन्तरण निष्ति में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उपकत वीभीनवन के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में भृविभा के सिए; भौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भेन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बाँ, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कुँ कथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :----  श्रोमली शांती देवी झानन्द पति श्री जी० सी० पंजाबी, निवासी डबरीपारा, बिलासपूर, म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री महेन्द्रपाल श्रानन्व पिता श्री जी० सी० श्रानन्व निवासी डबरीपारा, विकासपुर, म० प्र•।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 विन की वविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबद्ध फिसी जन्य क्वदित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में लिया पया है।

## वन्**य**्य

प्लाट खसरा नं० 7/3 है जो भौजा तालापारा, विलासपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है, तथा भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, भोपाल

ता**रीख:** 15-10-1984

मोहर:

## इक्ष वार्त्ः हो। सुष् । सुष् व्यान्यक्रम

# नायकर गुणिनियम, 1961 (1961 स्थ 43) की धारा 269-म (१) के गुणीन सूचन।

## ETSE ESTRE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 भ्रम्तूबर 1984

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5253—ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा न० 182/2, 182/89 190 व 191, 4.09 एकड़ है, तथा जो मांजा कोहक, तह० व जिला दुर्ग ने स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रोकर्ता श्रीधकारों के कार्यालय, दुर्ग में र्राजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य हे काम के ध्रयमान प्रतिपन्त के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिपन्न से, एसे ध्रयमान प्रतिपन्न का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक क्यू से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त ऑभ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; जरि/बा
- (व) एंबी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर बर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किरा गया भा सा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

नतः नग, उनतं अभिनियम की भारा 269-ग के, बनुसरण में, में, उनतं अभिनियम की भारा 269-च की उपभास (1) के अभीत, निस्तीविद्युद्ध व्यक्तियों, मुर्मात् ढ़—→  (1) सरदार करनैल सिंग पिता श्री रूक्सिह,
 (2) सरवार हरबंसिंग पिता श्री मंगासिंह निवासी ग्राम कोहका, सह जिला पूर्ग, म प्र प्र ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुरजोत कौर पांत श्री करनैल सिंह सरवार निवासी ग्राम कोहका, तह० जिला दुर्ग, म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को वह व्यवा बारी करके पृव्यंवत सम्परित के वर्षन् के हिंगु कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उपत कम्पत्ति के वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप्र∺

- (क) इस त्यना वे रावपन ने प्रकारन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की ववधि, को भी ववधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीवत व्यक्तियों में से किसी स्थानित हुनारा;
- (क) इस बुचना ने राज्यम के प्रकारने केंद्र तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा हैं।

## जन्स्पी

भूमि खसरा नं० 182/2, 182/9, एवं 191; 4.09 एकड़ है जो मौजा कोहका, तह० जिला दुर्ग म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा श्रन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर 🕄

प्रकाश कार्ड. टी., एन. एस., -----

## नायकर मिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में मभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 श्रम्तूबर 1984

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/5254---ग्रतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बश्नवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि हल्का नं० 55/69, बी० एन० नं
96 है, तथा जो मौजा कोहका, तह० जिला दुर्ग में स्थित
है (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुभूषों में श्रीर पूर्ण रूप से विणत
है), र्राजस्ट्रोकर्ता श्राधिकारों के कार्यालय, दुर्ग में भारतीय
रिजस्ट्रोकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के
श्रधीन, तारीख करवरी 1984

को पूर्वोक्क न तित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का के तिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का के तिए हैं कि स्थाप्वेंक्ति सम्मित्त का उचित बाजार मुक्ते, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उच्छा प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिचित उब्देष्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्सिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त जीविश्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; बीर्/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा औं लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्मितिका व्यक्तियों, अर्थात हिल्ल  श्री गणपत पिता श्री कामा नायक, निवासी ग्राम कोहका, तह० व जिला दुर्ग, म० प्र०।

(मन्तरक)

2. श्रीमती जोगिन्धर कौर पति श्री सरदार हरबन्श सिंह, निवासी ग्राम सुपैला, तह० जिला दुर्ग, म० प्र०।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पर्नोक्त संपरित के अर्थन के बिग्र कार्यनाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीच से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **मनुसूची**

भूमि हरूका नं० 55/69, बीं० एन० नं० 96 है जो मौजा कोहका, सह० जिला दुर्ग में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित हैं तथा ग्रन्तरिती द्वारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर 🛭

## प्रकल् नार्च्ुटी एन् एस . - - --

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

## मारत सरकार

कार्याजय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्तक) ग्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, विनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी॰/धर्जन/भोपाल/5255—स्थतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं मकान का भाग नं० 637, ब्लाक नं० 5, प्लान नं० 80 है, तथा जो लार्ड गंज वार्ड, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण-के निए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित प्रतिफल से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती के वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण ते हुन्। किसी बाव की बावत, उनत अधिनियम के सधीन कर दोने के बन्तरक के श्रीयत्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (ल) एसे किनी आय गा िहसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के िपए;

जतः अक्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिचित् व्यक्तियों, कर्षात इ— श्री राजाराम
 पिता श्री गनपत लाल जैन,
 निवासी पानदरीबा,
 तार्कांज कार्ते

लार्डगंज बार्ड,

जबलपुर, म० प्र०।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गनेश प्रमाव पिता श्री रामिकशन सोनी, निवासी 611, कोतवाली वार्ड, जबलपुर, म० प्र०।

(प्रन्तरिती)

को यह स्थना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किन्ध कार्यनाहियां करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष क्र—

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्युन्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की विधि, जो भी अव, बाद में समाप्त होती हुने के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी
- (ख) इस सूचना के राजप काशन की तारीख से 45 दिन के भीतर र सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति के पास निवित्त में किए

## अनुसूची

मकान का भाग नं० 637, ब्लाक नं० 5, प्लान नं० 80 जो लार्डगंज, वार्ड जबलपुर में स्थित है। यह बह स्थावर संपत्ति हैं जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिति द्वारा सस्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर:

· **Co** 

प्ररूप आहें टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्माना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 प्रक्तूबर 1984

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/5256—श्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 637, 630 ब्लाक नं० 5 है तथा जो लार्डगंज, जबलपुर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिविकारी कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिविनयम, 1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को प्वोंक्त संपत्ति के बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्ता करने का कारण है कि बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक कि बाजार करने कि बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक कि बाजार कि स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक कि बाजार कि स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक कि बाजार कि स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक के बाजार कि से सिए तम पाया पना प्रतिफल, निम्निलिखित उद्युक्त से उसत अन्तरण निवित में शास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, खबत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के लिए;

तः थव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, वर्षात् :---

(I) श्री गनपतलां ।
 पिता नन्दुलाल गर्ग,
 (2) श्री ग्रहण कुमार
 पिता श्री राजाराम जैन,
 दोनों निवासी पानदरीवा,
 लार्डगंज,
 जबलपुर, म० प्र०।

(म्रन्तरक)

श्रीमती किरनरानी
पति श्री रवि शंकर सहाने,
निवासी उपरैनगंज,
जबलपुर, म० प्र०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, अर्थ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवष्प किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

## वन्स्ची

मकान नं० 637, 630 ब्लाक नं० 5 है जो कार्डगंज, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर 🗄

## प्ररूप भाइ.टी.एन.एस. -----

भाषभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत तरकाड़

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 श्रक्तूबर 1984

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/5257—-ग्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

भागकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया है"). की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विद्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 637, 637/ए से 637जी, ब्लाक नं० 5, प्लान नं० 80 (भाग) है तथा जो लाईगंज, जबलपुर, में स्थित है (श्रौर इससे जपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे गई विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके श्रम्यमान प्रतिफल सं, ऐसे श्रममान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिनी (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेदयों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिती आम की नावत, उक्त अधिनियस के क्यीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या कन्य आधितारों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती व्वारो प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के निए:

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) - क अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— --336G1/84  श्री महेन्द्र फुमार पिता श्री राजाराम जैन, निवासी पानदशीया, नार्श्वगंग वार्ड, जबलपुर, मठ प्रठा

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सरोज रानी पति श्री छकोड़ीलाल सोहानी, निवासी उपरेनगंज, जबलपूर, म० प्र०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सबंध में कार्य भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाय;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्साक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>8</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्सवी

मकान नं० 637, 637/ए से 637/जी, ब्लाक नं० 5, प्लान नं० 80 (भाग), है जो लाईगंज, जबलपुर में स्थित है। यह यह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जी में निहित है तथा श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुभार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर 😲

प्रकथ बाई. टी. एन. एक्.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्तन) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्तुबर 1984

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भीपाल/5258—म्रतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान का भाग नं० 637, 637/ए से 637/जी, ब्लाक नं० 5, प्लान नं० 80, है सथा जो लार्ड गंज, जवलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुख्यी में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जवलपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान पतिफल के लिए अन्तरिती की गई है

और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि
यथापृथेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में
वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उत्त अभिनिधम के अधीन कर बान के जन्मरक के इतिहरू में अभी करने या उपारं करने मा सुनिधा के निका; जीर/या
- (क) एभी किसी आय या किसी भन ना अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1979 को 27) में प्रवासनार्थ अन्तर्भात द्यारा प्राप्त को निया जाना चाहिए था, स्त्रिपान में मुविधा के निए

जत: अब, उबत अधिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात:—— शि सुनील कुमार पितः श्री राजाराम जैनः नियासी पानदरीबाः, लाईगंजः, जबलपुरः, म० प्र०।

(ग्रन्तरक)

 श्री संजय कुमार पिता श्री छकौड़ीलाल सोहाने । निवासी उमरेनगंज, जबलपुर, म० प्र०।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुखना आर्रा अरको पूर्वोत्तर पर कि के कर के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जयत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में धकाकन की सारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी शबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विस व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारी,
- (ब्र) इस गूझना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धथ किसी अन्य ब्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्यष्टिकिशणः ---- इसमा प्रयुवत शब्दों और पदौं का, वो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उप अध्याय में दिया गया हो।

## म्रनुस<del>्य</del>ी

मकान ता एक भाग गं 637/ए, 637/एसे 637/जी/ ब्लाक नं 5 प्लाट नं 80 है जो लाईगंज, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थायण संपत्ति है जिसका विश्वरण फार्म नं 37-जी में निहित है और ग्रन्तरिती द्वारा, सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल मक्षम प्राधिकारी सड़ायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर:

## प्रस्प बार्षः दी. एन. एस.------

## नापकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाक 15 अगस्त 1984.

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5259--अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार वरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 25,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान का भाग नं० 637, 637/ए में 627/जा, ब्लाक नं० 5, प्लान नं० 80 है, तथा जो लार्ड-गंज, जबलपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984 को पूर्वीक्त सपित के जिस्त बाजार मूच्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूच्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसं इश्यमान प्रतिफल वा पन्दह प्रतिशत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरित्यों (अन्तरित्यों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिकल, निम्नलिखत उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिकल हो किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
- (क) एंसी किसी आय वा किसी धन या बन्य वास्त्यां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत निधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया सभा चाहिए था किया में सुविधा के लिए;

क्त: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :--- श्रोमतो केशर बाई
पति श्रा राजाराम जैन,
(2) श्रो पूरनचंद
पिता श्रो राजाराम जैन,
दोनों निवासा पानदरोबा,
लाईगंज,
जबलपुर, म० प्र०।

(अन्सरकः)

श्रीमती किरण रानी
पति श्री रिव शंकर सोहाने,
निवासी उपरैन गंज वार्ड,
जबलपुर, मठ प्र०।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## **स्वत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध** में कार्ड भी अरक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीं हैं 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थितत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिवित में किए जा सकेंगे।

स्थानिक प्रमः ---इसमें प्रयुक्त धन्दों माँर पदों का, वां उत्तक विभिन्यमा, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा वो उत्तर अध्याम में दिया स्था है।

## अनुसूर्चा

मकान का भाग नं० 637, 637/ए से 637/जिं, ब्लाक नं० 5, प्लान नं० 80, जो लाई गंज, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जो में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> योरेन्द्र⁻ कुमार घरनवाल सक्षम प्राधिकार्रः सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर

## प्ररूप आई. टी. एन. एस.,-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल-5260-अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. सं अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 7/1 से 7/3 है, तथा जो गंजे पुरा, मढ़ाताल बार्ड, जबलपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूचों में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तियक रूप से किथत महीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रो उदय चंद,
पिता स्थ० श्री दुलोचंद जैन,
निवासी गंजीपुरा,
जबलपुर
द्वारा मुख्तयार,
श्री रमेश चंद,
पिता श्री उदरचंद जैन,
निवासी गंजीपुरा,
जबलपुर, म० प्र०।

(अतरक)

श्री सखी बुधराना
पति श्री रूपलाल बुधरानी,
निवासी 7/1,
गंजीपुरा,
जबलपुर, म० प्र०।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सृथना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

## अनुसूर्च।

मकान नं 7/1 से 7/3 हे जो गंजीपुरा, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा संस्थापित किया गया है।

बोरेन्द्र कुमार बरमवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख . 15-10-1984 मोहर

## प्रकृप बाद्दै .टी . एव . एस . ------

माधकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निवेश सं० आई० ए० सीं०/अर्जन/भोपाल/5261——अतः मुझे, वोरेन्द्र कुमार वरतवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित याचार मृस्य 25,000/- रु. से अधिक हैं:

श्रीर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 235/3, 235/2, एरिया 13075 वर्ग फुट, खमरा नं० 236/3, 236/2, 18761 वर्ग फुट है, तथा जो कर्बला पारा, रायपुर, मं० प्र० में स्थित है (श्रीर इससे उपावड़ अनुसूच: में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्र हैं और मूक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्तिं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किसत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उन्त विभिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे क्याने में सुविधा के निए: अरि/या
- (च) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य आरितयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा चै किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्धात: मेसर्स ग्लोब मोटर्स लिमिटेड,
लिक्बिडेणन
मार्फन ऑफिशियल लिक्बिडेटर,
16, रिंग रोड़,
आई० पी० स्टेट,
न्यु दिल्ली।

(अन्सरकः)

य मेसर्स सेन्द्रल आटो मोबाइल्स, एम० जी० रोड़, रायपूर, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## डक्त संपत्ति के बर्धन के तंबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ धकाँगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

भूमि खसरा नं० 235/3, 235/2 (13075 वर्ग फुट) एवं खसरा नं० 236/3, 236/2 (वर्गफुट 17861) है जो कर्बला पारा रायपुर में स्थित है यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-5) में निहित है तथा अन्तरित द्वारा संस्थापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर :

## प्रकथ नार्ष: टी. एन. एस. ------

आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 769-क (1) के नभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अन्तूबर 1984

निदेण सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5261—अतः मुझे, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25.000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० भूमि नं०- 1333, एरिया नं० 0'06 एकड़ है, तथा भो प्राम अनन्तपुर तह० जिला रीवा में स्थित है (श्रीर इसने उपाब द अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रें कर्ता अधिकारी के कार्यालय, रीवा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रक्षीन, सारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिकल के लिए अंतरित को गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में बारलिखक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; और/या
- (ह) एँसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 रा 27) वें प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं:, उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** क्रे सधीन निम्मलिकिट व्यक्तियों, अर्थान :—- श्री पामाश्रय प्रसाद
पिता श्री विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,
निवार्सा ग्राम अन्ततपुर
तह० हुजूप,
जिला रोवा, म० प्र०।

(अन्तरक)

 अनन्तपुर गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित,
 अनन्तपुर,
 जिला रीवा, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांजीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

स्मध्योकरण ह—इसमें प्रयुक्त कथ्यां और वर्षों का, को सक्त वीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विवा भवा हैं।

## नगृत्यी

भूमि नं० 1333 एरिया 0'06 एकड़ है जो ग्राम अनन्तपुर तह० हुजूर जिला रीवा में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भौपाल

तारीख: 15-10-1984

मोहर

## प्ररूप. आर्घ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहामक आयकार भाग्यत (मिरीक्षण)

अजंन क्षेत्र. भोपाल

भोपाल, विनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5263---अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० भूमि नं० 1394 व 1395 एरिया 0.80 एकड़ है, तथा जो ग्राम अनन्तपुर तह० हुजूर, जिला रोवा में स्थित है (ब्रौर इममे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रोवा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को प्वोंक्स संपत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वोंक्स संस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में बास्तिका क्ष्म से किया नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाम की शावत, उक्स अभिनियम के अभीन कार दौन के अन्तरक के शामित्व में आभी करने पा उगमें गवारे में सर्विभा के लिए; जरि/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा सा विषया जाना चाहिए था, छिपाने में न्यिश के भिए,

जतः जजः उक्त जिमियम की धारा 260-ग के वनमरण मो, मों उक्त जिमियम की गार 769-च की उपधारा (1) के अधीन, निमालिणिक व्यक्तियों अधीत :—  श्रामता सरला देवा पाण्डेय पति श्रा रामगुब्ध गुण्य पाण्डेय निवासः ग्राम श्रास्तरम् नहरु हुन्यूर, जिला राखा, मरु प्रशा

(अन्तरक्)

य मै॰ अनन्तपुर गृह निर्माण समिति मर्यादित अनन्तपुर, जिला रीवां, म॰ प॰।

(अन्तरितंः)

को यह सचना जारी करफे पर्योक्त नैस्पिन को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षय :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी न्यिक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा,
- (स) उस स्वता व, राजपत सी प्रकाशन का तारास स 45 विन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भी जित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अपोहस्ताधारी की पास लिखित मी किए जा सकींगी।

स्पथ्टीकरण : --- इसकी प्रवस्त मान्यों और पदों ता, जो उनल अधिनियम, की अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा को उस अध्याय मी दिशा रूप हो।

## शनसानी

भूमि न० 1394, 1395 एरिया 0.08 एदाइ है जी प्राम अनन्तपुर तह० हुजूर जिला रावा म० प्र० में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसदा विनाण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तिरित होग स्टापि तिया गया है।

वारेन्द्र सुमार बप्तनवाल नालम प्राधिकारी सहायक प्राप्तनार आस्थल (निरक्षण) अर्थन रेज, भोपान

नारीख: 15-10-1984

मोहर:

## मञ्जूष आव .टी.पुन .पुर .....

कारकार अधिनियम, 1961 (1961 का न3) भी धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### नारव ररकाड

कार्यातय, सहायक कार्यकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5264—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 28 व 54 है ,एरिया 3.00 एकड़ है, तथा जो ग्राम बरखेड़ीकला, तह० हुजूर, जिला भीपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूक्षः में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के लायिलय. भीपाल में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित्रभों वास्तविक कप स किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दं किसी आय की बाबत, उपत बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक क्षे बायित्य में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्तिया के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निसिणित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रं राजाराम
पिता श्रं रतिसम ,
निवामी ग्राम वरखेडीकला,
नेहर हुनूप
जिला भोषाल, मरु प्ररा

(अन्तरक)

2 अभिनव गृह निर्माण सहकारी समिति मर्यादित भोपाल द्वारा अध्यक्ष, श्री रामजी लाल गम्भीर, पिता श्री बनखन्छीसह, निवासी 7/20, नार्थं टी० टी० नगर, भोपाल, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथितित सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

सकत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मृष्यभा के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के सम स्थित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, ज अध्याय 20-क में तथा परि-भाषित हीं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय गांदिया भाग हो।

## अनुसूची

भूमि खसरा नं० 28 व 54 है जो बरम्बेड़ोकला तह० हुजूर, जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर संपन्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37—जो में निहित है तथा अन्तरितो द्वारा सत्यापित किया गया है।

वीरेन्द्र कुमार क्रमनवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आवक्षर आयुग्स (निरोक्षण) अर्थन रेंज, भौपाल

तारोख: 15-10-1984

मोहर :

7 7 THE THE A

अभिकारिकासिकार हो। उस्ति १ का का गण २४६-७ (१) के अभीति सका।

#### अपरा यरन्हार

कर्णालय, सहायः आग्रयार नायक्त (निरोक्षण) अर्नम् क्षेत्र भोगान

भोपाल दिनार 17 उक्तरण ११4

निदेश स० आई० ए० सं०/२५/५५। $\pi/5^{+}66$ ---अन मुझे, वं।रेन्द्र कुमार बरनयाल

कायकार अधिनियम 1961 (1961 ता 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को कि विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका रिवह भाजार मूल्य 25,000/- राम अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० प्लाट ग० 30-ए श्रीया 2975 76 वर्ग फुट है, तथा जो रहर भेगार में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुस्च में श्रीर पूर्ण ना । ग्रीण है), रिजस्ट्रीसर्वी आध्यरार में शिल्या, यादा से श्रीजर्द्ध अधितयम, 1908 (1901) । 10) व अधन, तारे द फरवर, 1984

> िक, को या सी मूर्क जिल्ला का, यापण अपन्य अस्त स्वीपितिकत् को अपने कार हागी के सम्पन्न के द्वाधितक मा असी बाजने के कान्य बन्जन का स्वीद्वान के के सिए; स्वीर/या

जतः व्या, उक्त विधिनियम की भारा 269 म के अनुसरण , मैं पान अधिनियम की नाम 260 म की उपज्य (१) अधीन, निम्कलिखित व्यक्तिसमें अधान \*---43—336GI/84 शिश्वागायम शर्मा पितः श्र. नगन्नायज्य प्रासादजी शर्मा, नियास ——ई—4/62 अरेरा कालोने, भोपाल, मुज्यु ।

(अन्तरक)

2 श्र्वं सुनेल तुमार नेमा पिता श्र्वं आग्रुट बंद नेमा, प्रारा नेमर्स नेमा स्टोर्म प्रमाहित्यपुर्ण, भोरास सुरूप

(अन्तरितो)

को यह मूचना आर्थ करके पर्योक्त अपहिला के अर्जन के लिए कार ग्रिक का क

जक्त सपर्ति के अर्जन के सबद में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजाव में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृजान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो मी शविध वाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिया जा में किमी व्यक्ति हारा
- (का) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्मर्ध्यारिक - हारा प्रकृतन करनी और प्रसीका, थी उन्त अधिनियम के लथ्याय 20-क में परिभावित ही, बही प्रशीतिका की गत कथाय में दिया गया ही।

## भमस्या

ग्लाट न० 30-ण है जो इन्द्रपुर , भोषाल मे स्थित है यह वह स्थायर सैपत्ति है जिसका विवरण फार्म स० 37-जो मे निहित है तथा जन्मिता हारा सत्यापित किया गया है।

> त्रःरेन्द्र कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी राह्मय ६ अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

नार्राख: 17-10-1984

मोहर .

## प्ररूप बाहै.टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्चना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्तूघर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/5267—अतः मुझे, वीरेन्द्र कुमार घरनवाल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 142/1, 143, 144, 146, 149, 148 है, तथा जो ग्राम खजूरी तह० हुजूर जिला भोपाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिस्ट्रिक्ती अधिवारी के कार्यालय, भोपाल में रिजट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह जिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रीतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बितरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्चित में वास्तियक एप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िक सी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिशा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

जतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग को, जनसरण कों, में उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अधित् '—→  श्री प्रसाद अध्यप पिता श्री शिवनारायण वैध्य, निवासी पटेल नगर कालोनी, भोपाल, म० प्र०।

(अन्तरक)

 श्रीमती आणारानी जैन, पृति श्री एस० सी० प्रैन, निवासी आनन्द नगर, भोपाल, म० प्र०।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पृत्रीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी ध्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दकारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अनुस्ची**

भूमि खसरा नं० 142/1, 143,144, 145, 146, 149 व 148 हैं जो ग्राम खजूरी तह० हुजूर जिला भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति हैं जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा सत्यापित जिया गया है।

वी<sup>नेनद्र</sup> कुमार बरनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयव्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 17-10-1984

मोहर :

प्रस्य आई<sup>4</sup>. टी, एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के समीत सूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 17 अक्तूबर 1984

निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भाषाल/5268~-अतः मुझो, बीरेन्द्र कुमार बरनवाल,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 42/212 एरिया 3.00 एकड़ है, तथा जो ग्राम सजूरी, तह० हुजूर जिला० भोगाल में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण खू से बणित है), रिअस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देवरेय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क्क) अन्तरण से हुई किंसी नाम की बाबन उच्त अधि-नियम की अधीन कर दोने की अन्तरक को दासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा की लिए; वरि/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री विनेश कुमार शर्मा पिता श्री बाबूलालजी शर्मा, निवासी पटेल नगर, कालोनी, भोपाल, म० प्र०।

(अन्तरकः)

श्रीमती ऊषा कुमारी, पति श्री भामेलसिंह जी, निवासी आनन्द नगर, रायसेन रोड़, भोपाल, म० प्र०।

(अन्ठरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चित्त से अर्जन में ट्रिस्ट कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के वृर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्ति , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिक्ति मों किए जा सकेंगे।

स्पद्भोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सधी

भूमि खसरा नं० 42/212 एरिया 3.00 एकड़ है जो ग्राम खजूरी तह० हुजूर जिला भोताल में स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जो में निहित है तथा अनारिती हारा संस्थापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार वरनवाल सक्षम प्राविकारी सहाय : आयन्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 17-10-1984

मोहर :

## 

## बायबा<u>र</u> अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुखना

HISE EXPLY

**फार्यालय**, सहायक आरक्तर आय्यत शिनरीक्षण) अर्जन रेज, हेदरादाध

हैदराबाद, दिनांक 17 सिनम्बर 1984

निदेश सं० आर० ए० सं१० /एवपू०/37ईई/43--अतः, मुझे, एम० जगन मंहित,

कायकर अधिनियम, 1934 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-खं के अधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह पिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार मृत्य 25,000/ रु. ने अधिक हैं

श्रीर जिसको सं० फ्लैट है, जो वेजशीट, हैदराशाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूत्रा में श्रीत की पूर्ण रूप में विश्वत है) रिजस्ट्रोकर्ता अधिकारों के नार्याचय आर्थं० ए० मा० विकासू०, हैदराबाद में रिजस्ट्रोकरण अधिकायम, 1908 (1908 वर्ष 16) के अधीन दिनांक अक्तुवर 1903

- (क) अस्तरण से हुड़ि विद्धी काप की कायता, अक्स अधिनियम के अधीन कर वर्षे की अन्तरण की वास्तिक में कमी करने का अन्य उपने से सुविधा के लिक्त और / गा
- (क) एसी किसी आप का किसी धन का काय आस्तियों को, जिल्हां भारतीय अहर-ता अधिनिया , 1922 (1922 का 11) प्रा सकत अधिनियस, सा धनकर अधिनियस, सा धनकर अधिनियस, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ जलादिसी सुत्रारा प्रकट मही किसा भवा था का कि माजादा नहीं है से स्थिभा के सिए:

सतः अने, उपता प्रथितियम की थाए 269-स के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की समधार (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---  मैंसर्म मान कृत्स्ट्रक्ष्म्म, प्रा० लि० ए-102, सत्य अपार्टमेन्ट्स, मासान टोन्क, हैदशाबाद-500 028

(अन्तरक)

 श्रीमता पा० पेरोनदेवी पति श्री पी० वेंकटरमना, इस्टर्न कॉलोनी, श्री सइलमदास -518 102 .

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खन्त सम्पारित के अन्तर के सकार मा अवहाँ भी सामीप वन्न

- (क) इस मुचना की शालपत्र में प्रकाशन की सारांध से 45 किए की गरींच का स्रशाबन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामीज स 20 दिन की जबधि, जो भी जबिंध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त करित हो। के से किली करित हुवाता:
- (ल) इस सूचना की प्राप्त में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीरात एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अप्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किया के सकारी।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया के अधाय 20-क मी परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

पर्लंड नं० 14, तं सरी मंजिल, शारोन अपार्टमेन्ट्स, हैदराबाद, विस्तोणें, 1110 ची० फुट, रजिस्ट्राकृत विलेख नं० 363, रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी आई० ए० सी० एक्वि० रेज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी नहायक आवक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 17-9-1984 मोहर:

## प्ररूप . बार्च . टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, ,1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

## भारत मरकार

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनां । 17 जबतूनर 1984

निदेश अं० प्राप्टै० १० सी०/प्रश्रीप/मंखाल/5269+ स्प्रतः मुझे, व्यारेन्द्र कुमार व्यस्थायः

सायकर अधिनियम, 196. (1951 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चाह उक्त अधिनियम कहा गया हो). की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि म्थान स्पोत्त, जिलाना अध्य ज्यार सूल्य 20,000/- फ. से अधिक हो

और जिसकी संव सूचि एक नंव 135/2, 1 2/2/1 प्रिया 10.500 एवड है, प्रशा का राम अपूर्ण तहव हुजूर जिला शोपान से स्थित ह (आ. ६६० एमाबट अनुसूबा में और पूर्ण क्य से नागत ह), प्रात्स्कृताली अधितारा के कायलिय, भोताल के के प्रात्ति एमा अधित्यम, 1908 (1908 को 16) क नागत, तराख फल्पर 1984

- (क) अन्तरण से क्षुचा किसी आर की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करन या उससे बचन मा सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आध या किसी धन या अल्य आस्तियाँ का, जिन्हीं भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अषः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ैं, भैं, उक्त अधिनियम हो जना 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल क्योक्तयों, अर्थात् :--- . 1 श्री विष्णु प्रसाद यथ्यप पिता श्री णिव नारायण वैष्य, गिवासी पटेल नगर शालोनी, भोपाल, मठ प्रठा

(अन्तरक)

श्रीमती राजकुमारी जैन,
पति श्री एम० पी० जैन
निवासी जानन्द नगर कालोनी,
रायसेन रोड़,
भोपाल, ग० ५०।

(अन्तरिती)

को यह मूचन। जारो करके पूजाक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना को तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सचना के राजप्रध मी प्रकाशन की तारीख से 45 दिए के गीतर ज्वन स्थायर सम्पत्ति मी हित-बद्ध किया कर्य प्रित युवारा अधोहस्ताक्षरी के पाप विभिन्न राजिए के एक्स होगे।

श्यरद्वीकरण:---इसमा प्रमृता भाने और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वनसूची

भूमि खरारा नव 135/2, 142/2/1 है जो ग्राम खजूरी तहरु हुज्र जिला भोषात है स्थित है। यह वह स्थावर संपत्ति है जिलका विवरण फार्म नंव 37 जी में निहित है तथा अन्तरिती द्वारा मन्यापित किया गया है।

> वीरेन्द्र कुमार बरनवाल संक्षम प्राधिकारी पहाचा जायार आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रेज, भोपाल

নাগীৰ::17-10-1984

मोहर :

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi-110011, the 25th July 1984

No. A-32014/1/84-Admn. III—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the C. S. S. Cadre of U.P.S.C. to perform the duties of Desk Officer in the office of U.P.S.C. on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier:—

SI. No.	Name	Period
S/Shr 1. Jit Ra 2. N. M.		13-7-84 to 6-9-1984 -do-
3. Ram	Autar	-do-
4. Sudesi	Kumar	-do-
5. Yeshp	al Dabas	18-7-84 to 18-8-84

They shall draw a Special pay @ Rs. 75/- p.m, in terms of D.O.P.A. Rs. O.M. No. 12/1/74-CS (I) dated 11-12-1975.

### The 16th August 1984

No. A-32014/3/83-Admn, III—The President is pleased to appoint the following Assistants of the office of Union Public Service Commision to officiate as Section Office rs for the periods indicated againt each—

Sl. No.	Name	Period
1. V.	Shri P. Kapal	9-8-1983 until further orders
2. R.	K. Gaur	1-8-1983 to 31-10-8 and 1111983 until further orders

M. P. JAIN, Under Secy. Union Public Sevice Commission

## New Delhi, the 19th October 1984

No. A.32013|1|82-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 18-4-1984, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Smt. Sudha Bhargava, a permanent Research Assistant (Hindi), as Senior Research Officer (Hindi) on ad-hoc basis on deputation terms in the office of Union Public Service Commission for a further period of six months w.c.f. 8-10-1984 to 7-4-1985 or until further orders whichever is earlier.

- 2. The ad-hoc appointment of Smt. Bhargava for the abovesaid period is subject to the approval of the Commission.
- 3. During the period of her ad-hoc appointment to the post of Senior Research Officer (Hindi), the pay of Smt. Sudha Bhargava will be regulated in terms of provisions of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) O.M. No. F.1(11)-E.III(B)|75, dated 7-11-1975 as amended from time to time.
- 4. The appointment of Smt. Sudha Bhargava as Senior Research Officer (Hindi) is purely on ad-hoc basis and will not confer upon her any title for absorption or schiority in the grade.

VIJAY BHALLA, Section Officer. Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL

## CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003 the 17th October 1984

No. E-32015(3)|18|84-Pers I.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Tah, on promotion as Deputy Commandant CISF Unit Cechin Shipyard Limited, Cochin with effect from the afternoon of 11th September 1984 on purely adhoc basis and temporary for a period upto 26-9-84 or till such time regular appointments are made whichever arrived.

## The 19th October 1984

No. E-32015(4) 165 84-Pers I.—President is pleased to appoint Shi R. N. Sharma, on promotion as Assistant Commandant CISF Unit Tanda Thermal Power Project, Vidyutnagar, with effect from the afternoon of 26th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

#### The 22nd October 1984

No. E-32015(4)|164|84-Pers. I.—The President is pleased to appoint Shri S. H. Ansari, on promotion as Assistant Commandant in CISF Unit BCCL Jharia with effect from the forenoon of 26th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period of six months or till such time regular appointments are made, which ever is earlier.

#### The 26th October 1984

No. E-32015(3)|14|84-Pers-I.—The President is pleased to appoint Shri R. M. Upadhyay, as Commandant 1st Reserve Battalion CISF Barwaha with effect from the afternoon of 17th September 1984 on purely ad-hoc basis and temporary for a period up to 26-9-84 or till such time regular appointments are made, whichever is earlier.

Sd|- Illegible (Development Commissioner (Handlerafts)
DIRECTOR GENERAL|CISF

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) SIKKIM

Gangtok, the 26th October 1984

No. Admn.(AU)|PF|AO|MDP|798,—Kumari Maiya Devi Pradhan, Assistant Audit Officer of the office of the Accountant General (Audit) Sikkim, is promoted to officiate as Audit Officer in Group 'B' class II Gazetted in the office of the Accountant General, Sikkim, Gangtok with effect from the forenoon of 9th October, 1984.

A. K. DEB Accountant General

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (ACCOUNTS) I, UTTAR PRADESH

Allahabad, the 25th September 1984

No. Admn.I/11-144/Notification/1898.—The following Account Officer has retired from service with effect from 31-8-84 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

Shri J. M. L. Saxena, Officiating, Accounts Officer, Office of the Accountant General-I (Accounts), Uttar Pradesh, Allahabad.

RAJIV SHARMA Dy. Accountant General (Admn.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

## ORDNANCE FACTORY BOARD

D.G.O.F. HORS. CIVIL SERVICE

Calcutta-69, the 20th October 1984

No. 21|84|A|E-1(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Tulsi Das Dutta, offg. Asstt. as Offg. Assistant Staff Officer w.e.f. 28-9-84, against an existing vacancy, without effect on seniority until further orders.

- 2. The above promotion shall abide by the results of the appeal filed in the Hon'ble High Court at Calcutta.
  - 3. He assumed the higher duties as A.S.O. w.e.f. 28-9-1984

D. R. IYER, DDG|Per for Director General, Ordnance Factories

## INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 29th October 1984

No. 48|G|84.—The President is pleased to appoint Shri Naturajan, Stenographer Gr. 'A' (PS to DGOF|Chairman No. 48|G|84.of Board) by transfer on deputation as Deputy Director in the pay scale of Rs. 1100-50-1600 for a period of 3 years with effect from 23rd June, 1984.

> V. K. MEHTA, Director Estt.

#### MINISTRY OF COMMERCE

#### OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & FXPORTS

New Delhi, the 19th October 1984

IMPORT AND EXPORTS TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 1|4|82-ADMN(G)|8451.—The President is pleased to appoint Shri K. C. Gupta, Hindi Translator Grade I, in the Ministry of Irrigation as Hindi Officer in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi on ad-hoc basis with effect from the afternoon of the 29th September, 1984 till the post of Hindi Officer is filled on a regular basis.

### The 26th October 1984

No. 6|1472|84-Admn.(G)|8397.—On attaining the age of superannuation Shri Kantharam, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Ahmedabad, retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st December, 1983 (AN).

Dy. Chief Controller of Imports & Exports For Chief Controller of Imports & Exports

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

## New Delhi, the 29th October 1984

No. 36/1/83-Admu. I.—The President is pleased to appoint the following Group 'A' Officers of the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) in a substantive capacity to the posts and with effect from the dates shown against each:

Sl. No.	Name of the Officer	Post against which confirmed	Date from which confirma- tion
1	2	3	4
1. Sh	ri S. S. Sharma	Assistant Develop- ment Officer (Wool)	7-2-1983

1		3	4
2.	Shri Mukesh Chand	Cost Accounts Officer	6-11-1982
3.	Shri S. Bhattacharya	Assistant Director (Textiles)	4-2-1982

SHIROMANI SHARMA Development Commissioner (Handicrafts)

#### MINISTRY OF INDUSTY

## DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

(SMALL SCALE INDUSTRY)

New Delhi, the 29th October 1984

No. 12(227)|61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri R. K. Bose, Deputy Director (L|F) SISI, Hubli to retire from Government Service on attaining the age of superannuation w.c.f. afternoon of 30-6-84.

#### The 30th October 1984

No. A-19018(125)|74-A(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri Ajit Kumar Basak, Director (Gr. I) (Electronics) in the office of the DC (SSI), New Delhi as Industrial Adviser in the same office w.e.f. the forenoon of 8-5-84 until further orders.

No. A-19018(479)|80-A(G).—The President is pleased to appoint Shri B. C. Bhavsar, Asstt. Director (Gr. II) (F. P.), SISI, Srinagar as Asstt-Director (Gr. I) (F.P.) at Br. SISI, Silwasa under SISI, Ahmedabad on ad-hoc basis w.e.f. the afternoon of 4-7-1984 until further orders.

No. A-19018(695) 83-Admn.(G).—Consequent on his reversion as Dy. Director in the Deptt. of Electronics, New Delhi, Shri Jagdish Lal relinquished charge of the post of Dy. Director (GAD) in the office of the Development Commissioner (SSI), New Delhi on the forenoon of 8th October 1984.

> S. K. PURKAYASTHA Dy. Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

## New Delhi, the 27th October 1984

No. A-38013/3/84-Admn. I-On attaining the age of super annuation the following Section Officers retird from Government service on the dates mentioned against each .

SI. No.	Name	Date of retirement
(1) Shri	L. P. Naithani	31-5-1984 (AN)
	H. C. Verma	31-8-1984 (AN)
	K. K. Gangahar	31-8-1984 (AN)
• •	R. D. Sharma	30-9-1984 (AN)

P. N. THAKUR Dy. Director Admn. (C&B

#### **WASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA**

New Delhi, the 29th October 1984

No. A. 19018|13|83-CGHS.L.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Smt.) Viiay Misra to the post of Ayurvedic Physician under Central Government Health Scheme, Allahabad, on temporary basis with effect from the forenoon of the 20th September, 1984.

Dy. Director Admn. (CGHS, I)

New Delhi, the 14th September 1984

No. 6-30|84-DC.—Dr. (Kum) Bandita Sarengi, who was appointed as Associate Biochemist in Central Drugs I aboratory, Calcutta vide this Directorate Notification No. A. 12025|2|77-DC dated 6-7-81 is hereby allowed to change her surname as Dr. (Smt.) Bundita Das instead of Dr. (Kum.) Bandita Sarengi as she has got married with Dr. S. K. Das on 12-5-84.

S. S. GOTHOSKAR Drugs Controller (India)

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES
In the matter of Componies Act : # 1956
ana

In the matter of Containers and Closures Limited

Calcutta, the 9th October 1984

No. L|5098|H-D|2068.—Notice is hereby given pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court. Calcutta or 6-2-84 and the Official Liquidator Court. Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

MAHESH PRASAD Addl. Registrar of Companies West Bengal

In the matters of Companies Act, 1956 of M/s. The Madras Food Products Company Private Ltd.

Madras-600006, the 26th October 1984

No. 1461/560(5)/84—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Madras Food Products Company (P) Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of Ms. Madras Engineering Agencies Private Ltd.

Madras-600 006, the 26th October 1984

No. 1484/560/84.--Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 550 of the Companies Act, 1956 th a

the name of 14/s. Afadras Engine oring Agencies (P) Ltd. has this day been sura it off the Register, and the said company is dissolved.

in the matter of Companies Act, 1956 of M|s. P.indwan Ferms Private Ltd.

Madras-600 006, the 26th October 1984

No. 2008/560 83. Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 5.0 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pan Jyan Tiens Private Ltd. has this day been struck off the register and the sai company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1986 of M/s, Palghat Coimbatore Service Private Ltd.

Madras-600 006, the 26th October 1984

No. 2200/560(5)/84.-Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M's, Palghat Coimbatore Service Private Ltd. has this day been strick off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M|s. United Industries Pudukottai Private Ltd.

Madras-600 006, the 26th October 1984

No. 3110/560(5)/84.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. United Industries (Pudukottai) Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is disolved.

In the matter of Companies Act, 1956 of M|s. Agma Consultan's Private Ltd.

Madras-600 006, the 26th October 1984

No. DN 7214/560/84—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Agma Consultants Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE Asstt. Registrar of Companies, Tamil Nadu, Madras

In the matter of Companies Act, 1956, and of Fine Walk Private Limited

Calcutta, the 16th October 1984

No. 22082|560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Fine Walk Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

H. BANERJEE Asstt. Registrar Companies, West Bengal

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## (1) M|s, Maan Constitutions Pvt. Ltd. A-102. Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad-500 028.

(Transferor)

(2) Smt. P. Perindevi Wo Sri P. Venkataramana Eastern Colony, Srisailam. Dam-518 102

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (AP)

Hyderabad (AP), the 17th September 1981

Ref. No. RAC JAC/ACQ/37-EE/43.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the uncome, Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at IAC. Acq. Hyderabad on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate Proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons tramely:— 44—336GI|84

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 14 in 3rd floor of Sharon Apartments, Begumpet, Hyderabad (Area 1110 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 363 in the month of October, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 17th September 1984

Ref. No IAC|ACQ|37-EF|44.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office situated at Basheerbagh, Hyderabad (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Hyderabad on October, 1983 fac. Acq. Hydeyhold on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M|s. Babukhan Constructions 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Lachmandas Mathani and Sri Mohanlal Lalwani Rlo Officer space No. 303, Bobukhan Estate, 5-9-59 1-15, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space No. 303 in Babukhan Estate, on 3rd floor in M. No. 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderabad (Area 3184 sft.) (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 364 in the month of October, 1983).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Tirumala Construction Co. 3-6-20, Himayathnagar, Hyderabad-29.

(Transferor)

(2) Smt. K. Satyavathi Rao W|o K. Appa Rao Bapatla, Guntur Dt., Hyderabad.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 17th September 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37-EE|45.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Garrage situated at Himayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Hyderabad on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the national market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Motor garrage and scooter garrage western ground floor of 3-6-20, Himayathnagar, Hyderabad (Area 268 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 369 in the month of October, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

Ref. No. RAC.1AC|ACQ|37-EE|46.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Garrage No. 35 situated at Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JAC. Acq. Hyderabad on October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Tirumala Construction Co. 3-6-20, Himayathnagar, Hyderabad-29.

(Transferor)

(2) Sri Manjır Singh 6-1-69, Saifabad Behind (Ravındra Bharathi), Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Scooter Garrage No. 35 (Western) Ground floor plinth area 103 sft.,

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 370 in the month of October, 1983)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A P.)

Date: 17-9-1984

Seal.

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37-EE|47.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing Flot situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax thider the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Fair View Apartments. 4-1-877, Tilak Rd., Hyderabad.

(Transferor)

 Dr. Mohd Afzal Alı H. No. 6-2-1|2, Lakdikapool, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used barein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat situated at Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad on 3rd floor. (Area 1120) sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No 371 in the month of October, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37-EE|48.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Hyderabad n October, 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M|s. Fair View Apartments, 4-1-877, Tilak Road, Hyderabad,

(Transferor)

(2) Mrs. Akther Mahboob 16-8-244|1, Malakpet., Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat in second floor of M. No. 8-2-541, Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad. (Area 1120 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 372 in the month of October, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

Scal:

(1) Mis. Fair View Apartments, 4-1-877, Tilak Road, Hyderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Anwarulla Khan, 3-6-2714, Bashcerabagh, Hyderabad.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 17th September 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37-FF|49.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'naid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing No. Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at IAC, Acq, Hyd on  $10 \mid 83$ 

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in th said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immog-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat situated in first floor in M. No. 8-2-541 situated at Road No. 7, Banjara Hills, Hyderabad (Area 1120 sft...)
Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 373 in the month of 10|83.)

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

Ref. No. RACIAC|ACQ|37-EE|50.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad on 10|83 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Fair View Apartments, 877, Tilak Road, Hyderabad.

(2) Mr. Taher Hussain Ansari, 10-4-35/2, Humayunnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on 2nd floor M. No. 8-2-541, situated on Road No. 7 Banjara Hills, Hyderabad (Area 1120 sft.). (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 374 in the month of 10 83).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

M's. Fair View Apartments, 4-1-877, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. Shahana Taj M. Ali, Wo Sii Mohd. Ali Afzal, C|o Dr. Shakeel, P.O.B. No. 41387, Abbaisya, Kuwait.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37-EE|51.—Whereas, I, M. JFGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]and bearing

Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereta),

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of parties has not been truely stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acousition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

45---336GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- '(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as site defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat situated at 8-2-541, Banjara Hills, Road No. 7, Hyderabad (Area 1899 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, H under Registration No. 375 in the month of 10|83).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 17-9-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# M|s. Fair View Apartments, 4-1-77, Tilak Road, Hyderabad.

## (Transferce)

(2) Shri Ghouse Mohd. Khan. 3-6-27|4, Basheerbagh, Hyderabad

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

## COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37-EE|52.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

thing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as net deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat on firt floor in M. No. 8-2-541, Road No. 7, Begumpet, Hyderabad. (Area 1120 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 376 in the month of 10[83).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-9-1984

#### FORM (I'NS---

(1) Mis Innovation Builders, 211, Mudfort, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Sm<sup>†</sup>, Sandhva Kumar,
 Ramnagar Road, Picket,
 Secunderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable

Hyderabad, the 17th September 1984

property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

RAC No. IAC|ACQ|37 EE|53.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the (said Act'), have reason to believe that the immovable property naving a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat situated at Mudlort, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as red deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Act. Tyderabad on 10|83 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 202-B in Mudfort Apartments, Secunderabad (A)ca 980 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the clinic of the IA.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 377 in the month of October, 1984).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following negrous: persons, namely:-

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

RAC No. IAC|ACQ|37-EE|54.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed horeto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in October 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, 1 hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M|s. Babukhan Constructions, 5-9-28 1-15, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sii Satchitanand Jain, 21-1-222, Rikabganj High Court Opposite, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 904 in 9th floor of Babu Khan Estate, Bashirbagh, Hyderabad (Area 1022 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 379 in the month of October 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 17th September 1984

RAC No. IAC ACQ 37-EE 55.--Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Offices situated at Bashirbagh, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). tand more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in October 1983 for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as across to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following percons, namely :--

(1) Mis, Babukhan Constructions, 5-9-58 I-15 Basheer bagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Margadarsi Chit Fund Pvt. Ltd., Rep. by Shii A. Krishna Murthy, Rlo Plot No. 195, Mahindra Hills. East Marredpally, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office space Nos. 107, 108, 109, 110 and 111, in Babukhan Estate, Basheerbagh, Hyderabad (Area 2435.9 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 380 in the month of October, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 17-9-1984

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, 17th September 1984

RAC.IAC|Acq|37-EE|56.--Whereas I,

M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
No. Flat situated at Begumpet, Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Ms. Maan Constructions Pvt. Ltd., A-102, Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad.
- (2) Mrs. Vijayalakshmi Mani, wo Mr. V. S. Mani, Plot No. 72, "CHANDANA", Road No. 9, Jubilee Hills Colony, Hyderabad-500 034. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16 in 3rd floor in Sharon Apartments, Begumpet, Hyderabad (Area 1140 sft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 386 in the month of October, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 17-9-84

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

## (1) M/s Sagar Constructions, 1-2-542, Domalguage Hyderabad 29

(Transferor)

(2) Sri C L Nainyana, Woodpet, Anakaplli, Visakhapatnam Dist A P.

(Transferee)

## TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, 17th September 1984

Ref. No RAC. IAC|Acq|37EE|57—Whereas, I, M JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000|and bearing No.

Garrage situated at Domaoguda, Hyderabad (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq Hyderabad in October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with n 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as the a fin f in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that f hapte

## THE SCHEDULE

Garrage No. 4 on ground floor of 1-2-524, Domalguda. Hyderabad (area 182 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the IAC. Acquisition Range, Hyderabad under Registration No 388 in the month of October 1983).

> M JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore is pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date . 17-9-84

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONED OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, 17th September 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|Acq|37EE|58 —Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe thathe immovable property having a fair market value exceedings Rs. 25.000 and bearing

Flat situated at Ashoknagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Hyderabad in October, 1983.

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Mehta Towers, 1-1-293|4, Ashoknagar, Hyderabad-500 020.

(Transferor)

(2) Smt. Poornima, w/o Dr. M. Tyagarajulu, 176|3 RT, Vijayanagar Colony, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404 in 4th floor of Mehta Towers. 1-1-293|4, Ashoknagar, Hyderabad (Area 1610 sq. ft.).

(Propperpty as described in the agreement to sale registered in the offict of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 392 in the month of 10|83.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 17-9-84

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Babukhan Constructions, 3-9-58/1-15, bashiibagh, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sci Mohd, Sabir Mohinddin Siddique, 6-3-1111 15, Nishat Bagh Layout, Begumpet, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, 17th September 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|Acq|37EE|59.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Office situated at Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1208 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Ac., Hyderabad in October, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between 4the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trasfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Office space No. 903 in 9th floor in 5-9-58 1-15, Babukhan Estate, Bashirbagh, Hyderabad (area 1058 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C.. Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 396 in the month of October, 1984.)

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely :-46-336GI|84

Date: 17-9-84

Scal:

POKAL ITMS ----

(1) Nataraj Construction Co., 116, Park Lane, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. A. Mukheed, 5-7-525, Namaplly Dargah, Hyderabad.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX A(1, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, 17th September 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|Acq|37EE|60,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN being the Competent Authority under sec. 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, harring a lateral activated in 25,000|- and bearing No. Office situated at Park Lane, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at 1 C. Acq. Hyderabad on October, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Nos. 164 and 165 on 1st floor of Chenoy Trade Centre, 116, Park Lane, Secunderabad (Alea 367 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 398 in the month of 10|83.)

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge, Hyderabad (A. P.)

Date: 17-9-84

#### FORM ITNS——

(1) M[s. Baseera Builders, 10-2-287|3, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Haji Mchd. Shariff, Apartment 1023, School Lane Gall, 5450, Wissashickhon Avenue, Philadelphia, PAI 19144 U.S.A.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-FE|61.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat D situated at 11th floor A.C. Guerds, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority IAC, Acq, Hyderabed on 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have teason to believe that the fair market value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, its respect of any income arising from the transfer: and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, each or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial e proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. D, 11 floor at Baseera Apartments, A.C. Guards, Hyderabad (Area 1353 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 401 in the month of December, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (AP)

Date : 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Ms. Mehta Towers. 1-1-293|4. Ashoknagar, Hyderaßad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri D. Satish Kumar Rlo Mandade Niwas, Shantiniketan Society, Ausa Road, Latur, Maharashtra.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37-HB|62.-Whereas, I,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.

F. 408 situated at 4th floor Mehta Towers, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under the company of the large transferred and the schedule is the company of the large transferred and the schedule is the company of the large transferred and the Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

IAC. Acq. Hyderabad on 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the such instrument. parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 408 in 4th floor of Mehta Towers, Ashoknagar, Hyderabad (Area 1168 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 405 in the month of December, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE **HYDERABAD**

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|63,—Whereas, I, M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/s property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office No. 142 Bashirbagh, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule appeared hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range, Hyderabad in December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86, Ranigunj, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri J. B. S. R. Krishna Sastry. 44, Andhia Bank Colony, Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said  $\Delta c^{+}$  shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Office No. 142 in 5-9-58[1-15] Bashirbagh, Hyderabad--

(Area 333 sft.)
(Property is described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 407 in the month of December, 1983).

M. JFGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Hyderabad (A.P)

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- M|e. Babu Khan Builders, 5-4-86, Ranigunj, Secunderabad.
- (2) Smt. G. Sarojini Goud, 1-2-54|11 Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. JAC|ACQ|37-EE|64.—Whereas I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Office No. 902 Bashirbagh situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (to of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. Hyderabad on 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conces' ment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 902, 5-9-58|1-15, Bashirbagh, Hyderabad—(Area 1103 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad under Registration No. 408 in the month of December, 1983).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37EE|65.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe t hat the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000- and bearing Office No. S. No. 1, 2, 57, 56 & 58 situated at Bashirgabh,

Hyderahad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at 1AC, Acq. Hyderabad on 12-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than often per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the itoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mis. Babu Khan Builders. 5-4-86, Ranigunj, Secund raboa

(Transferor)

(2) Mis. Bajeang Pershad & Co., Naresh Kumai Sanghi, 21-2-588, Urdu Galli, Pathergatti, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chanter.

#### THE SCHEDULE

Shop Nos. 1. 2 56, \*7 and 58 in Babu Khan Estate, Bushi, bagh, Hyderabad (Area 1391 stt.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad in the month of December, 1983 under Sl. No. 409).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Hyderabad (A.P.)

Date · 12-10-1984

Scal:

28398

#### FORM ITNS---

5-4-86. Raniguni. (1) M/s Khan Builders. Rahu Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss V. Sita, Street No. 4, Tarnaka, Secunderabad,

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period of the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chunfer XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|66.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred a, per dead registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

No. 532 situated at Ranigunj, Secunderabad

Registering Officer at IAC. Acq. Range, Hyderabad in December 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of::

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Office No. 532 in the Babu Khan Estate, Ranigunj, Hydera-

bud (Area 1391 sft.).
(Property as described in the agreement to sale registered in he office of the LA.C., Acq. Range, Hyderabad under Pegistration No. 410 in the month of December, 1983).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|67.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office 533 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range, Hyderabad in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
47—336GI|84

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86, Raniguni, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Venu Annapurna, Rio Tarnaka, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning are given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office No. 533 in Raniguni. Secunderabad admeasuring 349 sft.

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec., 1983 vide Sl. No. 411).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

28400

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigum. Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Farida Banu, Rlo Babu Khan House; Begun pet, Hyderabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD. (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. IAC|ACQ|37-EE|68.--Whereas. I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

O No. 402 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer

JAC. Acq. Hyderabad on 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market valu eof the aforesaid proptrty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in tht Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 402 in 5-4-86, Ranigunj, Secunderabad (Area 3226 sft.),

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range. Hyderabad in the month of Dec. 1983 vide Sl. No. 415).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

twow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1**9**61)

#### (1) M|s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Rangui Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sayeeda Banu, 8-2629<sub>1</sub>A|B|1, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC No. LAC ACQ 37-EE 39.-Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

O. No. 502, situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Tyderabad on 12 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabhay of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 502 in Ranigunj, Secunderabad (Area 3226

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec., 1983 vide Sl. No. 416).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mls. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Shri A. K. Babu Khan Family Trust, 1-8-303|33. Rassolpura, Secunderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|70.-Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. O. No. 801, 802 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Hyderabad on 12 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 801, 802, in 5-4-86, Raniguni, Secunderabad (Area 4900 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C. Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec. 1983 vide Sl. No. 417).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

Scal:

FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P :

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|71.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

O. No. 601, 602 and 641 situated at Ranigum, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. Hyderabad on 12/83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mls. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Raniguni, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Bashiruddin Babu Khan Family Trust. 6-3-1111|4, Begumpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

Office No. 601, 602 and 641 in 5-4-86, Raniguni, Secunderabad (Area 5334 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec. 1983 vide St. No. 418).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 12-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|72.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

F. No. 408, situated at Red Hills. Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq. Hyderabad on 12/83

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unnster with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Bjagyanagar Construction Co., 11-4-656/1, Red Hills, Hyderabad.

(Transfero:

\_\_\_\_

(2) Sri D. Sri D. Bhagya Reddy, 1Vth floor, Block 4, 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

( Fransferee )

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 408 in 11-4-656 1. Red Hills, Nampally, Hydera-

bad (Area 977 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the 1.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec. 1983 vide Sl. No. 419).

M. JEGAN MOHAN, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Rombay

Date . 11-10-1984

- (1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigum Secunderabad.
- (Transferor) (2) Miss Ashraf Banu, 16-8-244, Malakpet, Hyderabad

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|73.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable. property, baying a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

office 125 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC. Acq. Hyderabad on 12/83

to an apparent consideration which is less than the fair warket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 125 at 5-4-86 Raniguni, Secunderabad (Area 355 sq. ft.) (Property as described in the agreement to sale registered the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the office of the

in the month of Dec, 1983 vide Sl. No. 420).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92. Raniguni, Secunderabad. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(i) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Weheedunnisa Begum, 16-8-244|1, Malakpet. Hyderabad. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. IAC|ACQ|37-EE|74.—Whereas M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing O. No. 123 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in 12|83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the vald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, panely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any o.her person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 123 at 5-4-86, Raniguni, Secunderabad (Area 480 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec. 1983 vide Sl. No. 421).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Babu Khan Builders, 5-4-86 to 92, Ranigur Secunderabad.

(Transferor)

# (2) Smt. Akbari Farooq, 16-8-244 1, Malakpet, Hydera-(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.). the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|75.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Office 124 situated at Ranjouni Secundarahad

Office 124 situated at Raniguni, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in 12 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Office No. 124 at 5-4-86 Raniguni, Secunderahad (Area 375 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec. 1983 vide Sl. No. 422).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-48---336GI|84

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|76.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office 1006 situated at Bashirbagh, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC, Acq., Hyderabad on Dec. 83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M|s. Babu Khan Construction Co. 5-9-58, Bashirbagh.

  Hyderabad.

  (Transferor)
  - (2) Smt. Kanta Gangwal, R. No. 12, Banjara Hills, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 1006 in Babu Khan Estate, Bashlrbagh, Hyderabad (Area 1103 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of Dec. 1983 vide Sl. No. 425).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 12-10-1984

### (1) M/s. Babu Khan Construction Co., 5-9-58, Bashirbagh, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Radma Sultana, 6-3-347|9|2, Dwarakapuri Hyderabad. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|17.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No office No. 1005 situated at Bashirbagh

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the officer of Registration Officer at

IAC, Acq., Hyderabad on 12-83

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

### THE SCHEDULE

Office No. 1005 at Bashirbagh, Hyderabad (Area 1304

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range. Hyderabad vide Sl. No. 426 in the month of Dec. 1983.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-transferee for the 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-10-1984

(1) M|s. Triveni Builders, 4-2-1069, Ramkote, Hyderahađ.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kantilal G. Raja 4-2-614, Ramkote, Hyderaba (Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37-EE|78,—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. F. No. 106 situated at Ramkote, Hyderabad

IAC, Acq., Hyderabad on 12-83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC, Acq., Hyderabad on 12-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and|or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 106 in Vaibhav Apartments, Ramkote, Hyderabad (Area 987 sft.).
(Property as described in the agreement to sale registered

in the office of the IAC, Acq Range, Hyderabad in the month of Dcc. 1983 vide Sl. No. 427).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-10-1984

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. IAC|ACQ|37EE|79.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the competent authority under Section 269D of the Income-Tax Act. (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. F. No. 404 situated at Erramanzil Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 12|83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);  Mls. Commercial Flats Building Corpn., A-102( Satya Apartments, Masab Tank, Hyderabad,

(Trasferor)

(2) Sri Naushad Hussain, 116-11-6-862 B-1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404 in Concorde Apartments, Erramanzil Hyderabad, (Area 1461 sft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad in the month of Dec., 1983 vide Sl. No.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to following persons, namely:—

Date: 12-10-1984,

FORM I.T.N.S.-

(1) Ms. Baseera Builders, 10-2-287|3, Shantinagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Tehzibuunisa Begum, 11-5-400, Red Hills, Hyderabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

RAC. No. IAC|ACO|37EE|80 —Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Flet 'D' situated at A.C. Guards Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 12 83 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective narrows whichever and of a volume laters. pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the salu Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat D. 1st floor of Baseera Apartments, A. C. Guards, Hyderabad (Area 1353 sft.)
(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderebad in the month of Dec., 1983 vide Sl. No. 430).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date · 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

RAC. No. IAC|ACO|37EE|81.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), having a fair market value exceeding Re. 25,000 (c. property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Apartment situated at Raghunath Bagh (Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 12/83. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid described that the fair market value of the property as addressing the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Dr. Neena P. Desai, Wlo. Praful Manubhai Desai, Flat No. 5, Adarshnagar, Hyderabad-500 483.

(Transferor)

(2) Sri M. I. Seshan, H. No. 3-5-339[1, Vittalwadi, Narayanguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Apartment at Raghunath Bagh, Hyderabad (Area 1197 sft)

(Property, as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Hyderabad in the month of December, 1983 vide Sl. No. 432).

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeasid property by the issue for this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-10-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961, 43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37EE|82.—Whereas, 1, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. F-205 situated at Red Hills Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as por deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acq. Hyd. on 12|83,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri J. R. K. Rao, B-3|4, Prasam Apartment, 121, Mount Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

F. No. 205 in II floor of 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad (Area 1090 aft.,)

(Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of December, 1983 vide Sl. No. 433).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984.

Scal :

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Brahmandam Rajeswari, Wo B. Anjaneyulu, clo. Avinash Paints, Tenali-1.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

RAC. No. IAC|ACQ|37FE|83.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Locometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable rice by having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. F-701, situated at Red Hills, Hyderabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

as rer deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyd. on 12|83.

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any e very or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for she purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immunable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

F. No. 701 in VII Floor of Red Hills, Hyderabad (Area 874 sft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of December, (983 vide Sl. No. 434).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate , societlings for the acquisition of the afores aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the followby remove namely :--

Date: 12-10-1984.

Scal :

49-336GI 84

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (Transferor) (2) Shri Mohd. Basheeruddin, 11-4-555, Bazar Ghat,

(1) Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656 1,

Red Hills, Hyderabad.

Hyderabad.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC. No. 1AC|ACQ|37-EE|84,-Whereas, J, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

No. F. No. 515 situated at Red Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in December 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein and are defined in Chapter XXA of the said Att; shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

F. No. 515 in Vth floor of 11-4-656 1 Red Hills, Hydera-

bad (Area 1187 sft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the IAC. Acq. Panga Hyderabad in the month of December. 1983 vide Sl. No. 435.

M. JEGAN MOHAN Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-10-1984

(1) Bhagyanagar Construction Co., 11-4-656|1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri K. P. Rao, Clo. F. No. 708. A Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, HYDERABAD (A, P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|ACQ|37-EE|85.-Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. F-708 situated at Red Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

**OTMICA** Insfer

has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument expansion with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

F. No. 708-A. Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad (Area 874 sft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad registered in the month of December, 1983 vide Sl. No. 436).

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. RAC IAC|ACQ|37-EE|86,—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. F-703 situated at Red Hills Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred

as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in December, 1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of immediately.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acr, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the gald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Bhagyanagai Construction Co. 11-4-656 1, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Captain Vikram Barn, F. No. 703, Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

F. No. 703 in Brindavan Apartments, Red Hills, Hyderabad. (Alca 1181 sft.).

Property as described in the Agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of December, 1983 vide Sl. No. 437).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 12-10-1984

(Plant at MS --- --

(1) Bhagynnich Constitution Co., 11 4-656[1, Red Hills Hyderabad

(2) Shir P V R K Prashd 1 10 215 C,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 DOT, OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Ashoknagar, Hyderabad

#### (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACCUISITION 1 47 1 3 (A P)

Hyderab i e izih e 6 10

PAC TO LACTOR ST DEAL T M TE AN MOTH

being the Competent Authorn, under Siction 269P of the Income tax. Act, 1901 (4 of 1961) (here, refer peretted to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair mark, value excluding Rs. 25,000] and bear 16, No.

and bear is No if the no and a cofully describe to be a dute a will hereto), militali of the thomas and Tavare to I were that the fair made is the of the or perty in a greened t It is the 4.5 filter a pur cent of an a et met , th consideration 19 said ! . parties has not been to a disk of a di r maent + transfer with the object of-

- (1) facilitating the reduction of evision if he has 'it's of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- th) freeliming the cance used on any recome of normous a rather and which has at been or which he had been of the purposes of he lader, become a A 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned
  - (a) b, any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
  - PUMATION —The time and e pressions used herein as edge in die Chapter XXA of the said Act. shall have the same meining as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

F No 702 in VIIth floor of A Block in Brindavan Apartment Red Hill, Hyderabad (Area 1218 sft)

Property in described in the agreement to sale registered in the office of the LAC Acq Range Hyderabad vide Si No 140 in the month of December, 1983)

M JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Hyderabad (A P)

No hetefore, in pure units of Section 2690 of the set act to the initiate per line for the consistence of the aforesaid property by the rear of this notice under subsection (1) of Section 269D of the deact to the following persons, namely—

Date: 12-10-1984

Seal

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Shanti Bai, 4-1-10, Tilak Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shri Kiran Chand Malkar, 10-2-317/16, Vilayanagar Colony, Hyderobad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|ACQ|37-EE|88.---Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at IAC, Acq. Hyderabad in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat at 1st floor of 4-1-10|B|9|A, Tilak Road, Hyderabad. (Area 979 sft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the Office of the I.A.C., Acq Range, Hydrabad in the month of December, 1983 vide Sl. No. 442).

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 12-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEL HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 12th October 1984

Ref. No. IAC|ACO|37-EE|89.—Whereas, 1, JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Office No. 644 situated at Ranigum, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC, Acq. Hyderabad in December, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fa'r market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 115 per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

travefer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mis. Babu Khan Builders, 5-4-86, Ranigani, Secunderabad.
- (Transferor) (2) M|s. Epsolon Electronic Equipments and Components Ltd., B-2, Industrial Estate, Kushaiguda, Hydcrabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 644 & 645 in Alkatim Trade Centre, Ranigung, Secunderabad. (Area 266 sft. & 266 sft.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acq. Range, Hyderabad in the month of December, 1983 vide Sl. No. 443 & 444).

M. JEGAN MOHAN Competent Authorit. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Date: 12-10-1984

FORM ITNS----

(1) Shri A. M. Ktishna Murchy, 13-1-13,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOMETALL ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) San. T. W. atha, 10 3-144 90, P. S. Nagar, Hyderabad.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 12th October 1984

Ref. No. IAC|ACQ|37-EE|90.—Whereas, 1,
M. JFGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of th
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter teferred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25000!—and be using
No. 10-3-114490 situated at P. S. Bagin Hyderabad
(and more fully described in the Schedule anexed here of,
has been transferred under the Eccitation Act, 190c (16
of 1908) in the office of the Eccitation Act, 190c (16
of 1908) in the office of the formation, which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than infleen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such apparent consideration and that
the consideration for such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly state! in the said instrument
of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 3 39 from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days 1 mathematical of notice on the respective persons. Whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovrbl. property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the "ransfer and for
- (b) facilitating the concentment of any income or instruction of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the numbers of the Indian Incometax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1952)

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate a occedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sail Act, to the following persons, namely:

### THE SCHEDULE

House No. 10-3-1114190, P. S. Nogar, Hyderabad. (Arca  $110^{4}$  eq. ic.).

Property as described in the agreement to sale registered in the office of the LAC. An Rome Hydrabad in the month of December, 1983 vito St. No. 445

M. JEGAN MOHAN Comparent Authority Inspecting Assistant Compassiones of Income-tax Acquisition Range Hyderahad (A.P.).

Date: 12-10-1984

Sen1:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad A.P.), the 15th October 1984

Ref. No. RAC. No. 674|84-85.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. House situated at Bakaram, Gandhinagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed herete).

has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally in February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore has a property to be a property to be a property to be a property to be a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore has a property to be a property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and by more that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. A. Lakshminarasamma, Wo A. Somusundaram Flat No. A-1. Taxila Apartments, 1-1-11. S. P. Road. Secunderabad.

(Transferor)

(1) Smt. D. Kamala, Wo. Suryanaravana Sastry, 1-1-650, Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property being No. 1-1-650, at Kakaram, Gandhinagar, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide document No. 207/84.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 50-336GI|84

Oate: 15-10-1984

Seel :

FORM ITNS-

(1) Shri Kiritkumar H. Parikh, Smt. Sarojben Harabadrai Parikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Shobha Mohandas Chatlani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1392|83-84.--Whereas, I, A. LAHERI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preserty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Flat No. 3F, 5th floor, Veena Happy Home Apartments CHS/ 28A Nepr usea Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 1 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5F, 5th floor, Veena Happy Home Apartments Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 28A Napeansea Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1520|83-84, dated 2-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Maharaj Kumari Jyotsana Devi Bardawan Mai. General A. A Dutt.

### (2) Shri Dilip K. Gandhi, Smt. Sudha D. Gandhi.

(Transferor)

(Transefree)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.I 37EE 1665 83-84.—Whereas, I, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing No. Flat No. 17, 'Dairya Mahal 'A', Napeansea Road, Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 21-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of -transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not ocen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 17, Dariya Mahal A, Napeansea Road, Bombay-6.

The Agreement thas been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I 37EE 1573 83-84, dated 21/2/1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-, Bombay

Date : 11-10-1984 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

AR. 1|37FE|1715|83-84.—Whereas, I, Rcf. A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 402, 4th floor, Mahavir Apartments, Tardeo, Bom-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: -

(1) Ms. Paramount Corporation.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal C. Sheth, Smt. Kalavati Mohanlal Sheth.

(Transferce)

(3) M/s. Paramount Corporation. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Mahavir Apartments. Tardev

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. I|37EE|1574|83-84, dated 9-2-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Mr. Mehbook Sabjali Sandrani.

(Transferor)

(2) Mr. Prashant Ghansyamlal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1812|83-84,—Whereas, I. A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

office No. 23-L, 12th floor, Building No. 3, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 23-L on 12th floor in Building No. 3 of Navjivas Society, Lamington Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR. 1/37EE/1679/83-84, dated 2-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Mr. Ram Shivandas Bharwani, (2) Mls. Singh Exports.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 1817 83-84.—Whereas, I, LAHIRI.

A. LAHIRI.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Unit No. 212, Shiv Shakti Industrial Complex, Shree Sitaram Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever properly approximately.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 212, Shiv Shakti Industrial Complex, Shree Sita ram Mil Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-1|37EF|1446|83-84, Authority, Bodated 2-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) Vijya Krishan Mehra.

(Transferor)

(2) Mr. Iqbal Siddique Patel, Mrs. Rukaiya Iqbal Patel.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAŸ

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1842|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 27, 7th floor Central Court CHSI, Motibai Street.

Bombay-400 011.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Jazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used action as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 27, 7th floor, Central Court Co-op. Housing Soc. Itd., 18, Motibai Street. Bombay-400 011.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR. J[37EE]1467[83-84, Authority, Bordated 2-2-1984.

> **Λ. LAHI**Rī Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Seal:

Date: 12-10-1984

(1) Shah & Nahar Associates,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M|s. Ashok Sharma and Associates (P) Ltd. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1855|83-84.--Whereas, I,

A LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing Unit No. 151, Shah & Nahar Indl. Estate, Sitaram Jadhav

Marg Lower Patel, Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed bereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Unit No. 151, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A1, Dhanraj Mills Compound, Sitaram Jadhav Marg, Lowe Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1480|83-84, dated 4-2-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-, Bomb

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.1|37EF|1869|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office Premises No. 144, 14th Fl. in A Wing, Mittal Tower, Nariman Point, Bombay-21,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office off the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—
51—336GI|84

(1) Ms. Chunilal Suraimal.

(Transferor)

(2) Master Sudeep Shyamkumar Shrivastava.

(Transferee)

(3) M/s. Chunilal Surajmal.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 144, 14th floor in A Wing of 'Mittal Towers' Nariman Point, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1490|83-84, dated 4.2.1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f, Bombay

Date: 11.10.1984,

(1) Shri Rameshchandra V. Doshi, HUF.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Smt. Ramila S. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EF|1871|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and hearing No.

and bearing No.
Gala No. 418, Ajay Indl. Estate, Mazagaon, Bombay-10, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 \(\text{B}\) of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the bansfer: ard/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovshle property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala No. 418, Ajay Industrial Estate, Mascarehans Road, 4th floor Mazagaon, Bombay-400 010.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. I|37EE|Deemed|77|83-84, dated 11.2.1984

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said \(\).1 I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12.10.1984.

(1) M/s. Veena Beena Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Mayadevi L Mirchandani.

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.J|37EE|1872|83-84.—Whereas, I, Λ. LAHIRI,

A. LAHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 505, 5th floor, E Wing, Veena Beena Apartments, Sewri(W), Bombay-400 015, (and more fully described in the schedule approved because)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tox Act, 1961, in the office of the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soud Act, shall have the same meaning is given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor in E Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (West), Bombay 400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1|37EE|1492|83-84, dated 4.2.1984.

A. LAHTRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 12 10, 1984.

(1) M s. Veena Beena Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Ainul Haque Abdul Hai Siddique.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

AR-I|37FE|1873|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

property having a rair market value exceeding Rs. 25,0007 and bearing No.
Flat No. 203. 2nd floor. Wing E, Veena Beena Apts., Acharya Dhonde Marg, Sewri (W), Bombay-15, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 4-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor in Wing 'E', Veena Beena Apartments, Achaiya Bhonde Marg, Sewri (W), Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/1493/83-84 Authority, Bodated 4-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11,10,1984,

(1) Shri Sunder Kishinchand Dularamani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

 1. Kum-Anusuya Sadhu (Minor) through her Guardian Mrs. Anta Sadhu.
 2. Kum. Ranjana Roy, Daughter of Pinaki Pankaj Roy and (3) Kum. Anita Ghosh, Daughter of Satya Brata (Ghosh)

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1874|83-84.--Whereas, I. A.- LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Office Premises No. 1109, 11th floor, Dalamal Tower, Back-bay Reclamation, Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay, on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office Premises No. 1109 on 11th floor, Dalamal Tower Premises Co-op. Housing Society Ltd., 211, Backbay Reclamation Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I/37EE/1505/83-84, dated 4 2.1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11.10.1984.

(1) Shri Hemendra V. Doshi, HUF

(Transferor)

(2) M/s. Impressionists.

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1890|83-84.-Whereas, I,

LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the im-

to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000; and bearing No. Industrial Unit No. 417, Ajay Service Industrial Premises, Mazagaon, Bombay-10, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value f tobe aforesaid property and I have reason to

market value f tohe aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability. of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 417, Ajay Service Industrial Premises, The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I | 37EE | Deemed | 45 | 83-84, dated 13.2.1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12.10.1984.

#### 28437

#### FORM ITNS----

(1) Mr. Ram Shivandas Bharwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Singh Exports.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I/37EE/1902/83-84.--Whereas, J. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. Un't No. 212, Shiv Shakti Industrial Complex, Lower

Parel. Bombay-13.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as that Chapter. given in

#### THE SCHEDULL

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for tue purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Unit No. 212, Shiv Shakti Industrial Complex, Sitaram Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I|37EE|1723|83-84 dated 10 2.1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:—

Date: 11.10.1984

(1) Mr. Amin Allibhai Premji.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Devji K Chheda,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37FE|1912|83-84 -- Whereas, I, LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000l- and bearing No Grange No. 2, Rajat Apartments CSL, 20 Mount Pleasant Road Rombay & Sambay & Sambay

Road, Bombay-6,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 259AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Garage No. 3, Rajat Apartments Co-op, Housing Society Itd., 20, Mount Pleasant Road, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-1|37FE|1729|83-84, Authority, Born dated 10-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 12 19 1984,

(1) Smt. Sudha A Javeri.

(Transferor)

(2) Shri Madhukar S Mehta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (3) Transferor.

#### (Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1912|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 403, 4th floor, New Shri Sagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Dungersey Road, Walkeshwar, Bombay-6, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is recipied and and

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the saxi immov-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 403, 4th floor, New Shri Sagar CHSL, 29-C, Dungarsey Roa'J, Walkeshwar, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR. I 37EE 1414 83-84, Authority, Bom dated 10-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely:—52—336GI[84]

Date: 12.19 1984. Scal:

(1) M|s. Unit Developers.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. 4R.I]37Ef:|1918|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat on 4th floor of Samartha Niwas, Hindu Colony, Dadar, Bombay-14,

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 17-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the followjor persons namely:--

(2) Jayantilal Chunilal Shah, Cl Shah, Vikram Chunilal Shah. Chandrakant Chunilal

(3) Mhatre Bros. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat on the 4th floor of Samartha Niwas, 148-A, Hindu Colony, Dadar, Bombay-400 014.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bobmay under No. AR.I|37EE|Deemed|99|83-84, dated 17.2.1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Date: 12.10.1984.

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1922|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing

Unit No. 19, 3rd floor, Mahalaxmi Industrial Estate, Lower Parel, Bombay-13,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

10.2.1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Harry Dhaul.

(Transferor)

(2) M/s Praga Refrigeration Pvt. Ltd.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 19, 3rd floor, 'Mahalaxmi Industrial Estate, Drainage Channel Road, Gandhi Nagar, Lower Parel, Bombay-400 013.

The Agreement has been registered by the Competent Authority | Bombay, under No. AR-I/37EE]1733|83-84 dated 10.2.1984,

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11.10.1984,

#### FORM I.T.N.S. -

(1) Om Sadan Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Parmeshwaridevi & Shri Pradeep Agarwal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I[37EE]1944[83-84.--Whereas, I, LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 173, 'SHREE OM SADAN' Narayan Dabholkar Road, Bombay-6, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority 15.2.1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transferor. and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette-or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

may be made in wrking to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the mid minsonsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Gezette.

Explanation:-The terms and expressions used marsin an are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 173, in 'Shree Om Sadan', 15 Narayan Dabhol-kar Road, Bombay-6.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Eombay under No. AR. I|37EE|2121|83-84, dated 15-2-1984.

A. LAHIRI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12.10.1984,

(1) M|s. Om Sadan Pvt. Ltd.

(Transferor)

28443

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Shri Pradeop Agarwal & Smt. Parmeshwaridevi Aggarwal. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Rel, No. ARJ|37EE|1945;83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,900/-

and bearing Flat No. 174 in Shree Om Sadan, Narayan Dabholkar Road.

Bombay-6, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

15.2.1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

59--326 GI[84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unsnevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 174 in Shree Om Sadan Bldg., 15 Narayan Dabholkar Road, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent athority, Bombay under No. AR.I[37EE]1735[83-84, Authority, Bomloated 15.2.1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12,10,1984

(1) Mrs Khatija Siddique Reshamwalla.

(Transferor)

(Person in occupation of the property)

(2) Mrs. Fehmida Mehmood Naik.

(3) Transferce.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECIING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE.1954|83-84,---Whereas, I LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing Flat No. 10, C Block, 'Baitul Aman' 'Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Maulana Azad Road, Bombay-8, (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Cornelant Authority of the Competent Authority Bombay ou 15-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same monning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957):

#### THE SCHEDULE

Flat No. 10 'C' Block, 'Baitul Aman' Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 2, Maulana Azad Road, Junction of Bellasis Road and Duncan Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay, under No. AR-1/37EE/1793/83-84, Authority. dated 15-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11.10.1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1959|83-84—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 2, 2nd floor, Shri Ram Bhavan, Dadar Bombay-14.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269.AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Bombay on 20-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer experced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Build Quick.

(Transferor)

(2) Instalarm Control Products.

(Transferee)

(3) 1. Mr. Mahadeo Shivram Patil,2. Mr. Vithoba Shivram Patil.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 2nd floor, Shri Ram Bhuvan, Dadar, Bombay-14

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No AR-I/37EE/1738/83-84, dated 20-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11.10.1984,

\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

(1) Mis. Deepak Enterprises

(Transferor)

(2) Ms. Mahavir Diamonds

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I[37FE]1963|83-84.-Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

nd bearing No.
Office No. 1318, 13th fl., Prasad Chambers, Near Roxy
Cinema, Bombay-400 004

(and more fully described n the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, of the Competent Authority Bombay on 20-2-1984 in the office

for an apparent consideration which is less than the fair mraket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) muditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 1318, 13th flor, Prasad Chambers, Near Roxi Cinema, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I]37EE]1740|83-84 dated 20-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-10-1984

en eliteratura un este

#### FORM ITNS-

(1) Mrs. Pragnaben D Dave

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinodrai Popatlal Patel Ghanshyambhai Popatial Patel and Naynaben Jayantibhai Patel.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

AR-I|37EE|1966|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
Flat No. C 3, 3rd floor, Matru Ashish Premises CSL, Napeansen Road, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), market value exceeding

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the ransfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-53--236GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No. C3, 3rd floor, Matru Ashish Premises CSL, 39 Nepeansca Road, Bombay-400 036.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1 37EE 1743 83-84, dated 20-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I]37EE|1978|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No.

Flat No. 43, Empire Guide CHSL, L.D. Ruparel Marg, Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Shri Tikuchand Durgaji Jogani

(Transferor)

(2) Smt. Jyotsna Gopal Gokani Shri Gopal Prabhudas Gokani

(Transferee)

(3) Transforor & his family.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 43, Empire Guide Co-op. Hsg. Soc. Ltd., L. D. Ruparel Marg, Bombay-400 006.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I|37EE|1753|83-84, dated 20-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisit on Range-I, Bombay

Date : 11-10-1984

PART III -- SEC. 1]

FORM ITNS---

(1) Mr. Narendra Bhatia.

(Transferor)

(2) Dr. Jaydish Balvantrai Shah.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1991|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 101-B, 1-t floor, Anjali Bldg., French Bridge, Opera House, Bombay-400 004.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the afore aid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101A, 1st floor, ANJALI Building, French Bridge, Opera House, Bombay-400 004

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I|37EE|1675|83-84 dated 25-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-10-1984

#### FCRM ITNS-

(1) Mr. Narendra Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Asha J Shah

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1992|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

and beating No. Flat No. 101A, 1st floor, ANJALI Building, French Bridge,

Opera House, Bombay-4, (and more tully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the preement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 101A, 1st floor, ANJALI Building, French Bridge, Opera House, Bombay-4. The Agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I[37EE]1676[83-84 dated Authority, 25-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-10-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE|1994|83-84.—Whereas I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Office No. 610, 6th boor 'PRASAD CHAMBERS' Neur Roxy Cinema, Bombay-400 004.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the remaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hari Tarachand Narsinghani

(Transferor)

(2) M|s. Hötchand Hiramand (Pvt.) Limited.
(Transferee)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the amse meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 610, 6th boor 'PRASAD CHAMBERS', Near Roxy Cinema, Bombay-400 004.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1|37EE|1803|83-84 dated 25-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 11-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I[37EE[2000]83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Commercial Premises, being an Office Room No. III|1103, i.e. Office Room No. 3, 11th floor of Building No. III, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Dhanpatidevi Balchand Surana Shri Lachhmandas Jaidutt Gupta,

(Transferor)

(2) M s. Bafna and Associates

(Transferee)

(3) M|s Bafna and Associates
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Commercial Premises, being an Office Room No. III|1103, i.e. Office Room No. 3, 11th floor of Building No. III, Navjivan Society, Lamington Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I[37EE]1805|83-84 dated 25-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-1984

(1) Shri Jayantilal D Barai.

(Transferor)

(2) Shri Rusy P. Mory.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor & Transferee.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref No. AR-I|37EE|2002|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No

Flat No. 39, 7th floor, Cuffe Parade Sunita CHSL, Cuffe Parade, Bombay-5,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 25-2-1984 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 39, 7th floor, Sunita Bldg., Cuffe Parade Sunita CHSI, 98, Cuffe Parade, Colaba, Bombay-400 005.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I|37EE|1807|83-84, dated 25-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) Mr. Laxmichand Bhanji Shah

(Transferor)

(2) Dr. Naresh Durlabhram Jani Mrs. Indira Durlabhram Jani

(Transferee)

Transferees.

(Person in occupation of the property)

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE|2013|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop No. 24, Pakecza Market, Maulana Shaukatali Road, Grant Road, Bombay-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under he said Act, to respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 24, Pakeeza Market, Maulana Shaukatali Road. Grant Road, Bombay-400 008.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I 37EE 1847 83-84, dated 27-2-1984

> Competent Authority Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-10-1984

and the control of the second control of the contro

#### FORM ITNS----

(1) Tand o Preperties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ajitannar Fatchlal Khasgiwala Satoi Alitkumar Khasgiwala Sapan Ajitkoma. Khaigiwala.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-1|37EE|2021|83-84.-Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing

No. Flat No. 1104, 11th floor, Bldg. No 3, Shirin Apartments, Tardeb, Bombay,

(and more fully described in the Schedulg aimexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-lax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property an dI have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :---

54---336GI]84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official-Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Flat No 1104 11th floor Shinin Apartments, Opp. Ganga

Jamus Cinema, Tardeo, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authoraty. Bombay under No. AR-1/37EE/1870/83-84, dafed 27-2-1934.

> 1. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 12 10 1984

#### FORM ITNS-

(1) M<sub>[5]</sub> Veera Beena Enterprises.

(Transferor)

(2) Shri Thakorebhai Narandas Chawda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-1|37EE|2033|83-84.--Whereas, I, LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 4, Ground floor, 'D' Wing, Veena Beena Apts., Acharya Dhonde Marg, Sewri (E) Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor in D' Wing of Veena Beena Apaitments, Achaiya Dhonde Maig, Sewri (W) Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority. Bombov. under No. AR-1/37EE/1857/83-84, dated 27 2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date : 11 10-1984

SenI:

FORM ITNS----

(1) Veena Beena Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Naresh Balubhai Gohil

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref No AR-I/37Ef/2034/83-84.—Whereas, I. A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Flat No. 1/A. Ground floor, D. Wing, Veena Beena Apts. Acharya. Dhondo: Marc. Senri (W). Bombay-15, (and m. t. fully described in the Senciale annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration. Act. 1908. (16 of 1908) in the office of the Registering Officer. at Bombay on 27-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1|A, Ground floor in 'D' Wing, Veena Beena Apartments, Acharva Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/1858/83-84, dated 27-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property is the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .-

Date : 11-10-1984

Seal -

FORM ITNS- --

(1) 111 Vana Brona Poterprises.

(Transferor)

(2) °mt. Numalaben Thakutbhai Chawda

(Transferce)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-I|37EE|2035[83-84 — Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ct 1961) therapetric referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/and beauting

and bearing
No Hat No 5, Gradud floor, D Wing, Veena Beena Apts.,
Achive a Discrete Man Saver (W) Rombay 15

Achaiva Dhonde Mang, Sewiji (W), Bombay-15 (ant more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deco registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 27-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proper'y, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

H.t No 5, Ground floor in 'D' Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri West, Bombay-400015.

The Agreement has been registered by the Competent Authorn, Bombar under No. AR-I/37EE/1859/83-84, dated 27/2/1984.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the accurisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

A. LAHIRI
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Incomestics
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 11-10-1984

#### FORM ITNS----

(1) Mr. Vecus Beens Enterprises

(Transferor)

(2) Shij Narayan K. Thorat

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Rcf. No. AR-I|37FE|2036|83-84.—Whereas, 1, A. IAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

not bearing
No. Shop No. 2, Ground floor, A Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Mart, Sewri (W) Bombay-15
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Ground floor in 'A' Wing, Veena Beena Apartments, Acharya Dhonde Marg, Sewri (W) Bombay-400 015.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. RA-I|37EE\_1860|83-84, dated 27-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) 1. Jagannath Narayan Shetty 2. Smt. Nalmi J. Shotty

(Timarforer)

(2) 1. Nagendia S. Hanchate 2. Bharat S. Hanchate

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1958|83-84.—Whereas, t, A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Unit No. 421, 4th floor, Narayan Udhyog Bhuvan, Lalbaug,

Bombay-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . ~

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 421, 4th floor, Narayan Udhyog Bhayan, Lalbaug, Bombay-12.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-I/37EE/1737/83-84 dated 20-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1998|83-84.--Whereas, I, A LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Room No. 211, 2nd floor, Bombay Market, Tardeo, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair ma ket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of punster with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Nargisbanoo Yusufali Mukadam

(Transferor)

- (2) 1. M1. Chandulal Jechandbhal Shah
   2. Mr. Jikesh Bharatbhai Shah
   3. Miss Vimla T. Nainani
  - 4, Mr. Naresh T. Nainani

(Transferce)

(3) M/s. Beautees.

(Person in occupation of the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Room No. 211, 2nd floor, Bombay Market, Tardeo Main Road, Taideo. Bombay-400 034

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I 37EE 78 Deemed 83-84, dated 28-2-1984.

> Λ. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal .

(1) Mr. Salig Ram Mishra

(Transferor)

(2) Mr. Suresh Kumar Babulal Bafna

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bomby, the 12th October 1984

Ref. No. AR|37EE|1983|83-84.—Whereas, I, A LAHIRI,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 27, 3rd floor, Hargun House Worli, Bombay-18 (and page fully described in the Schedule company thereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incom-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tvansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as ever defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 27, 3rd floor, Hargun House, Plot No. 148, Schemo 52, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-400 018.

The Agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.I 37EE 1796 83-84, dated 25-2-1984

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal .

(1) M|s. Manilal Premjit and Co

(2) Priti Masala Product

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-J.
BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1832|83-84.—Whereas, 1, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 5 in basement, Sharda Chambers No. 2, Keshavji

Naık Road, Bombay-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparatus consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold instrument of transfer with the object of :—

- (a.) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 5 at basement, Sharda Chambers No. 2, Keshavji Naik Road, Bombay.

The Agreement has been registered by the Computent hashouty, Lombay under No. AR. 1/37EE/1461/63-64, dated 1-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

55-336GI 84

Date: 12-10-1984

Scal .

#### (1) Mr. A. C. Mehta

(Transferor)

(2) Mr. H. T. Rohra

(3) Transferor.

(Transferce)

(Person in occupation of the property

interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (4) MIG Adarshnagar CHSL.

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I]37EE|1947|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 1504, Building No. 65, MIG Adarshnagar, Worli, Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay of 20-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen er c at of such apparent consideration and that the consider tion for such transfer as agreed to between the parties I as not been truly stated in the suld instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mo eys or other a sale which has e not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official date of Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1504, Building No 65, MIG Adarsh Nagar CHSL, Worli, Bombay-400 025.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 1|37EE|Deemed|46|83-84, dated 20-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Moshin Arif

(Transferor)

(2) Mr. Khurshid Abdulali Barafwala Mrs. Ataka Abdulali Barafwala

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|2014|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 11, B Block, Gr. floor, Bunyan, Byculla, Bombay-27 (and more fully described in the schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of Competent Authority at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer; and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 11, B Block, Gr. floor, Bunyan Building, Love Lane, Byculla, Bombay-400 027.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1|37EE|1848|83-84, dated 27-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D-of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

#### (1) Smt. Ababen H. Chaudhari

(Transferor)

(2) M|s. Aartee Estate Pvt. Ltd.,

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.1|37EE|2031|83-84.---Whereas, I. A. I AHIRI,

being the Competent Authority

under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 503, 5th floor, Surat Sadan, Surat St., Bombay-9 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, the office of the Competent Authority, at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 503, 5th floor, Surat Sadan, Surat Street, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1855|83-84, dated 27-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984

(1) Mr. Bhanwaria! Singhania

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Khemraj Santokehand Mudhra

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I | 37EE | 1811 | 83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

ond bearing No.
Office No. 126, 12th floor, 'ATLANTA' Nariman Point,

Bombay-21

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, snall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office No. 126, 12th floor, 'ATLANTA' 209, Nariman Point, Bombay-400 021.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.1|37EE|Deemed 43|83-84 dated 2-2-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the unid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) M|s. Mistry Investment Corporation

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh Sjo Khemsingh Ramgharia

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1898|83-84.—Whereas, I, A. I.AH:RI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Indl. Unit No. 7, Gr. floor, Shah and Nahar (Worli) Light Ind. Estate, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority, at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 7, Ground floor, Shah and Nahar (Worli) Light Ind. Estate, Off Dr. E. Moses Road, Worli, Bombay 400 018.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.I|37EE|1720|83-84 dated 10-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984

PART III—SEC. 11

#### FORM ITNS....

(1) Mr. Vimal Gagandas Jehtwani

(Transferor)

(2) Mr. Mohamed Ishaq Pathan

(Transferee)

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1905|83-84.--Whereas, I, A. LAHIRI,

being the competent authority under Section 269B of the tncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Office No. 26, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo, Bombay-400 034.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any imports arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 26, 3rd floor, Tardeo Air-Conditioned Market Tardro, Bombay-34.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37EE|1714|83-84, dated 10-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-10-1984

(1) Addi Khodadad Irani

(Transferor)

(2) G. T. B. Shipping Agency

(Transferee )

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR 1|37EE|1915|83-84,-Whereas, I, A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 1964 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable moresty baying a fair market value movable property, having a fair market value exceeding Plat No. 124, 12th floor in Satnam Apartment, Backbay Reexceeding clamation, Bombay-21

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair Market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Flat No. 124, 12th floor, Satnam Apartment, Plot No. 93 in Block V of Backbay Reclamation, Bombay-21.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.1|37EE|1731|83-84, dated 10-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under subsection 269AB of the Income-tax Act, 1961 is he office of persons, namely :---

Date: 12-10-1984

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1884|83-84 --- Whereas, 1.

A. LAHIRI. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

Flat No. 1, Gr. floor. Chawla House CHSL, Wodehouse Road. Colaba, Bombay-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income is x Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby i diste proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely to

56-336GJ184

(1) Mr. Janatius D'Cruz

(Transferor)

(2) Mr. Shiv Kumar Gupta Mr. Vishnukumar Gupta

(Transferec)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Chawla House Co-op. Housing Soc. Ltd., Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I | 37EE | 1506 | 83-84, dated

4-2-1984.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

12-10-1984 Date Seal '

(1) Smt. Sudarshan Parmanand Mehra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mls. Mehendra Kumar Ratanchand Jain. (HUF) (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONLR OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-J BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.II 37EE 4167 83-84,-Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LAHIRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Garage No. 11, Ground floor, Dadar Commercial Premises CSL, Dadar (C. Rly) Bombay-400 014. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of at Bombay on 4-2-1984

at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and reason to believe that the fair market value and I have property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same maening as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Garage No. 11, Ground floor, Dadar Commercial Preimses CSL, Dadar (C. Rly) Bombay-400 014.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I|37|EE|1471|83-84 dated 4-2-1984.

> A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-12-1984

(1) Shreenath Textiles

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Ferosan Friction Materials.

(Transferee)

(3) Shreenath Textiles.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, he 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1901|83-84.—Whereas, I, A. LAHIRI,

A. LATHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Gala No. 208B, 2nd floor, Dhanraj Industrial Estate, Lower Parel Bombay

Parel, Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 10-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Gala No. 208B, 2nd floor, Dhanraj Industrial Estate, Lower Parel Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay- under No. AR.I[37EE]1722[83-84, dt. 10-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, he 12th October 1984

Ref. No. AR.1|37EE|1928|83-84.—Whereas, I, A, LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Unit (Office) No. 505, Arihant Bldg., Ahmedaabd Street, Bombay-9.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more tha nfifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dharam Prakash Agarwal

('fransferor)

(2) Baldeo Goval.

(Transferce)

(3) Baldeo Goyal. (Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid ersons within a cried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit (Office) No. 505, Arihant Bldg., Ahmedaabd Street, Bombay-400 009.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I|37EE|1776|83-84, dated 15-2-1984.

A LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay.

Date: 12-10 1984

(1) Mrs. Durgabai Pribhadas Wadha

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mr. Nayansukh Ambalal

(Transferee)

(3) Mr. Manoj Nayansukh Dholakia, (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, he 12th October 1984

Ref. No. AR.I|37EE|1926|83-84 —Whereas, I. A. LAHIRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. C-78 in Venus Co.-op. Hsg. Soc. Ltd. Worli Sea Face South, Bombay-18.

(and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 15-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### TNE SCHEDULE

Flat No. C-78 in Venus Co.-op. Hsg. Soc. Ltd. Worli Sea Face South, Bombay-18.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.I. 37EE 1775 83-84, dated 15-2-1984.

A. LAHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Date: 12-10-1984

- (1) M|5. Gagangiri Development Corpn.
- (Transferor)
- (2) Shri K Adam Shaikh Ali Mukadam.

(Transferee)

## NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, he 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3710|83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. 404, C-Bldg., Gagngiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 404, C-Bldg, Gagngiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|1710|83-84 10-2-84.

A. I.AHIRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Scal:

(1) M|s. Gagangiri Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTIOIN 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shakil Abdullah Parkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, he 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3832|83-84.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing
Flat No. 112, 1st 'floor, 'C' Bldg., Gagangiri Nagar, Eksar
Borivli (W), Bombay-92.
(and more fully described in the schedule annexure hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 3-2-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of mansfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 112, 1st floor, 'C' Bldg., Gagangiri Nagar, Eksar Borivli (W), Bombay-92.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3832|83-84 dated 3-2-84.

A. LAHIRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay.

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS-

(1) Jay Raj Builders.

(Transferor)

(2) Shri Shetty Vijaykumar Shivaram & Shri S. V. Udaykumar Shivaram.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVFRNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

- ACQUISITION RANGE-IV
- BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3822|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing
Flat No. 5, Jay Shree Apartments, Jayraj Nagar, Vazira
Naka, Borivli (W), Bombay-92.
situated at Bombay.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-2-84.

for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, Jay Shree Apartments, Jayraj Nagar, Vazira Naka, Borlvli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3822|83-84 dated 19-2-84.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of said Act to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984.

(1) Ms. Vijay Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chippalassery Venkateshwaran Ramchandran (Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### **ACQUISITION RANGE-IV** BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3827|83-84.-Whereas, I,

a. Prasad. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

roberty having a lan market value exceeding Me. 2, 2, 2, 2, 2, 2, 3, 2, 3, 4, 2, 3, 4, 2, of the Competent Authority

Bombay on 18-2-84.

57-336GI|84

r an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason to lieve that the fair market value of the property as afore-id exceeds the apparent consideration therefor by more in fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration for such transfer as agreed to between the parties has not transfer us truly stated in the said instrument of transfer with the transfer of i--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the tremsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichover period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105, 1st floor, Shyam Krupa Bldg. No. 1 Eksar Village Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3827|83-84 dated 18-2-84.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Date: 12-10-1984.

#### FORM I.T.N.S.-

(1) M|s. R. Patel Builders

(Transferor)

(2) Ellen Dias.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writting to the undersigned :-OFFICE OF THE INSPECTING ASSISIANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 12th October 1984

BOMBAY

Ref. No. AR-IV]37EE]3878[83-84.—Whereas. I,  $\Lambda$ . PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Flat No. 105, Om Ashish, Village Fksar, I.C. Colony Cross Road, No. 6, Borivli (W), Bombay-92, and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-2-84, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the consideration and the consideration of the consideration and the that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income of moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C|47, 4th floor, Panchratna Rambaug, S.V.P. Road, Road, No. 6, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EF|3878|83-84 dated 19-2-84.

A. PRASAD, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Date: 12-10-1984.

(1) M|s. Jay Palı Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Satam Ruda Manohar.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|4066|83-84.---Whereas, I, A. PRASAD.

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing
Flat N. 12, Ground floor, Ramchandra Apartments, A-Bldg.
Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivli (W), Bombay-92
situated at Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 3-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the 1an market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 12. Ground floor, Ramchandra Apartments, A-Bldg. Jay Pali Hill, Near Shanti Ashram, Borivii (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4066|83-84 dated 3-2-84.

A. PRASAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay.

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984.

eal:

#### FORM ITNS ---

- (1) M|s. Zaveri & Sons.
- (Transferor)
- (2) Shri Meghji Bharmal Chheda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

AR-IV[37EE[3711]83-84.--Whereas, 1, Ref. No. A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beliew that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing No. Flat No. C|47, 4th floor, Panchratna Rambaug, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92. situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-84. for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C|47, 4th floor. Panchratna Rambaug, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV[37EE]3711[83-84 dated 28-2-84.

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Date:: 12-10-1984.

## FORM TINE

(1) Mis. Vijay Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saiaswathy Narayanan.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3930|83-84 --- Whereas, I,

PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 102, Shyam Krupa No 1, Eksar Village Road, Bolivii (W), Bombay-92 situated at Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office at Bombay on 18-2-84. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration consideration and that than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income avising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 102, Shyam Krupa, No. 1, Eksar Village Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3930|83-84 dated 18-2-84

A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date 12-10-1984.

(1) Jay Rai Builders

(Transferor)

(2) Shri Pawan Gangwal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3820|83-84 --- Whereas, 1, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o. 1961) (heremafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing - 1 - 1

Flar No. C-11 Jayesh Apartments, Jay Raj Nagar, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. C-11 Javesh Apartments, Jay Raj Nagar, Vazira

Naka, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide stial No AR-IV]37-EE[3820]83-84 dated 19-2-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-10-1984

#### FORM TENS-

(1) M|s Vijay Co.

- ( l'ransferor)
- (2) M/s, Steel Strips Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No.AR-IV|37EE|3825|83-84.---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.
Flat No. 305, Sham Krupa No I Fksar Village Rd, Bortvli

(W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-2-84

Table 1

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 305, Shyam Krupa Off Fksar Village Road, Botivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37FE|3825|83-84 dated 18-2-84

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS:

(1) Jay Rai Builders

(Transferor)

(2) Smt. Sita Manohar Kalwalker

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

AR-JV|37-FE|3821|83-84.--Whereas, J, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop No. 8, Jayesh Apartments, Jay raj Nagai Vazira Naka Borivii (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-2-84
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforenaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cont of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as according to between the parties has not been truly gated in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazetta.

Explanation :-- The terms and expressions used hard are defined in Chapter XXA of the shall have the same meaning as that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 8, Jayesh Apartments, Jay Raj Nagar Vazira Naka, Borivli (W).

The agreement has been registered with the Competent Authority Pombay and second No. AP-IV/17-EF/1821/82.84

Authority Bombay vide surial No. AR-IV/37-EE/3821/83-84 dated 19-2-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namey:--

Date: 12-19-1984

Seal -

(1) Mis. Vijay Nagar Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. & Mrs. Karsondas Nanji Vasani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 12th October 1984

AR-IV|37-EE|3765|83-84.-Whereas, I,

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Flat No. 403 Bldg. No. E-21, Yogi Nagar Eksar Road, Berivili (W) Bombay 92

Borivli (W), Bombay-92

has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: respect of any income arising from the tran and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 403, Bldg. No. E-21, Yogi Nagar, Eksar Road, Berivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV||37-EE||3765|83-84 dated 6-2-84.

> A. PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:— 58-336GI|84

Date: 12-10-1984 Seal

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) M/s\_Vijay Company (partnership firm).

(2) Shri Arun Vishnu Muley

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV137-FF 3826183-84. Whereas, I, A. FRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[and bearing Mo

Flat No. 4, ground floor Bldg Shyak Krupa No. 1 at Eksar

Village Rel. Bernyli (W), Bombay-92. (and more tully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the ogreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tennifer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of action 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said. Act to the following

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULF

Flat No. 4, ground floor Shyam Krupa No. 1 Eksar Village Rold Boriel (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Victoria, V. Pon Riv Ville Schal No. AR-IV[37EF]3826[83-84] dated 12-10-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

Real:

(1) M/s Vijay Company

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Shti Vithal Purshottam Gothaskar

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV<sub>1</sub>37-FE<sub>1</sub>3×10 83-84 —Whereas, I, A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing No. Hat No. 202 2nd floor, Shyam Krupa Bldg. Fksar Village Road Borryli (A), Bombay-92.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 5 oction 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to beneve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) factitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period argives later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Shyam Krupa Bldg No. 1 at Eksar Village Road, Borryli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37-EE|3810|83-84 dated 18-2-84

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-10-1984 Seal.

## FORM ITNS----

(1) Hari Matai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Francies J. D'Soza & Matlida F. D'Souza

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3912|83-84.---Whereas, 1, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act;), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and hearing

Rs. 25,000: and bearing
Flat No. B-9 Rosario Apartments Eksar Borivli (W)
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office
of the Competent Authority,
Bombay on 3-2-84.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Act; 1957 (27 of 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-9, 2nd floor Aosario Apartments, Eksar Borivli Bombay-92:

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial Nd. AR-IV 37-EE 3912 83-84 dated 3-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Scal

\*(Strike off where not applicable)

(1) M/s. Vilay Nagar Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Achal Swarup.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3766|83-84,--Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000]- and bearing Flat No. 1604 Bldg. No. 57|58 Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W)

(W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority Bombay on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exxceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Bldg. No. 57|58 Flat No. 1604, Yogi Nagar, Eksar Road Village Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3766|83-84 dated 6-2-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

(1) M/s Vijay Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shu Mahendra Ranchhod Prasad Vyas & Ois

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IN BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No.  $\lambda R = i \lambda^{13} / - E [3^{13} 32] \delta 3 - 84$  —Whereas I,  $\Lambda = F R A S A D$ 

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

plat No. 405 4th floor Shyam Kruna Bldg. Kisar Village Road Borrell (W), Bornbay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfured and the agreement is registered under rection 269AB of the prometax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

of the Competent Authority, Bombay on 18-2-84 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have coison to behave that the fair market value of the property as storesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed. In between the paties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the erespective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the reguler: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor, Shyam Krupa Bldg. No. 1, Eksar Village Road Borryli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37-FE|3932|83-84 dated 18-2-1984.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mutate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-

section (1) of Section 296D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :---

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

13 14 12-10-1984 Seal:

NOTICE JUNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. A A. PRASAD, AR-IV|37-EE|3763|83-84.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the ummovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No.

Flat No. 404, Bldg. No. E-1, Eksar Road (Yogi Nagar Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair nather value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair marketh value of the property a. aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely '--

(1) Ms. Vijay Nagar Corpn.

(Transferor)

(2) Shri Bharat Karsandas Vasani Ajit Kaisandas Vasani Mr. Karsondas Nanji Vasani

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any o fthe aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice o nthe respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 404 Bldg. No. E-21, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide sedial No AR-IV|37EE|3763|83-84 dated 6-2-84.

A. PRASAD Competent Au hor to Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

coal .

\*(Strike off where not applicable)

(1) M/s. Nari Matai

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Jerome D'souza

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3812|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No.B-5 Rosario Apartments Eksar Borivli (W) Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 12-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B-5, Rosario Apartments, Eksar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Athority, Bombay vide serial No. AR-IV-|37-EE3812|83-84 dated 12-2-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Rombey

Date: 12-10-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mls. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

(2) Shii B. Piotpiao Rane

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No AR IV|37-FE|3740|83-84. - Whereas, I. A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000]- and bearing No. Flat No 202 Golain Co-op Hsg Sety., Shimpoli Rd. Borivli

(W) 3 mbay-92

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transfued and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Net, 1961, in the office of the Competent Authority,

Bombay on 10-2-84

mm.124m

for an apparent consideration which is less than the fair to tket value of the afore-wid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with he object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any one purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 202 Gokain Co-op. Hsg Scty. Shimpoli Road, Borlyli (W), Bomb 1y-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay and serval No. AR-IV,37EF|3746|83-84 dated 10-2-34.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tra Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C at the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this note, under subsection (1) of Section 269D of the rold A for the fellowing p ons, namely:--

Date 12 10 1984 Scal:

59--- 336G184

(1) Shri T. U. Tailor.

(Transferor)

(2) Smt. Kandalam Pushpawali.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|4124|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Flat No. 5. 4th floor, Bldg A 617, Happy Jivan Co.op Hsg. Scty, Near Shanti Ashram Borivli (W), Bombay-203

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 18-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, 4th floor, Bldg. A6[7, Happy Jeevan Co-op. Hsg. Scty Near Shanti Ashram, Borivli (W) Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV[37-EE]4124[83-84, dated 18-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Eombay

Date: 12-10-1984

(1) Smt. Indiraben N. Ranbhia.

(Transferor)

Shri Pravin S. Dave & Shri Narendra K. Sodhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3629|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Flat No. 101, E-Wing, 1st floor, Sumer Nagar, Borivli (W),

Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 28-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, E-Wing, 1st floor, Sumer Nagar, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3629|83-84 datet 28-2-1984.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Rombay

Date: 12-10-1984

Scal:

(1) M/s. Vimesh Continental Tradeis.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hareshkumar Dilipkumai & Co.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR- $1V_{\parallel}$ 37-EE[3668|83-84.—Whereas, I, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property hours a fair market value avending Be 25,000 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

Garrage Unite No. 31, Manjawala Apartment, Manjawala Co-op, Hsg. Scty Ltd. Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 14-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used betein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Garrage Unit No. 31, Ganjawala Co-op Hsg. Sety. Ltd., Ganjawala I ane, Borívli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Rombay vide serial No. AR-IV|37-EF|3668|83-84 dated 14-2-1984.

THE SCHEDULE

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

FORM I.T.N.S.--

(1) Smt. Kamaben M. Makwana.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Vijay Kumas Parshram Bhatt. & Smt. S. K. Bhatt.

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3663|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) thereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as pur schedule

Shree Yogardra Makwana Coop Hsg Scty, Flate No. A|4, 1st floor, Mahadebhai Desai Rd., Kanor Road No. 3, Bonivli (E). Eombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred and the agreement is registered under section 269. B of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) faculitating the concealment of any meome of augmoneys or other assets while have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian hierometax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the aid Act, Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shri Yogindarhan Makwana Co.op. Hsg. Scty, Flat No. A 4, 1st floor. M. B Desai Rd, Kanor Road, No. 3, Borivli (E). Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3663|83-84 dated 19-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Mls. Star Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dalchand C. Paliwal & Bhavarlal D. Paliwal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|4068|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding Shop No. 6, Star Galaxy Apartment, I.T. Road, Borivli (W)

Bombay-92 (and more fully described in the schedule annexed hereta), section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 3-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 6, Star Galaxy Apartment, L.T. Road, Borivli (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/7-FE/468/84 dated 3-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

# FORM I.T.N.S .-

(1) Shri Premchand Bharmal Shah & Shrl Gulabchand H. Maru.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Premji J. Gala and Shri Hansraj J. Gala.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3632|83-84.—Wherea, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the interpretation of the interpretation in the interpretation of the interpreta movable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing Shop No. 4, ground floor Bethelem Apartment S.V.P. Road, Borivli, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for that acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are delned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Shop No. 4, groud floor, Bethelum Apartment, S.V.P. Road, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3632|83-84 dated 28-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

Seal ;

# FORM I.T N.S.

# (1) Shri & Smt. Manharlal C. Kothari.

(Transferor)

(2) Shri Raje h Girdharlal Gandhi.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|4079|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Shop No. 26 A, Ganjawala Shopping Centre, Ganjawala Lane, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 4-2-84

the Competent Authority, Bombay on 4-2-84.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay—Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gozette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning vs given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 26-A, Ganjawala Shopping Centre, Ganjawala Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bondbay vide scalar No. AR-IV[37-FE]4079[83-84] dated 4-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-10-1984

PART III—SEC. 1]

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Chandrika V Khandhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt, Kalavati H. Shah and Shri H. G Shah.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37 | F|11626|83-84 --- Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

I|C|Krishna Nagar, Chandavarkar Road, Borrvli (W) Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

(w) facilitating the reduction or evasion of the Habitty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

60-336GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

I|C. 17, Krishna Nagar, Chandavar Kar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37-EE|11626|83-84 dated 10-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

The Visit of the Control of the Cont FORM ITNS (1) Jay Raj Builders.

(Transferor)

\_\_\_\_

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Nitin Murlidhar Punyarthi.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay the 12th October 1984

Ref. No AR-IV137-EF13823[83-84,-- Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Shop No. 2, ground floor, Javesh Apartments at Jay-Rai

Nagar, Vazua Naka, Borvli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tansferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 19-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor favesh Apartments Jai Raj, Nagar, Vazira Naka, Borivh (W) Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide senal No. AR-IV|37-FE|3823|83-84 dated 19-2 1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1981

(1) Sanman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghuram T. Shetty.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BONBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV[37-EF]3756[83-84,—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 203, I.C. Colony Road No. 3, Borivli (W) Bombay-103

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority. Bombay on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect to any 'poome arising from the transfer;
  andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days for the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, w.thin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I.XPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No 203, I.C. Colony Road, 3, Borivli (W), Bombay-103,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bembay vide serial No AR-IV|37-EE|3756|83-84 dated 24-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Data: 12-10 1984

FORM I.T.N.S.-

(1) Sanraan Constructions.

(Transferor)

(2) Smt AM Y Shridhar Kotian.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No.  $\Lambda R-IV[37-FF]4082[83-84$ —Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing Flat No. 103, Wing-A I C. Colony Road, Bel. 3, Borivli (W), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unastee with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Flat No. 103, Wing-A, I.C. Colony, Road No. 3, Borivli (W). Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No AR-IV|37-EE|4087|83-84 dated 14-2-1984.

A. PRASAD Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Shri B. S. Kneit.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. T. Jain,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|4064|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authorny under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Flat No. D-12, S& B' ba Dham, 3rd floor, Mulji Nagar, Borryli (W) Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the other of the Computent Authority, Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which s less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of sit h apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. D[12, Sai Baba Dham, 3id floor, Mulji Nagai, Borivle (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|4064|83-84 dated 25-2-1984

 PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 12-10-1984

(1) M/s. Rajnikant Construction

(2) Mls. Mangal Builders.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3828|83-84.--Whereas, I, A. **PRASAD** 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

of Eksar Village, Borivli (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 3-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation --- The terms and appressions used herein as are defined in Chapter XXA of the will Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Plot No. 1, S. No. 225, Hissa No. 10 & C.T.S. No. 2211-A of Eksar Village, Borivii (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37FE|3828|83-84 dated 3-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-IV, Bombay

Date: 12-10-1984

FORM No. I.T.N.S.

(1) M/s K. T. Constructions
(2) M/s Vidva. A. Sathe

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37- $\Gamma\Gamma$ |4080|83-84 --Whereas, I, A, PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No Flat No 16, Meghalava Village Eksar, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by m re than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) ractitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, I amely:

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Fat No. 16 Meghalaya, Village Eksar, Vazita Naka, Bonyli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide Serial No. AR-IV|37EF|4080|83-84 dated 22-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-IV, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) M/s Sai Krupa Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nurni Krishnan Ganesh.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3615|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Flat No. 401, in plot C.T.S. No. 490, at Kastur Park, Shimpoli, Borivli (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferret and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-2-1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 401 in plot bearing C.T.S. No. 490, at Kastur Park, Shimpoli, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent

THE SCHEDULE

Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3615.83-84 dated 19-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Pombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tamely:-

Date: 12-10-1984

(1) Mr. Sudhir G. Deshpande & Mr. Shirish G. Deshpande.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Mr. & Mrs Bachu M. Rami.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3666|83-84.—Whereas, I. A. PARSAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 302, Bldg. No. D|23, Yogi Nagar, Eksar Road,

Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 11-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partners has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measuring as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Hat No. 302, Bldg. No. D|23, Yogi Nagar, Fksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37-EE|3666|83-84 dated 11-2-84.

> A PRASAD Competent Authority In pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Seal:

61-336GI|84

(1) Shri Shantilal THokarsi Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Diwaliben H. Faria

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-FF|4073|83-84.—Where, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. Shop No. S-3, Laxmi Apartment, 3rd Kasturba Rd, Borivli (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 4-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument at transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, in the days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Shop No. S-3, Laxmi Apartment, 3rd Kasturba Road Borivli (E), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-FE|4073|83-84 dated 4-2-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombny

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) M/s. Bhushan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Ashok Jaggananath Worlikar.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3739|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

----

No. Flat No. 401, Gokarn Co.op. Hsg. Society, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferret and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/os
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 401, Gokarn Co-op. Hsg. Scty, Shimpoli, Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3739|83-84 dated 10-2-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-IV, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Mis. Hrihant Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shree Juliam Trading Co.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3708|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Shop No. 2, B-Wing, Bahubali Towers, Desai & Seth Nagar, off, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferret and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 2-, B-Wing, Bahubali Towers, Desai & Sheth Nagar, Off S. V. Road, Borvli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3708|83-84 dated 18-2-84.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Mls. J. I. Construction.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Christopher N. D'souze.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV37-EE|3754|83-84.-Whereas, I, A.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Flat No. 2, Lourdes Bldg, I.C. Colony, Cross Rd Borryli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2. Lourdes Bldg., I.C. Colony Cross Road, Borivli (W), Bombay. The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV 37-EE|3754|83-84 dated 4-2-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) M|s. J. T. Construction

(Transferor)

(2) Mrs. Margret N. D'souza.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3755|83-84.—Whereas, I, A.

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]

Flat No. 1, ground floor pirdes N.dg. I.C. Colony Cross Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor Lourdes Bldg. I.C. Colony, Cross Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3755|83-84 dated 4-2-84.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Mis. Kamia Developments

(Transferor)

(2) Madhukar Ram Kamath.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# #OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Ref. No. AR-IV|37-FE|3612|83-84.—Whereas, I, A.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. No. Flat No. 206, Ramdeo Park, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-84

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agraed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 206, Ramdeo Park, Chandarvarkar Road, Borivit (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Atuhority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|83-84 dated 27-2-84

A. PRASAD

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) K. S. Satyanarayana.

\_\_\_\_\_

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. R. Uchil.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3627|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

No. Flat No. 26, Bldg. No. A6|17, Jivan Bima Nagar, Township, Borivli (W), Bombay-103 has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives at that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 26, Bldg, No. A6|17, Jeevan Bima Negar Township, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3627|83-84 dated 10-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 12-10-1984

(1) Mr. Lift I Gomalve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mukund Dolatra, Chitalia.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.IV<sup>13</sup>7-FF<sup>13</sup>652[83-84 —Whereas, Ι, Δ, PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

No. Shop No. 5, Shiv Darshan Co.op. Hsg. Socty Ltd., 625-16-22, Kastur Park, Shipoli Rd, Borivli (W), Bombay-92 tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AE of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984

for 'an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax &ct, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, armely:—

62-336 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given a that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 5, Shiv Darshan Co-op. Hsg. Scty. Ltd, 625|16122m Kastur Park, Shimpoli Rd, Borivli, (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-V|37-|3652|83-84 dated 18-2-84

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-IV. Bombay

Date: 12-10-1984

# 中,一种种种,我们就是我们的,我们就是一个人的,我们就是一个人的,我们就是一个人的,我们就是一个人的,我们就是一个人的,我们就是一个人的,我们就是一个人的,我们 第一章 FORM ITNS

(1) Shri C P Ahuja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Amritlal Samji Pitroda

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3636|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
Flat No. 301, Bldg. No. B-42, Yogi Nagar, Eksar Village,
Borivil (W) Bombay-92.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 301, Bldg. No. B-42, Yogi Nagar, Eksar Village, Borivli (W), Bombav-92.

The Agreement has been registered with Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3636|83-84 dated 4-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3610|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 7, 2nd floor, at Sunder Darshan, Village Magathana, Taluka Borivli (W) S. No. 169 & C.T.S. No. 59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 21-2-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Sunder Enterprises

(Transferor)

(2) Shri Ghosh Mohidin Ibrahim Shaikh.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, Sunder Darshan, Village Magathana S.No. 169, C.T.S. No. 59, Talukar, Borivli (W).

The Agreement has been registered with Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3610|83-84 dated 21-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM TINS-

(1) Dharamil Pandurang Thakur

(Transferor)

(2) Mis. Desi Builders.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGL-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ret. No AR-IV 37-t E 3616 83-84.—Whereas, I,  $\Lambda$ . PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269h of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. S. No. 208, H. No. 10 & C.T.S. No. 2243 part and 2245 of Villey Elevitical Elevitics.

at Village Eksar, Borivii.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-84

for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S.No. 208, H.No. 10, C.T.S.No. 2243 part and 2245 at Village Eksar, Borivli.

Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3616|83-84 dated 7-2-1984.

A. PRASAU Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date . 12-10-1984

\_\_\_\_

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-iV37-iL[3624]83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. all that price & parcel of land lying at Village Eksar. Borivii in the Regn Dist & sub-Dist of Bombay C.T.S. No. 421, Borivli, satusted at Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under SECTION 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforegaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income mising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any mecome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely:—

(1) Sudha N. Varde, Ranjeet N. Varde Sujeet N. Varde & M/s. Kuber Commercial Enterprises.

(Transferor)

(2) S.N. Varde, R.N. Varde, Sujcet N. Varde, partners of Varde Forge.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that prace & parcel of land bearing S<sub>0</sub> No. 43 and C. U.S. No. 421, Village Eksar. Bortvli in the Regn. Dist & sub-Dist of Bombay City.

The Agreement has been registered with Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-JV|37-EE|3624|83-84 dated 27-2-84.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 12-10-1984

(1) K. S. Thakur (Prop).

(Transferor)

and the American Control of the Cont

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Subhash Anant Chonkal

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR.IV|37EE|3877|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 1, ground floor, Alka Bhuvan Bldg, Saibaba Nagar, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1951, in the office of the Competent Authority, Bombay on 29-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Alka Bhuvan Bldg, Saibaba Nagar, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3877|83-84. dated 29-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) M|s. K. S. Thakur (Prop).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Atmarani Kasinath More.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3761.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Flat No. 604, 3rd floor, in Wing B-Alka-Bhuvan Bldg, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, at Bombay on 21-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

Flat No. 604, 3rd floor, Wing-B, Alka Bhuvan Bldg, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Hombay vide serial No. AR-IV 37-EE 3761 83-84 dated 21-2-1984.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followpersons, namely

Date: 12-10-1984

(1) Shu Premed R. Ralhan

(Tiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shorth Britinddin Mistry

ರ್ಷ- ಪ್ರತಿಗಳಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕಾರ್ಯ ಪ್ರತಿಗಳಿಗೆ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರವಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ್ದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ರಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಟಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ್ಷಿಸಿದ ಪ್ರಕ

(fransferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref No AR-IV|37-EE|3638|83-84.--Whereas, 1. A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 504, Bldg, No. 1 5th floor, Sumer-Nagat, S. V. Road, Opp. Koia Kadra, Bonvli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-284 which is less than the fair market value of the aforesaid proparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-

of the property as afcressid exceeds the apparent considera-tic therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and just ment of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957), Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHI DULL

Flat No. 504, 5th floor, Bldg, No. 1, Sumer-Nagar S V. Road, Op.: Kora Fonde: Bordvi (W), Bombay-92.

The agreement has been resistened with the Commetent Authority, Bombay vide serial No AR IV 37FE 3638 83-84 doted 25 2-1984

A PRASAD Inspecting Assit Commissions of Inco - the August on R most. Baibiy

Now therefore in pulsuance of Section 269C of the said Act, I be by initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dite . 12-10-1984

(1) M|s. Reliable Construction Co.

(Transfero)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. G. Sheth & Rujendra Kumar. G. Sheth

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3698|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Flat No. 302, 3rd floor, Saraswati Apartments, S. V. Patel Road. Borivli (W), Bombay.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Saraswati Apartment, S. V. Patel Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3698|83-84 dated 20-2-1984

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
63—336GI[84]

Date: 12-10-1984

(1) M|s. Goyal Brothers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mariwala Benefit Trust

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. ROMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3617|83-84.-Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 9, 10, 11, Goyala Shopping Arcade, Opp. Rly. Sm., Borivli (W).

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 13-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette. within 45 days from the date of

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

Shop No. 9, 10 & 11, Goyal Shopping Arcade, opp. Railway Stn., Borivli (W).

(()) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 12-10-1984

# FORM NO. I.T.N.S.-

(1) K. S. Thakur (Prop) K. N. Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri P. M. Salgaonkar

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

may be made in writing to the undersigned :-

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

# ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

Bombay, the 12th October 1984

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rcf. No. AR-IV|37EE|3760|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Flat No. 305, 4th floor, A-Wing, Alka Bhuvan Bldg, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule anexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office

of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 305, 4th floor, A-Wing Alka-Bhuvan, Bldg, Eksar, Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scrial No. AR-IV[37EE]3760[83-84, dated 20-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

(1) S. A. Contractor & Co.

(Trasferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajnarayan R. Singh & Shri R. L. Udani

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV,

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3707|83-84.--Whereas, I, A .PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Shop No. 3, ground floor. Samatpan, 'A' Bldg., Daulet Nagar, Rd. No. 3, Borivli (E). Plot No. 26, C.T.S. Nos 2543, 2644

(and more fully described in the Schedule annexed heacts), has been transferred and the agreement is registred under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on 6-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Samarpan, 'A' Bldg., Daulat Nagar, Rd., No. 3, Borivli (E) Plot No. 26, C.T.S. Nos 2543, 2544.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3707|83-84 dated 6-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-10-1984

(1) Mls. Saikrupa Construction Co.

(Transferor)

**2**8531

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. P. Suresh.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3680|83-84.—Whereas, I,

Ref. No.
A PRASAD,
the Competent being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No. Flat No. 402, 4th floor, Plot of land bearing C.T.S No. 490, Kastur Park, Borivli (W), Shimpoli, Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is recistered under

has been transferred and the agreement is registered under the Section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the and and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respectof of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, plot of land bearing C.T.S. No. 490 Kastur Park, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3680|83-84 dated 18-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

 Mr. Manikant Balwantrao Mody & Mrs. C. M. Mody.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri P. A. Raiyani2. Shri D. A. Raiyani3. M. A. Raiyani

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3630|83-84.—Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Shop No. 17, Court Chambers, Plot No. 23, C.T.S. 149 T.P.S. III, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 27, Court Chambers, Plot No. 23, CTS 149, T.P.S III. S. V. Road, Borívli (Y), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3630|83-84 dated 28-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

# (1) Kamla Developments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Anil D. Shah & Smt. A. Shah

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3704|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Flat No. 211, Ramdas Park, Chandavarkar Road to B.M.C. Garden, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreemnt is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 27-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration hterefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections ,i any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flet No. 211, Ramdas Park, Chandavarkar Road, Near B.M.C. Garden, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3704|83-84 Authority, Bom dated 27-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) Kajnikant Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shii Ascettumia B. Parikh

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGF-IV,
BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3696|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. C-12, 2nd floor, Vijay Nagai Bldg., Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192<sup>o</sup> (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices. I in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C-12, Second floor, Vijay Nagar Bldg., Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|3696|83-84 dated 24-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-10-1984

Scal:

## FORM ITNS----

(1) Mb Bhushan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMPTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Lindurang Krishna Pawakar

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3709|83-84 —Wheress, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing No Hat No. 203 of Gokam Co-op. Hisg. y. (Proposed) Shim poli Road, Born'li (W), Bombay-92

tand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority
Bombay on 10-2-1984
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:—

64 —336GI/84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions use berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Hat No. 203, Gokian Co-op. Hsg. Sev. (proposed) Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV/37-EE/3709/83-84 dated 10-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

(1)Shri Dahyalal Nathubhni Maru

(Transferor)

(2) Shri Bhavanji Premji Nagda

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ret. No. AR-IV|37-FE|3634|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Shop No. 1, Rakripa Datpada Road, Borivli (E), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid person which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notiue in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULF

Shop No. 1, Ramkripa Datapada Road, Borivh (E) Bombay-66.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV]37-EEi3634[83-84 dated 10-2-1984]

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisitian Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the dioresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Sal:

(1) M/s Kamla Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hareshkumar D. Gordia

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION KANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ret. No. AR-IV|37-EE|3611|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Flat No. 2 ground floor, 60 Feet Road, Off Mandpeshwar Road, Borivli (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AR of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 2-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid proceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the amideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
  - (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2, Ground floor, Ofi Mandpeshwar Road Govinal Nagar, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE,3611|83-84 dated 10-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition, Range-IV
Bombay

Date: 12-10-1984

28538

#### FORM ITNS

(1) Mls. Riddhi Apartments

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. & Mrs. Natayan Kutty

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-Et |4069|83-84.--Whereas, 1, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Flat No. B-302, Bldg., No. 7, Riddin Apartments Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of suck apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-taz Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B-302, Bld. No 7, Riddh Apartments, Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide scriel No. AR-IV|37-EE|4069|83-84 dated 2-2-1984.

> A PRASAD Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income in Acquisition Range-IV Bombay

Date 12-10-1984

FORM I.T.N.S.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Suresh Associates

(Transferor)

(2) Mr. Vasant D. Shinde & Mr. S. V. Shinde

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, too 12th October 1984

Ref. No. AR-IV<sub>12</sub>7-EF +057<sub>1</sub>83-84. - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 25,000'- and bearing No. Flat No. 303, Bidg. No. 6-B, Sainaba Nagar, Borivli (W) Rombay 92

Bombay-92

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority of Bombay on 28-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the appearnt consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the fire with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 303, Bldg. No. 6-B, Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority. Bombay vide serial No. AR-IV|37-EE|4067|83-84

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date 12-10-1984 Seal:

FORM ITNS----

(1) The Dharama Mara i Chemical Co. Ltd (Transferor)

(2) Mr K Janaidhana Rao

(Transferee)

- \_== \_== ==

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTIO NRANGE IV BOMBAY

bombay to 12th October 19 4

Ret No AR V 37-1 E 40/8[83-84 — Whereas I A PRASAD

in the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ar the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000) and bearing No

Flat No. 102. 1st floor Building No. B.I. Laxminarayan Co-op. H. o. Societ. 1 ix nin triyan. Nagar. Eskva. Road, Born h. (W). Bombay 92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961, in the office of the Competent Authority it Bombay on 1.2.1 184

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exect in the apparent in the apparent in the apparent in the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any matoric a using from the transfer; and/or
- (b) Exertaining the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the referend property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 260D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of pathication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said image abiproperty, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as gre defined in Chapter ANA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULL

Flat No. 120, 1st floor Bld No. B-I Laxminarayan Coop Hsg Socy Laxminarayan Nagar Eskay Rd., Borreli (W) Bombay 92

The agreement has been registered with the Compotent Authority, Bombay vide serial No AR-IV/37-EE/4618/83/84 dated 1.2-1984

A PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range IV
Bombay

Date 12-10-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-IV.

**BOMBAY** 

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37-EE|3721|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 208, H. No. 2, C.T.S. No. 2246, Eksar Village, Borivli (W), Bomb. y-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authors'y Bombay on 1-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to nav tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or with onebt to be disclosed by the transferee for it margonit of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Mr. K. S. Thakur (Properitor)

(Transferor)

(2) Mr. Baburao Pundalik Naik

(Transferee)

(3) Nil.

(Person in occupation of the property)

(4) Smt. Shantibai Ramchandran & Ors.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

S. No. 208, H. No. 2, C.T.S. No. 2246 of Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37-EE|3721|83-84 dated 1-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date · 12-10-1984

(1) Shei Hanap Chan habant Pandya.

(Transiciot)

Smt. Madaribai Mohaniai Rathod.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EF|3653|83-84.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000,-

and bearing Block No. 105, Yogi Smuruti Bldg., Plot No. D-13, Yogi Nagar, Borivli (W), Bombay-93 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

Bombay on for an apparent consideration which is less than the fait

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersioned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 105, Yogi Smuruti Bldg., Plot No. D-15, Yogi Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Computen Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3653|83-84. dated

> A. PRASA Competent Authority Inspecting Assistant Compressioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date · 12-10-1984.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. Hansa J. Ganghi. Shri M. G. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Vinodrai Parmanand Kothari, Smt. Ramilaben V. Kothari.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3650|83-84.—Wheleas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

Flat No. 404, 4th floor, Vishal-II. at S. V. Road, Off Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Vishal II, at S. V. Road, Off Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3650|83-84, dated 6-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-65-336GI/84

Date: 12-10-1984.

Scal:

#### FORM ITNS ---

(1) K. S. Thakur (Proprietor).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gokhale S. Ramchandra.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3913|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 1102, on 1st floor, Alka Bhuvan Bldg, Eksar Village, Bouivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No 1102, 1st floor, Alia Bhuwan Bldg., Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3913|83-84, dated 1-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Boinbay

Date: 12-10-1984.

Seal ;

(1) Shri Kirti D. Badani.

(Transferor)

(2) Mr. Mukesh P. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3969|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. D-3, on Ground floor, Building known as "Raj-Kishore", Village Kandivali, Meurin Street, M. G. Road, Kandivali (West), Bombay-400 067, situated at Kandivali (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 8-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent sonsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. D-3, Ground floor, Building known as "Raj-Kishore", Village Kandivali, Meurin Street, M. G. Road, Kandivali (West), Bombay-400 067.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3969|83-84, dated 8-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-10-1984.

(1) Mls. Build Quick.

(Transferor)

(2) Mrs. N. R. Kulkarni.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3684|83-84.--Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000;

and bearing
Flat No. 25, Mohai Apailment, Plot bearing C.T.S. 7122
Pankar Wadi Bahbi I T Road Bariyli-92

Pankar Wadi, Babhi L. T. Road, Borivli-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 25-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; had/or
- (b) facilitating the concentration of any income or any maneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following petsons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, Mohar Apartment, plot bearing C.T.S. No. 71022, Penkar Wadi, Babhi L. T. Road, Borivli, Bombay-92,

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3684|83-84, dated 25-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombav

Date: 12-10-1984.

FORM I.T.N.S.-

(1) Mis. Build Quick.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(2) Mr. D. Y. Mandedkar.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-III|37EE|3622|84-85,---Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000!- and bearing

Block No. 45, Mohan Apartment, Plot bearing C.T.S. 71 & 221 Penkai Wadi, Dabhai I.T. Road, Borivli, Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 24-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Block No. 45, Mohan Apartment, plot bearing C.T.S. 71 & 221, Penkat Wadi, Babhai, L.T. Road, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered with the Competent Authority Bombay vide serial No. AR.III|37EE|3622|83-84, dated 24-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 12-10-1984.

(1) Shri F. E. Dinshaw Charitan.

(Transferor)

(2) Smt. Shantadevi R. Agarwal.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transfered

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-IV|37G|58|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S. No. 95, Plot No. 21, C.T.S No. 42 & 42|1 to 26, Village Kaneri, Borivali

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16

of 1908) in the of the Registering officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor have fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

b any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S.-30261 83 (Bombay) and registered on 23-2-1984 with the Sub-Registrar Bombay.

> A, PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-IV, Bombay

Date: 11-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV[37G|60|83-84.—-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-bble property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

S. No. 64, H. No. Nil, C.T.S. No. 1404, at Dahisar (East). Bombay-68 situated at Dahisar (East) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bombay on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fasilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Khandu Raghunath Raut & 8 Others.
  (Transferor)
- (2) Shri Mohan Bhimrao Shinde & 5 Others.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

Schedulg as mentioned in the Registered Deed No. S. 814/76 (Bombay) and registered on 22-2-1984 with the Sub-Registrar Bombay.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under entertion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984,

(1) Shri Mahendra M. Patil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Rais Ahmed Ismal, Shri Masood Babulla, & Shri Kalulal Champalal Jain.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3845|83-84.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

S. No. 114 & Hissa No. 6 & 7, Village Dahisar Tal, known as Varala. Dahisar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Clarette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 114 & Hissa No. 6 & 7, Dahlsar Tal village, Varela (South), Dahlsar.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3845|83-84, dated 13-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-10-1984,

seal:

#### FORM ITNS----

(1) Sai Vishram Co-op. Hsg. Sety.

(Transferor

(2) Mr. Nandan Narsinh Rage.

(Transfered

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION F INGE-IV, BOMBIY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV[37EE]3847[83-84.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 11, 2nd floor Sai Vishram Co. Hsg. Sety, Kandarpada, Plot No. 128, Dahisar (W), Bombay-68,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftee i per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from he manufer, and/or
- (b) fiscintating the contralment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the 10% in Income-to. Act, 1922 (11 of 1922) or the said of the Wealth-tax Act 195 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the risk of this totale funder Subsection (1) of Section 269D of the split Act to the following potsons, namely:

66 -336G1/84

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person intersted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDUIJ.

11a No. 10. 2nd floor, Sai Vishiam Co-op. Hsg. Sctv. Bi Or. Kandarpada, Plot No. 128, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Au acrity, Bombay vide script No  $\Delta R-1V[37EE]3847[83-84]$ , dated 7-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assist int Commissioner of Income-tax,
Acqui ition Ranze-IV Bombay

Bate 12-10-1984.

કેલ્વી

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3848|83-84.--Whereas, I, A, PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Flat No. 1, 3rd floor, 'Snehyot' CTS No. 1238 (P) of Dahisar S. No. 59, Hissa No. 2, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. P. Constructions.

(Transferor)

(2) Shri Ramsayar Jagannath Tripathi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 40 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 1, 3rd floor 'Shehjyot' CTS No. 1238 (p) of Dahissar S. No. 59, Hissa No. 2, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay 68.

The agreement has been registered with the Competen Authority, Bombay vide setial No. AR-IV|37FE|3848|83-84, dated 7-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-10-1984.

#### FORM ITNS ---

(1) I. A. Shaikh, C. P. M. S. Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. R. Nair.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

New Delhi, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3835|83-84,—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000-and bearing No.

Flat No. D[20, 4th floor, Shrvaji Road, Shri Avdhoor Co-op Hsg. Sety, Dahisai ( $\Gamma$ ), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the office of the Competent Authority at Bonibay on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. D|20 4th floor, Shivaji Road, Avdhoor Co-op. Hsg. Sety., Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Computent Authority, Rombay vide serial No. AR-IV|37EE|3835|83-84, dated 13-2 1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 12-10-1984.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No AR-IV[37FE]3846[83-84.—Wheteas, 1, A. PRASAD,

bring the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/sand bearing

S. No. 166, Hissa No. 3, B and 2 Dahrsut, Tal. Village, Rail-wal Pada, known as Laxmanch, Bhat situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Mahendra Moteshwar Patil

(Transferor)

(2) Shu Rais Ahmed Ismail Shri Masood Babulla Shri Kalulal Champalal Jam

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

التعامل السام <del>العلم التعام</del>

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubcation of this notice in the Official Gazette.

HAPTANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

S. No. 166, Hissa No. 3 B and 4, Dahisar, Taluka Village at Railwaipada Known as Laymanchi Bhat

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV[37FE]3846[83-84 dt. 13-2-1984]

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Duce + 12 10 1984 Scal :

#### (1) M|s. B. R Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir V. P. Chavan and Ors.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME LAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AF-IV 3/EE 3608<sub>1</sub>83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

Survey No. 15, Hissa No. 5, ociety survey No. 1353, Village Dahisai, Taluka Botivli Bombay.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-2-1984

for an apparent consideration where is sees than the fact marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of a stor with the object of :—

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and|or

> (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Survey No. 15, Hissa No. 3, City Survey No. 1353 Village Dahisay, Faluka Bouvli, Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV[37EE]3608[83-84]dt. 28-2-1984

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subscriber (1) of Section 26 D at the and Act to the following persons, namely :--

Seal : 12-10-1984

(1) M|s, S. Virdi Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishnanath Narhar Mulay.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV,37EE,3897[83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 4, on Ground floor, 'C' Building in 'Misquitta Nagar', Chlatrapatti Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68

situated at Dahisai (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 4, on ground floor, 'C' Building in Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV[37EE]3897[83-84 dated 18-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

(1) M/s. Happy Home Housing Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX  $\Lambda$ C°C, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh(i Jayantilal Damaji Thakkar.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEAV. ROMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EF|3957|83-84. - Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the facometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the faid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing Shop No. 4, on Ground floor, Bldg. 8, in Sector II, Anand

Nagay, Layout, Dahisai (F), Taluka-Salsette.

situated at Dahisor (E)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesud exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objectitons, if any, to thte acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 1, on Ground floor, Bldg. 8 in Sector II, Anand Nagar, Layout, Dahisar (East), Bombay Taluka-Salsette.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No AR-IV|37EE|3957|83-84 dated 10-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afotesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-10-1984

#### (1) M.s. S. P. Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(7) Maganbi Vaga Soni

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE A.

BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3849|83-84.—Wherens, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value exceeding Rs. 25.000/and bearing

and bearing VCTS No. 1238 (Part) of Dahicat Village, S. No. 59, Hesa No. 2, Shop No. 1, Suchjyot Gr. fl. Chhatrapati Shivaji Roa t, D disar (East), Bombay-68, situaced at Dahicat (E) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the autogenent is registered under has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Lacome-tay Act, 1961 in the office of the Competent Authority of Bombay on 7-2-1984

for an apparent consideration which is less than the pair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liandity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been e which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Sann No. 1, Ca. 11, Ashipper C. 1 S. No. 1238 (Part) of Dahisa. Village, a secret fifth No. 1, Chairman Shivan Road, Dahisai East), Danabaref 8.

The agreem a b began registered with the Competent Authority Tomb vivin social No. AR-IVI37EF [3849]83-84.

dote 1.7.2-1984

4. PRASAD Competent Authority Then the resistant Commissioner of Income-ta-requisition Range-IV Pombay

Now, mercrore, in pursuance of Section 269C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

12-10-1984 D. de Seal

### FORM IINS ---

(1) M's. Happy Home Housing Agency.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narmadashankar Narbheram Joshi, Shri Dhirajlal Narbheram Joshi, Shri kasiklal Narbheram Joshi, and Shri Bharat Narbheram Joshi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3953|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. FRASAU, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Shop No. 12 on Ground floor in Bldg. No. 8 in Sector II, Anand Nagar, Layout, Dahisar (E), Taluka-Salsette. situated at Dahisar (E)

situated at Dahisar (E)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 10-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan the fair said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 12 on Ground floor in Bldg. No. 8, in Sector II, Anand Nagar, Layout, Dahisar (East), Taluka-Salsette.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37FE|3953|83-84 dated 10-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Now, unererore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—67—336G1 84

Date: 12-10-1984

# FORM ITNS-----

(1) M's. S. Virdi Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Bapu Ashok Dhulap.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 12th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3888|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred) to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

Shop No. 8, on Ground floor, 'H' Building 'Misquitta Nagar' Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68.

situated at Dahisar (F)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority Bombay on 6-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforethan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Shop No. 8, on Ground floor, 'H' Building, Misquitta Nagar, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3888|83-84 dated 6-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

Scal:

(1) Mls S Virdi Builders Pvt Ltd.

(Transferor)

(2) Shri Prasad Waman Danave

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS-ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY** 

> Bombay the 12th October 1984 AR-IV | 37EE | 3898 | 83-84 --- Whereas, I,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred as the saul Act), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25 000, and bearing Shop No 1 on Ground floor, 'G' Building in Misquitta Nagar,

Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-68 situated at Dahisar (E)

(and more fully describet in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considerationand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating th concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iminovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Shop No 'l' on Giound floor, 'G' Building, in 'Misquitta Nagar', Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (East), Bombay-

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial. No AR IV|37EE|3898|83-84 dated 18-2-1984

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '---

12-10-1984 Date Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Mohinibai Shivkaranlal

(Transferor)

(2) M/s. Tanna Investments.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-JV. **BOMBAY**

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|4015|83-84.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43, of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.
'Hem Nivas', 87, SV. Road, C.T.S. No. 372 of Village Malad North, Kandvli (West), Bombay-67.
situated at Kandivli (West), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer. and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sait Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

Khandelwal alias Sheokaran Khandelwal and

Shii Loknath Hemraj Khandelwal.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

'Hem Niwas' 87, S. V. Road, Kandivh (West), C. T. S. No. 372 of Village Malad North, Bombay-400 067.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4015|83-84 dated 14-2-1984.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Mis. Railaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Yajnesh V. Vora.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

AR-IV|37EE|3975|83-84.--Whereas, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Flat No. 25 on 2nd floor, Shivam Bldg., S.V. Road, Fatchbaug,
Kandivli (West)

situated at Kandivli (West)

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 20-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any othr person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein used defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Flat No. 25 on 2nd floor, Shivam Bldg., S.V. Road, Fatehbaug, Kandivli (West), Bombay.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3975|83-84 dated 20-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-10-1984

(1) Ms. Vivek Construction Company.

(Transferor)

(2) Shri Amritlal Pursottam Gor.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3967|83-84.--Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Flat No. 203 on 2nd floor in building under construction

Flat No. 203 on 2nd floor in building under construction known as Suryamukhi on plot No. bearing 82B (P), Zaveri Baug, Poiser, Kandivli (West), Bombay-67 situated at Kandivli (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203 on 2nd floor in Building under construction known as Suryamukhi on plot bearing 82 B (P) Zaverl Baug, Poiser, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3967|83-84 dated 29-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: (1-10-1984

(1) M/s. K. Patel & Co. Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Smt. Meena B. Jobanputra and Shri Bharat D. Jobanputra.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR, IV | 37EE | 4070 | 83-84.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair, market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 606 H, Patel Nagar, 6th floor, M. G. Road No. 4, Kandivali (West), Bombay-67 situated at Kandivali (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at at Bombay on 29-2-1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 606 H, Patel Nagar, 6th floor, M. G. Road No. 4, Kandivali (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4070|83-84, dated 29-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1984

(1) Mis. United Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Kishor H. Bhatia and Suresh H. Bhatia,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No AR.IV|37EE|3988|83-84 —Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Flat No. 103, on 10th floor in Shreeji Darshan situated at Kandivili, S. V. Road, Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 18-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilizating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, on 10th floor, in Shreeji Darshan at Kandivali S. V. Road, Bombay-400 067

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3988|83-84, dated 18-2-1984.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1984

#### FORM ITNS ---

(1) Mls. Railaxmi Constructon Co.

(Transferor)

(2) Shri Hemant Mohanlal Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|4055|83-84.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

Flat No. 35 on 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Fatehhaug situated at Kandivli (West), Bombay-67, ratennaug situated at Kandivli (West), Bombay-67, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 29-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-- 68--336GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 35 on 3rd floor, Shivam Blg., S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4055|83-84 dated 29-2-1984.

A. PRASAD Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1984

Scal :

(1) M. N. Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri Chandrkant S. Oza, and Smt. Nirmalaben S. Oza,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|3980|83-84.--Whereas. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Flat No. 203, 2nd floor, Bldg., "Gyan Amrit", S. M. Road, situated at Kandivali (West), Bombay 67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Bombay on 10-2-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor, Bldg. "Gyan Amrit", S. M. Road, Kandivali (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authroity, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|3980| 83-84, dated 10-2-1984.

> A. PRASAD Competent Author't Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 11-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Ms. Karnatak Traders.

(Transferor)

(2) Shri Jayantilal M. Doshi and Anil J. Doshi.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION' RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 11th October 1984

Ref. No. AR-IV|37EE|4006|83-84.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing

Flat No. 8, First floor, Hermes Apartment, Plot No. VII, Mooljee Nagar, S. V. Road, Kandivli (West), Bombay-67, situated at Kandivali (W)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .....

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesald persons within a period

of 45 days from the date of publication of this

notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8, First Floor, Hermes Apartment, Plot No. VII, Mooljee Nagar, S. V. Road, Kandivli (West), Bombay-67.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay vide serial No. AR-IV|37EE|4006|83-84, dated 13-2-84.

A. PRASAD
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 11-10-1984

#### FORM I.T.N.S.---

NÓTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMITAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) 1. Shri Bhola Nath,

2. Shri Govind Prasad.

(Transferor)

(1) 1. Shri Kutubuddin,2. Smt. Khudeja Bibi.

(Transferce)

(3) Vendees.

(Person is occupation of the property)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 12th October 1984

G. I. R. No. K-142 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Arazi Bandobvasti No. 358|1 and 362|1 situated at Mauza Sarai Nandan, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Varansi in February, 1984.

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 'and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property of may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 358|1 and 362|1, measuring 393.89 sq. mtrs. situated at Mauza-Sarai Nandan, Pargana-Dehat Amanat, Distt, Varanasi, and all that description of the property, which is minimal in the sale deed and form 37G 5559, registered in Fbruary, 1984 by the Registering Authority, Varansai.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 12-10-1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) 1. Shri Latifuddin, 2. Shri Shahabuddin.

(Transferor)

(1) 1. Shri Bhola Nath, Shri Govind Prasad.

(Transferee)

(3) Veendees.

(Person is occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G. I. R. No. L-48 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Arazi Bandobasti No. 358 1 and 362 1 situated at Mauza-Sarai Nandan, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varansi in February, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Atazi Bandobasti No. 358|1 and 362|1, measuring 393.89 sq. mtrs. situated at Mauza-Sarai Nandan, Pargana-Dehat Amanet, Dist. Varanasi, and all that description of the property, which is mentioned in the sale deed and form 37G 5559, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 12-10-1984.

(1) 1. Shri Bhola Nath,

2. Shri Govind Presed

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Abdul Rakib.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Veendees.

(Person is occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G. I. R. No. 149 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]—and bearing No.

Arazi Bandobasti No. 358|1 and 362|1 situated at Mauza-Sarai Nandan, Pargana-Debat Amanat, Varanasi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar | Sub-Registrar at Varanasi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 358|1 and 362|1, measuring 505.08 sq. mtrs. situated at Mauza-Sarai Nandan, Pargana-Dehat Amanat, Distt. Varanasi, and all that description of the property, which is mentioned in the sale deed and form 37G 5560, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984,

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G. I. R. No. B-122 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Property measuring 2125 sq. ft. situated at 6|11, Radichi Read, Hazratgani, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforecaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

(1) Mrs. Rekha Bhatnagar, Through Attorney, Shri Sudhir Pawaskar,

(Transferor)

(2) Shri Baldeo Mehra,

(Transferce)

Veendees.

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property measures 2125 sq. ft. situated at 6|11, Radichi Rd. Hazratgani, Lucknow, and all that registration of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 13290, registered on February, 1984, by the Registering Authority. Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

#### 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G. I. R. No. A-145 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot situated at Chuppepur, Pargana-Shivpura, Varanasi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Varansi in February, 1984.

for an apparent consideration which is less than the fedr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apaprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/sw
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) 1. S[Shri Brij Jivan Das

Brij Bhustan Das

3. Brij Mohan Das 4. Brij Sunder Das

5. V. Lal 6. Praveen Kumar

7. Pramod Kumar.

(Transferor)

(2) Azad Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Varanasi,

Through Secretary, Dr. Rai Singh,

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION s—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 137466 sq. ft. situated at Chuppepur, Pargana-Shivpura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6664, registered in February, 1984, by the Registering Authority, Varanasi.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984.

#### PORM ITMS

- (1) 1. Shri Bholanath Sao.
  - Shri Ratan Shanker.
     Shri Dava Shanker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Azad Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Varanasi through Secretary, Dr. Raj Singh.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G.I.R No. F1146/Acq.—Whereas, I. A PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
Piot Nos. 298 and 299 situated at Mauza-Shivpur,
Pargana, Shivpura, Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at

Varanasi in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 298, measuring 39 decimals and Plot No. 299, measuring 70 decimals situated at Mauza-Shivpur, Pargana-Shivpura, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4288, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

69-336 GI|84

(1) 1. Shri Rama Kant Gupta. 2. Shri Shashi Kant Gupta.

3. Becna Devi.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. F-6|Acq.—Whereas. I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Arazi No. 164|2 situated at Mauza-Nariya, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

Varanasi on 18-2-1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tar Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-inv Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

(2) Friends Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.

Varanasi through President, Shri Hosla Prasad.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi No. 164|2, measuring 25 decimals, situated at Mauza-Nariya, Pargana Dehat Amanat, Distt. Varanasi, registered on 18-2-1984 by the Registering Authority at Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10 1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. G-75 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing

No. Arazi Bhumidhari Nos. 42 and 43 situated at Mauza-Habibpura, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Varanasi on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Govind Prasad.
  - Shri Madho Prasad.
  - 3. Shri Sadho Prasad. Smt. Pravawati Devi.

Shri Harihar Prasad.

(Transferor)

(2) Gulshan Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Varanasi through Secretary, Shri Shashi Kant Prasad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION :- The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari No. 42, measuring 61 decimals No. 43, measuring 65 decimals, situated at Mauza-Habib-pura, Pargana-Dehat Amanat, Distt. Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4225, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

(1) National Assembly of Bahaia, 6, Canning Road, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Tarun Kumar Chatterjee

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Ref. No. G.I.R. No. T-40 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property situated at 1, Stanley Road, Old Cantt.,

Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Allahabad on February 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Property situated at 1, Stanley Road, Old Cantt., Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 546, registered in February, 1984, by the Registering Authority, Allahabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE.

57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. K-141 Acq. -Whereas, 1,

A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to delieve that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. A piece of land situated at Kutubpur-Khalispur, P.S. Hasangani, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2690 of the said Act, to the following persons namely :-

(1) 1 Shrl Om Prakash Khanna.

2. Shri Daya Nand Khanna. 3. Shri Ramesh Dhawan.

4. Shri Ashok Shukla.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kailash Narain Gupta. 2. Smt. Shanti Gupta.

(Transferee)

(3) Sellers.

(Property in occupation of the property) Acquisition Range, Lucknow

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A piece of land measuring 4500 sq. ft. out of 16000 sq. ft. from plot Nos. 22 and 23, situated at Kutubpur-Khalispur, P.S. Hasanganj, Lucknow, registered in February 1984, by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

GI.R. No. L-47 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing

No. Plot situated at 22-23, Kutubpur Khalispur,

Faizabad Road, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registriation Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow in February 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Om Prakash.

2. Shri Daya Nand.

3. Shri Ashok Kumar.

4. Shri Ramesh Dhawan.

(Transferor)

(2) 1. Shri Laxman Swarpop Kapoor.

2. Smt. Usha Kapoor.

(Transferce)

(3) Vendees.

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot meausring 3000 sq. ft. situated at 22-23, Kutubpur-Khalispur, Faizabad Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 13037, registered in February by the Registering Authority, Lucknow.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. G-74[Acq.—Whereas I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at 22-23, Kutubpur-Khalispur, Faizabad Road, Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Om Prakash.

Shri Daya Nand.

Shri Ashok Shukla. 4. Shri Ramesh Dhawan.

(Transferor)

(2.) Shri Gopal Swaioop Kapoor.

(Transferee)

(3) Vendees.

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THF SCHEDULE

Plot situated at 22-23, Kutubpur-Khalispur, Faizabad Road, Lucknow, measuring 1500 sq. ft, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 13038, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Radhey Shyam Sahu.
 Shri Santosh Kumar Sahu (Minor).
 Km. Vijai Laxmi Sahu.

(Transferor)

(2) Shri Kastoori Lal Pahwa.

(Transferee)

(3) Sellers

(Person is occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57 RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1984

G.I.R. No. K-140 Acq.--Whereas I.

PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No. House No. 133/141 situated at Fatchgan,

Aminabad, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer|Registrar|Sub-Registrar

at Lucknow in February 1984,

for an apparent consideration which is sees than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 133|141, including land measuring 516 sq. ft. situated at Fatchgani, Aminabad, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 13450, registered on 26-2-1984 by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-motion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, IUCKNOW

Lucknow, the 10th October 1984

G.I.R. No. P-131 Acq.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000and bearing

No. House situated at 811, Shivpuri, Latouche Road

(Gautam Budh Marg), Lucnow.
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of

the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Lucknow in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

70--336 GI|84

(1) Smt. Chameli Devi. Through her Attorney, Shri A. L. Nagar. (Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh Nanda.

(Transferee)

(3) Landlord

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated at 8111, Shivpuri, Latouche Road (Gautam Budh Marg), Lucknow, including land measuring 4275 sq ft. and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 15359, registered in February, 1984, by the Registering Authority, Lucknow.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date . 10-10-1984.

#### 2. Shri Rama Kant.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Balkrishna Lal Podder (Pvt.) Ltd., Lucknow, through Manager, Shri Radhey Shyam Agarwal. (Transferce)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

> (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Lucknow, the 12th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. B-123 Acq. -- Whereas, I.

PRASAD. being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

> EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver

No. Arazi Bhumidhar Nos. 147 and 148 situated at Mauza-Semra, Tehsil and District-Lucknow,

in that Chapter

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the the Competent Authority at

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Lucknow in February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Arazi Bhumidhari No. 147, measuring 8 Biswa 18 Biswansi and No. 148, measuring 1 Bigha 1 Biswa i.e. 4888,047 sq. mrts. situated at Mauzu-Semra, Pargana, Tehsil & district-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 13358, registered in February 1984, by the Registering Authority, Luck-

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the aquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. M-203|Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Atazi Bandobasti No. 358|1 and 362|1 situated at Mauza-

Arazi Bandobasti No. 358|1 and 362|1 situated at Mauza-Sarai Nandan, Pargana-Dehat Amanat, Varanasi rand more tuily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under Registeration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar

at Varanasi on February, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any means arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now merefore, in pursuance of Section 2500 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Bhola Nath. 2. Shri Govind Prasad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Mohd, Ibrahim, 2. Smt. Atiya Bibi,

(Transferee)

(3) Vendees.

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Bandobasti No. 358|1 and 362|1, measuring 505.83 sq. mtrs. situated at Mauza-Sarai Nandan, Pargana-Dehat Amanat, District Varanasi, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984. Seal:

Madan Mohan, Shiv Shanker Singh,

3. Nand Lal.

4. Baikunth Nath. 5. Bharat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Jawahar Lal, 2. Vijay Kumar,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. J-70 Acq.—Whereas, I. A. PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Arazi Bhumidhari Bandobasti No. 323/1 situated at Moh.

Pandeypur, Pargana Shivpuri, District Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office

of the Registering Officer

at Varanası on February, 1984 at Varanasi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the subject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the trunsferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officical Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days for the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Bhumidhari Bandobasti No. 32311, measuring decimals and Kutcha House Khandhar Nagar Mahapalika No. 2,341, situated at Moh. Pandeypur, Pargana Shivpur. District Varanasi and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 79G No. 3554 registered in February, 1984 by the Registering Authority. Varanasi,

> Λ. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Shanker.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sajida Bibi, 2. Smt. Majda Bibi, 3. Smt. Tahira Bibi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. S-338 Acq.--Whereas, I, A. PRASAD being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Plot No. 21 situated at Housing Scheme Plot No. 21 & Nagar Mahapalika No. 19|27-14-2 Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

of the Registering Officer at Varanasi on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Housing Scheme Plot No. 21 and Nagar Mahapalika No. 19|27-14-2, Varanasi with land measuring 2-80 Biswa and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5875, registered in February 1984, by the Registering Authority, Varanasi.

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. K-139|Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

One house situated at Mohalla Prem Nagar, Civil Lines. Sitapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Sitapur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as sforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such opparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harbansh Lal Chaman.

(Transferor)

(2) Shri Kripal Das Kalwani,

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house situated at Mohalla Prem Nagar, Civil Lines, Pargana Khairabad, Sitapur, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 702, registered in February, 1984, by the Registering Authority, Sitapur.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984.

#### FORM ITNS----

(1) 1. Dr. Brij Nath Agarwal, 2. Smt, Kusum Agarwal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Dharam Vir Anand.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. D-53|Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the lation, whereas A. t. 196 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House property with land situated at Mohalla Faltoongani.

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bareilly on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANTION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the said menging as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House property with land measuring 424 sq. yds. situated in Mohalla Faltoongani, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2024, registered in February, 1984, by the Registering Authority, Bareilly.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984.

Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said A.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

#### PORM ITNS-

(1- Shri Ganga Ram:

(Transferor)

(2) Smt Sneh Lata.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION- RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. S-337 Acq.—Whereas, I A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Open piece of plot situated at Majhaula, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

andlor

at Moradabad on February, 1984 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Open piece of plot measuring 382.40 sq. mtrs. situated in the pro-orm 37G Majhaula, Moradabad, and all that description of perty which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 964, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an in one arising from the transfer;

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 12-10-1984,

#### FORM ITNS----

(i) Smt. Shakuntala.

(Transferor)

(2) Shri Prithvi Rai Bhatia.

(Transferce) -

(3) Seller.

(Person in occupation ofthe property.)

#### GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. P-129/Acq.—Whereas, I. A. PRASAD. Feing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the faid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 21,000/- and bearing No.

An open piece of land situated at Civil Lines, Moradabad has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair transfer value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair timely value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pathes has not been tally stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, [922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition o' the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

71 -336 GI 84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other nerson interested in the suid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

JAPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open piece of land measuring 209, 40 sq. mtrs, situated in Civil Lines. Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1021, registered in February, 1984 by the Registe inv Authority, Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984.

(1) 1. Shri Shanti Kumar, 2. Shri Aditya Kumar,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-4AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Prabha Agarwal, 2. Smt. Rekha Agarwal.

(Fransferec)

#### GOVERNMENT OF UNDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION PANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. P-130|Acq.—Whereas, I. A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

A house situated at Mohalla Alamairigani Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroilly on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the iforested property and I have reason to believe that the lair market value of the property as atomissid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for the transfer as agreed to hattered. that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the t<sub>k</sub>unsferee for the purposes of the ludium meome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said het or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

A double storeyed house with land measuring 150 sq. vds situated in Mohalla Alamairigani, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and feath 37G No. 1982, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Bareilly.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984,

Scal:

(1) 1. Shri Kailash Chandra Gupta 2. Shri sunn Kumar Gupta

(Frausferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX CCT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Shuda Devi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
57, KAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I R. No. S-339, Acq. Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tail market value exceeding Rs. 25.000]—and bearing No.

25,000|- and bearing No. No. One House No C-92 situated at Gandhi Nagar,

Morridabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreel to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION.—Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One house No. C-92, measuring 168.18 sq. mtrs. situated at Gandhi Nagar, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1455, registered in February, 1984 by the Registering Authority Moradabad.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I ucknow

Date . 12-10-1984 Seal : FORM ITNS-

(1) Shri Sushil Kiishna Sharma

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt Ganeshiya Devi

(Transferee)

INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. G-73 Acq —Whereas, I, Λ. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. A piece of land situated at Premnagar. Maihaula,

Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Monacabad on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: -- The terms and expressions used between as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning us given in that Chapter.

- . (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and ion
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which bave not been or which ought to be dislcosed by the transferee for the puurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

#### THE SCHEDULE

A piece of land measuring 210.75 sq. mtrs. situated at Premnagar, Majhaula, Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1636, registered in February. 1984 by the Registering Authority, Moradabad

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date 12-10-1984

, or a later of the state of the transfer and the state of the state o

FORM ITNS----

# HOFICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G. I.K. No. P-128 Acq — Whereas, I, 4 PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

No. House No. 10 53 92-93 situated at Moh. Kamchchha, Laza, Ramapura Dehat Amanat, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer of Verantsi on 21-2-1984

ton an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said left, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shti Seva Ram.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Praveen Kapoor Smt. Kiran Kapoor

(Transferee)

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

(4) X X X

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

and defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as

uiven in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No D-53|92-93, measuring 3144 sq. ft. situated at Monalla-Kamchchha. Laxa, Ramapura, Pargana-Dehat Amanat Diett. Varanesi, registered on 21-2-1984 by the Registering Authority, Varanast.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

(1) Shri Gulam Das

(Transferor)

(2) 1. Shri Gopi Chand 2. Shri Basdeo

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
57, FAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

G.I.R. No. G-72 Acq.—Whereas, I. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Mauza-Marney, Pargana- Jalhupur,

Distt. Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanusi on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nubli cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Acs, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 'Act, 1957 (27 of 1957):

#### THE SCHEDULE

Land measuring 6.42 acres situated at Mauza-Marney, Pargana-Jahhupur, Disti Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4326, registered in February, 1984, by the Registering Authority, Varanasi.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. B-124 Acq.—Whereas, I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred (hereinafter referred to as the said 'Act') have reason to believe that the immovhaving a fair market value property, exceeding

Rs 25,000]- and bearing
No. First floor structure situated at Mohalla-Kundigarh Tola,
Chowk Ward, Varanasi

(ind more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer a. Varanasi on 21-2-1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to be the following persons, namely.-

- (1) 1. Smt Nirmala Devi
  - Spat. Roop Sahgal Smt. Neeta Sahgal
  - 3.
  - 4. Smt Geeta Sahgal
  - 5. Smt. Santosh Sahgal 6. Smt. Rajni Sahgal

(Transferor)

(2) M/s. Breeze Exports Limited, A. Company Regd. Office at 26, Park Lane, Calcutta.

(Transferee)

(3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saio Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that first floor structure with common facilities and areas comprising of three rooms and a verandah, total built-up green being 72.83 sq. mtrs, bearing premises No. CK-39, 79E in Mohalla-Kundigarh Tola, Chowk Ward, Varanasi, registered on 21.2-1984 by the Registering Authority, Varanasi.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Datr : 12-10-1984

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R No M-202' Acq.—Whereas, I, A PRASAD,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act ) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

Second floor and third floor situated at Moh. Kundigarh

Tola, Chowk, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer it Vacanasi on 22-2-1984

for an apparent consideration which is less than the lair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any necome arising from the rander and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not Leen or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely

- (1) 1, Smt. Nirmala Devi
  - 2. Emt. Roop Sahgal
  - 3. Smt. Neeta Sahgal
  - 4 Smt. Geeta Sahgal 5. Smt. Santosh Sahgal
  - Smt Rajni Sahgal

(Transferor)

- (2) M|s. Mewa Vihar Private Ltd., A company Regd. office at 33, Tollygunge, Circular Road, Calcutta. (Transferee)
- (3) Sellers

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this noticin the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein se are defined in Chapter XXA of the saut Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that second floor comprising of three rooms and third floor consisting of one room and open terrace, total built up area being 78 83 sq. mtrs. bearing premises No. CK-39 79F in Mohada-Kundigarh Tola, Chowk, Varanasi, registered on 22-2-1984 by the Registering Authority, Varanasi

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Lucknow

Inte 12-10-1984 Sea1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX CQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. A-147 Acq.—Whereas, I,

A, PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatfer referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

R3, 25,000|, and bearing No.

Bhumidhari No. 935 situated at Mauza-Shahpur Tigri,

Pargana and Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeby more said exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 72-336GI|84

(1) 1. Shri Pooran 2. Shri Narain

3. Shri Charan

4. Shri Sawle

(Transferor)
(2) Arya Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Moradabad Through President, Shri Ram Mohan and Secretary, Shri Vijai Shanker Misra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said îmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Kasht Bhumidhari No. 935, measuring 0.66 decimals, situated at Mauza-Shahpur Tigri, Pargana and Distt. Moradabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1269, registered in February, 1984 by the Registering Authority, Moradabad,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TTRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. A-148 Acq.—Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Bhumidhari No. 268|10|1 situated a Musthham, Pargana and Distt. Moradabad at Village-Dehri

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, \$1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Sher Singh

(Transferor)
(2) Arya Nagar Sahkai Avas Samiti Ltd., Moradabad
Through President, Shri Ram Mohan and Secretary,
Shri Vijai Shanker Misra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Arazi Kasht Bhumidhari No. 268 10 1, measuring 0-78 decimals situated at village—Dehri Musthkam, Pargana and Dists. Moradabad, and all that description of the property which is menitoned in the sale deed and form 37G No. 505, registried in February, 1984 by the Registering Authority, Moradabad,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 12-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Roop Lekha Through Shri V. P. Srivastava.

(Transferor)

(2) Urmil Nagar Sahkari Avas Samiti Ltd. Moradabad Through its Secretary, Shri Ram Avtar Cupta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 12th October 1984

G.I.R. No. U-37 Acq.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

No. Half portion of Arazi Bhumidhari situated at Mauza-Shahpur Tigri, Pargana & Distt, Moradabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwee the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Half portion of Arazi Bhumidhari, measuring 6-94 decimals, situated at Mauza-Shahpur Tigri, Pargana and Distt. Moradabad (as mentioned in Form 37G No. 1691) registered in February, 1984 by the Registering Authority, Moradabad.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-10-1984

(1) Shri Chanddhal Soo Shri Kundandas, Ro 10, Sadhu Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Murlidhar S[o Gyanchand Mangani R]o 33-B, Prem Nagar Colony, Indore. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5160.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

House No. 10 situated at Sadhu Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said act in prespect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 10 situated at Sadhu Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G-duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar. Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 20-9-1984

Seaf:

PART III-SEC. I]

#### FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Chardumal So Shri Kundandasji, Rlo 10 Sadhu Nagar, Indore (M.P.)

(Transferor)

28603

(2) Shri Ramesh Slo Shri Gyanchand, (2) Shri Gyanchand So Parsumalji Rlo 33-B Prem Nagar Colony, Indore (M.P.)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. 1AC Acqn. Bpl. 5161.—Whereas, I,

V K. BARANWAL, being the Competch Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable the competch of property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House constructed on Plot No. 10, 1st and IInd floor, situated at Sadhu Nagar, Indoie (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which dught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 10 situated at Sadhu Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-10-1984

Scal:

#### FORM LT.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5162.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

F. F. Part of House No. 60 situated at Dhanmandi, Ratlam (MP) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16

of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair Imarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

 M|s. Chandmal Nanuram, Dhanmandi, Ratlam Partners; Shri Badrilal S|o Shri Chandmalji Parl-har R|o 69, Dhanmandi, Ratlam Shrimati, Shantibai Wo Sri Mohanlalji Parihar R|o 69, Dhanmandi, Ratlam Smt. Mamabai Wdo Shri Chandmalji Parihar R|o 69, Dhanmandi, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shrl Shabbir Hussain Slo Srl Haji Abbashhai Bhora. Baswarawala, Rlo Mohalla Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 60 (Part of) is situated at Dhanmandi, Ratlam (MP). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

THE SCHEDULE

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Bullding T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl.|5163.-Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Land bearing Survey No. 1400|3, 140|1, 1400|2 and 1404|2 situated at Vill. Khajrana, Teh. and Distt. Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ratiram So Ramaji Patidar Rlo Vill. Khajrana, Teh. and Distt. Indore. (Transferor)

(2) Bijli Nagar Sahkari Grih Nirman Sanstha Maryadit, Indore through President: Shri Kiranshanker Slo Kalisadhan Banerjee 86, Jawahar Marg, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1400|3, 1401, 1400|2 and 1404|2 situated at Vill. Khairana, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACF, 1961 (43 OF 1961)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn.BpL|5164.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Land bearing Survey No. 1400|3, 1401 situated at Vill. Khajrana, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Indore in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purawance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Madanlal, 2. Mohanlal, 3. Purushottam, 4, Radheshyam, S|o Ram Prasadji Patidar, 5. Krishna Bai W|o Ram Prasadji Patidar, R|o Khajrana, Teh, Indore.

(Transferor)

(2) Bijli Nagar Sahkali Grih Nirman Sanstha Maryadit, Indore. Through President: Shri Kiranshanker Slo Kalisadhan Banerjee, Rlo 86, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objection, if any, to be the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 1401 & 1400|3 situated at Vill. Khajrana, Teh. & Dist. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotti Building
T. T. Nagar, Bhopel

Date: 20-9-1984

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5165,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land bearing Survey No. 261|1|2, 261|3, 261|1|5, 262|4|2, 262| $1_1$ 2, 262| $1_1$ 3 & 262| $1_1$ 5 situated at Ratlam

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ratlam in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facultating the reduction or evation of the liability, the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westlater Act, 1957 (27 of 1957);

Asow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

73--336GI[84

Shri Mansoor Khan
 Sho Shri Mehmood Khanji Serani
 Rho Mohalla Seramipure,
 Ratlam (MP).

(Transferor

(2) M|s. Shriram Investment Corporation Through Pattner Shri India Narain S|o Mansukharaiji Jalani R|o Shri Ram Bhuwau Goshala Road, Ratlam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which were period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Survey No. 261|1|2, ,261|1|5, 261|3, 262|4|2, 262|1|2, 262|1|3 & 262|1|5 situated at Rat'am. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Phopal

Date: 20-9-1984

scal:

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Shop, I the 20th September 1984

Res No IAC Acan Bull 5166, -- Whereas, I

b ing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Ph 25,000 - and bearing No. Land bearing Kh. No. 262[1]5 situated at Ratlam

Land bearing Kh. No. 262115 situated at Ratlam and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

Rather in February, 1984

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds ethe apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ac in respect of any income arising from the transferandler.
- no) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act to the Endowing persons, persons, persons.

(1) Shri Mukhtiarkhan S|o Shri Mahmood Khan Serani R|o Mohalla Seranipura, Ratlam.

(2) Shif Ram Investment Corporation Through Pattner Shri Indra Narain Slo Mansukharaiji Jhalani Rlo Sr. Ram Bhawan, Goshala Road, Ratlam (M.P.). (Transfer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property\_may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 5.
  45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 262|1|5 is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No 37 G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME JAY ACT, 1961 (43 of 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL M P.

Bhopel, the 20th September 1984

Ref. No. IAC<sub>1</sub>\cqn|Bpl<sub>1</sub>5167,—Whereas, I, \(\frac{1}{2}\). II. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable referred to the said Act') is reason to believe that the immovable referred to a the said Act'). property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000|and bearing No.

I will bearing Kh No. 262[1]5 situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in February, 1984

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have mason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the efor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agriced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- he inclinating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- aberefore, in pursuance of Section 269C of the said to estable etty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shii Mukhtar Khan Sio Memood Khan Serani Rpo Moballa Setanipura, Ratiam.

(Transferor)

(2) Shi iam Investment Corporation Through Partner Shri Indranarayan Slo Mansukhraiji Jhalani, Goshala Road, Ratlam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said evoperts may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazetta

1 XPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land bewing Kh. No. 262[1]5 is situated at Ratlam This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V.K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assis ant Commissiones of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

10ate : 20-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5168.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Land bearing Kh. No. 262[1]3 situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on February, 1984

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Afak Khan
Slo Mehmood Khan Serani
Through General Power of Attorney
Shri Mukhtai Khan
Slo Mehthood Khan Serani
Rlo Seranipura,
Ratlam.

(Transferor)

(2) Shriram Investment Corporation Through Sri Mansukhraiji Jhalani Goshala, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 262|1|3 is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE,

BHOPAL M. P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5169.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereusafter referred to as the said Act') have reason to believe that the intermovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Land bearing Kh. No. 262|1|2 situated Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mansur Khan Slo Mehmood Khanji Serani Rlo Seranipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shritam Investment Corporation Through Partner Shri Indranarayan S|o Mansukhraiji Jhalani, Goshala Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No 262|1|2 is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF 'THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopol, the 20th September 1984

Ref. No. IAC Acqn|Bpl|5170.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imposable property, having a fair market value exceeding Rs 25 (0)0]- and bearing

Rs, 25,000|- and bearing I and bearing Kh No 262 1 5 stuated at Ratlam (and mole fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

nas been transferred under the Registration Act. 1808 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in February, 1984 for an applicate consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating his reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mukhtiar Slo Mehmood Khan Serani Rlo Mohalla Seranipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shriram Investment Corporation Through Partner Shri Indranarayan S<sub>1</sub>D Mansukhraiji Jhalam, Mohalla Goshala Road, Ratiam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FREINIMON: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 262[1]5 is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No. 37-6 duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-t: Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

- -

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5171 —Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the competent Nath vity under Section 201 of the fineome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the unanovable property, having a tan market value exceeding Rs. 25,000; and bearing Lan I ocaring Kh. No. 252[1] situated at Ratlam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perces has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arrive from the transfer and/or
- b) facilitating the concealment of any meomo or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Afakh Khan Sio Mehmood Khan Through General Power of attorney Shir Mukht ar Khan Slo Mehmood Khan Serani Mohalla Serampura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shuram Investment Corporation Through Pattner Shii Indianatayan Slo Mansukhraji Jhalani, Goshala Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sad property on the independent of the undersigned -

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, hichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULF

I and bearing Kh. No 262[1]3 is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiale proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely .--

Hate: 20-9-1964

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### JOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5172.—Whereas, I, V. K BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land bearing Kh. No. 262|1|2 situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) fachitating the reduction or evasion of hie liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mansoor Khan Slo Mehmood Khan Serani Rlo Mohalla Seranipura, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shriram Investment Corporation Through Partner Shri Indranarayan Slo Mansukhraiji Jhalani, Rlo Mohalla Goshala Road, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 2021/12 is situated at Ratlam. This is the immovable property which is 5 been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

Scal:

### FORM ITNS----

#### (1) Shri Ramesh So Salagram Rlo Vill. Pipliya Kumar, Teh. & Dist. Indore.

(Transferor)

(2) M's Snehnagar Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit. 114-A, Sneh Nagar, Indore (M.P.). Through President Shri Arjundas S<sub>10</sub> Shri Jethanand Chawla

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopel, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn Bpl|5173 Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|und bearing No.

Land bearing Kh. No. 2211 situated at Vill. Pipliya Kumar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to than the fair exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Farianation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Land bearing Kh. No. 22 1 is situated at Vill. Pipliva Kumar, Dist. Indore This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

74-336 GJ|84

Date: 20-9-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th September 1984 Ref. No. IAC|Acqn'Bpl|5174.--Whereas, J, V. K. BARANWA),

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to belive that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 25,000}- and bearing

Plot Nos 38 and 39 situated at Manishpuri, Gulmore Colony, Teh Khagarana, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Indone in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair night value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pur poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- Shri Bapurao s|o Shri Pandurang
   Shriram s|o Shri Ganpat
   Shri Anil s|o Shri Ganpat

  - 4. Shri Sunil so Shri Ganpat

6. Shri Suresh slo Shri Dattre
6. Shri Deepak slo Sheshuao
All Rlo 47. Gulmore Colony,
Indore (M P.).

(Transferor)

(2) Mls A. B. S. Enterprises Through Smt. Bharati Pradcep Padgaonker Rlo 25, Anoun Nagur, Indore (M.P.),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service nof notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot Nos. 38 and 39 situated at Gulmore Colony, Tehsil Khazaran, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G verified by the transforce.

> V. K. BARANWAL Competent Anthority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date · 20-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. 1AC Acqn. Bpl 5175.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No. Plot Nos. 38 and 39 situated at Manishpuri, Gulmore Colony (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) 1. Shri Bapurao so Shri Pandurang

  - 2. Shri Ram soo Ganpat 3. Shri Anil soo Shri Ganpat 4. Shri Sunil soo Shri Ganpat

  - Shiri Suitsh slo Dattre
     Shiri Sutesh slo Dattre
     Shri Deepak slo Sheshias All Rlo 47, Gulinore Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

(2) M|s. A. B. S. Enterprises, Through Smt. Bharati Pradeep Padgaonkar, Rlo 25, Anoop Nagar, Indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot Nos. 38 and 39 situated at Manishpuri, Gulmore Colony, Indore, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5176.---Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]- and bearing No.

Open land bearing Kh. No. 32, P. H. No. 70 situated at Titurdih, Durg (Near G. E. Road)

and more fully described in the Schedule annexed Lereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Durg in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Aswani Kumar soo Ram Sunder Singh & Through General power of attorney mother Prembai wo Ramsunder Singh
  - Shri Ganesh Sipgh so Ghansi Singh Rajput
     Shri Rameshwar Singh so Ghansi Singh Rajput
     Ro Tituidih, Durg.

(Transferor)

(2) Chhatisgarh Vikas Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd., Bhilai Charoda, Durg Through President.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Open land bearing Kh. No. 32, P. H. No. 70 situated at Titurdih, G. E. Road, Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5177.—Whereus, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Land bearing Kh. No. 32, P. H. No. 80, Block No. 259 situated at Titurdih, Dung

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Durg in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Aswani Kumar slo Ram Sunder Singh & Through General Power of attorney mother Prembai wo Ram Sunder Singh.
  - Shri Ganesh Singh so Ghansi Singh Rajput
     Shri Rameshwar Singh so Ghansi Singh Rajput Ro Tituidih, Durg.

(Transferor)

(2) Chhatisgarh Vikas Grih Nirman Sahkari Samiti Ltd.
Bhilai Charoda, Durg Thro' President.

(Transferee)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from, the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 32, P. H. No. 80, Block No. 259 situated at Titurdih, Dist. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce,

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Rajendra Singh slo Shri Durga Singh Thakur, Gamiriya, Teh. Sagar.

(Transferor)

(2) Dulichand soo Shri Bhagwandas Sahu Chaturbhata, Teh. Sagar.

(Transfarce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5178.--Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot of land bearing Kh. No. 210 situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of the Competent Authority at Sagar in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such spearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. land bearing Kh. No. 210 situated at Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

Scal:

PART III-SEC. 1)

### FORM I.T.N.S.-

### (1) Govind Singh slo Shri Bhagat Singh Thakur, Sagar.

### (Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Munalal so Shri Kedarnath Seni, Sagar.

### (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal the 20th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5179.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Accepting a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot of land situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed bereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sagar in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-- -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULF

Plot of land is situated at Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Flloor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 20-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. ..o. IAC|Acq|Bpl|5180. --Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing Plot No. 306. situatet at Saket Nagar Colony, Indore (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the income-taxxx Rules, 1962) and the statement of which has been deemed to have been registered under Section 269-AB of the Said Act' in the office of the Competent Authority at Bhopal in January, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the oforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

I. Ramnath Agarwal
 S|o Shri Dwarkadas Agarwal,
 Vijay Kumar Agarwal
 S|o Shri Amerchandji Agarwal,
 Both R|o 1|1, Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vasudeo Parmanand Agarwal, Rio 18. Bairathi Colony, Indore (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 306, situated at Saket Nagar Colony, Indoore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-EE duly varified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Flloor, Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 9-10-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOP L, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. 1AC|Acq|Bpl|5181.—Wherens, I, V. K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to Land & Building at Nai Sarak Guna studed of Guna has been transferred under one Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guna Flat No. 4, Block 7-A, Juliu Road, Sangeeta Apartment, Bombay 400049

Bombay-400049, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tra Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 14-2-1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the rain market value of the property as and said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of: -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Invome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-75-336 GI[84

(1) Rustoma 5]o Sit Sobrabiji Motiwala, 12-A, Greater Co-op, Housing Society, Gulf rollar Cross Read No. 4, Bur wy.

(Transferor)

(2) I Ran Manar I bio Cherran & 2. leg fish I', a in the Cherran & 2. leg fish I', a in the yan fraction, Word No. 12, Gormh Ehawan, Rogader Merg, Cura (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expuse later:
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, with a 45 days from the date of the publication of this motive in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building knwon as Durga Talkies situated at Nai Surak, Guna (MP). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting As is ant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floors Gangotti Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1984

Soal:

#### FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhops', the 27th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5182.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

vable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 45|5 situated at Malharganj, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transferred with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursunace of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) 1. Shriniwas Das

Slo Shri Raghunath das Agarwal,
2. Shri Purushothamdas
Slo Shri Raghunathdas Agarwal,
Rlo Barthan Bazar (Kasera Bazar),
Indore.

(Transferor)

Smt. Sudeshrani
 W|o Shri Jagdishraoji,
 R|o House No. 40,
 Malharganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 45|5 is situated at Malhargan, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floorfi Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1094

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5183.--Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House No. 45|5 situated at Malhargani, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indote in February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ascets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shriniwas Das
 So Shri Raghunath das Agarwal.
 Shri Purushothamdas
 So Shri Raghunathdas Agarwal,
 Ro Barthan Bazar (Kasera Bazar),
 Indors.

(Transferor)

(2) 1. Shyamsunder

So Sri Manoharlal Punjabi,

 Rajkumar Slo Shri Manoharlal Punjabi, Rlo House No. 45|5, Malhargapi, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 45/5 is situated at Malhargani, Indore. This is the immovable property which has been described in No- 37.G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floorfi Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1984

(1) Laxmandas So Shri Lalchandji, Ro 90, Jai Rampurax Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kamalkumar So Shi Mutlidhar, Ro Jai Rampur Colony. Indore.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5184.—Whereas, 1,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immosphere the second of the aroperty, having a fair market value exceeding Rs. 25,000[-

and bearing No.

M.H. No. 80, M.I. Cloth Market, situated at
M.I. Cloth Market, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Indore in February, 1934

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcressid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of aransfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the remotion or evasion of the hability of the transferor to pay fax unfor the said Act, in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hoveby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

THE SCHEDULE

M.H. No. 80 is situated at M.T. Cloth Market, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rango
> 4th Floorfi Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mohesh Kumar Slo Shii Lalchandji, Rlo H. No. 90, Jairampur Colony, Indore (M.P.)

(Transferor)

(2) Murlidhar S|o Shri Latchandji (HUF of Shri Mulidhar) Rlo Jairampur Colony, Indore (M.P.)

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION KANGE, BROPAL, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bip|5185.-Whereas, I, V. K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Munch. Corpn House No. 81 situated at M.T. Cloth Market, Indore (and more fully described in schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have report to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tansfer as perced to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing Manicipal Corporation No. 81, situated at M.T. Cloth Market, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floorfi Gangotri Building 4th Floor Gangatri Building T.T. Nagar, Indore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-9-1984

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5186.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No 5A situated at Rajgarh Kothi, Indore of 1908) in the offire of the Registering officer at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 Indote in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Subhadrabai
 Wo Shri Dharmadas,
 Ro 34/2, Parsi Mohalla,
 Indore.

(Transferor)

(2) Arihant Grah Nirman 'Sahkari Sanstha Maryadit, 146, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 5A is situated at Rajgarh Kothi, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1984

Scal:

(1) Shri Bhanwarlal

Indore.

(2) Shri Surajmal

### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Slo Shri Jeevrajji Clo Bharat Electric & Trading Co., Maharani Road, Indore. GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5187.—Whereas, I, K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.
M.H. No. 24, situated at Shantingar Jain Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Indore in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said intrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed builthe transferee for the purposes of the Indian In no-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(b) facilitating the concealment of any income or any

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

So Shri Kanhaiyalalji Kothari, Ro 21, Shanti Nagar Jain Colony,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

M.H. No. 24 is situated at Shanti Nagar Jain Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1984

### FORM itns---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. 1AC|Acqn|Bpl|5188.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing No.

Kholi No. 41 & 43 of M.H. No. 1, Cloth Gwal Toli situated at Banda Compound, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Sint. Mehmood Jehan Begain Walo tate Nawab Saifali Bahadur
  - Shri Nawab Bahadur
     Shri Ameer Bahadur
  - Sim Shumsher bahadur
     Shri Israr Bahadur
  - 6. Shri Mushtaque Ali Bahadur
  - 7. Shri Ashiaque Ah Bahadur 8. Shri Zuber Bahadur
  - 9. Diler Jehan
  - 10. Rajia Begum
  - 11. Mukhtyar Jehan R|o 11|2, Manoramaganj, Indore.
  - 12. Shii Aziz Bahadur
  - 13. Shri Jamshed Bahadui
  - 14. Shri Tamkeen Bahadur
  - 15. Farokh Jehan

  - 16. Shri Afaque Bahadur17. Shri Ishtaque Ali Bahadur18. Shri Akhlak Bahadur
  - slo late Nawob Salfali Bahadur.

(Transferor)

(2) Shri Shayak Shah Khan So Shri Mehmood Shah Khan, R|o Kholino 43, M.H. No. 1, Choti Gawl Toli Banda Compound, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein was are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Kholi No. 41 & 43 of M.H. No. 1, is situated at Choti Gwal Toli Banda cound, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1984

Scal: '

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 27th September 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5189.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Municipal No. 1 (House) situated at

Chhoti Gwal Toli, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeing officer at Indore in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been away stated in the said instrument of transfer with the object of .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---76-336 GII84

- 11.1 Smt. Mehmood Jehan Begam Wdjo late Nawab Sali di Bahadur

  - 2. Shri Nawab Bahadur 3. Shri Ameer Bahadur 4. Shri Shamsher Bahadur
  - 5. Shri Israr Bahadur
  - Shri Mushtaque Ali Bahadur
     Shri Ashfaque Ali Bahadur
     Shri Zuber Bahadur

  - 9. Diler Jehan
  - 10. Rajia Begum
  - 11. Mukhtyar Jehan
  - R|o 11|2, Manoramagani, Indore.

    12. Shri Aziz Bahadur

  - 13. Shri Jamshed Bahadur 14. Shri Tamkeen Bahadur

  - 15. Farokh Jehan
    16. Shri Afaque Bahadur
    17. Shri Ishtaque Ali Bahadur
    18. Shri Akhlak Bahadur
    so late Nawab Saifoli Bahadur.

(Transferor)

Smt. Fatura Sultana W|o Shri Habibur Rehman, R|o 60|7, June Petha, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the Immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 1 is situated at Choti Gwal Toli Banda compound, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspeting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 27-9-1984

(1) 5lari Annapurna Anna Chetra Board, Katiam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shir Ramesh Chandrage Slo Copikishumu Rathi, R[o Mohalla Freegan], Ratlam.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE, BHOPAL, M.I'.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC Acqu Bpt 5190.—Whereas I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under section 269B of the facome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing Part of single storeyed commercial property, bearing M.H. No. 99 Ward No. 14, situated at Do Batti, Ratlam, (and more fully described in the Schedule approved bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trensferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ratlam on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument by transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a. are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHFDULE

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Property bearing M. H. No. 99 is situated at Ward No. 14, Do Batti, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAI Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangoth Building, T. T. Nagar, Bhopai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE, BHOPAL, MP

Bhopal, the 5th October 1984

No IAC Acqn Bpl 5191.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the fucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act') have reason to believe that the immovable to the said Act. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 |and bearing No

Part of land at M. No 6|573 (New Municipal No 84) situated at Vikiam University Road (Madhav Club Road),

Unam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ujjain on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property at aforestid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Tikhamlal slo Amrithlal Shah, i o 26, Shankei Marg, Madhav Nagar, Cio Surendra Narendra Chotta Sarafa, Ujjain (Transferor)

2. Shri Bapu Singh Kushwah, slo Shri Kachrusingh Kushwah, Vill Tablagaori, Tah Ghattaia, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the a equisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a perice of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovant-property, within 45 days from the date of pub. action of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of land at M No 6|573 (New Municipal No 84-Part) is situated at Vikram University Road, (Madhar Club Road), Ujjain. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee

> V. K. BARANWAL Competent Authority Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T T Nagar, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following vienna caorad

Date . 5-10-1984 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Aditya Pratap Shah slo Shri Virbahadur Shah, rlo Nagpur (Maharashtra).

(Fransferor)

(2) Shri Shiv Shakti Grah Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, 20/2, Old Palasia, Indore

(Transferee)

## OFITCE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUSITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5192.—Whereas I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000]- and bearing

Undeveloped land at Kh. No. 761 & 762,

situated at Khajrana, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULL

Undeveloped land at kh. No. 761 & 762 situated at khajruna, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V K BARANWAL Competent Authority Acquisition Range, 4th Floor, Gangoth Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date : 5-10-1584 Seal :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn |Bpl|5193.—Whereas V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 25,000 and bearing
Flat No. 4 on plot No. 47,
sutuated at Swadesh Nagar, Indoje
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February, 1984

for an apparent consideration which is less than fah market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the follow ing persons, namely '---

(1) Shri Gyanchand slo Nandlal, ro 187, Krishnapura, Indore.

(Transferor)

(2) Swainjeet Kaur Wio Harbans Singh, rlo Flat No. 4, Plot No. 47, Swadesh Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shell note the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 4 on Plot No. 47 is situated at Swadesh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-10-1981

(1) Shri Sharad s[o Shri Mahadev Khare, r|o House No. 64]1, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chandrakanta w|o Dr. Dhiraj Gandhi, & Dr. Dhiraj Gandhi, s|o Shri Mitolalji Gandhi, R|567|6, M.G. Road, indore.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 20th September 1984

IAC|Acqn|Bpl|5194.---W hereas I, Ref. No. IAC|A V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market

exceeding Rs. 25.000|- and bearing No. House bearing Mun. Corpn. No. 64, situated at South Tukoganj, Street No. 1, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the gold instrument of transfer with the object of in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; End/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House bearing Municipal Corporation No. 64 is situated at South Tukoganj Street No. 1, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building, T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 20-9-1984

(1) 1. Shri Devendra Kumar Slo Lalchand Patni. Shantikumar So Devendra Kumar Patni, Both Rlo Golgani, Chhindwara (M.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5195.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing

Plot Kh. No. 1782, 1783, 1785, Wart No. 18, situated at Azad Ward, Infront of Alka Cinema, Chhindwara, (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chhindwara on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Smt. Bharati W|o Shri Ashok Kumar Patni,
 Raj Kumar S|o Sohanlal Patni,
 Hemendra Kumar S|o Ghisalal Patni,
 Smt. Asha Patni W|o Lalit Kumar Patni,
 Smt. Kiran W|o Praveen Kumar Jain,
 All R|o Goleganj, Chhindwara (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used beroin as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot infront of Alka Cinema Chhindwara, bearing Kh. No 1782, 1783 and 1785, situated in Arad Ward No. 18, Chhindwara, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Compotent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rang.
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-10-1984

### FORM ITNS--- -

(1) Shri Ashok Kumar Slo Shri Shvamlal Goyal Rjo Fefdih, Raipur (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Shri Anand Sio Shri Hatiram Goyal Rio Tiflih, Raipur, (MP)

### (Transterce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopul, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5196,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Part of Agrl. Jand Khasra No. 241, Area 3475 Sq. ft. & one kachha House on it, situated at Fafdih, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raipur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration tor such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ar 3 cm
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of land Khasta No 241 Area 4374 sq ft and one house (Kachha) consul ed chaean situated at Fafdih. Raipur. This is the immovable property which has been described in form No 37 G duly verified by the transferee

V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Till Acquisition Rang-4th Floor, Gangoth Buildin T. T. Nagar, Bhor

Date: 5-10-1984

### FORM I'INS----

(1) Suit. Phoolyaa W<sub>10</sub> Shysanlal Goyal. R<sub>10</sub> Fafdih, Rupin (M.P.)

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AA ACI, 1941 (49 OF 1941)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE.
BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5197.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra 25,000|-and bearing No.

Part of Land Khaşıa No. 241 and house thereon, situated at Fafdih, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

at Raipur on February 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said apparent of transfer with the object of:--

- (a) racilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—
77—336 GI|84

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned !--

(2) Smt. Gmu Devi  $W_i$ o Smi Hariram Goyal,  $R_i^i$ o Fafdth, Raipur (M.P.).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the serice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of land khasra No. 241 area 4374 and one house there situated at Fafdih, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 57-63 duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopo'

Date: 5-10-1984

### FORM ITNS----

(1) thri Narmarayan Akarwal So Shri Ramchatanlar Agarwal Rlo Purani Basti, Raipur (M.P.).

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Smt, Sattadevi Wd|o Late Shri Boolchand Makhija 2. Shri Rajendra Kumar S|o Safarmal Makhija Both R|o Idgah Bhata, Raipur (M.P.).

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5198.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing

Land bearing I.h. No. 738 1, Mouza Mowa, Raipur, situated at Mouza Mowa, Teh. and Distt. Raipur, and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipm on Lebturay, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHLDULE

Land bearing Khara No. 738 1 Area 1.63 acres situated at Mouza Mowa, Teh and Distt. Raipur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAŁ Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-10-1984

Seal;

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5199.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing No.

Rs. 25,000|- and bearing No. Land Khara No. 638|1 Halka No. 109, 1.63 acre. situated at Mouza Mowa, Teh and Distt. Raipur.

Mouza Mowa. Teh and Distt, Raipur. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Raipur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922 ) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Narnarayan Aggarwal Slo Shri Ramcharanlal Agarwal Rlo Purani Basti, Raipur (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Bharati Devi Wo Sh. Ramdas Ro Idgah Bhata, Raipur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land bearing Khasra No. 738 1 area 1.63 acres situated at Mouza Mowa, Teh and Distt. Raipur. This is the immovable property which has ben described in Form No. 37-G duly verified by the transferec.

V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Builter T. T. Nagar. Bhopul.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Rlo Purani Basti, Raipur (M.P.).

(1) Shri Narnarayan Aggarwal So Shri Ramcharanlal Agarwal

(Transferor)

(2) Smt. Kavita Bai Wo Shri Dilip Kumar, Rio Civil Lines, Raipur (M.P.).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5200.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 2691 of the Inconnectax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair parket value exceeding Rs. 25,000and bearing No.

Land bearing Khasra No. 738 1 area 1.52 acres situated at Mouza Mowa Teh and Distt. Raipur. (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto)

has been transferred

ander the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid executs the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pay cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

I-XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the scame meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

(b) lactifiating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Khasra No. 738/1 area 1.52 acres situated at Mouza Mowa, Teh and Distt. Raipur. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopul.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL. M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5201.—Whereas, I, V, K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Raipur on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair targets using of the aforestid property and I have

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- tal tacilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -- -

(1) Shri Narnarayan Agarwal So Shri Ramcharanlal Agarwal Rlo Purani Basti, Raipur (M.P.).

(Transferor)

(2) I. Amarlal So Relumal. 2. Smt. Kala Bai Wo Shu Relumal Both Ro Civil Lines, Raipur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land beging Khasia No. 733 1, Halka at No. 109, situated Mouza Mowa, Teh and Distt. Raipur. This is the immovable property which has ben described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhorul.

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5202 —Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 25,000; and bearing No.
House in Ward, No. 8, situated at Mill Road,
Basoda. Distt. Vidiaha.
(and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ganj Based: on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration. sideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashok Kumar So Dr. Madanlal Sharma, Rlo Ganj Basoda Distt. Vidisha (M.P.).

(2) Smt. Madhuri Ben Wo Shri Rameshchand Jain.
Ro Ganj Basoda Distt. Vidisha (M.P.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

House situated at Ward, No. 8, Mill Road, Basoda Distt. Vidiaha. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following pet on, uniquely

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5203.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing o. House in Ward No. 8, at Basoda situated at Mill Road, Basoda, Distt. Vidisha (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ganj, Basoda Distt. Vidisha on Feb., 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Arun Kumar Sharma Slo Dr. Madaulal Sharma, Rlo Ganj Basoda, Disti, Vidisha (M.P.).

(2) Snit. Madhuri Ben Wlo Shri Ramesh Chand Jain Rio Ganj Basoda, Disti Vidisha (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated in Warl No. 8. Mill Road, Basoda Disti, Vidislia. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

V. K. BARANWAI Competent Authorite Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Phopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 5-10-1984

Seal

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-LAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Vimalchand Jain S o Shii Bansilal Jain, R o H Nc. 543 Sudama Nagar, Indore (M.P.). (Transferee)

(1) Smt. Vimla Devi Wo Shri Ramesh Kumar Agarwal Rjo 172 Dravid Nagar Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5204.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000'and bearing No.

House bearing Mun. Corpn. No. 123 (plot) situated at Dravid Nagar, Sukhniwas Road, Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

perssons namely :-

under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore on February 1984.

for an apparent considering which is less than the four market value of the aforesaid property and I have recoon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the arresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said propertmay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 123 situated at Dravid Nagar, Sukhniwas Road, Indoic. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V: K. BARANWAL-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotti Building
> T. T. Nagar, Bho,

Dute: 5-10-1984

beat.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5205.-Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fa exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. fair market

House bearing Mun. Corpn. No. 17/2 (Old) 236 (new) situated at Prince Yeswant Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Indore Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 78-336 GI|84

(1) 1. Surya Kumar So Martandraoji Chowdhary. Surya Kumar Sjo Mariandraoji Chowdhary
 Deepak Kumar Sjo Dr. Surya Kumar Chowdhary Both Rjo 17/2 Prince Yaswant Road, Indore.
 Smi. Abha Wlo Shri Madhududhan Rjo

H. No. 36 Sajan Nagar, Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Sh. Kusturilal Slo Sh. Bhagmalji Ghambir, Rlo H. No. 4|2 North Rajmohalla, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Municipal Corporation No. 17/2 (old) and 236 (New) situated at Prince Yeswant Road, Indore. is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 5-10-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Pritam Singh So Shri Mohan Singh Punjabi Ro Dewas, (M.P.).

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(2) Sh. Asharamji Slo Shri Nathulalji Sharma, Rlo Dewas.

(Transferee )

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5206 - Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the competent authority under section 263B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000 and bearing

Shop with residence, House No. 40 situated at Vijya Road, Bhawanisagar Area, Dewas. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Dewas on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the gaid instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Shop with residence bearing No. 40, situated at Vljya Road, Bhawanisagar Area, Dewas. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 5-10-1984

#### FORM ITNS...

# (1) Sh. Pritamsingh So Mohansingh Punjabi, Rlo Bhawanisagar area, Dewas (M.P.).

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sh. Harishankar Slo Shri Asharamji Sharma<sub>il</sub> ) Rlo 16, Vikram Marg, Dewas (M.P.). (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5207.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 40, (Shop with residence) situated at Vijya Road,

Bhawanisagar area, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Dewas on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Sansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned is

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovati property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

# (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop and residence bearing No. 40 situated at Vijya Road, Bhawanisagar area, Dewas. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-10-1984

(1) Sh. Sitaram So Shri Narayandasji Agarwal.
Mahajan Ro Manawar, Disti Dhar (M.P.).
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sh. Nisar Mohammed S|o Shri Munir Mohd.
 Wazir Mohd. S|o Wali Mohd.
 Both R|o Manawar (Distt-Dhar- (M.P.).

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE

BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5208.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 744, situated at Sadar Bazar, Manawar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Manawar (Distt Dhar) on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1867 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 744 situated at Sadar Bazar, Manawar (Distt-Dhar). This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC Acqu Bpl 5209.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing
Plot No. 46 situated at Kailash Park Colony, Indore. (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer

at Indore on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilitity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Smt. Mohan Devi Wo Mohanlal Motwani
   Shakuntala Devi Wo Mohanlal Motwani
   Both Ro 107, Kailash Park, Colony, Indore. (Transferor)
- (2) 1. Smt. Rajrani Wlo Satyapal Dabar

 Suresh Slo Satyapal Dabar
 Ajya Slo Satyapal Dabar
 All Rlo House No. 12/2, South Tukogani, Indore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCENDULE

Plot bearing No. 46 situate dat Kailash Park Colony, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal.

Date: 5-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5210.—Whereas, 1, K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House bearing Mun. Corpn No. 171(old)

90 New situated at Jairampur Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Murlidhar S|o Sh. Lalchandji, R|o Jairampur Colony, House No. 105, Indore (M.P.)

(Transferor)

(2) Laxmandas 2, Jethanand 3, Maheshkumar Sons of Sh. Lalchandji All Rlo House No. 90, Jairampur Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Municipal Corporation No. 171(old)|90 (New) situated at Jairampur Colony Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-10-1984

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5211 —Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and

bearing No. House No. 105 constructed on plot No. 179
1st floor, situated at Janampur Colony, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering

Officer at Indore on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by, more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shobhabai Wlo Sh. Jethanand, Rlo 105, Jarrampur Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

 Virendrakumar Slo Sh. Thakurdasji. Rlo 90-Jairampur Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1st floor of house No. 105 on plot No. 179, situated at Jairampur Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferred.

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-10-1984

Scul:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5212.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable propetry, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-bearing No. Part of House No. 105 constructed on plot No. 179 situated at Jairampur Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Fcb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shantibai Wo Sh. Murlidhar Ro 105, Jairampur Colony, Indore M.P.).

(Transferor)

(2) Shushilabai Wo Sh. Thakurdasji, Ro 90, Jairampur Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Municipal Corporation House No. 105, constructed on plot No. 179, situated at Jairampur Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee,

V. K. BARANWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-10-1984

#### FORM TINS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5213.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of Mun. Corpn House No. 90 situated at Jairampur Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, it, respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——79—336 GI|84

 Thakurdas S|o Sh. Lalchandji R|o House No. 105, Jairampur Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

 Laxmandas 2. Jethanand 3. Maheshkumar Sons of Sh. Lalchandji,
 All R|o House No. 90, Jairampur Colony, Indore (M.P.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of Municipal Corporation House No. 90, situated at Jairampur Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-10-1984

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5214.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-

and bearing No.

Two storied house constructed on plot Nos. 99
& 100 situated at Tilak Nagar Indore
(and more fully described in the Schedule sunexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering
Officer at Indore on Feb. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair

omeer at indote on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issur of this notice under subsection (1) of Section 2692D of the said Act, to the following persons, namely -

- (1) Babulal Slo Sh. Dagdulalji Dadichi, Rlo H. No. 337, Tilaknagar, Indore (M.P.)(Transferor)
- (2) Arjunsingh S|o Kesharsingh Chauhan, R|o 112|2, (ilak Nagar (Samvid Nagar Road) Indore (M.P.). (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Dobule story house constructed on plot Nos, 99 and 100 situated at Tılak Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V, K, BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-10-1984

(1) Prem Narayan Slo Sh. Sunderlal Ro Rampura Ward, Sagar (M.P.).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Geetabai Wlo Sh. Manoharlal Tiwari, Rlo Pampura Ward, Sagar (M.P.).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhonal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5215.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No. House having area 75.30 Sq. mt. situated at Rampura Ward, Sagar

tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering

Officer at Sagar on Feb. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquestion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated at Rampura Ward, Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5216.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing

No. House having area of 28-70 Sq. mt. situated at

Rampura Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sagar on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

- (1) Shri Prem Narayan Slo Sh. Sunderlal Tiwari, Rlo Rampura Ward, Sagar (M.P.). (Transferor)
- (2) Sanjya (minor) Slo Sh. Manoharlal Tiwari, Rlo Rampura Ward, Sagar (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated at Rampura Ward, Sagar having area of 28-70 Sq. mt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWΛL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 9-10-1984

(1) Prem Narayan Soo Sh. Sunderlal Tiwari, Ro Rampura Ward, Sagar (M.P.).

(Tansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anand (Minor) Slo Sh. Mancharlal Tiwari, Rlo Rampura Ward, Sagar (M.P.).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Rcf. No. IAC|Acqn|Bpl|5217,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-

bearing No. House having area of 28.70 Sq. mt. situated at Rampura Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Regitsering

Officer at Sagar on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on the which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated at Rampura Ward, Sagar, having area of 28.70 Sq. mt. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons namely:-

Date: 9-10-1984 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. 1AC[Acqn|Bpl]5218.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000\- and bearing No. House situated at Naryali Naka

Ward, Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

has been transferred

Officer at Sager on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Saligram Slo Sh. Beni Pid.
   Beharilal Slo Sh. Ramratan,
   Ramratan Slo Sh. Shivcharan
   Rlo Naryvali Nuka Ward, Sagar (M.P.).
- (2) Gaya Prasad So Sh. Pannalal Agarwal, Ro Naryavli Naka Ward, Sagar (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHROULE

House situated at Naryavali Naka Ward, Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Dute: 9-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5219.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing House situated at

Naryavli Naka Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Sagar on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of me liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;—

Saligram S|o Sh. Beni Prd.
 Beharilal S|o Sh. Ramratan,
 Ramratan S|o Sh. Shiv Charan,
 All R|o Naryavali Naka Word,
 Sagar (M.P.),

(Transferor)

(2) Ravi Shanker S[o Sh, Gaya Prd. R[o Naryavali Naka Ward, Sagar, (M.P.). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persod interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House situated at Naryavali Naka Ward, Sagar. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 9-10-1984

# AUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5220.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No. House situated at Naryavli Naka Ward, Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid poperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Saligram So Sh. Beni Prd.

- 2. Beharilal Slo Sh. Ramratan,
- 3. Ramratan Slo Sh. Shivecharan,

All Rio Naryvali Naka Ward, Sagar (M.P.). (Transferor)

(2) Munnalal Slo Sh. Gya Prd. Rlo Naryavali Naka Ward, Sagar (M.P.). (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The ferms and expressions used herein 🖦 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHRIDULE

House situated at Naryavali Naka Ward, Sagar. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Date: 9-10-1984

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5221.—Whereas, I. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and

bearing No. Single Storey H. No. 215[1 on plot No. 4]6

Block No. 12 situated at Shyama Prd. Mukherjee Ward, Byoharbagh,

Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jabalpur on Feb. 1984
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—336 GI|84

(1) Rifa D'zouza Wlo Sh. Anthony D'souza, Rlo Central Jain Line, Civil Lines, Jabalpur (M.P.).

(Transferor)

(2) Sharda Devi Wo Sh. Awadnarain Dubey, Ro H. No. 215/1-Ashyama Prd. Mukherjee Ward, near Byohar Bagh Petrol Pump. Ghamapur, Jabalpur (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lator;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressons used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Single Storey House No. 215 A-A on plot No. 4 Block No. 12 situated at Shyama Prd. Mukherjee Ward, near Byoharbagh Petrol Pump, Ghamapur, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5222.-Whereas, I, V. K. BARANWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. House No. 701, 701 1, 701 2 on Nazul

Block No. 3 on Plot No. 66 situated at Dixitpura, East Niwadganj, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely: --

(1) Maheshkumar Tiwari So Late Sh. Harasran Tiwari, R|o 711 EstNiwargani, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Jagdish Prasad So Sh. Ramdas Sabu Ro Badhranji Jabalpur (M.P.) 2. Smt. Maya Bai Wo Sh, Muratlal Sahu Rlo Kundam, Jabalpur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

# THE SCHEDULE

House bearing Nos. 701, 701|1, 711|2 situated at Dixitpura. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal,

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhonal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5223.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Part of House bearing Corpn No. 281, 281|1&281|2 situated at

Gorakhpur (new Napier town), Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent

consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, persons, namely :---

- (1) 1. Sh. S. Ranjeet Singh 2. Sh. S. Iqbal Singh, Slo Late S. Ameer Singh Both R o 20, Clerks Town, Jabalpur (M.P.). (Transferor)
- (2) Kishore Kumar Slo Sh. Deewanchand, Rlo 735, Marhatal, Jabalpur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein ar are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Part of house bearing Corporation No. 281, 281|1 and 282|2 situated at Gorakhpur (new Napier Town), Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferec.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Commissioner of Income-tax Inspecting Assistant Acquisition Range, Bhopal.

Date: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Ashok Kumar Sio Sh. Deewanchandji, Rio 735, Marhatal, Jabalpur (M.P.).

 S. Ranjeet Singh S|o S. Ameer Singh,
 S. Iqbal Singh S|o S. Ameer Singh,
 Both R|o 20-Clarks Town, Jabalpur (M.P.). (Transferon)

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5224.—Whoteas, 1, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Part of House No. 281, 281|1 to 281|22 situated at Gorakhpur (new Napier Town Ward),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on Feb. 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House bearing No. 281, 281,1 to 281,22 situated at Gorakhpur (New Napier Town Ward), Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice unos sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Date: 9-10-1984

Scul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC Acqui Bpl, 5225,--Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House No. 1027, N.B. No. 5, Sheet No. 5, Kh. No. 88,1 situated at Narsingh Ward, Nagpur Rood, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; aud⊿or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

- (1) Shri Rajpal Singh Slo Shri Kahan Singh, Rlo 1204|B. Madan Mahal, Jabalpur (M.P.) (Transferor)
- (2) Smt. Tara Wjo Shri Mangaldas, Rlo House No. 1112|23, Madan Mahal, Jabalpur (Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

| APPANATION | - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

House bearing No. 1027 situated at Narsingh Waid, Nagour Road, Jabalpur on N.B. No. 5, Sheer No. 5, Kh. No. 88[1] This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce

> V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar. Bhopal.

Dated: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhoral, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5226.—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Part of House No. 1028|2A situated at Narsingh Ward, Nagpur Road, Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

- (1) Shri Rajpal Singh Soo Shri Kahan Singh, Rlo 1204 B, Madan Mahal, Jabalpur (M.P.) (Transferor)
- (2) Shri Mangaldas Chabra R|o 1113|23 Madan Mahal, Jabalpur (M.P.) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressings used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house bearing No. 1028 2-A situated at Narsingh Ward, Nagpur Road, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Date: 9-10-1984

-Seal :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RÁNGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl: 5227.—Whereas, 1. V.K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Part of House No. 379 and 380 situated at Napier Town, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:——

- (1) Km. R. D. Barucha Dlo Shri D. M. Barucha, Rlo 379, Napier Town, Jabalpur (M.P.) (Transferor)
- (2) United Penticostal Church in India through its Superintendant or behalf of Executive Board Shri P. Timotby, R¦o Jabalpur.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House No. 379 and 380 situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-10-1984

\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS

(1) Km. R. D. Barucha Dio Shri D.N. Barucha Rlo 379, Napier Town, Jabalpur (M.P.) (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Smt Vijva Laxmi Shukhle Wio Shri D'A Shukla, Ro Napici Town, Jabalau (MP)(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5228 - Whereas, 1 V.K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. Part of House bearing No. 379 and 380

situated at Napier Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1984

tot an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have r ason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Part of House bearing No 379 and 380, situated at Napier Town, Jabalpur This is the immovable property verified by the transferce.

> V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotti Building T.T. Nagar, Bhopal.

Dated . 9-10-1984

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

\CQUISITION RANGF, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5229—Whereas, I, V.K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Part of House bearing No. 379 and 380 situated at Namer Town Jababuar situated at Napier Town, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1984,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-81-336GI|84

(1) Km. R. D. Barucha Dlo Shri D. N. Barucha, Rlo 379, Napier Town, Jabalpur

(Transferor)

- (2) (1) Smt. Shanti Devi Wo Shri Sheokumar Gupta,

  - Meena Gupta Wlo Vinay Kumar Gupta,
     Sunita Gupta Wlo Shri Anii Gupta, and
     Surnta Rai Wlo Shri Mihilal Rai, Al, Rlo Napier Town, Jabalpur (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House bearing No. 379 and 380 situated at Napier Town, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal

Dated: 9-10-1984

Seel:

(1) Smt. Kamla Devi Wo Shri Sewaram, R|o Tilibanda, Raipur (M.P).

(2) Shri Mulchand S|o Shri Bedamal Sindhi, R|o Badı Para-Raipur (M.P.).

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5230 -Whereas, I, VK. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. 6 (single storey) at Sheet No. 31 situated at Fafdih, Raipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raipur on Feburary, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Single storey House bearing No 6 at Sheet No. 31 situated at Fafadih, Raipur. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T.T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Dated: 9-10-1984

(1) Smt Kamla Devi Wo Shri Sewakram, Ro Tilibabda, Raipui, (M.P.)

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Moolchand Soo Shu Bedamal, Sindhi, Roo Badai Para, Raipur (M.P.)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5231.—Whereas, TV.k. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing House bearing No. 6 in sheet No. 31 (Single Storey) situated at Fafdth, Raipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on Feburary, 1984

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Singhle storey House bearing No 6 at sheet No. 31 situated at Fafdth, Raipur, This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Shopal.

Dated: 9-10-1984

beal:

 Shri Har Prasad Jain So Shri Budsen Jain, Ro Malviyagani, Ward, Katni (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Preetam Das Soo Shri Sanmukhdas Sindhi Ro, Vinoba Ward, Katni, Ten. Murwara Distt. Jabalpur (M.P.)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5232.—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

open Plot of land at NB 493 Kh. No. 552|2, 553|3 553|3 & 554 situated at Jawahar Ward, Katni, Dist. Jabalpur (M.P.) (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Katni on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Open plot of land at NB 493 Kh No. 552|2, 552|3, 553 and 554 situated at Jawahar Ward, Katni.

This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-10-1984

(1) Shri Har Prasad Jain So Shri Budsen Jain, Rlo Malviyagani, Ward, Katni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandiram Sio Shri Sanmukhdas Singhi, Ro Vinoba Ward, Katni Te. Murwara Distt, Jabalpur (M.P.). (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 9th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5233.—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Open plot of land at NB 493 Kh. No. 552|2, 552|3 553,554 & 555

situated at Jawahar Ward, Kanti Distt, Jabalpur (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Katni on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers were cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:

#### THE SCHEDULE

Open plot of land at NB 493 Kh. No. 552|2, 552|3, 553, 554 and 555 situated at Jawahar Ward, Kanti. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 9-10-1984

(1) Shri Prasad Jain So Shri Buden Jain, Rlo Malviyagani, Word, Katni, (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nankibai Wło Shri Sanmukdas Sindhi, Rlo Vinoba Ward, Katni, Teh. Murwara, Dist.,

#### GOVERNMENT OF INDIA

Jabalpur (M.P.) (Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 9th October 1984

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5234.—Whereas, I,

of 1908) in the office of the Registering officer

publication of this notice in the Official Gazette

V.K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

> Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

No. Open Plo 553, 554 & 555 Plot of land at NB 493, Kh. No. 552|2,552|3, situated at Jawahar Ward, Katni Distt. Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

at Katni on February, 1984

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-inx Act, 1957 (27 of 1957);

Open Plot of land on NB No. 493 Kh. No. 552 2,552 3, 553, 554 and 555 situated at Jawahar Ward, Kanti. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAI.

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5235.—Whereas, I, V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000|- and bearing No. No. Agri. land Kh. No. 704,705,710,711

situated at Village Khajrana, Teh and Distt. Indore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indoic on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Shivnarain, Soo Shri Hiralalji Patel, Rlo Village Khajarana, Teh & Distt, Indore (M.P.) (Transferor)
- (2) Smt. Laxmi Grah Nilman Sahkari Sansthan Maryadı indore Reg. No. DR.J.D.R. 104 1966. through President Shri Govind Babu Sio Shri Sittal Yadav Rlo 83, Kaloni Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agrl. land Kh. No. 704,705,710 and 711 at Village Khajrana, Teh. and Distt. Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V.K BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5236.—Whereas, I. V.K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 75,

situated at Shree Nagar, Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-10-1984

Seal:

 Indumal Jain So Shri Ratanlal Jain, Ro 54 Bima Nagar Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Shantarani Parvarik Trust, 198 Shree Nagar Colony (Khajarana), Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be asade in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 75, situated at Shree Nagar Colony, Inoder. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transefree.

V.K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5237 -- Whereas, I, V.K. BARANWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to beleve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. House bearing No. 59 (Old) 6 (New), situated at Race Course Road, Indore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer
t Indore on February, 1981
tor an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen-per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-82---336GI]84

(1) Shri Madanlal S|o Shri Sundelalji R|o 6-Race Course Road, (Infornt of Panchamki Fail) Indore (M.P.) (Transferor)

(2) Smt. Manju Gupta Wlo Shri Mahendra Kumar

Chaturbhuj Gupta, R o 18-Shankar Bagh, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 59(Old) 6 (New) situated at Race Course Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G, duly verified by the trans-

> V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF\_1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5238.—Whereas, I. V.K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing No. House No. 59(Old) 6 (New), Part No. 4

situated at Race Course Raod, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering officer at Indore on Feburary, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Shri Madanlal Slo Shn Sundelal Garg Rlo 6-Race Course Road, Indoro (M.P.) (Transferor)
- (2) Shri Lılakishan So Sh. Baluramji Talwar. Rlo 547 M G Road, Indore (M.P.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 59 (old) 6(New), of part-No.4, situated at Race Course Road, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37 G duly verified by the transferee.

> V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissoner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T.T. Nagar, Bhopal.

Dated: 9-10-1984

#### FORM UT N.S.-

(1) Shri Kishonlal So Shri Hiralal Chourasia, Rlo 429, M.G.Road, Indote (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Kailashcandra Slo Shri Rameshwarji Goyal, Rlo 16-Kunwar Mandli, Khajoori Bazar, Indore (M.P.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 9th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl| 5239.--Whereas, I,

V.K.BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. House contructed on plot No. 375 situated at Kalani Nagar Colony, Indore. (and more tully described in the schedule anunexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Indore on Feburary, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

cation of this notice in the Official Gazette.

- (a) taciltating the reduction or evasion of the Haellity of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this enotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

#### THE SCHEDULE

House constructed on Plot No 375, situated in Kalani Nagar, Colony, Indoie.

This is the immovable property which has been described in from No 37-G duly verified by the transferee.

V.K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building TT. Nagar, Bhopal,

Dated: 9-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Nahid Jehan Begam Wd|o Late Shri Jamal Mohammed Khan, R|o Taliya, Bhopal (M.P.)

(Transferor)

(2) Gokul Prasad Suryavanshi S|o Shri Harlal Suryavanshi, Ro Village Bithuiya Post Bhumka, Tehsil Amarwara, Distt. Chhindwara (M.P.),

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5240.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 53 Khasra No. 28, situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schodule, context bereht)

(and more fully described in the Schedule annexed hereby), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration and which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 53, Khasra No. 28, situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which had described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

#### 28683

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5241.—Whereas, I,

Ref. No. IAC | Acqn | Bpi | 5241.—whereas, 1, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 53 Khasra No. 28, situated at Idgah Hills, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliting the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:— (1) Smt. Nahid Jehan Begam Wdo fate Shri Jamal Mohammed Khan, Ro Taliya, Bhopal (M.P.)

(Transferor)

- (2) Shri K. R. Potai
- (2) Shri Jhuzar Singh Potai, R|o Village Bhatpal, Post Benur Tehsil Narainpur Distt. Baster (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 53, Khasra No. 28, situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which had described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date : 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5242.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Part of triple storeyed house situated at Gandhi Bazar, Sagari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sagar on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Smt. Laxmibai Wd|o Late Shri Bhaiyalal Sahu, R|o Gandhi Chowk, Sagar (M.P.).

(Transferee)

(1) Smt. A. Laxmibai Slo Shri Kunjilal Soni, Rlo Bada Bazar (Near B. S. Jain Dharamshala), Sagar (M.P.). (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: ---

- (a) by any of the aferenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of triple storeyed house situated at Gandhi Chowk, Sagar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5243.-Whereas, I, V. K. BARANWAL,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. I and measuring Q. 886 Hetkh No. 526|1 NS No. 223 situated at Mouze-Zazari, Katni Jabalpur Road, Tehsil Murwara, Distt. Jabalpur (and more fully described in the Schedule supered hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jabalpur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Tara Bai Wdo Late Shri Bindeshwari Parsad, Ro Sawarkar Ward, Murwara, Katni, Jabalpur (M.P.)

(Transferor)

(2) M|s. Commercial Auto Mobiles, Through Shri Kailash Gupta, Rlo Near Shastri Bridge, Napier Town, Jabalpur (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatie

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring O. 986 Hec on Kh. No. 526 1, situated at Mouza Zazari on Katni Jabalpur Road, Katni, Tehsil Murwara, Distt. Jabalpur (M.P.). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. J. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5244.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot measuring 15,000 sq. ft. on Kh. No. 62, 67 & 69 situated at Mouza Maharajpur, Teh. and Distt. Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

Index the Registering officer at Jabalpur on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income urising from the transfer; and for
- (b) l'acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

(1) Shri Sunderdas Sharda Prasad Tiwari, Ro Jagdish Mandir, Jabalpur (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Avinash S|o Shri Ishwardas, Ro 1177, Premnagar Madan Mahal, Jabalpur (M.P.)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 15,000 sq. ft. situated on Kh. No. 62, 67 and 69 at Mouzar Moharajpur, Tehsil and Distt. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

THE CO. LEWIS CO., LANSING, MICH.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACΓ, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5245.—Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land bearing 10,000 sq. ft. Kh. No. 67, 68 situated at Mouza Maharajpur, Teh. and Distt. Jabalpur

(M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

Jabalpur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269L of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
83—336GI|84

(1) Shri Saharda Prasad Sio Chandmal Tiwari Rio Jabalpur (M.P.)

(Transferor)

(2) Shri Avinash
 S|o Shri Ishwardas,
 R|o 1177, Premnagar, Madan Mahal,
 Jabalpur (M.P.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 10,000 sq. ft. Kh. No. 67 and 68 situated at Mouza Maharajpur, Teh. and Distt. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

#### FORM ITN9-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GQVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl5246.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to use the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

Plot measuring 15,000 sq. ft. Kh. No. 62, 69 &68 situated at Mouza Maharajpur, Teh. and Distt. Jabalpur (M.P.)

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at Jabalpur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sharda Prasad Slo Chandmal Tiwari Rlo Jabalpur (M.P.) 660, Bharti Ward, Jabalpur (M.P.)

(Transferor)

(2) M|s. Himalaya Mineral and Builders, Through Shri Avinash S|o Shri Ishwardas, R|o 1177, Madan Mahal, Jabalpur (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot measuring 15,000 sq. ft. situated at Kh. No. 62, 69 and 68 situated at Mouza Maharajpur Teh, and Distt. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

Scal:

\*Strike off where not applicable

#### 28689

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Lalit Mohan Madan Slo Shri Roshanlal Madan, Rlo Arjun Bhawan Shahjanabad, Bhopal (M.P.)

(Transferce)

(2) Shri Ghasi Ram S|o Shri Raghunath Prasad, R|o Bundel Badi, Teh. and Distt. Dhar (M.P.)

(Transferoe)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5247.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No.
Plot No. 35, Zone No. I situated at
Major Shopping Centre, Habib Ganj, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Registering Officer at Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 35, Zone No. I situated at Major Shopping Centre, Habib Ganj, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5248.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

to the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot No. 35, Zone No I situated at

Plot No. 35, Zone No I situated at Major Shopping Centre, Habib Ganj, Bhopal (and more fully described in the schedule annexed hereic) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Anthority at Bhopal on February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
   and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby filitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ajaylal Madan, Sjo Shri Roshanlal Madan, R|o 'Arjun Bhawan' hahjanabad, Bhopal (M.P.)

(Transferor)

(2) Shrdi Kailash Narain Agarwal, S|o Shri Babulal Agarwal, R|o 37 Das Mandali Dhar Distt. Dhar (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 35, Zone No. I situated at Major Shopping Centre. Habib Ganj, Bhopal. This is the immovable property which has been described in for mNo. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI... Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. Nagar, Bhopai

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5249,—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

Plot (Khander) situated at Karbala Road, Ahmedabad,

Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officers at Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the law market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, we have Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Khajista Begum Wo Hazi Jaliluddin Ahmed Rlo Karbala Road, Bhopal Through Smt. Qamar Sultan, Wo Shri Rafiquddin Ahmed Rlo Asav Manzil, Ahmedabad, Bhopal.

(Transferor)

(2) Dr. Mehboob Ahmed Siddiqui Slo Dr. Habib Ahmed Siddiqui Ramnagar Colony, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Plot Khander) situated at Karbala Road, Ahmedabad, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984

Sept :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5250.-Whereas, I,

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5250.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority, under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Plot No. 107|2 Area 5877 Sq. ft. Open plot bearing sheet No. 62, situated at Jagdalpur, Distt. Bastar (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagdalpur on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than freen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shridar Singh Chouhan S|o Late S.uri Shivdas Singh R|o Sagar Old Hospital, Distt. Sagar (M.P.) through Povver of Attorney
Shri Gayane ndra Singh Chouhan
Ro Main Road, Sadar Bazar Ward,
Jagdalpur Die ttt. Bastar (M.P. )

(Transferor)

(2) Shri Rajkumar Jain Slo Shri Sanat Kumar Jain, Rlo Indira Weurd, Jagdalpur Distt... Bastar (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid g ersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons without a realizable to the contract of the co whichever period expires ( later;
- (b) by any other person in present in the said immovable property within 45, days from the date of the Publication of this notine in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Open plot bearing Sheet No. 62, plot No. 17 area 5877 sq. ft. situated at Jagdalpur Distt, Hastar (M.P.). This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqu|Bpl|5251.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

Plot No. 1, Kh. No. 97 situated at Idgah Hills, Bhopal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Plot No. 1, Kh. No. 97 Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen persent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pev tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. I. A. Baig So Late Shri M. F. A. Baig, Ro Iqbal Maidan, Moti Masjid, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Rana Sultan Wo Shri Sultan Qureshi, Ro 37, Idgah Hills, Bhopal,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with in a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1, Kh. No. 97, situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee,

> V. K. BARANWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984

#### FÓRM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. JAC|Acqn|Bpl|5252.-Whereas, I, V. K. BARANWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Plot bearing Kh No. 7/3 area 12,644 Sq ft. situated at Mouza Tolapara, Bilaspur (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bilaspur in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

- ((1) Snit, Shantidevi Anand Wo Shri G. Punjabi, Ro Dabripara-Bilaspur (M.P.). C. Anand . (Transferor)
- (2) Shri Mahendrapal Anad Slo Shri G. C. Anand. Ro Dabripara-Bilaspur (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given EXPLANATION :in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot bearing Kh No. 7|3 situated at Mouza Tolapara. Bilaspur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 15-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5253.—Whereas, I,

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No. Land bearing Kh. No. 182|2, 182|9, 190 and 191, measuring 4.09 acres situated at Mouza Kohka, Teh. and District Durg (M.P.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Durg in Februry, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mail/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sucsections (1) of Sevetion 269D of the said Act of the following persons, namely :-84—336GI|84

(1) 1. Sardar Karnailsingh Slo Rud Singh,

Sardar Harbans Singh Slo Mengha Singh, Both Rlo Village Kohka, Tehsil and District Durg (M.P.).

(2) Smt. Surjit Kaur Wo Sardar Karnail Singh. Rlo Village Kohka, Tehsil and Distt, Dung (M.P.).

(Transefree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. No. 182|2, 183|9, 190 and 191, measuring 4.09 acre situated at Mouza Kohka, Tehsil and Distt. Durg. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G tuly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqusition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

المراجعة ا

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No IAC | Acqn | Bpl | 5254. -- Whereas, I, V. K. BARANWAL,

eing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000] and bearing No.

Land Halka No. 55 69 B. N. No. 96, situated at Mouza

Kohka, Tehsil and District Durg (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the other or the Registering Officer at Durg in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax t.ct. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shii Ganpat S|o Shri Kama Naik, R|o Pandariba, I ordganj, Ward, Jabalpur (M.P.). (Transferor)
- (2) Smt Jogendra Kaur Wlo Sardar Habans Singh. Rlo Village Kohka, Tch. and Distt. Durg (MP.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Greette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Halka No. 55/69 B. N. No. 96, situated at Mouza Kohka Teh, and Distt. Durg (M.P.). This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G duly venified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP

Bhopal, the 15th October 1984

Ref No IAC Acqn|Bpl|5255 -Whereas, 1 V K BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No Part of House No 637, Block No 5 Plan No 80 situated at Lord Ganj, Ward Inhalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Jabalpur in February 1984

for an apparent consideration which is less than the ian market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 2690 of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

- (1) Shil Rajatam Slo Shri Ganpatlal Jain, Rlo Pandariba Tordgani, Ward Jabalpui (MP). (Transferor)
- (2) Shri Gauesh Prasad Slo Shri Ramkishan Soni, Rlo Pandariba Lordgani Waid, Jabalpur (MP) (Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No 637 Block No 5 Plan No 80 situated at Loid gant, Ward Jabahpur This is the immovable property which has been described in 101m No 37-G duly verified by the mansferee

> V K BARANW \L Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T T Nagar Bhopal

Date 15-10-1984.

#### FORM LT.N.S .-

(1) I. Ganpat Lal So Nanhulal Garg.

 Arun Kumar Sio Shri Rajaram Jain, Both Rio Pandarba, Lord Gani, Jabalpur (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Kiranrani Woo Shti Ravishankar Sohane, Ro Uperaingani, Jabalpur (M.P.).

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5256.—Whereas, 1, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under S

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

House No. 637, 630, Block No. 5, situated at Lordgani,

Jabalpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); House bearing No. 637, 630, Block No. 5 situated at Lordgani, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Accessition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-10-1984.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC Acqn Bpl 5257.—Whereas. I.

V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-& bearing No.

House bearing Nos. 637, 37 A to 637G, Block No. 5 Plan No. 80 (Part) situated at Lordgani, Jabahpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

at Jabalpur in February, 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen yer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 10\03E
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Mahendra Kumar Soo Sri Rajaram Jain, Rlo Pandariba, Lordgani, Jabalpur (M.P.) (Transferor)
- (2) Smt. Sarojrani woo Shri Chakodilal Sohani. Rlo Uprengani, Jabalpur (M.P.).

(Tranefere: )

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- e Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 637, 637 a to 637 G. Block No. 5 Plan No. 80 (Part) situated at Lordgani. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 15-10-1984.

- (1) Shri Sunil Kumar So Shri Rajaram Jain. Ro Pandariba, Lordgani, Jabalpui (M.P.). (Transferor)
- (2) Shri Sanjya Kumar Slo Shri Chakodilal Sohane. Rlo Pandariba, Loardganj, Jabalpur (M.P.). (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5258.—Whereus, J. V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Part of House No. 637, 637 A to 637 G, Block No. 5 Plan No. 80 situated at Loarganj, Jobalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Jabalpur in February. 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- rb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house bearing Nos. 637, 637|A to 637|G Block No. 5, Plan No. 80, situated at Loardganj, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferce.

V. K. BARANWAL ompetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhopal

Date: 15-10-1984,

#### FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) 1. Smt. Keshar Bai Wo Shri Rajaram Jain, 2. Shii Piuranchand So Shri Rajaram Jain, Both Rlo Pandariba Lordgani, Jabalpur (M.P.). (Transferor)

(2) Smt Kiramani Wlo Shri Ravishankar, Sohane, Rlo Uperaingani, Jabalpur (M.P.).

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING

ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BHOPAI, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bpl|5259.-Whereas, I,

No. 1AC|Acquish|3239.—whereas, 1,

V. K. BARANWAL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000|- and bearing No.

Part of House bearing Nov. 637 637 A to 627 G Block No. 5.

Plan No. 80 situated at Lordgani, Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreemnt is registered under See 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Jabalpui in February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

\*b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth tax act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followice remons namely :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Part of house bearing Nos. 637, 637]A to 637]G, Block No 5, Plan No. 80, situated at Lordgani, Jabalbur. This is the immovable property which has been described in from No 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, Bhonal

Date: 15-10-1984.

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNON RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5260.--Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House beoring No. 7.1 to 7.3, situated at Ganjipura, Madhatal Ward, Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the agreement is registered under Sec. 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority, Jabalpur on February 1984

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Udya Chand So Late Shri Dulichand Jain, Ro Ganjpura, Jabalpur through attorney Shri Ramesh Rlo Ganjipura, Jabalpur (M.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Sakhi Dudhrani Wo Shri Rooplal Budhrani, Rlo 7|1, Ganjipura, Jabalpur, (M.P.).

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given at that Chapter

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 7|1 to 7|3 situated at Ganjipura, Jabalpur. This immovable property which has been described Jabalpur. This immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 15-10-1984

Seal ·

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITNON RANGE

#### BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. 1AC|Acqn.|Bpl|5261.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No. Land Kh. No. 235|3, 235|2, area 13075 sq. ft. and Kh. No.

236|3, 236|3, 18761 sq. ft. situated at Karbala para, Raipur

(M.P.),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Raipur on February 1984,

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M|s. Globe Motors (Ltd.) I(n liquidation) Official Liquiditor, 16, Ring Road, I. P. Estate, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Central Automobiles, M. P. Road, Raipur (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this ntice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 235|3, 235|2 (13075-sq. ft.) and Kh. No. 236|3|236|2 (17861-sq. ft.), situated at Karbala para, Raipur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 15-10-1984

CORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

## ACQUISITNON RANGE BHOP.\L, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC | Acqn|Bpl|5261.—Whereas, I, V, K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baying a fair market value exceeding Rs, 25,000|- and bearing

Rs. 25,000|- and bearing and No. 1333. Area 0.05 acres situated at Village Anantpur Teh. Huzu Distl. Rewa,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Rewa on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pusuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Rachashray Prasad Slo Shri Vishwanath Prasod Mighta,
 Rlo Village Anantpur, Tehsil Huzur, Distt. Rewa (MP.).

(Transferor)

(2) Anantpur Grah Nirman Schkari Samittee Maryadit, Anantpur, Distt. Rewa (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice or the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land No. 1333 Area 0.06 acres situated at village Anantpur Tebsil Huzur, Distr Rewa. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
In proting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
4th Floor, Cappotri Building
T. T. Nagar, BHOPAI

15-10 1984 : المرادة

beal:

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Sarla D.vi Pandya Wlo Shri Ramkishan Pandya Rlo Village Anantpur, Tehsil Huzur, Distt. Rewa (M.P.).

(Transferor)

(2) Anantpur Grah Nirman Schkari Samitte Maryadit, Anantpur, Distt. Rewa (M.P.).

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITNON RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn|Bp1|5263.—Whereas, I, V. K. BARANWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land No. 1394 and 1395 area 0.80 acres situated at village Anantpur, Teh. Huzur, Distt. Rewa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at

Rewa on February 1984, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of ?57);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLAIMATION .~ The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land No. 1394, 1395 area 0.08 acres, situated at Village Anantpur, Tehsil Huzur, Distt. Rewa. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date : 15-10-1984

#### FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITNON RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5264.—Whereas, J, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and hearing No.

and bearing No. Land Kh. No. 28, and 54 area 3.00 acres situated at Village Barkherikala, Tehsil Huzur, Distt. Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Bhopal on February 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in recpect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajaram S|o Shri Ratiram, R|o Village Barkheri Kala, Tehsil Huzur, Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Abhinave Grih Nirman Sahkari Samiti Maryadit, Bhopal through President Shri Ramjilal Gambhir Slo Shri Bankhadi Singh, Rlo 7/20, North T. T. Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land bearing Kh. Nos. 23 and 54, situated at Barkheri kala Tehsil Huzur, Distt. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax—
Acquisition Range
4th Floor, Gangotri Building
T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 15-10-1984

Seal

#### FORM I.T.N.S .---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

#### ACQUISITNON RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th October 1984 Ref. No. 1AC|Acqn.|Bpl.5266.—Whereus, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000]-and bearing

Plot No. 30-A area 2975.76 sq. ft. situated at Indrapuri, Bhopal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid nexceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Gangaram Sharma S|o Shri Jagannath Sharma, R|o E-4|62 Area Colony, Bhopal (M.P.).
- (2) Shri Sunil Kumar Nema So Shri R. B. Nema, Co Mis. Nema Stores, Ibrahimpura, Bhopal (M.P.). (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot bearing No. 30-A situated at Indrapuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAI
Competent Author'y
Inspecting Asstt. Commissioner of Income.ax
Acquisition penge
4th Floor, Gangotri Belding
T. T. Nagar, BiOPAL

Date: 17-10-1984

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNON RANGE BHOPAL, M.P.

Bhonal, the 17th October 1984

THE NEW LACENCE OF MONTES !.

#### V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.0001- and bearing

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

at Village Khajuri Tehsil Huzur, Distt. Bhopal,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, there're, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby utilate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper by the same of this notice under subsection (1) of Sec. 20 269D of the said Act, to the following persons, damela,

- (1) Shri Prasad Kashyap So Shri Pandit Shiv Narain Rlo Patel Nagar Colony, Bhopal (M.P.).
- (Transferor) (2) Smt. Asharani Jain Wo Shri S. C. Jain, Rlo Anand Nagar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. Nos. 142|1, 143, 144, 145, 146, 149 and 148 situated at Village Khajuri, Tehsil Huzur, Distt. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building
> T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 17-10-1984

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Dinesh Kumar Sharma Soo Shri Babulalji Ro Patel Nagar Colony, Bhopal (M.P.). ( Frankferor)

## (2) Smt. Usha Kumari Wo Shri Bhamel Singh Ji, Rio Anand Nagar, Raisen Road, Bhopal (M.P.). (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITNON RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5268.—Whereas, I, V. K. BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|and bearing

No Land Kh. No. 42[212 area 3.00 acres situated at Village Khajuri, Tehsil Huzur, Distt. Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- bise (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land Kh. No. 42|212 area 3.00 acres situated at Village Khajuri Tehsil Huzur, Distt. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range
> 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAL

Date: 17-10-1984

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITNON RANGE BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 17th October 1984

Ref. No. IAC|Acqn.|Bpl|5269.—Whereas, I, V, K, BARANWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Awo, have reason to believe that the immovable property, aving a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing

No. Land Kh. No. 135/2, 142/2/1 area 10 500 acres situated at Village Khajuri, Tehsil, Huzur, Distt. Bhopal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal on February, 1984

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more the afficency per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vishnu Prasad Kashyap Slo. Shri Shiv Narain Vaishya,
 Rlo Patel Nagar Colony,
 Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari Jain Wo Shri S. P. Jain, Ro Anand Nagar Colony, Raisen Road, Bhopal, (M.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective verous, whichever period expires later;
- (b) he any other person interested in the paid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nature in the Michael Gancies.

EXPLANABLE come and expressions used herein as are defined fir Chapter XXA of the said Art, shall I we the same assembling as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land Kh. No. 135/2, 142/2/1 situated at Village Khjuri Tehsil, Huzur, Distt. Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

V. K. BARANWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 4th Floor, Gangotri Building T. T. Nagar, BHOPAl

Date: 17-10-1984